सत्यमेव जयते

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

सत्यमेव जयते

सत्यमेव जयते

वार्षिक रिपोर्ट

2015-16

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय सूची

विषय सूची

संगठन i

युवा कार्यक्रम विभाग

01 प्रस्तावना 2

02 राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) 3

03 नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) 6

04 राष्ट्रीय युवा कोरपस (एनवाईसी) 22

05 राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 23

06 राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) 31

07 राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) 39

08 अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी) 44

09 राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) 48

10 युवा छात्रावास 53

11 स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता 54

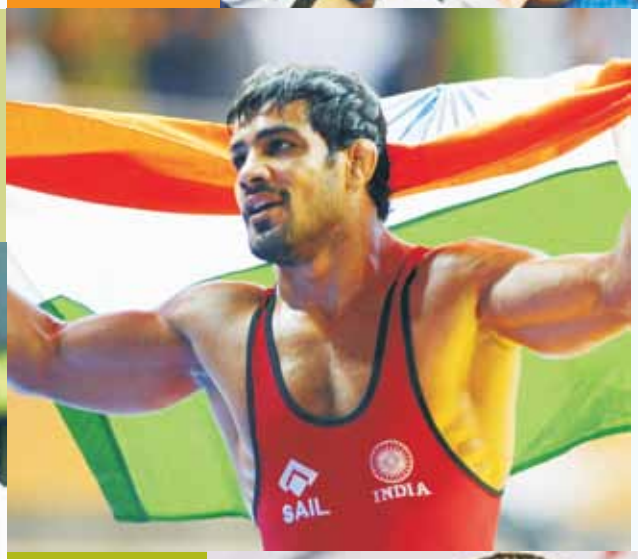

विषय सूची

विषय सूची

खेल विभाग

12 खेल 57

13 2015 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों और टीमों की प्रमुख खेल उपलब्धियां 58

14 भारतीय खेल प्राधिकरण 60

15 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (सम विश्वविद्यालय) 100

16 राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए) 105

17 शहरी खेल अवसंरचना स्कीम (यूएसआईएस) 110

18 राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) 112

19 खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से संबंधित स्कीम 116

20 खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित स्कीमें 118

21 प्रतिस्पर्धात्मक खेलों से संबंधित स्कीमें 125

22 राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) 126

23 राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला 133

24 भारतीय राष्ट्रीय खेल–मैदान संघ 144

25 खेल और शारीरिक शिक्षा टीमों/विशेषज्ञों का अंतरराष्ट्रीय आदान–प्रदान 146

26 2015–16 के दौरान खेल विभाग की उपलब्धियां और पहल– एक नजर में 148

विषय सूची

विषय सूची

अनुबंध

I	संगठनात्मक चार्ट	169
II	वित्तीय परिणाम	171
III	भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण	174
IV	विभाग के सीधे नियंत्रण में युवा छात्रावासों की सूची	175
V	एनवाईकेएस/एसएआई/राज्य सरकारों को स्थानांतरित युवा छात्रावासों की सूची	176
VI	विदेशी कोचों की स्थिति	177
VII	सहायक कर्मचारियों की स्थिति	180
VIII	राष्ट्रीय खेल परिसंघों को जारी केन्द्रीय निधियां	181
IX	राष्ट्रीय खेल विकास निधि को अंशदान	186
X	खिलाड़ियों और संगठनों को राष्ट्रीय खेल विकास निधि से प्रदत्त वित्तीय सहायता का विवरण	189

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने वर्ष के दौरान युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के समग्र दिशा–निर्देशों के तहत कार्य किया है। अप्रैल, 2008 में मंत्रालय के तहत दो पृथक विभाग नामतः युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग सृजित किए गए थे, इनमें से प्रत्येक विभाग भारत सरकार के एक सचिव के प्रभार के अंतर्गत कार्य करता है।

31.03.2015 के अनुसार मंत्रालय में तीन संयुक्त सचिव है। एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का कार्य देखता है और दो संयुक्त सचिव खेल विभाग का कार्य देखते हैं। लेखा एवं लेखापरीक्षा से संबंधित मामले अपर सचिव एवं वित्तीय सलाहकार के प्रभार के अंतर्गत हैं जो अन्य मंत्रालयों में अपने कर्तव्यों के अलावा इस मंत्रालय का कार्य देखते हैं।

31.12.2015 की स्थिति के अनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की संस्वीकृत संख्या 224 थी जिसमें 31 समूह 'क' पद, 97 समूह 'ख' पद (33 राजपत्रित और 64 अराजपत्रित), 96 समूह 'ग' पद हैं। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट **अनुबंध–1** में दिया गया है।

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्यों का आबंटन) नियमावली, 1961 की द्वितीय अनुसूची में उल्लिखित दोनों विभागों अर्थात युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित कार्य आते हैं :–

क. युवा कार्यक्रम विभाग

1. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
3. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
4. राष्ट्रीय सेवा योजना
5. स्वयंसेवी युवा संगठन, उनको वित्तीय सहायता सहित (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठनों को वित्तीय सहायता)
6. राष्ट्रीय युवा कोरपस
7. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम तथा संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
8. युवा कल्याण कार्यकलाप, युवा महोत्सव, कार्य शिविर इत्यादि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
9. बाल स्काउट्स तथा बालिका गाइड
10. युवा छात्रावास
11. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंन नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार)
12. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन योजना के शेष कार्य
13. विदेशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान

ख. खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल एवं क्रीड़ाएं
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण निधि
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ तथा राष्ट्रीय खेल परिसंघों से जुड़े मामले
7. विदेशों में टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कार सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियां
10. विदेशों के साथ खिलाड़ियो, विशेषज्ञों तथा टीमों का आदान–प्रदान
11. खेल अवसंरचना के सृजन व विकास के लिए सहायता सहित खेल अवसंरचना
12. कोचिंग, टूर्नामेंटों, उपकरण इत्यादि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ राज्य क्षेत्रों से जुड़े खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय/स्वायत्तशासी संगठन

युवा कार्यक्रम विभाग

इस विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय अर्थात राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और दो स्वायत्तशासी संगठन अर्थात नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस), नई दिल्ली और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु है, (जिसे 2012 में संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में घोषित किया गया है)।

खेल विभाग

निम्नलिखित स्वायत्तशासी संगठन, खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत कार्य करते हैं :–

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई),

(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय (एलएनयूपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश

(iii) राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा)।

(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)।

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग का प्रतिनिधित्व

मंत्रालय में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति तथा अन्य पिछड़ा वर्ग से संबंधित 49 कार्मिक हैं। समूह ''क'' के पदों में 1 अधिकारी अनुसूचित जाति तथा 2 अधिकारी अनुसूचित जनजाति से हैं। समूह ''ख'' के पदों में 07 अधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से, 04 अधिकारी अनुसूचित जनजाति श्रेणी से और 08 पदाधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग श्रेणी से हैं। समूह ''ग'' के पदों में 10 पदाधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी से और 4 पदाधिकारी अनुसूचित जाति श्रेणी और 13 पदाधिकारी अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं।

बजट आबंटन

2015–16 के लिए मंत्रालय का कुल बजट आबंटन 1,541.13 करोड़ रूपए (बजट प्राक्कलन) था। इसमें योजनागत शीर्ष में 1,389.48 करोड़ रूपए तथा योजनेत्तर शीर्ष में 151.65 करोड़ रूपए शामिल हैं। 2015–16 के लिए संशोधित प्राक्कलन 1,371.00 करोड़ रूपए है जिसमें योजनागत शीर्ष में 1,205 करोड़ रूपए तथा योजनेत्तर शीर्ष में 166 करोड़ रूपए शामिल हैं। वर्ष 2016–17 के लिए कुल बजट अनुमान 1,592 करोड़ रूपए (बजट प्राक्कलन) है जिसमें योजनागत के लिए 1,400 करोड़ रूपए तथा योजनेतर के लिए 192 करोड़ रूपए शामिल हैं। ब्यौरा **अनुबंध**–II में दिया गया है।

हिन्दी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग में दैनिक अधिकारिक कार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रगामी प्रयोग में वृद्धि करने के लिए और संघ में राजभाषा नीति तथा उसके तहत बनाए गए नियमों का कार्यान्वयन करने के लिए उप–निदेशक (रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद के दो पद, कनिष्ठ अनुवादक के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों की संस्वीकृत संख्या के साथ एक हिन्दी अनुभाग है। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में एक राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन किया गया है।

वर्ष के दौरान 14–28 सितम्बर, 2015 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस अवधि के दौरान 8 हिन्दी प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया और 47 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की ओर से कर्मचारियों में हिन्दी में अधिकतम अधिकारिक कार्य करने हेतु एक हिन्दी संदेश परिचालित किया गया।

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की हिंदी सलाहकार समिति की 24.09.2015 को बैठक आयोजित की गयी।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वर्ष संसदीय राजभाषा समिति की प्रथम उप–समिति मंत्रालय तथा इसके अधीनस्थ एवं संबद्ध कार्यालयों का निरीक्षण करती है।

मंत्रालय की अपनी स्वयं की वेबसाइट है जिसे हिन्दी तथा अंग्रेजी के द्विभाषी रूप में बनाया गया है और इसे नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

सतर्कता प्रकोष्ठ

मंत्रालय में अवधि (जनवरी, 2015 से दिसंबर, 2015) के दौरान निदेशक (प्रशासन)/सीवीओ तथा सचिव (युवा कार्यक्रम), के अधीन एक सतर्कता तंत्र ने कार्य किया। मंत्रालय के प्रत्येक स्वायत्तशासी संगठन तथा अधीनस्थ कार्यालय का अपना एक स्वतंत्र एकक है जो सतर्कता संबंधी मामलों को देखता है।

मंत्रालय का मुख्य सतर्कता अधिकारी मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ तथा स्वायतशासी संगठनों के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता के मामले सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिश के साथ सीवीसी को भेजे जाते हैं। सीवीओ इन सभी मामलों में संबद्ध संगठन के परामर्श से आवश्यक स्पष्टीकरण प्रदान करता है। मंत्रालय के तहत संबद्ध संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा हेतु सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ द्वारा भाग लिया जाता है तथा मामलों को शीघ्रता से निपटाया जाता है। इस अवधि के दौरान राष्ट्रमंडल खेल, 2010 से संबंधित एक मामला बंद किया गया है। राष्ट्रमंडल खेलों से संबंधित कुछ मामलों में सीवीसी को अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी है। इस अवधि के दौरान, सतर्कता प्रकोष्ठ को केंद्रीय सतर्कता आयोग तथा अन्यों से 6 ऑनलाईन और 16 अन्य शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन सभी मामलों में भी समुचित कार्रवाई की गई है।

आयोग पारदर्शिता पर जोर देने, सार्वजनिक प्रापण में जबावदेही हेतु जागरूकता फैलाने के प्रति वचनबद्ध है। केंद्रीय सतर्कता आयोग सार्वजनिक संगठनों से भी सतर्कता के प्रयासों में सकारात्मक योगदान प्रदान करने की आशा करता है। इसको ध्यान में रखते हुए मंत्रालय में 26 अक्तूबर, 2015 से 31 अक्तूबर, 2015 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया था। इस मंत्रालय के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा एक शपथ ली गई। इस सप्ताह के दौरान सतर्कता जागरूकता के संबंध में बैनर और पोस्टर प्रदर्शित किए गए। शीर्षक अर्थात् (प) सुशासन के उपाय के रूप में रोकथाम सतर्कता, और (पप) भ्रष्टाचार के कारण और प्रभाव पर क्रमशः राजपत्रित अधिकारियों और अराजपत्रित कर्मचारियों के लिए प्रस्ताव लेखन प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अंत में प्रतिस्पर्धा के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न संबंधी शिकायत समिति

विशाखा एवं अन्य बनाम राजस्थान राज्य तथा अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों के निवारण के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक शिकायत समिति गठित की गई है। समिति को वर्ष 2015–16 के दौरान कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और जन शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अंतर्गत सभी आवेदनों को इस मंत्रालय के सूचना अधिकार प्रकोष्ठ में केन्द्रीय रूप से प्राप्त किया जाता है जिसके प्रभारी एक अनुभाग अधिकारी हैं और इसका समन्वय अवर सचिव द्वारा किया जाता है। आवेदन, निर्धारित समय के भीतर याचिकाकर्ता को उचित उत्तर भेजने के लिए संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्त वर्ष के दौरान मंत्रालय द्वारा 308 आरटीआई आवेदन प्राप्त और निपटाए गए। इसी प्रकार मंत्रालय में 30 अपीलें प्राप्त हुई और तदनुसार निपटाई गई। सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में विहित प्रावधानों के अनुसरण में मंत्रालय ने उक्त अधिनियम के अंतर्गत निदेशक/उप सचिव और सचिव के स्तर पर जन सूचना अधिकारियों निदेशक/संयुक्त सचिव के स्तर पर और अपीलीय प्राधिकारियों को नियुक्त किया है। ब्यौरों को मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी डाला गया है। इसी प्रकार, सभी जन शिकायतें केन्द्रीय रूप से जन शिकायत प्रकोष्ठ में प्राप्त की जाती हैं। उप सचिव के स्तर पर एक अधिकारी को मंत्रालय में जन शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है।

उपयोगिता प्रमाण–पत्र

बकाया उपयोगिता प्रमाण–पत्रों के संबंध में, वेतन एवं लेखा अधिकारी (खेल) द्वारा प्रदान की गई सूचना के अनुसार 32,624.35 लाख रुपए के कुल अनुदान को शामिल करते हुए 1,019 के उपयोगिता प्रमाण–पत्र बाकी है। प्रभाग–वार विवरण निम्नानुसार है:–

क्र.सं.	प्रभाग	बकाया उपयोगिता प्रमाण–पत्रों की कुल संख्या (02/02/2016 के अनुसार)	जारी कुल अनुदान (लाख में)
1.	अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रभाग	65	25979.86
2.	युवा कार्यक्रम	747	2827.52
3.	खेल	207	3816.97
कुल		1019	1019

लंबित लेखा परीक्षा

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के बकाया लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण **अनुबंध**–III में दिया गया है।

सीएंडएजी के लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियां

मार्च, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए सीएंडएजी की हाल की लेखापरीक्षा रिपोर्ट में दर्शाई गई महत्वपूर्ण लेखापरीक्षा टिप्पणियों का सार नीचे दिया गया है:

1. 2013 का 2 केन्द्रीय सरकार (सिविल)

सिविल अनुपालन लेखापरीक्षा टिप्पणी

2013 की रिपोर्ट संख्या 19

केन्द्रीय सरकार (सिविल)

अनुपालन लेखापरीक्षा टिप्पणी

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

अनुदान की अप्रभावी मॉनिटरिंग

मंत्रालय राष्ट्रमंडल खेल–2010 से संबंधित अनुदान प्रभावी रूप से जारी करने में विफल रहा। इसके परिणामस्वरूप भाखेप्रा के पास 17 से 26 माह तक की अवधि के लिए 191.22 करोड़ रूपए की निधियां निष्क्रिय पड़ी रहीं। यह अनुदान के उपयोग का शासन करने वाली स्वीकृति के प्रावधानों का उल्लंघन है। इसके अतिरिक्त, मंत्रालय भाखेप्रा को तदंतर अनुदान जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रूपए के अव्ययित शेष पर अर्जित ब्याज को लेखों में लेने में विफल रहा।

युवा कार्यक्रम विभाग

प्रस्तावना

युवा जनसंख्या के अत्यधिक उत्साही और गतिशील क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारत विश्व के सबसे युवा राष्ट्रों में एक है जिसकी कुल जनसंख्या का लगभग 65 प्रतिशत 35 वर्ष की आयु से नीचे है। 15–29 वर्ष के आयु समूह में युवा कुल जनसंख्या का 27.5 प्रतिशत है। भारत के 2025 तक संयुक्त राष्ट्र, चीन और जापान के बाद चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावना है जो कि विश्व जीडीपी में लगभग 5.5:–6: का योगदान है। जबकि अधिकांश विकसित देश प्रौढ़ होते हुए कार्यबल के जोखिम का सामना कर रहे हैं, भारत में एक अत्यधिक पक्षकारी भूगोलीय लाभ की संभावना है। यह अनुमान है कि वर्ष 2020 तक संयुक्त राष्ट्र के लिए 38 वर्ष, चीन के लिए 42 वर्ष तथा जापान के लिए 48 वर्ष की तुलना में भारत की जनसंख्या की मध्यम आयु केवल 28 वर्ष होगी। यह "भूगोलीय लाभ" एक महान अवसर प्रदान करता है।

इस भूगोलीय लाभ को लेने के लिए यह अनिवार्य है कि अर्थव्यवस्था में श्रम बल में वृद्धि का समर्थन करने की योग्यता हो और युवाओं के पास अर्थव्यवस्था में उत्पादकत रूप से योगदान देने के लिए समुचित शिक्षा, कौशल, स्वस्थ जागरूकता और अन्य कारक हो।

भारत सरकार विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के माध्यम से युवाओं के लिए कार्यक्रमों पर महत्वपूर्ण निवेश करती है। इसके अतिरिक्त, राज्य सरकारें और कई अन्य प्रतिभागी भी युवा विकास में सहायता देने और उत्पादक युवा भागीदारी सुकर बनाने में कार्यरत हैं।

अध्याय–2

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014

राष्ट्रीय युवा नीति, 2015 (एनवाईपी–2014) भारत के युवाओं के समग्र विकास के लिए पूरे राष्ट्र की वचनबद्ध ता को दोहराती है ताकि वे अपनी क्षमता का पूरा लाभ उठा सके और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उत्पादक रूप से योगदान दे सकें।

राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 (एनवाईपी–2014) पूर्ववर्ती राष्ट्रीय युवा नीति, 2003 को प्रतिस्थापित करते हुए फरवरी, 2014 में आरंभ की गई थी। राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 को सभी पणधारियों के साथ गहन परामर्शों के पश्चात् अंतिम रूप दिया गया है। यह नीति "युवा" को 15–29 वर्ष के आयु समूह में व्यक्तियों के रूप में परिभाषित करती है।

दृष्टिकोण, उद्देश्य और वरीयता के क्षेत्र

एनवाईपी–2014 भारत के युवाओं के लिए एक समग्र "दृष्टिकोण" का प्रस्ताव करती है जो *"देश के युवाओं को अपनी पूर्ण क्षमता प्राप्त करने हेतु सशक्त बनाना तथा उनके माध्यम से भारत को राष्ट्रों के समुदाय में अपना सही स्थान पाने के लिए समर्थ बनाना है।"*

इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए एनवाईपी–2014 स्पष्ट रूप से परिभाषित 5 'उद्देश्यों', प्रत्येक उद्देश्य के अंतर्गत 'वरीयता क्षेत्र' की पहचान करता है। एनवाईपी–2014 के अंतर्गत अभिज्ञात उद्देश्य और वरीयता क्षेत्र निम्नानुसार है:

उद्देश्य	वरीयता क्षेत्र
1. ऐसा उत्पादक कार्यबल तैयार करना जो भारत के आर्थिक विकास में सतत रूप से योगदान दे सकता है	1. शिक्षा
	2. रोजगार और कौशल विकास
	3. उद्यमशीलता
2. भविष्य की चुनौतियों का सामना करने के लिए सुसज्जित एक मजबूत और स्वस्थ पीढ़ी तैयार करना	4. स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली
	5. खेल
3. राष्ट्रीय स्वामित्व का निर्माण करने के लिए सामाजिक मूल्यों को समाविष्ट करना तथा समुदाय सेवा का संवर्धन करना	6. सामाजिक मूल्यों का संवर्धन
	7. समुदाय भागीदारी
4. अभिशासन के स्तरों पर भागीदारी तथा नागरिक सहयोग को सुकर बनाना	8. राजनीति और अभिशासन में
	9. युवा भागीदारी
5. जोखिम में युवाओं की सहायता करना तथा सभी लाभ वंचित और वंचित युवाओं के लिए समान अवसर पैदा करना	10. समावेशन
	11. सामाजिक न्याय

एनवाईपी–2014 के अंतर्गत सिफारिश किए गए नीतिगत उपाय

एनवाईपी–2014 सभी 11 अभिज्ञात वरीयता क्षेत्रों के तहत नीतिगत उपायों की सिफारिश करता है। यह वर्तमान स्थिति के सावधानीपूर्वक विश्लेषण और भविष्य की आवश्यकताओं पर आधारित है। संक्षिप्त रूप में इन्हें नीचे दिया गया है:

क्र. सं.	वरीयता क्षेत्र	सुझाए गए उपाय
1.	शिक्षा	▪ तंत्र की क्षमता और गुणवत्ता का निर्माण ▪ कौशल विकास और जीवन पर्यन्त अधिगम का संवर्धन
2.	रोजगार और कौशल विकास	▪ लक्षित युवा आउटरिच और जागरूकता ▪ तंत्र और पणधारियों के बीच संपर्क बनाना ▪ अन्य भागीदारों की तुलना में सरकार की भूमिका परिभाषित करना
3.	उद्यमशीलता	▪ लक्षित युवा आउटरिच कार्यक्रम ▪ क्षमता निर्माण के लिए प्रभावी कार्यक्रमों में वृद्धि करना ▪ युवा उद्यमशीलता के लिए कार्यक्रम तैयार करना ▪ वृहत मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन प्रणाली क्रियान्वित करना
4.	स्वास्थ्य एवं स्वस्थ जीवन शैली	▪ सेवा प्रदान करने में सुधार करना ▪ स्वास्थ्य, पोषण और उपचारात्मक देखभाल के प्रति जागरूकता ▪ युवाओं के लिए लक्षित रोग नियंत्रक कार्यक्रम
5.	खेल	▪ खेल सुविधाओं और प्रशिक्षण तक अधिक पहुंच ▪ युवाओं में खेल संस्कृति का संवर्धन ▪ प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए सहायता और विकास
6.	सामाजिक मूल्यों का संवर्धन	▪ मूल्य शिक्षा प्रणाली को औपचारिक बनाना ▪ युवाओं के लिए भागीदारी कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाना ▪ मूल्यों और सद्भावना के प्रसार के लिए कार्यरत गैर–सरकारी संगठनों और लाभ संगठनों को सहायता प्रदान करना
7.	समुदाय भागीदारी	▪ मौजूदा समुदाय विकास संगठनों का प्रसार करना ▪ सामाजिक उद्यमशीलता का संवर्धन करना
8.	नीति और अभिशासन में भागीदारी	▪ राजनीतिक तंत्र से बाहर युवाओं की भागीदारी ▪ ऐसा अभिशासन तंत्र तैयार करना जिसका युवा प्रसार कर सके ▪ शहरी अभिशासन में युवा भागीदारी का संवर्धन करना
9.	युवा भागीदारी	▪ युवा विकास योजनाओं की प्रभाविता के उपाय और निगरानी ▪ युवाओं के साथ भागीदारी के लिए मंच तैयार करना
10.	समावेशन	▪ लाभ वंचित युवाओं के लिए भागीदारी और क्षमता निर्माण ▪ संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में युवाओं के लिए आर्थिक अवसर सुनिश्चित करना ▪ विकलांग युवाओं को सहायता के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण प्रदान करना ▪ युवाओं को जोखिम से बचाने के लिए जागरूकता एवं अवसर प्रदान करना
11.	सामाजिक न्याय	▪ अनुचित सामाजिक पद्धतियों को दूर करने के लिए युवाओं को समर्थ बनाना ▪ सभी स्तरों पर न्याय तक पहुंच को सुदृढ़ करना

नेहरु युवा केंद्र संगठन

प्रस्तावना

1972 में आरंभ किया गया नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) विश्व में सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। वर्तमान में एनवाईकेएस ने 3.01 लाख युवा क्लबों/महिला मंडलों के माध्यम से लगभग 8.5 मिलियन युवा नामांकित है। *इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व और नेतृत्व गुणों का विकास करना तथा उन्हें राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में शामिल करना है।*

एनवाईकेएस की गतिविधियों के संकेंद्रित क्षेत्रों में साक्षरता और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, स्वच्छता तथा सफाई, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, कौशल विकास और स्वरोजगार, उद्यमशीलता विकास, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत एवं पुनर्वास इत्यादि शामिल हैं। नेहरु युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं बल्कि स्वयंसेवा प्रयासो के माध्यम से सामाजिक विकास के कार्यों के प्रति भी समर्पित हैं।

प्रशासनिक अवसंरचना

एनवाईकेएस विभाग के अंतर्गत गठित एक स्वयत्तशासी संगठन सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी है। एनवाईकेएस में एक सामान्य निकाय और एक शासी बोर्ड (बीओजी) है। शासी बोर्ड की अध्यक्षता युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री द्वारा की जाती है तथा महानिदेशक, एनवाईकेएस सदस्य–सचिव के रूप में कार्य करते हैं। शासी बोर्ड में संगत क्षेत्रों से सरकारी तथा गैर–सरकारी सदस्य हैं। महानिदेशक, एनवाईकेएस संगठन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्य करता है।

एनवाईकेएस की गतिविधियां प्रत्येक जिले में जिला युवा समन्वयक (जो जिले में नेहरु युवा केंद्र का प्रभारी होता है) और प्रत्येक ब्लॉक में दो राष्ट्रीय युवा कोरपस (एनवाईसी) के माध्यम से संचालित की जाती है। इसके अतिरिक्त, एनवाईकेएस में नई दिल्ली स्थिति अपने राष्ट्रीय मुख्यालय के अतिरिक्त राज्य स्तर पर 29 जोनल कार्यालय है। एनवाईकेएस की कुल संस्वीकृत स्टाफ संख्या 2,273 है जिसकी तुलना में 31.12.2015 के अनुसार वास्तविक संख्या 1,448 थी।

उपरोक्त के अतिरिक्त एनवाईकेएस को अपेक्षित तरीके से अपनी गतिविधियों का संचालन करने हेतु सलाह देने के लिए जिला एवं राज्य स्तरों पर सलाहकारी समितियां है जिनमें सरकारी और गैर–सरकारी सदस्य शामिल हैं। जिले में सलाहकारी समिति की अध्यक्षता जिला कलेक्टर अथवा जिले के उपायुक्त द्वारा की जाती है और राज्य स्तर पर सलाहकारी समिति की अध्यक्षता राज्य युवा कार्यक्रम मंत्री द्वारा की जाती है।

एनवाईकेएस के कार्यक्रम/गतिविधियां

किए गए कार्यक्रमों/गतिविधियों को वृहत रूप से दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

क) एनवाईकेएस द्वारा अपने स्वयं के बजटीय संसाधनों (विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) से क्रियान्वित कोर कार्यक्रम।

ख) एनपीवाईएडी (राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम) से वित्त पोषण के साथ आयोजित कार्यक्रम।

ग) अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/वित्त–पोषण से आयोजित कार्यक्रम।

घ) विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय से कार्यक्रम/गतिविधियां।

एनवाईकेएस के सभी कार्यक्रम राज्य सरकारों के चुने हुए स्थानीय निकायों और विभिन्न विकास विभागों/एजेंसियों के समन्वय/सक्रिय भागीदारी से क्रियान्वित किए जाते हैं।

क. एनवाईकेएस के कोर कार्यक्रम

2015–16 (31.12.2015 तक) के दौरान कोर कार्यक्रमों के आयोजन में एनवाईकेएस का प्रदर्शन निम्नानुसार रहा है:

1. **युवा क्लब विकास कार्यक्रम (वाईसीडीपी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों से प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों के मौजूदा नेटवर्क को सुदृढ़ बनाना और सरकार की विभिन्न योजनाओं/पहलों का प्रचार करना है। यह 10 आंदोलन सदस्यों को शामिल करते हुए 5 दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें 50 युवा क्लब शामिल होते हैं। टीम के सदस्य युवा नेताओं, ग्राम पंचायत प्रधानों और सदस्यों तथा गांव में अन्य मत नेताओं के साथ मेल–मिलाप करते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 15,000 रुपए आबंटित किए गए हैं। 2015–16 के दौरान 2,631 कार्यक्रमों का आयोजन करने का लक्ष्य है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 3,052 युवाओं को शामिल करते हुए 104 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

2. **युवा नेतृत्व एवं समुदाय विकास संबंधी प्रशिक्षण (टीवाईएलसीडी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की अन्यों को एक अर्थपूर्ण जीवन जीने में सहायता करने तथा राष्ट्र निर्माण में योगदान देने में नेतृत्व लेने के लिए क्षमताओं का विस्तार करना है। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें 20–30 युवा क्लबों के समूह से 40 भागीदार शामिल होते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 27500 रुपए आबंटित किए गए हैं। 2015–16 के दौरान 2,631 कार्यक्रमों का आयोजन करने का लक्ष्य है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 53,504 युवाओं को शामिल करते हुए 1,0.75 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

एनवाईके–चम्बा, हिमाचल प्रदेश द्वारा युवा नेतृत्व एवं समुदाय विकास के संबंध में प्रशिक्षण

3. **शीर्षक आधारित जागरूकता एवं शिक्षा कार्यक्रम:** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सेनीटेशन, पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक हित के अन्य मुद्दों के महत्व के प्रति जागरूकता पैदा करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें 20 युवा क्लबों के समूह से 80 भागीदार शामिल होते हैं। प्रत्येक कार्यक्रम के आयोजन के लिए 8000 रुपए आबंटित किए गए हैं। 2015–16 के दौरान 6,779 कार्यक्रमों का आयोजन करने का लक्ष्य है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 1,17,333 युवाओं को शामिल करते हुए 1,462 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

4. **खेलों का संवर्धन (युवा क्लबों के लिए खेल सामग्री):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं में खेल संस्कृति का विकास करना है। इस कार्यक्रम में दो घटक हैं, नामतः (प) लगभग 2000 रुपए प्रति क्लब पर युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान करना और (पप) प्रत्येक जिला स्तर के आयोजन के लिए 25000 रुपए की दर से अंतर युवा क्लब खेल आयोजन तथा प्रत्येक क्लस्टर स्तर के आयोजन के लिए 15000 रुपए प्रदान करना। 2015–16 के दौरान लक्ष्य 40,844 युवा क्लबों को खेल सामग्री प्रदान करना है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 14,100 क्लबों को खेल सामग्री प्रदान की गई है। इसी प्रकार, 2,761 जिला/क्लस्टर स्तरीय खेल आयोजन आयोजित करने का लक्ष्य है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 24,433 युवाओं को शामिल करते हुए 279 खेल आयोजन आयोजित किए गए हैं।

अंतर–युवा क्लब खेल मीट का एक दृश्य

5. **महिलाओं के लिए कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम (एसयूटीपी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण युवा महिलाओं की व्यावसायिक कौशल का विकास करना तथा उन्हें अपनी परिवार की आय को अनुपूरित करने में समर्थ बनाना तथा उन्हें आत्म निर्भर बनाना है। मास्टर ट्रेनर

एनवाईआईके–ईटानगर (अरूणाचल प्रदेश) द्वारा आयोजित कौशल उन्नयन प्रशिक्षण कार्यक्रम का दृश्य

और सम्मानित/मान्यता प्राप्त कौशल विकास एजेंसियों की सहायता से विभिन्न रोजगार योग्य कौशल आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के संचालन द्वारा उनके रोजगार में वृद्धि करने का प्रयास किया जाता है। प्रत्येक पाठ्यक्रम में कौशल प्रशिक्षण के लिए 15–20 महिलाओं के लिए नामांकित किया जाता है। पाठ्यक्रमों की पहचान प्रतिभागियों की स्थानीय आवश्यकताओं के आधार पर की जाती है। बचत प्रावधान चार माह के पाठ्यक्रम के लिए 19,000 रुपए और दो माह के पाठ्यक्रम के लिए 9,800 रुपए पर रखा गया है। 2015–16 के दौरान लक्ष्य 7124 कार्यक्रम आयोजित करने का है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 62,745 महिलाओं को शामिल करते हुए 2,696 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

6. **लोक कला और संस्कृति का संवर्धनः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोक थियेटर, लोक गीतों, लोक नृत्यों, लोक–साहित्य इत्यादि के विशेष संदर्भ के साथ लोक कला और संस्कृति का संवर्धन करना है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम हैं जिसे अधिकतम 120 युवाओं को उनकी लोक कला और संस्कृति का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करते हुए जिला स्तर पर आयोजित किया जाता है। बचत प्रावधान प्रत्येक जिले के लिए 20000 रुपए पर रखा गया है। 2015–16 के दौरान लक्ष्य 623 कार्यक्रम आयोजित करने का है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 5,810 युवाओं को शामिल करते हुए 32 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

7. **राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के दिवसों का आयोजनः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के महत्वपूर्ण मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करन है। प्रत्येक 623 जिला एनवाईकेएस को राष्ट्रीय युवा दिवस सहित राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्व के न्यूनतम 25 दिनों का आयोजन करना आवश्यक होता है। इस उद्देश्य के लिए प्रत्येक जिला एनवाईकेएस को 50,000 रुपए प्रदान किए जाते हैं। 2015–16 के दौरान लक्ष्य 15,574 कार्यक्रम आयोजित

एनवाईके–धनबाद (झारखंड) द्वारा आयोजित युवा सम्मेलन और युवा कृति का दृश्य

करने का है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 10,31,422 युवाओं को शामिल करते हुए 6,421 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

8. **जिला युवा सम्मेलन और युवा कृतिः** यह कार्यक्रम सभी जिला एनवाईकेएस द्वारा ग्रामीण युवा नेताओं को उनके उत्पादों का प्रदर्शन करने तथा स्वयं को अभिव्यक्त करने, अनुभवों को साझा करने तथा युवा सशक्तिकरण के लिए सर्वोच्च पद्धतियों का सुझाव देन हेतु अवसर तथा मंच प्रदान करने के लिए वार्षिक रूप से आयोजित किया जाता है। यह ग्रामीण कलाकारों को उनके उत्पाद प्रदर्शित करने तथा और अधिक कौशल उन्नयन के लिए प्रेरणा प्राप्त करने हेतु अवसर और मंच प्रदान करता है। यह एक दिवसीय कार्यक्रम है जिसमें कार्यक्रम के आयोजन के लिए अधिकतम 100 युवा समान संख्या में युवा क्लबों के साथ शामिल होते है, 30,000 रुपए प्रति जिले की बजटीय सहायता प्रदान की गई है। 2015–16 के दौरान लक्ष्य 623 कार्यक्रम आयोजित करने का है जिसकी तुलना में 31.12.2015 तक 1,20,953 युवाओं को शामिल करते हुए 433 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

9. **उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कारः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा क्लबों द्वारा प्रदान की गई स्वयंसेवी सेवाओं को मान्यता प्रदान करना और उन्हें समुदाय विकास तथा कल्याण गतिविधियां करने के लिए प्रेरित करना है। सभी 623 जिला एनवाईकेएस और प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सर्वोच्च उत्कृष्ट युवा क्लबों को पुरस्कार प्रदान करता है। पुरस्कार में एक प्रमाण–पत्र तथा पुरस्कार राशि (जिला स्तरीय पुरस्कार के लिए 25,000/– रुपए और राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए 1,00,000/– रुपए) है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय स्तर पर तीन पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं (5,00,000/– रुपए, 3,00,000/– रुपए और 2,00,000/– रुपए)। 2015–16 के दौरान 31.12.2015 के अनुसार 03 राज्य स्तरीय और 82 जिला स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

ख. एनपीवाईएडी के वित्त पोषण से आयोजित कार्यक्रम

2015–16 के दौरान एनवाईकेएस ने युवा कार्यक्रम विभाग के राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) के वित्त–पोषण से निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए:

1. **राष्ट्रीय एकता कैम्प (एनआईसी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश के विभिन्न भागों से युवाओं को इकट्ठे समान मंच पर लाकर राष्ट्रीय एकता का संवर्धन करना, उन्हें देश की सांस्कृतिक विरासत को समझने का अवसर प्रदान करना तथा उन्हें विविधता में एकता जो सभी भारतीयों को इकट्ठे जोड़ती है, से अवगत कराना है। यह पांच दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है जिसमें न्यूनतम 250 भागीदारों (यदि एनआईसी का आयोजन राज्य की राजधानी में किया गया हो) और 150 भागीदार (अन्य एनआईसी के मामले में) को भाग लेने का अवसर प्रदान किया जाता है। 2015–16 के दौरान 31.12.2015 तक 710 युवाओं को शामिल करते हुए 5 एनआईसी आयोजित किए गए हैं।

2. **युवा नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम (वाईएलटीडीपी):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा नेताओं को प्रशिक्षित करना और उन्हें गांव तथा युवा क्लबों के लिए जिम्मेदारी लेने हेतु आवश्यक गुणों से सज्जित करना तथा गांव के लिए सामाजिक–आर्थिक और राजनैतिक–सांस्कृतिक विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करना है। यह कार्यक्रम ग्रामीण समुदायों के सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक पहलुओं पर जागरूकता पैदा करता है। यह 30 दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है जिसमें प्रत्येक कार्यक्रम 30 युवा भाग लेते हैं। 2015–16 के दौरान 291 युवाओं को शामिल करते हुए 31.12.2015 तक 11 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

3. **किशोरों के लिए जीवन कौशल प्रशिक्षण (किशोरों का सशक्तिरण):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरों में ऐसा व्यवहार विकसित करना है जो इन्हें स्वस्थ विकल्पों, उनके जीवन में आने वाली जोखिम भरी परिस्थितियों का मुकाबला करने के लिए उनके जीवन कौशल को सुदृढ़ बनाने, उन्हें एचआईबी से बचाने के लिए जानकारी में वृद्धि करने, किशोर प्रजनन स्वास्थ्य मुद्दों तथा चिन्ताओं का प्रबंधन करने और उनके मुद्दों को हल करने के लिए उनकी समेकित क्षमता को एकजुट बनाने के लिए सशक्त बनाना है। 2015–16 के दौरान 31.12.2015 तक 1,792 युवाओं को शामिल करते हुए 40 कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

4. **साहस कैम्प (साहस का संवर्धन):** इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में साहस तथा जोखिम उठाने की भावना को प्रोत्साहित करना, युवाओं की राष्ट्रीय आपदाओं और आकस्मिकताओं के दौरान परिस्थितियों का सामना करना के लिए क्षमताओं को निर्माण करना और पर्यावरण तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर जोर देते हुए प्रकृति की प्रशंसा की भावना का समावेश करना है। यह प्रत्येक बेच में 25 प्रतिभागियों के लिए सात दिवसीय आवासीय कार्यक्रम है। 2015–16 के दौरान 31.12.2015 तक 184 युवाओं को शामिल करते हुए 5 साहस कैंपों का आयोजन किया गया है।

ग. अन्य मंत्रालयों/संगठनों के सहयोग/वित्त–पोषण से आयोजित कार्यक्रम

1. **जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम (टीवाईईपी):** यह कार्यक्रम प्रत्येक वर्ष गृह मंत्रालय के सहयोग से और वित्त पोषण से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़, झारखंड और उड़ीसा राज्यों में

वामचरमपंथ गतिविधियों द्वारा प्रभावित क्षेत्रों के जनजातीय युवाओं को देश के अन्य भागों में ले जाया जाता है ताकि उन्हें देश की गहन सांस्कृतिक विरासत के प्रति संवेदी बनाया जा सके और उन्हें विविधता में एकता के दृष्टिकोण की प्रशंसा के लिए समर्थ बनाया जा सके, उन्हें देश के अन्य भागों में विकास गतिविधियों तथा प्रौद्योगिकी/औद्योगिक उन्नति के अवसर दिए जा सके, उन्हें देश के अन्य भागों में लोगों के साथ भावुक संपर्क विकसित करने और उनके कोर जीवन कौशल को समझते हुए उनके व्यक्तित्व का विकास किया जा सके, उनकी कौशल विकास आवश्यकताओं की पहचान की जा सके और उन्हें आवश्यक कैरियर काउंसलिंग प्रदान की जा सके। वर्ष 2015–16 के लिए गृह मंत्रालय ने 8वें जनजातीय युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़, झारखंड और उड़ीसा राज्य के 24 वाम चरमपंथ प्रभावित जिलों के 2,000 जनजातीय युवाओं को शामिल करते हुए 10 कार्यक्रमों के आयोजन हेतु 2.07 करोड़ रुपए संस्वीकृत किए हैं। ये कार्यक्रम हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, अमृतसर, पुणे, बंगलुरू, चेन्नै, वाराणसी, गुवाहाटी और अहमदाबाद में आयोजित किए जा रहे हैं।

2. **डा. बी. आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती का समारोह :** सामाजिक न्याा और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने डा. बी. आर. अम्बेडकर की 125वीं जयंती के राष्ट्र–वार आयोजन के भाग क रूप में 105 चुनिंदा जिलों में जिला युवा समारोह, जातिविहीन दौड़/रैलियों तथा खेल गतिविधियों के आयोजन के लिए एनवाईकेएस को 171.76 लाख रूपए की राशि स्वीकृत और जारी की है। एनवाईकेएस तदनुसार आवश्यक कदम उठा रहा है।

3. **पंजाब में मादक द्रव्यों और भाराब की रोकथाम के लिए जागरूकता एवं शिक्षा संबंधी परियोजनाः** सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने एनवाईकेएस के जरिए कार्यान्वयन के लिए दो परियोजनाएं स्वीकृत की हैं, नामतः ;पद्ध पंजाब के 10 जिलों में मादक द्रव्यों और शराब की रोकथाम के लिए जागरूकता एवं शिक्षा की पायलेट परियोजना को जारी रखने की योजना ;2.91 करोड़ की लागत परद्ध और ;पपद्ध पंजाब के बाकी 11 जिलों में मादक द्रव्यों और शराब की रोकथाम के लिए जागरूकता और शिक्षा के लिए परियोजना ;3.27 करोड़ रूपए की लागत परद्ध। इन परियोजनाओं के कार्यान्वय के लिए एनवाईकेएस को स्वीकृत राशि का 50 प्रतिशत जारी कर दिया गया है।

परियोजना (i) के अंतर्गत पंजाब के 10 जिलों में 3,000 गावों में कार्यक्रम और गतिविधियां संचालित की जा रही है। गावों में परियोजना गतिविधियां संचालित करने के लिए 5,900 ग्रामीण समन्वयों को प्रशिक्षित किया गया है। परियोजना के तहत वैयक्तिक संबंध और पीयर शिक्षा कार्यक्रम के संचालन हेतु 29,500 युवा स्वयंसेवकों–सह–पीयर शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया है। वैयक्तिक संबंध और पीयर शिक्षक कार्यक्रम के जरिय मादक द्रव्य और शराब के बुरे प्रभाव के बारे में 2,75,000 व्यक्तियों को जागरूक बनाया गया है तथा शिक्षित किया गया है।

परियोजना (ii) के अंतर्गत पंजाब के 11 जिलों में 2,614 गांवों में कार्यक्रम और गतिविधियों का संचालन किया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत 25,740 युवा स्वयंसेवकों–सह–पीयर शिक्षकों को वैयक्तिक संबंध और पीयर शिक्षा कार्यक्रम के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

वैयक्तिक संबंध और पीयर शिक्षक कार्यक्रम के जरिय मादक द्रव्य और शराब के बुरे प्रभाव के बारे में 2,18,500 व्यक्तियों को जागरूक बनाया गया है तथा शिक्षित किया गया है।

4. **किशोर स्वास्थ्य और विकास परियोजना (एएचएडीपी):** यह कार्यक्रम यूएनएफपीए के वित्त पोषण से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूल बीच में छोड़ने वाले किशोरों को (i) एक लैंगिक–संवेदी तरीके से प्रजनन एवं स्त्री–पुरुष स्वास्थ मुद्दों पर जीवन–कौशल संकेंद्रित व्यावहारिक अधिगम (ii) बेहतर नियोजनियता के लिए शिक्षा तथा कौशल निर्माण संस्थाओं के बीच संबंध और (iii) सार्वजनिक तथा निजी क्षेत्र में युवा सुकर और जेंडर–संवेदी सेवाओं तक पहुंच में सुधार करने के लिए सशक्त बनाना है। यह परियोजना पांच राज्यों (महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उड़ीसा और बिहार) के अभिज्ञात 10 जिलों में प्रमुख आधार पर क्रियान्वित की जा रही है। किशोरों को टीन क्लबों में संगठित किया जाता है और प्रशिक्षित प्रमुख प्रशिक्षकों के माध्यम से विस्तार कार्य किया जाता है। सीपी–7 (देश योजना–7) का क्रियान्वयन चरण पूरा हो गया है और सीपी–8 का क्रियान्वयन 2014 से जारी है। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) 1,860 टीन क्लबों को पुनः संगठित किया गया है। 7,440 प्रमुख प्रशिक्षकों का चयन किया गया है और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। टीन क्लबों के कार्यक्रम और गतिविधियां जारी हैं।

31 दिसंबर, 2015 तक 7,440 पीयर शिक्षकों के लिए पीयर शिक्षक प्रशिक्षण के दूसरे चरण के 186 बैच आयोजित किए गए थे। 7,160 पीयर शिक्षकों के लिए पीयर शिक्षक प्रशिक्षण के तीसरे चरण के 179 बैच आयोजित किए गए थे। 1,805 टीन क्लबों में बैठक 10–क (श्रमिक विकास और बदलाव की समझ) (लड़कियां), का संचालन किया गया था, 1,805 टीन क्लबों में बैठक 10–ख (श्रमिक विकास और बदलाव की समझ) लड़के), का संचालन किया गया था, 1,860 टीन क्लबों में बैठक 11 (सुंदरता और स्वास्थ्य) लड़के), का संचालन किया गया था। 1,612 टीन क्लबों में बैठक 12 (तैयारी स्वास्थ्य मेले की), का आयोजन किया गया था। 236 टीन क्लबों में स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। 677 टीन क्लबों में बैठक 13 (प्रयास अपना तीसरा चरण, का संचालन किया गया। 663 टीन क्लबों में बैठक 14 (सकारात्मक रिश्तों का सपना) लिंग भेद भाव), का संचालन किया गया। 339 टीन क्लबों में बैठक 15 (सकारात्मक रिश्तों का सपना) टकराव सुलझाना), का संचालन किया गया। 214 टीन क्लबों में बैठक 16 (परिवर्तन के नेतृत्व का सपना (सामाजिक असमानता), का संचालन किया गया। 96 टीन क्लबों में बैठक 17 (परिवर्तन के नेतृत्व का सपना) कार्य परियोजना की तैयारी), का संचालन किया गया। 61 टीन क्लबों में बैठक 18 (प्रयास अपना की आगामी यात्रा की ओर, का संचालन किया गया। 372 कलस्टर–स्तरीय बैठकों का आयोजन किया गया।

घ. विकास विभागों/एजेंसियों के सहयोग से कार्यक्रम/गतिविधियां:

एनवाईकेएस विभिन्न विभागों/एजेंसियों के सहयोग से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है। जिला एनवाईकेएस और एनवाईसीएस स्वयंसेवी अन्य विकास विभागों/एजेंसियों के घनिष्ठ सहयोग से कार्य करते हैं और युवा क्लबों/महिला मंडलों को सक्रिय रूप से शामिल करते हुए गतिविधियां चलाते हैं। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) प्रमुख उपलब्धियां निम्नानुसार थीं:

क्र. सं.	कार्यक्रम	माप की ईकाई	उपलब्धि
1.	युवा क्लब सदस्यों को रोजगार कौशल विकास प्रशिक्षणों से जोड़ना	युवाओं की संख्या	48,272
2.	एसएचजी बनाना	एसएचजी की संख्या	8,384
3.	पौध रोपड़ और उनका उत्तर जीवन	पौधों की संख्या	12,68,217
4.	रक्तदान	रक्त ईकाइयों की संख्या	18,515
5.	स्वयंसेवी रक्तदाताओं का नामांकन और उनका रक्त समूह	युवाओं की संख्या	27,983
6.	लकड़ियों तथा उनके अभिभावकों को 18 वर्ष तक की आयु तक उनका विवाह न करने के लिए प्रेरित करना	लड़कियों की संख्या	61,884
7.	गर्भवती माताओं का टीकाकरण	गर्भवती माताओं की संख्या	27,333
8.	संस्थागत प्रेषणों को सुकर बनाना	महिलाओं की संख्या	20,379
9.	बच्चों का टीकाकरण (0–5 वर्ष)	बच्चों की संख्या	54,714
10.	कैटरेक्ट (नेत्र) ऑपरेशन	रोगियों की संख्या	10,753
11.	किशोर बालिकाओं को आयरन फोलिक एसिड की गोलियों की पहुंच प्रदान करना	किशोर बालिकाओं की संख्या	59,833
12.	स्वस्थ जांच शिविर (डीओटी), तनाव, मधुमेह तथा अन्य	शिविरों की संख्या	5,548
13.	बच्चों का स्कूलों में नामांकन	बच्चों की संख्या	50,153
14.	मतदाता पहचान–पत्र जारी करना सुकर बनाना	व्यक्तियों की संख्या	51,223

ड. अन्य महत्वपूर्ण कदमः

1. अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजनः

नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस) ने 21 जून, 2015 को भारत में राज्य, जिला और गांव स्तरों पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया और राष्ट्रीय राजधानी में राजपथ, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में यथोचित रूप से भाग लिया।

At National-level, 1,000 Youth trained in Common Yoga Protocol drawn from NYKS-affiliated Youth Clubs participated in National-level Yoga Demonstration Programme at Rajpath, New Delhi. Besides, 9 Foreign Nationals from 7 countries, which

were mobilized by NYKS, also participated in the celebrations.

राज्य स्तर पर, 18 राज्यों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया जिसमें 1,06,117 व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, 36 योग गुरू सम्मानित किए गए। इस अवसर पर, युवा सम्मेलनों का भी आयोजन किया गया जिनके दौरान योग के 6 विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

जिला स्तरीय समारोह और प्रदर्शनियां: जिला एनवाईकेएस द्वारा कॉमन योग प्रोटोकोल के अनुसार बड़े स्तर पर योग के अभ्यास और प्रदर्शन के सफल आयोजन के लिए कॉमन योग प्रोटोकोल तथा पूर्व गतिविधियों से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इसके अलावा, योग के विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा योग एवं हस्तशिल्प संबंधी प्रदर्शनी, युवा सम्मेलन, लेकचर का प्रबंध किया गया जिसमें 3,90,901 व्यक्तियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान 634 योग गुरूओं को सम्मानित किया गया। मिजोरम, नागालैंड, मेघालय, त्रिपुरा और असम में असम राइफल के साथ संयुक्त रूप से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया।

ग्रांम स्तरीय समारोहः 68,568 एनवाईकेएस युवा कलबों और महिला मंडलों ने बड़े योग प्रदर्शन, योग के संबंध में विषय विशेषज्ञों द्वारा वार्ता तथा स्थानीय संसाधन जुटाते हुए उनके गांव में अन्य गतिविधियों का संचालन किया। योग दिवस समारोह के दौरान, ग्राम पंचायत प्रधानों, विकास विभागों के कर्मचारियों, गैर सरकारी संगठनों, सामाजिक संगठनों तथा स्थानीय नागरिकों ने गतिविधियों में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, समाज के विभिन्न वर्गों के 22,42,008 लोगों ने भाग लिया।

विभिन्न स्थानों में योग दिवस समारोह के दौरान, प्रबुद्व नागरिकों सहित 13 केन्द्रीय मंत्रियों, 02 राज्यपाल, 03 मुख्य मंत्रियों तथा अन्य सार्वजनिक प्रतिनिधियों ने समारोह की भव्यता बढ़ाई।

2. **अंतर्राष्ट्रीय निःशक्तजन दिवस का आयोजन – सुगम्य भारत अभियान की शुरूआत (सुगम्य भारत अभियान):**

नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस) ने युवा कलबों और महिला मंडलों के अपने ग्राम आधारित नेटवर्क के जरिए देश भर में 3 दिसंबर, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय निःशक्तजन दिवस का आयोजन किया। इस दिन, अंतर–निर्मित पर्यावरण, परिवहन प्रणाली और आईसीटी इको–प्रणाली के साथ सर्वसुलभ पहुंच तैयार करने के लिए सुगम्य भारत अभियान आरंभ करने के बारे में जागरूता बनाई गयी। इस दिन के आयोजन के भाग के रूप में, प्रेरक लेकचर, प्रस्ताव लेखन/पेंटिंग प्रतिस्पर्धा, युवाओं द्वारा योग्य वातावरण तैयार करने के लिए विचार–विमर्श, भाषण, रैलियां, निःशक्त व्यक्तियों का सम्मान, निःशक्तजनों के कल्याण के लिए सरकार की योजनाओं के प्रति जागरूकता का जिला एनवाईकेएस, युवा कलबों और महिला मंडलों, निःशक्तजनों के संगठनों की सक्रिय भागीदारी के साथ आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में माननीय एमएलए, स्थानीय जन प्रतिनिधियों, शैक्षिक संस्थाओं के प्रमुख, कर्मचारियों और प्रबुद्व नागरिकों ने शोभा बढ़ाई।

लोगों को निःशक्तजनों द्वारा स्कूलों, कॉलेजों, अस्पतालों, ग्राम पंचायत कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों में रैम्पों के निर्माण जैसी सार्वजनिक स्थानों में पहुंच के संदर्भ में उनके समक्ष आ रही विभिन्न समस्याओं के बारे में संवेदी किया गया।

3. **स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत गतिविधियां:**

एनवाईकेएस ने 12,000 एनवाईसी स्वयंसेवकों तथा 3.01 लाख युवा क्लबों और महिला मंडलों की भागीदारी के साथ 623 जिला एनवाईकेएस तथा 29 जोनल कार्यालयों के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कई कदम उठाएं हैं। मिशन में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी पर जोर दिया गया था ताकि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए बड़ी जागरूकता और व्यावहारिक परिवर्तन लाया जा सके।

एनवाईकेएस ने 25 सितंबर, 2014, पंडित दीन दयाल उपाध्यायजी की जन्म शताब्दी पर कई गतिविधियां आरंभ की जिसके पश्चात एनवाईकेएस युवा क्लबों, महिला मंडलों, एनवाईसी स्वयंसेवकों और ग्रामीण समुदायों की भागीदारी के साथ फील्ड स्तरीय गतिविधियां आयोजित की गई। कार्यक्रम आरंभ करने के समारोह के दौरान माननीय मंत्रीगण, संसद सदस्यों, एमएलए, ब्यूरोक्रेट तथा समाज के सभी वर्गों के प्रबुद्ध व्यक्तियों को शामिल किया गया। एनवाईकेएस के 623 जिलों और 29 जोनल कार्यालयों के कार्यालय परिसरों में शौचालयों और कूड़ा घरों की सफाई की गई। 15 अक्तूबर को विश्व हैंडवाशिंग दिवस और 19 नवंबर को विश्व शौचालय दिवस का सफाई का संदेश देने के लिए आयोजन किया गया।

युवा क्ल्बों और महिला मंडलों के सदस्यों को उनके संगत क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के लिए प्रेरित किया गया। सफाई अभियान में गंदगी उन्मूलन, निपटान के लिए पॉलीथीन बैग और प्लास्टिक सामग्री एकत्रित करना, सार्वजनिक संपत्ति (आंगनबाड़ी केंद्र, पीएचसी इत्यादि), सड़क के किनारों और बस स्टैंड पर सैड, सड़क और समान स्थानों की सफाई, शव गृहों का रखरखाव और मरम्मत, खेल मैदानों का रखरखाव, स्कूलों और समुदायों शौचालयों का रखरखाव, तालाब, कुओं, प्राकृतिक पेयजल संसाधनों, छोटे सिंचाई चौनलों, जल टैंकों, जल सिंचाई इत्यादि की खुदाई, रखरखाव, संक्रमण

रोधन, डीसिलीटिंग और मरम्मत का रखरखाव शामिल था। ये गतिविधियां अत्यधिक उत्साह और प्रफुल्लता के साथ आयोजित की गई। सफाई और स्वच्छता के मुद्दे को एनवाईकेएस कार्यक्रम का समेकित भाग बनाया गया। युवा क्लब नेताओं/सदस्यों, एनवाईसी स्वयंसेवकों तथा एनवाईकेएस फील्ड कर्मचारियों के लिए "स्वच्छ भारत" के संबंध में प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। एनवाईकेएस, युवा क्लबों और महिला मंडलों के सदस्यों तथा एनवाईसी के स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को शौचालयों के निर्माण के लिए प्रेरित किया। परिणामस्वरूप 17,518 शौचालयों का निर्माण किया गया।

4. पुनर्जागरण कार्यक्रम

वर्ष भर का पुनर्जागरण कार्यक्रम ओर यात्रा जो महात्मा गांधी की जन्म जयंती 2 अक्तूबर, 2014 को देश के चार कोनों अर्थात लेह (जम्मू और कशमीर), कन्याकुमारी (तमिलनाडु), रोईंग (अरूणाचल प्रदेश) और ओखा ;गुजरातद्ध से आरंभ हुई थी, दिनांक 25 सितम्बर, 2015 को पंडित दीन दयाल उपाध्याय, अविभाजित मानवता के समर्थक की जयंती के अवसर पर दीन दयाल उपाध्याय धाम, नगला चन्द्रबन, मथुरा को समाप्त हुई।

श्री राजनाथ सिंह, भारत के माननीय गृह मंत्री पुनर्जागरण यात्रा और कार्यक्रम के समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। देशभर में जिला एनवाईकेएस के साथ संबद्व युवा कलबों से जुड़े 10,0.00 से अधिक चुनिंदा युवाओं ने समारोह में भाग लिया।

इस यात्रा का उद्देश्य भारत के युवाओं में सकारात्मकता, उत्साह और नेत्त्व का समावेश करना और इसी दौरान उन्हें राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में शामिल होने का अवसर प्रदान करना विशेषकर सामाजिक तथा वित्तीय समावेशन और सरकार के प्रमुख जीवन कौशल

कार्यक्रमों अर्थात स्वच्छ भारत मिशन, प्रधान मंत्री जन धन योजना, श्रमदान, शौचालयों का निर्माण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान, कौशल विकास, स्वयंसेवी भावना का विकास, और गांव स्तरीय रथ यारत्रा अभियन, नुक्कड़ नाटक, रैली, पौधरोपण, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रक्तदान शिविरों, नजदीकी युवा संसद तथा जिला स्तरीय युवा सम्मेलनों के जरिए सामाजिक बुराई को दूर करने के जरिए नागरिक मानकों में वृद्वि करना था। कुल 59,282 ग्राम स्तरीय गतिविधियों का आयोजन किया गया।

केरल के माननीय राज्यपाल, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्य मंत्री, जम्मू और कश्मीर तथा राजस्थान के माननीय स्पीकर, राज्य सरकार के 19 माननीय मंत्रीगण, 15 माननीय संसद सदस्य, 51 माननीय एमएलए और 3 माननीय एमएलसी ने 100 जिलों में विभिन्न स्थानों पर पुनर्जागरण कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

पुनर्जागरण कार्यक्रम की विशेषताएं

- 10,000 गांवों में 8,17,804 युवा सदस्यों तथा 17,232 अन्य संसाधन व्यक्तियों एवं विशेषज्ञ परामर्श सत्रों की भागीदारी के साथ 9,872 गतिविधियों के जरिए पड़ोस में युवा संसद का दृष्टिकोण आरंभ करना।
- 75,615 युवाओं को संगत कौशल प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत किया गया।
- जागरूकता प्रसार तथा लोगों को राष्ट्रीय फलैगशिप कार्यक्रमों का लाभ उठाने तथा उनमें भाग लेने के लिए प्रेरित करने हेतु 59,282 विषय आधारित ग्राम गतिविधियां आयोजित की गयी।
- 20 राज्यों के 100 जिलों में 30,386 गांवों के ग्रामीण युवाओं, प्रमुख प्रतिभागियों, सेवा प्रदाताओं को भागीदारी ग्रामीण विकास की आवश्यकता तथा महत्व के बारे में संवेदी बनाया और उन्हें शामिल किया।

- वित्तीय समावेशन योजना में सहायता
  - 3,42,304 व्यक्तियों को जन धन योजना के तहत उनके खाते खोलने की सुविधा दी गयी।
  - 1,49,854 व्यक्तियों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना का लाभ में सहायता की।
  - 2,50,993 व्यक्तियों की प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत उनके खाते खोलने में सहायता की।
  - 47,664 व्यक्तियों की अटल पेंशन योजना लेने में सहायता की।
  - 7,984 व्यक्तियों की विधवा पेंशन योजना प्राप्त करने में सहायता की।
- स्वच्छ भारत मिशन का संवर्धन
  - शौचालयों का निर्माण –1,03,742
  - स्वच्छता अभियान की संख्या–7,767
  - जागरूकता अभियान की संख्या–9,215
  - शोक उन्मूलन कार्यक्रमों की संख्या–3,676
- समुदाय संपत्ति विकास सुकर बनाना
  - सड़कों का निर्माण/मरम्मत सुलभ बनाना – 280
  - नहरें –24
  - पुल –1
- सामाजिक समावेशन कार्यक्रम का संवर्धन
  - बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओं योजना में दाखित बालिकाओं की संख्या – 75,770

- बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ के लिए शपथ लेने वाले अभिभावकों की संख्या – 4,19,752
- 1717,924 बच्चों को इन्द्रधनुष (टीकाकरण) के तहत शामिल किया गया
- 2,96,506 युवाओं की जिला/राज्य विशिष्ट योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सहायता दी गयी।

- स्वयंसेवा का संवर्धन
  - रक्तदान की शपथ लेने वाले युवाओं की संख्या– 1,13,338
  - रक्तदान करने वाले युवाओं की संख्या –2,677
  - श्रमदान के लिए 100 घंटे समर्पित करने की सहमति देने वाले युवाओं की संख्या–1,77,948
  - पोधरोपण की संख्या–2,17,285

5 गणतंत्र दिवस समारोह, 2016 के अवसर पर देशभक्ती तथा राष्ट्र निर्माण के संबंध में भाषण प्रतियोगिता :

गणतंत्र दिवस समारोह के भाग के रूप में, नेहरू युवा केन्द्र संगठन ने 'देशभक्ती और राष्ट्र निर्माण' विषय पर एक राष्ट्र–वार भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस भाषण प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रीयता तथा देशभक्ती की भावना का समावेश करना और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी के लिए नेतृत्व के गुणों के साथ युवाओं की पहचान करना था।

भाषण प्रतियोगिता ब्लॉक स्तर, जिला स्तर, राज्य स्तर और अंततः राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की गयी। अक्तूबर, 2015 से 3,377 ब्लॉक स्तरीय, 453 जिला–स्तरीय और 30 राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किा गया। जिला, राज्य और राष्ट्र स्तर पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार विजेताओं के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्रों का प्रवधान था। राष्ट्रीय स्तर पर 2,00,000/– रूपए का प्रथम पुरस्कार, 1,00,000/– रूपए का द्वितीय पुरस्कार तथा 50,000/– रूपए का तृतीय पुरस्कार दिल्ली में आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रदान किया गया।

राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा 27 प्रतिभागियों, जो राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में प्रथम पुरस्कार विजेता थे, की भागीदारी के साथ नई दिल्ली में 20–21 जनवरी, 2016 को आयोजित की गयी। श्री प्रकाश जावेडकर, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पर्यावरण, वन और मौसम परिवर्तन ने राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा का उद्घाटन किया। श्री अनंत कुमार, माननीय केन्द्रीय मंत्री, रसायन और उर्वरक राष्ट्र स्तरीय प्रतिस्पर्धा के समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

अध्याय–4

राष्ट्रीय युवा कोरपस

देश में राष्ट्रीय युवा कोरपस (एनवाईसी) की योजना 2010–11 में आरंभ की गई थी और इसे एनवाईसी योजना का एनवाईकेएस के माध्यम से क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना के लक्ष्य निम्न हैं:

- अनुशासित और समर्पित युवाओं के ऐसे समूह की स्थापना करना जिनकी राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल किए जाने की रूची और भावना है।
- समावेशी उन्नति (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को सुलभ बनाना।
- सूचना के प्रसार, समुदाय में मूल ज्ञान के प्रसार का केन्द्र के रूप में कार्य करना।
- मॉडयूलेटर तथा पीयर समूह शिक्षकों के समूह के रूप में कार्य करना।
- युवा वर्ग, विशेषकर सार्वजनिक आचार, नीति, ईमानदारी तथा श्रमिकों के सम्मान के लिए आदर्श के रूप में कार्य करना।

इस योजना के अंतर्गत 18–25 वर्ष के आयु समूह में युवाओं को राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में अधिकतम 2 वर्ष के लिए स्वयंसेवी के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है। एनवाईसी स्वयंसेवी के लिए न्यूनतम योग्यता कक्षा–10 उत्तीर्ण है और उन्हें प्रतिमाह 2,500 रुपए की दर से मानदेय प्रदान किया जाता है। एनवाईसी स्वयंसेवकों का चयन संबद्ध जिले के जिलाधीश/उपायुक्त की अध्यक्षता में एक चयन समिति द्वारा किया जाता है। स्वयंसेवकों को कार्यग्रहण करने के समय 15 दिवसीय इंडक्शन प्रशिक्षण दिया जाता है और उनके कार्यकाल के दूसरे वर्ष में 7 दिवसीय पुनश्चर्या प्रशिक्षण दिया जाता है। एनवाईसी स्वयंसेवकों के दो वर्ष के कार्यकाल के अंत में एनवाईकेएस उन्हें कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करता है ताकि वे एनवाईकेएस के साथ उनका कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात् कोई रोजगार प्राप्त कर सके। दो वर्ष के पश्चात् एनवाईसी स्वयंसेवकों के दूसरे समूह की भर्ती की जाती है।

सामान्यतः प्रत्येक ब्लॉक में दो एनवाईसी स्वयंसेवकों को तैनात किया जाता है। वे ब्लॉक में एनवाईकेएस की विस्तारित शाखा के रूप में कार्य करते हैं और एनवाईकेएस के विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में विभिन्न ब्लॉकों में 9,596 एनवाईसी को तैनात किया गया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

प्रस्तावना

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवी समुदाय सेवा के माध्यम से युवा छात्रों के व्यक्तित्व और चरित्र का विकास करने के मुख्य उद्देश्य के साथ 1969 में आरंभ की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस की विचाराधारा का उन्मुखीकरण महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित हैं। उचित रूप से एनएसएस का विचार **"मैं नहीं, परंतु आप"** है। एक एनएसएस स्वयंसेवी **'स्वयं'** से पहले **'समुदाय'** को रखता है।

एनएसएस के उद्देश्यः एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुणों/सक्षमताओं का का विकास करना है:

क) उस समुदाय का समझना जिसमें एनएसएस स्वयंसेवक कार्य करते हैं और स्वयं को उनके समुदाय के संबंध में समझना;

ख) समुदाय की आवश्यकताओं को समझना और पहचान करना तथा स्वयं को समस्या सुलझाने की कार्रवाई में शामिल करना;

ग) स्वयं में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;

घ) अपने ज्ञान को व्यक्ति तथा समुदाय की समस्याओं को व्यावहारिक रूप से हल करने में प्रयोग करना;

ङ) समुदाय भागीदारी जुटाने में कौशल प्राप्त करना;

च) नेतृत्व के गुण तथा गणतांत्रिक मूल्य अर्जित करना;

छ) आकस्मिकताओं और प्राकृतिक आपदाओं को सामना करने के लिए क्षमता तैयार करना; और

झ) राष्ट्रीय एकता तथा सामाजिक सद्भावना अपनाना।

एनएसएस का प्रयास "कैम्पस और समुदाय", "कॉलेज और गांव" और "ज्ञान तथा कार्रवाई" के बीच अर्थपूर्ण संबंध स्थापित करना है।

एनएसएस लगभग 40,000 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 37 विश्वविद्यालयों में 1969 में आरंभ की गई थी। 31.03.2015 के अनुसार, एनएसएस में 351 से अधिक विश्वविद्यालयों, 16,056 कॉलेजों/तकनीकी संस्थाओं 12,004 वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों में लगभग 36.42 लाख स्वयंसेवक हैं। शुरूआत से ही 4.60 करोड़ छात्रों ने एनएसएस से लाभ उठाया है।

एनएसएस की मूल अवसंरचना/कार्यक्रम संरचना

एनएसएस का क्रियान्वयन वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में किया जाता है। एनएसएस के डिजाइन में यह परिकल्पना की गई हैं कि इस योजना के अंतर्गत शामिल प्रत्येक शैक्षिक संस्था में कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) के रूप में पदनामित एक अध्यापक की अध्यक्षता में 100 छात्र स्वयंसेवकों (कुछ मामलों में कम संख्या) को शामिल करते हुए न्यूनतम एक एनएसएस ईकाई हो। प्रत्येक एनएसएस ईकाई अपनी गतिविधियों का संचालन करने के लिए एक गांव अथवा झुग्गी बस्ती को अपनाती है। एक एनएसएस स्वयंसेवक को निम्नलिखित कार्य/गतिविधियों का संचालन करने की आवश्यकता होती है:

क) **नियमित एनएसएस गतिविधिः** प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्ष के लिए प्रतिवर्ष न्यूनतम 120 घंटे की सेवा प्रदान करना आवश्यक होता है अर्थात् कुल 240 घंटे। यह कार्य एनएसएस ईकाई द्वारा अपनाए गए गांव/झुग्गी बस्ती अथवा स्कूल/कॉलेज के परिसर में सामान्यतः अध्ययन के घंटों के पश्चात् अथवा सप्ताहंतों के दौरान किया जाता है। पहले वर्ष के दौरान 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के उन्मुखीकरण के लिए रखे जाते हैं ताकि उन्हें लेक्चर, विचार–विमर्शों, फील्ड दौरों, ऑडियो–विजुअल इत्यादि के माध्यम से एनएसएस के बारे में परिचित कराया जा सके।

ख) **विशेष अभियान कार्यक्रमः** प्रत्येक एनएसएस ईकाई स्थानीय समुदाय को शामिल करते हुए कुछ विशिष्ट परियोजनाओं के साथ छुट्टियों के दौरान अपनाए गए गांव अथवा शहरी बस्तियों में सात दिवस की अवधि के विशेष शिविर का आयोजन करती है। प्रत्येक स्वयंसेवक को दो वर्ष की अवधि के दौरान एक बार विशेष शिविर में भाग लेना आवश्यक होता है। इस प्रकार, किसी ईकाई में लगभग 50 प्रतिशत एनएसएस स्वयंसेवक किसी विशिष्ट शिविर में भाग लेते हैं।

एनएसएस के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों की प्रकृति

एनएसएस के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों को मुख्यतः दो श्रेणियों में निम्नानुसार वर्गीकृत किया जा सकता है:

1. **कोर गतिविधियांः** एनएसएस के अंतर्गत गतिविधियां समुदाय की आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किया जाना जारी रहा। एनएसएस के अंतर्गत की गई कुछ गतिविधियों की सांकेतिक सूची निम्नानुसार है:

क) शिक्षाः प्रौढ़ सारक्षता, प्री–स्कूल शिक्षा, स्कूल बीच में छोड़ने वालों की सतत शिक्षा, सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन से संबंधित कार्यक्रम इत्यादि।

ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषणः टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता, पल्स पोलियो टीकाकरण इत्यादि।

ग) पर्यावरण संरक्षणः वृक्षारोपड़ और उनका संरक्षण/रखरखाव, सड़कों, नालों की सफाई और मरम्मत।

घ) सामाजिक सेवा कार्यक्रमः अस्पतालों, विकलांगों के लिए संस्थाओं, अनाथ आश्रमों ओल्ड–ऐज गृहों, महिला कल्याण संस्थाओं इत्यादि में कार्य।

ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रमः महिलाओं के अधिकारों के संबंध में जागरूकता सृजन, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना इत्यादि।

च) उत्पादन–उन्मुखी कार्यक्रमः लोगों को वृद्धित कृषि पद्धतियों को शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास में दिशा–निर्देश देना इत्यादि।

छ) आपदा राहत और पुनर्वासः स्थानीय प्राधिकरणों के साथ बचाव एवं राहत कार्यों में कार्य करना।

2. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य गतिविधियां/कार्यक्रमः** कोर गतिविधियों के अतिरिक्त एनएसएस के अंतर्गत विभिन्न अन्य गतिविधियां संचालित की जाती है। उदाहरण के लिए

क) गणतंत्रता दिवस परेड शिविर में भागीदारी।

ख) साहस गतिविधियों में भागीदारी।

ग) एनएसएस मैगा कैंपों तथा पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सवों का आयोजन।

घ) राष्ट्रीय युवा उत्सव के दौरान "सुविचार" तथा "युवा परंपरा" का आयोजन।

ङ) एनएसएस स्वयंसेवकों के आत्मरक्षा प्रशिक्षण।

च) इंदिरा गांधी एनएसएस पुरस्कार।

प्रशासनिक अवसंरचना

किसी संस्था में प्रत्येक एनएसएस ईकाई की अध्यक्षता "कार्यक्रम अधिकारी (पीओ)" के रूप में पदनामित एक अध्यापक द्वारा की जाती है जो उसके अंतर्गत एनएसएस ईकाई के लिए एक शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और सार्वजनिक संबंध व्यक्ति के रूप में कार्य करता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर एक एनएसएस प्रकोष्ठ तथा विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध कॉलेजों में सभी एनएसएस ईकाइयों के संबंध में एनएसएस की गतिविधियों का समन्वय करने के लिए एक पदनामित कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) होता है। इसी प्रकार, वरिष्ठ माध्यमिक स्कूलों के संबंध में एनएसएस प्रकोष्ठ वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में स्थित होते हैं। राज्य स्तर पर राज्य संपर्क अधिकारी की अध्यक्षता में एक राज्य एनएसएस प्रकोष्ठ होता है।

राष्ट्रीय स्तर पर एक एनएसएस कार्यक्रम सलाहकार प्रकोष्ठ होता है जो 15 क्षेत्रीय केंद्रों (अहमदाबा, बंगलौर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पटना, पुणे और तिरुवंनतापुरम में स्थित) के माध्यम से कार्य करता है। एनएसएस संगठन की कुल संस्वीकृत स्टाफ संख्या 234 है जिसमें से 31.12.2015 के अनुसार 118 की वास्तविक संख्या कार्यरत है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एनएसएस के पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान करने के लिए अधिकारिक और गैर–अधिकारिक सदस्यों को शामिल करते हुए राष्ट्रीय, राज्य, विश्वविद्यालय और संस्था के स्तर पर सलाहकार समितियां हैं।

वित्तीय तंत्र

वर्तमान में, एनएसएस की कोर गतिविधियों के संचालन के लिए नियमित एनएसएस गतिविधियों के लिए प्रतिवर्ष 2.50 रुपए प्रति स्वयंसेवक और विशेष शिविर गतिविधियों के लिए 4.50 प्रति स्वयंसेवक (2 वर्ष में एकबार) की दर से निधियन प्रदान किया जाता है। इस प्रकार, एनएसएस कार्यक्रम चलाने की कुल लागत प्रति वर्ष 475 रुपए प्रति स्वयंसेवक है (चूंकि विशेष शिविर केवल एक विशिष्ट वर्ष में 50 प्रतिशत स्वयंसेवकों के लिए होते हैं) सभी निधियों का प्रयोग एनएसएस गतिविधियों के संचालन के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को कोई नगद भुगतान नहीं किया जाता। कुल प्रावधान में से एनएसएस से जुड़ी शैक्षिक संस्थाओं में से स्थापना की लागत भी वहन की जानी आवश्यक होती हैं जिसमें कार्यक्रम समन्वयक (800 रुपए प्रतिमाह की दर से) तथा कार्यक्रम अधिकारी (400 रुपए प्रतिमाह की दर से) को आउट–ऑफ–पॉकिट भत्ता शामिल हैं।

वर्तमान में एनएसएस एक केंद्र द्वारा प्रायोजित योजना है तथा केंद्र एवं राज्यों के बीच व्यय शेयरिंग निम्नानुसार है:

क) जम्मू और कश्मीर तथा संघ राज्य क्षेत्रों (विधान मंडलों के बगैर) के मामले में केंद्र सरकार 100 प्रतिशत निधियन प्रदान करती है।

ख) पूर्वोत्तर राज्यों (सिक्किम सहित), हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के मामले में केंद्र तथा राज्यों के बीच व्यय शेयरिंग 75:25 के अनुपात में है।

ग) सभी अन्य राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के मामले में केंद्र तथा राज्यों के बीच व्यय शेयरिंग 7:5 के अनुपात में है।

A Proposal for making NSS a Central Sector Scheme is under consideration.

स्व–वित्त पोषण ईकाइयां (एसएफयू): इस विभाग ने एनएसएस की स्व–वित्त पोषण ईकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र आरंभ किया है ताकि एनएसएस का विस्तार पर्याप्त सरकारी निधियन के अभाव में बाधित न हो। इस तंत्र के अंतर्गत स्थापित ईकाइयों को किसी अन्य एनएसएस ईकाइयों के समान दर्जा दिया जाता है, एकमात्र अंतर यह है कि इन ईकाइयों का वित्त पोषण इनकी स्थापना करने वाली संस्थाओं द्वारा किया जाता है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण

वर्तमान में एनएसएस के अंतर्गत कार्यक्रम अधिकारियों को 7 दिन का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। ताकि उन्हें उनके कर्तव्य प्रभावी रूप से निर्वाह करने के योग्य बनाया जा सके। प्रशिक्षण देश के विभिन्न भागों में कॉलेजों/विश्वविद्यालयों में स्थित 20 पैनलबद्ध प्रशिक्षण संस्थाओं (ईटीआई) के माध्यम से प्रदान किया जाता है। 2015–16 के दौरान 31.12.2015 तक इन ईटीआई के माध्यम से 2,672 कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया था।

2015–16 के दौरान प्रदर्शन/घटनाएं

2015–16 के दौरान एनएसएस के अंतर्गत नामांकित स्वयंसेवकों की संख्या 31.12.2015 तक 24,50,605 पहुंच गई हैं और 31.03.2016 तक इसकी बढ़कर 36 लाख तक पहुंचने का लक्ष्य है। अब तक 1.94 लाख स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए एनएसएस की 1,942 स्व–वित्तपोषण ईकाइयों की स्थापना की गई है। एनएसएस की ईकाइयों ने अपनी गतिविधियों के लिए 23,025 गांव/बस्तियों को अपनाया है।

विशेष शिविरों का आयोजन: विशेष विशिवर एनएसएस का समेकित भाग हैं जिसमें स्वयंसेवक ग्रामीण लोगों के साथ निकटता से मिलने का अवसर, उनके जीवन को समझने, 7 दिन के लिए उनके साथ रहने और विभिन्न विकास गतिविधियां करने का अवसर प्राप्त करते हैं। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) भारत के गांव/बस्तियों में 4,84,015 स्वयंसेवकों को शामिल करते हुए 9,450 विशेष शिविरों का आयोजन किया गया था।

पौध रोपण: पौध रोपण तथा उनका रखरखाव एनएसएस की अत्यधिक लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) विभिन्न स्थानों जैसे कि सरकारी भवनों, पार्कों, विश्वविद्यालय/कॉलेज परिसरों, सड़क के किनारे रोपड़, वन्य क्षेत्रों इत्यादि में 19,41,181 पौधों का रोपण किया गया।

पौधा रोपण

रक्तदानः एनएसएस के स्वयंसेवक देश में गरीबों, जरूरतमंदों और अस्पतालों में आकस्मिक मामलों में सदा रक्तदान करने में अग्रणी होते हैं। नियमित कार्यक्रम के भाग के रूप में अधिकांश एनएसएस भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, सरकारी अस्पतालों और ब्लड़ बैंकों के साथ रक्तदान शिविरों का अनिवार्य रूप से आयोजन करते हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थाएं एनएसएस स्वयंसेवी रक्तदाताओं की एक निदेशिका रखती हैं जिन्हें आप आकस्मिकता के समय रक्तदान करने के लिए बुलाया जा सके। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) भारत में एनएसएस के स्वयंसेवकों द्वारा 1,13,640 ईकाई रक्तदान किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरणः एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता अभियान चलाए। एनएसएस के स्वयंसेवकों ने देश भर में स्थानीय प्रशासन को बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने में सहायता की। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) 58,757 स्वयंसेवक बच्चों को पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए एकत्रित करने में शामिल थे और 1.41 लाख बच्चों ने इस कार्यक्रम से लाभ उठाया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रमः देश भर में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने चुनाव अधिकारियों के साथ मतदाताओं को मत सूची में अपना दर्ज करवाने और मतदान दिवस पर अपना मत देने हेतु प्रेरित करने के लिए मतदाता जागरूकता अभियान चलाए। इस संबंध में एनएसएस द्वारा दी गई सहायता की भारतीय चुनाव आयोग द्वारा गहन प्रशंसा की गई है।

साहस गतिविधियांः देश में एनएसएस के स्वयंसेवकों में साहस और नेतृत्व की भावना तैयार करने के उद्देश्य से हिमाचल प्रदेश के अटल बिहारी बाजेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान के साथ साहस कार्यक्रमों का आयोजन किया गया था। साहस कार्यक्रम 10 दिन की अवधि के थे। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) देश भर से 1,453 एनएसएस स्वयंसेवकों ने साहसी गतिविधियों में भाग लिया।

पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सवः 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) दो पूर्वोत्तर राज्यों नामतः, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में पूर्वोत्तर एनएसएस युवा उत्सवों का आयोजन किया गया है। कुल मिलाकर इन उत्सवों में 600 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया। तीसरे उत्सव की मार्च, 2016 में नागालैंड में आयोजित किए जाने की संभावना है।

राष्ट्रीय युवा समारोह और राष्ट्रीय युवा उत्सव के दौरान सुविचारः राष्ट्रीय युवा उत्सव का आयोजन दिनांक 12–16 जनवरी, 2016 के दौरान रायपुर, छत्तीसगढ़ में किया गया। एनएसएस ने उत्सव के दौरान राष्ट्रीय युवा समारोह और सुविचार कार्यक्रम का आयोजन किया। इस इवेंट में देश भर के लगभग 700 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

गणतंत्र दिवस परेड शिविर, 2016: एनएसएस के स्वयंसेवक प्रत्येक वर्ष राजपथ पर गणतंत्र दिवसर परेड में भाग लेते हैं। स्वयंसेवकों को इस भागीदारी के लिए तैयार करने हेतु प्रत्येक वर्ष नई दिल्ली में एक माह लंबा गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन किया जाता है जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हुए 200 चुनिंदा एनएसएस स्यवंसेवक (100 लड़के और 100 लड़कियां) भाग लेते हैं। इस वर्ष के दौरान यह शिविर जनवरी, 2016 में डा0 अम्बेडकर भवर, नई दिल्ली में आयोजित किया गया था। शिविर में अपने आवास के दौरान स्वयंसेवकों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति, भारत के माननीय उप–राष्ट्रपति और माननीय प्रधानमंत्री के साथ मुलाकात करने का अवसर प्राप्त किया। गणतंत्र दिवस परेड में 160 चुने गए स्वयंसेवकों ने 26.01.2016 को भाग लिया। गणतंत्र दिवसर परेड शिविर में भागीदारी एनएसएस स्वयंसेवकों के व्यक्तित्व का विकास करने में काफी सहायक होती है।

एक इलेक्टिव विशय के रूप में एनएसएस: एनएसएस में अधिक छात्रों को आकर्षित करने के लिए एनएसएस को प्रोत्साहन देने हेतु विभाग एनएसएस को शैक्षिक संस्थाओं में 'क्रेडिट के साथ इलेक्टिव विषय' के रूप में शामिल करवाने के प्रयास करता रहा है। अंततः अगस्त, 2015 में यूजीसी ने सभी विश्वविद्यालयों को छात्रों के लाभार्थ उनके संगत विश्वविद्यालयों में एक इलेक्टिव विषय के रूप में एनएसएस को शामिल करने के लिए सभी विश्वविद्यालयों को एक एडवाइजरी जारी की है।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय सेवा योजना (आईजीएनएसएस) पुरस्कार: इंदिरा गांधी राष्ट्रीय सेवा पुरस्कार प्रत्येक वर्ष एनएसएस के तहत किए गए उत्कृष्ट कार्य को मान्यता देने के लिए दिए जाते हैं। ये पुरस्कार निम्न श्रेणियों में दिए जाते हैं: (i) सर्वोत्तम विश्वविद्यालय और आगामी विश्वविद्यालय/+2 परिषद (2 पुरस्कार) (ii) सर्वोत्तम एनएसएस इकाई और उनके कार्यक्रम अधिकारी (10 पुरस्कार) और (iii) सर्वोत्तम एनएसएस स्वयंसेवक (30 पुरस्कार)। वर्ष 2014–15 के लिए पुरस्कार दिनांक 19 नवंबर, 2015 को भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किए गए।

स्वच्छ भारत मिशनः वर्ष 2015–16 के दौरान, समूचे भारत में एनएसएस द्वारा पूरे दिल से 'स्वच्छ भारत अभियान' चलाया गया। 31.12.2015 तक एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा श्रमदान के लगभग 73.20 लाख स्वयंसेवी घंटे समर्पित किए गए। स्वयंसेवकों ने कई गतिविधियों का संचालन किया जैसे कि कॉलेज परिसर, अपनाए गए गांवों की सफाई, लिंक मार्गों का विकास और मरम्मत, तालाबों और झीलों की सफाई, इत्यादि। केरल में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा गरीब लोगों के लाभार्थ लगभग 240 शौचालयों का निःशुल्क निर्माण किया। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा देशभर में स्वच्छता के संबंध में तथा प्लास्टिक का उपयोग न करने के संबंध में रैलियों का आयोजन किया गया। 'स्पर्श गंगा अभियान' के तहत देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार के स्वयंसेवकों ने एक निर्मल गंगा जन अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने गंगा के विभिन्न घाटों की सफाई की।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोहः पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस दिनांक 21 जून, 2015 को आयोजित किया गया। इस ऐतिहासिक दिन लगभग 8.92 लाख एनएसएस स्वयंसेवकों ने देशभर में विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इसके अतिरिक्त, राजपथ में बड़े योग कार्यक्रम के दौरान एनएसएस के 700 स्वयंसेवकों ने स्टीवर्डस (पर्यवेक्षक) के रूप में कार्य किया।

डिजिटल इंडिया सप्ताहः डिजिटल इंडिया सप्ताह ;01.07 जुलाईए 2015द्ध समारोह के दौरान देशभर में एनएसएस के स्वयंसेवकों ने कॉलेजों, स्कूलों और अपनाए गए गांवों/मलिन बस्तियों में डिजिटल इंडिया के बारे में जागरूकता अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन गतिविधियों में डिजिटल लॉकर्स, ई–गवर्नेंस, वाई–फाई, हॉटस्पॉट, ई–क्रांति इत्यादि जैसे विषयों की व्याखया की तथा/अथवा प्रदर्शन किए। साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा और साइबर वेलनेस जैसे विषयों पर वाद–विवाद और प्रस्ताव प्रतिस्पर्धाओं का आयोजन किया गया। एनएसए के स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों को डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के लक्ष्यों और लाभों के बारें में पर्चे वितरित किए।

अध्याय–6

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान

प्रस्तावना

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 के कानून द्वारा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वाधान में "राष्ट्रीय महत्व का संस्थान" है। आरजीएनआईवाईडी की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1975 के अंतर्गत एक सोसायटी के रूप में 1983 में की गई थी और इसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा 2008 में 'डी–नोवो' के तहत 'सम विश्वविद्यालय' का दर्जा दिया गया था।

आरजीएनआईवाईडी अपने बहुआयामी कार्यों के साथ एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करता है, जो देश भर में विस्तार एवं आउटरिच कदमों के अतिरिक्त युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए स्नातकोत्तर स्तर पर शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करता है, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सेमिनार शोध में शामिल होता है और राज्य एजेंसियों तथा युवा संगठनों के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

यह संस्थान मंत्रालय के लिए एक विचारक के रूप में कार्य करता है और देश में युवाओं से संबंधित गतिविधियों का प्रमुख संगठन है। राष्ट्र स्तर पर सर्वोच्च संस्थान होने के नाते यह देश में एनएसएस, एनवाईकेएस और अन्य युवा संगठनों के घनिष्ठ सहयोग से कार्य करता है। इसका युवाओं के कल्याण और विकास के लिए कार्यरत विभिन्न संगठनों के साथ व्यापक नेटवर्क हैं और यह एक परामर्शदाता के रूप में कार्य करता है।

आरजीएनआईवाईडी का दृष्टिकोण वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त करना और युवा विकास के क्षेत्र में शैक्षिक उत्कृष्टता के मान्य केंद्र बनना है।

आरजीएनआईवाईडी की अभिशासन संरचना

भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के विजीटर है। संस्थान की बहुआयामी गतिविधियों की मॉनीटरिंग कार्यकारी परिषद्, शैक्षिक परिषद्, वित्त समिति और निर्माण एवं कार्य समिति द्वारा की जाती है।

निदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो संस्थान के दैनिक कार्यकरण का समन्वय करता है और संस्थान के विभिन्न प्रभागों/केंद्रों/विभागों के माध्यम से युवा विकास कार्यक्रमों का समन्वय करता है।

आरजीएनआईवाईडी की कुल संस्वीकृत स्टाफ संख्या 64 है जिसमें से 31.12.2015 के अनुसार वास्तविक संख्या 38 थी।

संस्थान का चंडीगढ़ में एक क्षेत्रीय केन्द्र है जो 2013–14 से संचालनरत है।

आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम/गतिविधियां

शैक्षिक कार्यक्रमः वर्तमान में आरजीएनआईवाईडी 5 स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः (i) काउंसलिंग साइकोलॉजी में एम.एससी.ए (ii) सामाजिक नवाचार तथा उद्यमशीलता में एम.ए.ए (iii) जेंडर अध्ययन में एम.ए.ए (iv) स्थानीय अभिशासन और विकास में एम.ए., और (v) विकास नीति और पद्धति में एम.ए. प्रदान करता है। इन पाठ्यक्रमों

में वार्षिक प्रवेश क्षमता 120 छात्र है। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने कुछ अतिरिक्त डिग्री/डिप्लोमा पाठ्यक्रम, नामतः (i) बी.वोक. (परिधान निर्माण और उद्यमशीलता), (ii) बी.वोक. (फैशन डिजाइन और रिटेल), (iii) युवा विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा और (iv) समुदाय मानसिक स्वास्थ्य में डिप्लोमा आरंभ किया है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माणः आरजीएनआईवाईडी देश भर में युवाओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विभिन्न विषयों जैसे कि युवा नियोजनीयता कौशल, सामाजिक उद्यमशीलता, जेंडर समानता, जीवन कौशल, आपदा तैयारी और जोखिम में कमी लाना, उद्यमशीलता और आजीविका के मुद्दे, युवा नेतृत्व तथा व्यक्तित्व विकास, शांति, सामाजिक सद्भावना और राष्ट्रीय एकता के दूत के रूप में युवा, महिला नेतृत्व और भागीदारी, उच्च शिक्षा में महिला प्रबंधकों का क्षमता निर्माण इत्यादि के संबंध में बड़ी संख्या में प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों (ट्रेनरों के प्रशिक्षण सहित) का संचालन करता है। जनजातीय युवाओं और पूर्वोत्तर के युवाओं के विकास में ध्यान देने के लिए एक नए जनजातीय एवं पूर्वोत्तर युवा विकास विभाग की स्थापना की गयी है।

शोध कार्यक्रमः आरजीएनआईवाईडी युवा अध्ययन के संबंध में अंतर विषयक डॉक्टरल कार्यक्रम प्रदान करता है।

2015–16 (31.12.2015 तक) के दौरान कार्य निष्पादन/विकास

शैक्षिक कार्यक्रम

चालू वर्ष के दौरान, स्नातकोत्तर कार्यक्रमों की व्यापक पुनसंरचना की गयी है और इस कार्रवाई को करने के पश्चात नए बनाए गए कार्यक्रम प्रदान किए गए हैं। दो नए स्नातकोत्तर कार्यक्रम नामतः काउंसलिंग साइकोलोजी में एम.एससी., सामाजिक नवाचार तथा उद्यमशीलता में एम. ए. प्रदान किए गए हैं। संस्थान ने युवा विकास में एक स्नातकोत्तर डिप्लोमा प्रदान करना भी आरंभ किया है।

आरजीएनआईवाईडी ने चालू वर्ष के दौरान ''परिधान निर्माण'' तथा ''उद्यमशीलता तथा फैशन डिजाइन एवं रिटेल'' पर बी.वोक. कार्यक्रम प्रदान करना आरंभ किया है। ये कार्यक्रम परिधान प्रशिक्षण एवं डिजाइन केन्द्र (एटीडीसी), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से आरंभ किए गए हैं। पहले वर्ष में 12 एटीडीसी केन्द्रों में इन पाठ्यक्रमों के तहत कुल 156 छात्रों को प्रवेश दिया गया है।

इसके अतिरिक्त, आरजीएनआईवाईडी अब समुदाय मानसिक स्वास्थ्य देखभाल (मानसिक स्वास्थ्य में बनयान नेतृत्व अकादमी के सहयोग से) के संबंध में एक डिप्लोमा कार्यक्रम भी प्रदान करता है।

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण

2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक), 24,715 भागीदारों को शामिल करते हुए 153 प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमें से 2,196 भागीदार ''ट्रेनरों का प्रशिक्षण'' कार्यक्रम के अंतर्गत थे। विभिन्न विषयों पर 80 अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।

2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक) कुछ प्रमुख कार्यक्रम/इवेंटः

आकांक्षा विशिश्ट व्याख्यान माला : दिनांक 16.04.2015 को प्रो. एन. आर. माधव मेनन, आईबीए–सीएलई सतत कानूनी शिक्षा चेयर, राष्ट्रीय भारतीय विधि स्कूल विश्वविद्यालय, बंगलोर तथा इंस्टीयूट ऑफ लीगल एडवोकेसी प्रशिक्षण (एमआईएलएटी) , तिरूवनंतपुरम के अध्यक्ष द्वारा 'संवैधानिक मूल्यों, सामाजिक न्याय और जिम्मेदार नागरिकता' के संबंध में 'आकांक्षा' विशिष्ट व्याख्यान दिया गया। श्री पॉल बसिल, विलग्रो इनोवेशनस फाउंडेशन, चेन्नै के संस्थापक और सीईओ द्वारा

06.10.2015 को 'सामाजिक उद्यमशीलता का बढ़ता हुआ क्षेत्र–शिक्षा और अवसर' के बारे में एक अन्य 'आकांक्षा' लेकचर प्रदान किया गया।

बेरोजगारी को उद्यमिता में बदलनाः भारतीय युवाओं को सामाजिक व्यापार के लिए प्रेरित करना और सामाजिक व्यापार पर कार्यशालाः आरजीएनआईवाईडी तथा एशिया प्रशांत समेकित ग्रामीण विकास केन्द्र (सीआईआरडीएपी) द्वारा दिनांक 01.09.2015 को संयुक्त रूप से बेरोजगारी को उद्यमिता में बदलनाः भारतीय युवाओं को सामाजिक व्यापार के लिए प्रेरित करने के संबंध में विशिष्ट लेकचर का आयोजन किया गया। यह लेकचर प्रो0 मोहम्मद युनुस, नोबल साहित्यकार और संस्थापक, ग्रामीण बैंक, बांग्लादेश द्वारा प्रदान किया गया जिन्होंने ग्रामीण बैंक के विकास के अपने अनुभव साझा किए जिसके लिए उन्हें 2006 नोबल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया था। प्रो0 युनुस ने स्पष्ट किया कि कैसे एक छोटा सा विचार अत्यधिक गरीब, विशेषकर महिलाओं के लिए बिना किसी प्रतिभति के माइक्रो–फाइनेंस प्रदान करने के लिए एक वैश्विक सामाजिक पहल में परिवर्तित हो गया। उन्होंने सामाजिक व्यापारः व्यापार का ऐसा दृष्टिकोण जो सामाजिक समस्याओं को हल करने का प्रयास करता है, के अपने विचार के प्रसार तथा कार्यन्वयन के प्रति अपने हाल के कार्य का भी उल्लेख किया।

यूनिवर्सिटी ऑफ फलोरिडा (यूओएफ) का विदेश में पढ़े कार्यक्रमः यूनिवर्सिटी ऑफ फलोरिडा (यूओएफ) का विदेश में पढ़े कार्यक्रम का उद्देश्य इसके छात्रों को विभिन्न देशों में महत्वपूर्ण विचारक कौशल विकसित करना तथा सामाजिक तंत्र के अनुभव का अवसर प्रदान करना है। इस पहल के भाग के रूप में युवा एवं समुदाय विज्ञान विकास, यूओएफ के छात्रों और विद्वानों ने 03.08.2015 को आरजीएनआईवाईडी की यात्रा की। यात्रा के दौरान कांचीपुरम जिले में मुडीचुर ग्राम पंचायत में स्थानीय एनजीओ द्वारा किए जा रहे कार्य के बारे में विचार–विमर्श किया गया। मुडीचुर ग्राम पंचायत की यात्रा का भी प्रबंध किया गया।

पूर्वोत्तर सामाजिक प्रभाव पुरस्कार, 2015: पूर्वोत्तर सामाजिक प्रभाव पुरस्कार (एनईएसआई) समिट का 28.08.2015 को संयुक्त रूप से पूर्वोत्तर विकास फाउंडेशन, आरजीएनआईवाईडी तथा अन्य भागीदारों द्वारा आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एनईआर में सामाजिक एवं समुदाय विकास पहलों/नवाचार (एससीडीआई) में सर्वोत्तम पद्वति की पहचान करना तथा मान्यता देना, एनईआर में एससीडीआर में अच्छी प्रथाओं के लिए ज्ञान/नेटवर्क का आदान–प्रदान तथा उन्हें साझा करने हेतु एक मंच तैयार करना, नीति और कार्यक्रम समेकन के लिए एससीडीआई की सर्वोत्तम पद्वति की रिपोजिटरी तैयार करना है।

दूसरा सार्क युवा नेतृत्व समिट: चंडीगढ़ में आरजीएआईवाईडी के क्षेत्रीय केन्द्र ने युवस्ता के सहयोग से 30.9.2015 को दूसरे सार्क युवा नेृत्व समिट का आयोजन किया। पाकिस्तान, भारत, अफगानिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, और भूटान सहित सार्क राष्ट्रों के प्रतिनिधि इस समिट का भाग बने। इस समिट ने सार्क राष्ट्रों के युवाओं को युवाओं से संबद्व विभिन्न मुद्दों पर विचार–विमर्श करने के लिए मंच प्रदान किया।

विदेशी विष्टमंडलों का आरजीएनआईवाईडी दौरा: आरजीएनआईवाईडी ने 16.12.2015 को विदेशी शिष्टमंडल (राष्ट्रीय तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण एवं शोध संस्थान, चेन्नै में) के दौरे की मेजबानी की। प्रशिक्षण हेतु पाठ्यचर्या विकास में उनके प्रशिक्षण के भाग के रूप में मंगोलिया, केन्या, सूडान, जिम्बावे, मलेशिया, क्यूबा, मॉरिशस, अफगानिस्तान, फिजी, इक्यूएडर, अर्जेन्टीना, तंजानिया, नाइजीरिया, और फिलिपीन्स के अध्यापकों ने आरजीएनआईवाईडी का दौरा किया। विदेशी शिष्टमंडल को आरजीएनआईवाईडी के स्नातकोत्तर कार्यक्रम विकास, अनुदेशी सामग्री विकास फील्ड इमरशन, प्रैक्टिकम, प्लेसमेंट, इंटर्नशिप तथा संस्थाान द्वारा युवाओं और युवा कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में अवगत करवाया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन: आरजीएनआईवाईडी ने 21.06.2015 को विभिन्न विशेष कार्यक्रम आयोजित करके परिसर में पहला अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया। संस्थान में इस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। योग से संबंधित विषयों उदाहरर्णाथ योग के विभिन्न स्वरूप, योग के चरण, स्वास्थ्य के लिए योग मुद्राएं, मानसिक और शारीरिक बल के लिए योग के संबंध में पेनल विचार–विमर्श, लेकचर व प्रदर्शन आयोजित किए गए। इसके पश्चात युवाओं का विशिष्ट योग विशेषज्ञों के साथ सीधा इंटरएक्शन हुआ। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय दृष्टिहीन संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र के 25 दृष्टिहीनों के अलावा चेन्नै, थीरूवलूर और कांचीपुरम जिले के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

विश्व युवा कौशल दिवस: आरजीएनाईवाईडी ने 15.7.2015 को विश्व युवा कौशल दिवस मनाया। उस दिन भारत के माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी

द्वारा राष्ट्रीय कौशल विकास नीति के शुभारंभ का सीधा प्रसारण किया गया। श्री दीपक राजशेखर, ग्रो वैल्यू एच आर सॉल्यूशनस (प्रा.) लिमिटेड, चेन्नै के संस्थापक निदेशक और सीईओ ने एक वार्ता प्रदान की जिसमें देश की बड़ी युवा जनसंख्या के कौशल की आवश्यकता को उजागर किया गया। इस दिन संस्थान द्वारा वीडोक्स टेकनोलोजीस के सहयोग से एक कौशल मूल्यांकन परीक्षण का आयोजन किया गया।

युवा उद्यमियों को 'मेक इन इंडिया' के लिए तैयार करने संबंधी कार्यशालाः आरजीएनआईवाईडी, क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ में 20–24 जुलाई, 2015 के दौरान एक 5–दिवसीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, तथा चंडीगढ़ के युवाओं ने भाग लिया। कार्यशाला के क्षेत्रीय उद्यमिता विकास केन्द्र, एनआईटीटीटीआर, विश्वविद्यालय विधायी अध्ययन संस्थान, पंजाब विश्वविद्यालय इत्यादि के संकाय सदस्यों ने भाग लिया। सफल उद्यमियों ने भागीदारों के साथ अपने अनुभव साझा किए। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य आरंभ करने क लिए प्रेरित करना था ताकि वे 'मेक इन इंडिया' के सपने को साकार कर सकें।

कौशल विकास के जरिए युवा सशक्तीकरण तथा प्रशिक्षु ऊलकिट वितरण संबंधी सेमीनारः क्षेत्रीय केन्द्र आरजीएनआईवाईडी , चंडीगढ़ ने दिनांक 7.8. 2015 को कौशल विकास के जरिए युवा सशक्तीकरण तथा प्रशिक्षु टूलकिट वितरण के संबंध में एक सेमीनार का आयोजन किया जिसमें 700 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन कौशल विकास कार्यक्रम के अतिर्गत दाखिल छात्रों को टूलकिट वितरित किए गए।

अंतर–राज्यीय युवा आदान–प्रदान तथा होम स्टे कार्यक्रमः कर्नाटक आर्टस कॉलेज, धारवाड़, कर्नाटक में 9–18 अक्तूबर,2015 के दौरान एक अंतर–राज्यीय

युवा आदान–प्रदान तथा होम स्टे कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्वोत्तर राज्यों अर्थात अरूणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम, सिक्किम और कर्नाटक के युवाओं ने इसमें भाग लिया। 13–22 दिसंबर, 2015 के दौरान युवा छात्रावास, मपुसा, गोवा में एक अन्य कार्यक्रम आयोजित किया गा। इस कार्यक्रम में समूचे पूर्वोत्तर के युवाओं और गोवा के युवा स्वंयसेवकों ने भाग लिया।

आरजीएनआईवाईडी पाठ्यचर्या और परीक्षण में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के प्रयोग के संबंध में इसरो के साथ विडियो सम्मेलनः आरजीएनआईवाईडी स्नातकोत्तर कार्यक्रमों और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में आरजीएनआईवाईडी व्यकितयों के क्षमता निर्माण के भाग के रूप में प्रशिक्षण मॉडयूल के विकास पर विचार–विमर्श के लिए भारतीय अंतरिक्ष शोध संगठन (इसरो) कार्यसमूह दल के साथ 24.11.2015 को एक वीडियो सम्मेलन का अयोजन किया गया।

भूटानी विशष्टमंडल की यात्राः भूटान की राजशाही सरकार के अनुरोध पर आरजीएनआईवाईडी ने 16 से 21 नवंबर, 2015 तक भूटानी प्रतिनिधिमंडल के लिए बैठक का आयोजन किया। इस प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता सुश्री फिन्तशो कोएडन, महानिदेशक, युवा और खेल विभाग, शिक्ष मंत्रालय द्वारा की गयी थी। इस टीम ने आरजीएनआईवाईडी के संकाय सदस्यों, एनएसएस तथा एनवाईकेएस के कर्मचारियों और सिविल सोसायटी संगठनों के साथ मेल–मिलाप किया। प्रतिनिधिमंडल ने भूटान के कर्मचारियों के क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एनएसएस के साथ युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम, चुनिंदा विषयगत क्षेत्रों पर संयुक्त अध्ययन, युवाओं को स्थानीय अभिशासन में मुख्यधारा में लाने और आरजीएनआईवाईडी क साथ इंटर्नशिप के क्षेत्रों में आरजीएनआईवाईडी के सथ सहयोग में अपनी रूची व्यक्त की।

मणिपुर अकादमी के पुग कोलोम कलाकार और आरजीएनआईवाईडी में एसपीआईसी एमएसीएवाई अध्याय का उद्घाटनः आरजीएनआईवाईडी के जनजानीय एवं पूर्वोत्तर युवा केनद्र ने 8.10.2015 को आरजीएनआईवाईडी में एसपीआईसी एमएसीएवाई अध्याय के उद्घाटन के अवसर पर 'पुंग कोलोम' कार्यक्रम का आयोजन किया, इसमें कला और संस्कृति के माध्यम से युवाओं में सामाजिक सद्भाव तथा राष्ट्रीय एकता के संवर्धन का प्रयास किया गया। यह कार्यक्रम एसपीआईसी एमएसीएवाई, तमिलनाडु अध्याय क सहयोग से आयोजित किया गया।

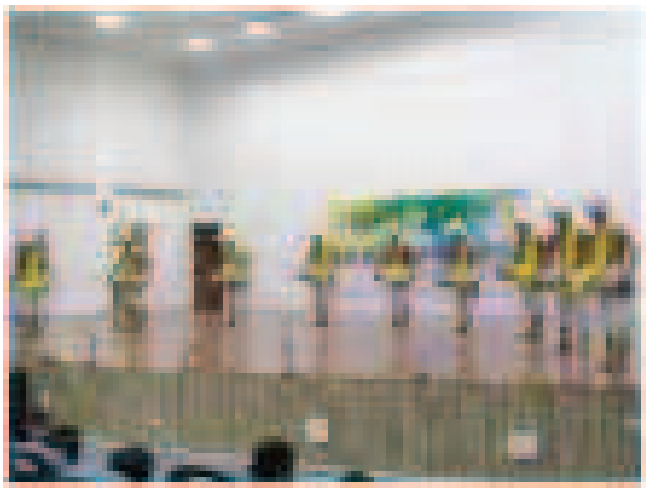

नेतृत्व और परिवर्तन के लिए महिला कनेक्ट कार्यशालाः जेंडर अध्ययन संस्थान द्वारा नार्थ महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगांव में विश्वविद्यालय के सहयोग से 23–28 नवंबर, 2015 के दौरान उच्च शिक्षा में महिला संकाय हेतु नेतृत्व और परिवर्तन के लिए महिला कनेक्ट कार्यशाला संबंधी एक 6–दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। ऐसा एक और कार्यक्रम 14–19 दिसंबर, 2015 के दौरान असम के डिब्रुगढ़ विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। असम और मेघालय के विभिन्न कॉलोजों तथा विश्वविद्यालयों के महिला शिक्षाविदों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

प्रीसीसन फॉर्मिंग में जनजातीय युवाओं का क्षमता निर्माणः प्रीसीसन फॉर्मिंग, आधुनिक फॉर्मिंग पद्वति में से एक है जो उत्पादन को अधिक सक्षम बनाती है। जनजातीय किसानों को पीसीसन फॉर्मिंग के मूल के साथ सुसज्जित करने के लिए 02–04 दिसंबर, 2015 के दौरान आरजीएनआईवाईडी की युवा ज्योति परियोजना तथा डा0 एम.एस.स्वामीनाथन शोध फाउंडेशन (एमएसएसआरएफ) के तहत वेयनाड, केरल में प्रीसीसन फॉर्मिंग पर 3–दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यशाला का आयेजन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवसः आरजीएनआईवाईडी में 12.12.2015 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस का आयोजन किया गया। माननीय न्यायमूर्ति ;सेवानिवृत्तद्ध अकबर अली, मद्रास उच्च न्यायालय ने विशेष भाषण दिया। उन्होने मानवता के जीवन और सम्मान की रक्षा के लिए मानवाधिकारों के ऐतिहासिक विकास और इसके विशेष लक्षणों को उजागर किया।

यूएनवी–डीवाईसी के लिए व्यावसायिक विकास कार्यक्रमः आरजीएनआईवाईडी के क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ ने युवा कार्यक्रम विभाग और यूएनवी/यूएनडीपी द्वारा संयुक्त रूप से क्रियान्वित की जा रही 'एनवाईकेएस तथा एनएसएस का सुदृढ़ीकरण' की परियोजना के तहत नए शामिल 29 यूएनवी–डीवाईसी के लिए दिसंबर 2015 के दौरान एक माह के व्यापक, कस्टमाइजड और बहु–विषयक क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया।

युवा नीति का कार्यान्वयनः आरजीएनआईवाईडी द्व ारा दिसंबर 2015 क दौरान यूएनएफपीए की सहायता से चार राज्यों में युवा नीति के कार्यान्वयन की स्थिति के बारे में एक अध्ययन किया गया। अध्ययन के भाग के रूप में चार राज्यों अर्थात झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिसा को कार्यान्वयन नीति, प्रतिभागी दृष्टिकोण इत्यादि के संबंध में नीति मूल्यांकन का अध्ययन करने के लिए चरण–! में अभिज्ञात किया गया।

स्वच्छ भारत मिशनः आरजीएनआईवाईडी ने 'स्वच्छ भारत मिशन' के भाग के रूप में 02 अक्तूबर 2015 (गांधी जयंती के दिन) श्रीपेरम्बदूर में अपने परिसर में गहन स्वच्छता अभियान आयोजित किया। सभी संभव कबम उठाते हुए 4 आर (रिडयूस, रियूस, रिसाईकल और रिप्लेस प्लास्टिक मेटिरियल) द्वारा कैम्पस में और नजदीकी गांवों में आवधिक रूप से सफाई भी की गयी। एम.ए. स्थानीय गवर्नेंस, आरजीएनआईवाईडी के छात्रों और संकाय सदस्यों ने नवम्बर 2015 के प्रथम सप्ताह के दौरान श्रीपेरमबदूर से टी–नगर, चेन्नै तक तमिलनाडु स्टेट ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन (टीएनएसटीसी)में स्वच्छता की स्थिति पर सर्वेक्षण किया। इसके अतिरिक्त, आरजीएनआईवाईडी के छात्रों और संकाय ने चेन्नै के विभिन्न भागों जो दिसंबर 2015 के दौरान बाढ़ से प्रभावित हुए थे, में स्वच्छता अभियान चलाया। आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ ने 'स्वच्छ भारत मिशन' को सभी कार्यक्रमों में प्रभावी रूप से मुख्यधारा में लाने के लिए विशेष स्वच्छता अभियान और संवेदी कार्यक्रम का भी आयोजन किया।

स्थापित भागीदारीः आरजीएनआईवाईडी ने काउंसलिंग, प्रशिक्षण, राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ वित्तीय सम्पर्क इत्यादि प्रदान करके युवा उद्यमियों की पहचान और उन्हें तैयार करने हेतु 'युवा उद्यमिता इनकुबेशन केन्द्र' के विकास हेतु भारतीय युवा शक्ती ट्रस्ट (बीवाईएसटी) के साथ एक सहयोग पत्र तैयार किया है। आरजीएनआईवाईडी ज्ञान भागीदारी और सामाजिक उद्यमिता के संवर्धन के लिए आईआईटी मद्रास में 12.11.2015 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मद्रास (आईआईटी) चेन्नै के सामाजिक नवाचार एवं उद्यमिता केन्द्र (सीएसआईई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं। इस करार का मुख्य उद्देश्य ज्ञान शेयरिंग के जरिए लाभ उठाना और शैक्षिक सहयोग के साथ सामाजिक उद्यमिता की पद्वति को सघन बनाने के लिए लाभ उठाता है। इसके अतिरिक्त यह भागीदार मॉडूलर अधिगम, छात्र इंटर्नशिन तथा इमरशन कार्यक्रमों के लिए भी सहायता प्रदान करेगी।

अध्याय–7

राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम

प्रस्तावना

राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) मंत्रालय की एक "अम्ब्रेला योजना" है। जिसके तहत सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों को युवाओं तथा किशोर विकास के लिए गतिविधियों हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। यह योजना 1 अप्रैल, 2008 से लागू हैं। एनपीवाईएडी के अंतर्गत सहायता 5 प्रमुख घटकों के अंतर्गत प्रदान की जाती है, नामतः

क) युवा नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण।

ख) राष्ट्रीय एकता का संवर्धन (राष्ट्रीय एकता कैंप, अंतर राज्य युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम, युवा उत्सव, बहु–सांस्कृतिक गतिविधियां इत्यादि)।

ग) साहस का संवर्धनः तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार।

घ) किशोरों का विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, काउंसलिंग, कैरियर गाइडेंस इत्यादि)।

ङ) तकनीकी तथा संसाधन विकास (युवा मामलों के संबंध में शोध तथा अध्ययन, प्रलेखन, सेमिनार/कार्यशाला)।

संचालन दिशा–निर्देश

जेम सहायता पात्र संगठनों में ऐसी सभी स्वायत्त संगठन शामिल हैं जो सरकार द्वारा आंशिक अथवा पूर्णतः वित्तपोषित, पंजीकृत सोसायटियां, न्यास, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन जैसे कि राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थाएं इत्यादि शामिल हैं।

योजना के लाभार्थी 15–29 वर्ष आयु समूह में युवा और 10–19 वर्ष आयु समूह में किशोर होते हैं। सहायता के लिए वित्तीय मानदंड योजना के तहत गतिविधि के हर प्रकार के लिए योजना में दिए गए हैं।

सहायता सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर अनुमोदित की जाती है। 2015–16 के दौरान (31.12.2015 तक), अखिल भारतीय स्तर के संगठनों के अतिरिक्त विभिन्न संगठनों को 20.40 करोड़ रूपए की कुल सहायता मंजूर की गई थी।

राष्ट्रीय युवा उत्सव

एनपीवाईएडी के राष्ट्रीय एकता के संवर्धन के घटक (ख) के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष स्वामी विवेकानंद की वर्षगांठ (12 जनवरी), जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में भी मनाया जाता है, के आयोजन के लिए जनवरी माह के दौरान एक राष्ट्रीय युवा उत्सव आयोजित किया जाता है। यह उत्सव इच्छुक तथा इसकी मेजबानी हेतु सज्जित किसी एक राज्य में आयोजित किया जाता है। व्यय को केंद्र तथा मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है। उत्सव के भाग के रूप में आयोजित कार्यक्रमों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम (प्रतिस्पर्धी और गैर–प्रतिस्पर्धी दोनों), युवा समारोह, सुविचार, प्रदर्शनियां, साहस कार्यक्रम इत्यादि शामिल होते हैं। 20वां राष्ट्रीय युवा उत्सव 12–16 जनवरी, 2016 के दौरान रायपुर, दत्तीसगढ़ में आयोजित किया गया। लगभग 6,500 युवकों ने उत्सव में भाग लिया। भारत के माननीय प्रधान मंत्री ने दिनांक 12

जनवरी, 2016 को उत्सव के उद्घाटन समरोह के दौरान युवाओं को संबोधित किया।

दिनांक 12 जनवरी, 2016 को आयोजित 20 वें राष्ट्रीय युवा उत्सव, रायपुर, छत्तीसगढ का उद्घाटन समारोह

राष्ट्रीय युवा उत्सव, रायपुर, छत्तीसगढ़ के दौरान भाग लेने वाले जत्थे का मार्च पास्ट

20वें राष्ट्रीय उत्सव, रायपुर, छत्तीसगढ़ के दौरान नृत्य प्रतिस्पसर्धा

20वें राष्ट्रीय युवा उत्सव, रायपुर, छत्तीसगढ़ के दौरान प्रतिस्पर्धी इवेंट

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रत्येक वर्ष राष्ट्र निर्माण/समुदाय सेवा के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्य हेतु युवा व्यक्तियों और गैर–सरकारी संगठनों को दिए जाते हैं। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 40,000 रुपए का नगद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र दिया जाता है। स्वयंसेवी युवा संगठनों को पुरस्कार में एक प्रमाण–पत्र तथा 2 लाख रुपए की राशि शामिल होती है। इस वर्ष विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 25 युवाओं और 2 संगठनों को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए गए थे। पुरस्कार 12 जनवरी, 2016 को राष्ट्रीय युवा उत्सव के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रदान किए गए थे।

राष्ट्रीय युवा उत्सव के उद्घाटन समारोह के दौरान 2014–15 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रस्तुत करते हुए

12 जनवरी, 2016 को 20वें राष्ट्रीय युवा उत्सव का समापन समारोह

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार

तेनजिंग नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार जमीन, समुंद्र और हवा में साहस के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय मान्यता है। पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को 5.00 लाख रुपए का नगद पुरस्कार और एक प्रशस्ति–पत्र दिया जाता है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समान है। नॉर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्व ारा प्रत्येक वर्ष के अगस्त महीने में राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में अर्जुन पुरस्कारों के साथ प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष ये पुरस्कार 29.08.2015 को 5 व्यक्तियों को दिए गए थे।

यूएनएफपीए समर्थित किशोर स्वास्थ्य एवं विकास परियोजना

यह परियोजना स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के लिए यूएनएफपीए (संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष) के निधियन के बड़े कार्यक्रम का भाग है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य किशोरों का क्षमता निर्माण करना है। यह परियोजना 2004 से क्रियान्वयन के अधीन है (यूएनएफपीए का देश प्लान–6)। 11वीं योजना अवधि के दौरान परियोजना (यूएनएफपीए का देश प्लान–7) पर 13.57 करोड़ रुपए का कुल व्यय हुआ था। वर्तमान में, यूएनएफपीए का देश प्लान–8 क्रियान्वयन के अधीन है। यह परियोजना एनवाईकेएस के माध्यम से क्रियान्वित की जा रही है। 2014–15 के दौरान, इस परियोजना के क्रियान्वयन के लिए केलैंडर वर्ष 2015 के दौरान एनवाईकेएस को 3 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी। केलैंडर वर्ष 2016 के लिए वार्षिक कार्य योजना को 76.03 लाख रूपए के लिए अंतिम रूप दिया गया है और शीघ्र ही निधियां जारी की गयी।

पूर्वोत्तर युवा उत्सव

29–31 मई, 2015 के दौरान असम के जारहट जिले में मजुली में एक पूर्वोत्तर युवा उत्सव का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य पूर्वोत्तर के युवाओं को नजदीक लाने, उनकी घनी सांस्कृतिक विरासत को शेयर करने, एक दूसरे से सम्पर्क करने और सीखने के लिए एक मंच प्रदान करना है। उत्सव में लगभग 2,100 युवाओं ने भाग लिया।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

प्रस्तावना

जेम विभाग का प्रयास विभिन्न युवा मुद्दों पर अन्य देशों और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के सहयोग से युवाओं में एक अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण पैदा करना है। यह विभाग यूएन एजेंसियों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्र विकास कोष (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर भी सहयोग करता है।

अंतर्राष्ट्रीय युवा आदान–प्रदानः

मित्र राष्ट्रों के साथ पारस्परिक आधार पर विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और संस्कृति के आदान–प्रदान का संवर्धन करने और शांति तथा समझ का संवर्धन करने के लिए युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया जाता है। यह युवाओं में अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण विकसित करने में सहायता प्रदान करता है। वर्तमान में निम्नलिखित देशों के साथ युवा आदन–प्रदान कार्यक्रम चल रहे हैं।

- **चीनः** भारत और चीन के बीच वर्ष 2006 में युवा शिष्टमंडलों का आदान–प्रदान किया गया। तब से, भारत और चीन प्रत्येक वर्ष (केवल वर्ष 2001 को छोड़कर जिसे 'भारत–चीन आदान–प्रदान

का वर्ष घोषित किया गया था, दोनों देशों के बीच 500–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया गया था) 100–युवा सदस्यों प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान करते रहे हैं। इसके अतिरिक्त, सितम्बर, 2014 में चीन के राष्ट्रपति की भारत में यात्रा के दौरान इस आशय की एक संयुक्त घोषणा पर हस्ताक्षर किए गए कि 2015 से भारत और चीन के बीच 200–युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया जाएगा। तदनुसार कदम उठाए गए हैं।

- **दक्षिण कोरियाः** भारत तथा दक्षिण कोरिया के बीच वर्ष 2006 में युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया गया। तब से दोनों देशों के बीच 20–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया जा रहा है। यह निर्णय लिया गया है कि 2016 से दोनों देशों के बीच 50–सदस्यीय प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान किया जाएगा।
- **बांग्लादेशः** वर्ष 2012 से बांग्लादेश से एक 100–सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल भारत की यात्रा कर रहा है।
- **नेपालः** नवंबर 2014 में भारत और नेपाल के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के अनुसरण में भारत और नेपाल के बीच युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान आरंभ हो गया है।
- **श्रीलंकाः** मार्च, 2015 में भारत और श्रीलंका के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के अनुसरण में भारत और श्रीलंका के बीच युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान आरंभ हो गया है।
- **बहरीनः** फरवरी, 2014 में भारत और बहरीन के बीच हस्ताक्षरित एक समझौता ज्ञापन के अनुसरण में भारत और बहरीन के बीच युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान–प्रदान आरंभ हो गया है।
- **अन्य देशः** उपरोक्त के अलावा, भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल समय–समय पर विभिन्न देशों की यात्रा करता रहा है परंतु ये नियमित वार्षिक इवेंट नहीं हैं।

2015–16 के दौरान ;31.12.2015 तकद्ध निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गएः

अप्रैल, 2015	▪ 50–सदस्यीय नेपाली युवा प्रतिनिधिमंडल की भारत यात्रा। ▪ 12–सदस्कीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने 'अंतर्राष्ट्रीय युवा सांस्कृतिक उत्सव, 2015' में भाग लेने के लिए कम्बोडिया की यात्रा की।
जून, 2015	▪ 22– सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण कोरिया की यात्रा की।
जुलाई, 2015	▪ 55–सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ब्रिक्स युवा समिट में भाग लेने के लिए रूस की यात्रा की। समिट के दौरान ब्राजिल, रूस, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ युवा नीति के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक बहुपक्षीय दस्तावेज पर हस्ताक्षर किए गए।
अगस्त, 2015	▪ 20–सदस्यीय दक्षिण कोरियाई युवा प्रतिनिधिमंडल ने भारत की यात्रा की। ▪ 12–सदस्यीय श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल ने भारत की यात्रा की। ▪ 189–सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने चीन की यात्रा की।
अक्तूबर, 2015	▪ 100–सदस्यीय बांग्लादेशी युवा प्रतिनिधिमंडल ने भारत की यात्रा की।

नवम्बर, 2015	▪ 200–सदस्यीय चीनी प्रतिनिधिमंडल ने नवंबर 2015 में भारत की यात्रा की। ▪ 9–सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने श्रीलंका की यात्रा की। ▪ 10–सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने एशियाई युवा नेता समिट, 2015 में भाग लेने के लिए मलेशिया की यात्रा की।
दिसम्बर, 2015	▪ 20–सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल ने बहरीन की यात्रा की। ▪ सचिव, युवा कार्यक्रम, भारत सरकार ने ब्राजिलिया, ब्राजील में ''अंतर्राष्ट्रीय युवा सेमीना और तीसरे राष्ट्रीय युवा ब्राजील सम्मेलन'' में भाग लिया।

उपरोक्त के अतिरिक्त, एक 8–सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल 21.01.2016 से 09.03.2016 तक 'विश्व युवा नेता कार्यक्रम' में भाग लेने के लिए जापान की यात्रा करेगा। विएतनाम, कुवेत, और मालदीव के बीच शीघ्र ही एक समझौता ज्ञापन किए जाने की संभावना है। इसके अतिरिक्त कई देशों जिनमें सार्क राष्ट्र, म्यांमार, इंडोनेशिया, फ्रांस, इजराइल, ब्राजील, रूस, तुर्की, न्यूजीलैंड, अरजेंटेनिया, बेलारस, चिली, मोजाम्बिक इत्यादि शामिल हैं, के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करने/युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम आरंभ करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बांगलादेशी युवा प्रतिनिधिमंडल

यूएन एजेंसियों/सीवाईपी के साथ सहयोग

संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी): यह मंत्रालय युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर इन एजेंसियों के साथ घनिष्ठता से कार्य करने के प्रयास कर रहा है। मंत्रालय यूएनवी कार्यक्रम के लिए भारत के स्वयंसेवी योगदान के रूप में 15,000 डॉलर प्रतिवर्ष जारी करता है।

2015–16 के दौरान विभाग ने वित्त मंत्रालय से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात यूएनडीपी/यूएनवी के साथ संयुक्त रूप से ''एनवाईकेएस और एनएसए के सुदृढ़ीकरण'' के लिए एक परियोजना का कार्यान्वय आरंभ किया है। यह योजना 4 वर्ष की अवधि में कार्यान्वित की जानी है। परियोजना की कुल लागत 23,43,434 अमरीकी डालर है जिसमें से भारत सरकार का हिस्सा 14,93,434 अमरीकी डालर है और यूएनवी/यूएनडीपी का हिस्सा 8,50,000 अमरीकी डालर है। भारत सरकार से परियोजना के लिए अंशदान की 3 करोड़ रूपए की पहली किश्त जारी की गयी है। युवा कार्यक्रम विभाग, यूएनडीपी/यूएनवी और राष्ट्रीय परियोजना निदेशक के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक परियोजना अनुवीक्षण समिति का परियोजना की निगरानी हेतु गठन किया गया है और समिति ने कार्य करना आरंभ कर दिया है। एक परियोजना प्रबंधक, 3 यूएनवी प्रबंध संघों और 29 यूएनवी जिला युवा समन्वयकों (यूएनवी–डीवाईसी) को शामिल करते हुए परियोजना टीम की भर्ती की गयी है। यूएनवी–डीवाईसी को आरजीएनआईवाईडी के माध्यम से 4–सप्ताह का उन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान किया गया है और इसने क्षेत्र में कार्य आरंभ कर दिया है।

राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी): सीवाईपी 1973 से अस्तित्व में है और पूर्व में इसे लंदन में मुख्यालय और भारत, गुआना, जाम्बिया और सोलोमन द्वीप समूह में चार क्षेत्रीय केंद्रों से संचालित किया जा रहा था। तथापि, 2013–14 के दौरान सीवाईपी ने पुनर्गठन कार्रवाई के रूप में अपने सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया जो अन्य बातों के साथ–साथ इनकी निधि संबंधी बाध्यताओं के कारण आवश्यक था। तदनुसार चंडीगढ़ में सीवाईपी के क्षेत्रीय केंद्र को 28.02.2014 से बंद कर दिया गया है। नई अवसंरचना के तहत सीवाईपी की भारत में एक क्षेत्रीय प्रतिनिधि (एशिया क्षेत्र के लिए) तैनात करने का प्रस्ताव है (जिसकी एक विशेष सहायक द्वार सहायता की जाएगी)। इस टीम की सहायता के लिए सीवाईपी ने भारत सरकार से कुछ विशिष्ट सहायता का अनुरोध किया है। यह मामला सरकार के विचाराधीन है। वर्तमान में भारात ने सीवाईपी वार्षिक शपथ राशि के रूप में 1.20 करोड़ रूपए का अंशदान दिया है।

जुलाई, 2015 के दौरान युवा कार्यक्रम और खेल विभाग ने नई दिल्ली में पहली एशिया क्षेत्र राष्ट्रमंडल युवा मंत्री बैठक (एएसआर–सीवाईएमएम) की मेजबानी की।

अध्याय–9

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम

प्रस्तावना

2014–15 की बजट घोषणा के अनुसरण में युवाओं में नेतृत्व के गुण विकसित करने के उद्देश्य से केंद्रीय क्षेत्र की एक नई योजना नामतः 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' आरंभ की गई है ताकि उन्हें राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। आवश्यक अनुमोदन प्राप्त करने के पश्चात यह योजना दिसंबर, 2014 में आरंभ की गई है। इस नई योजना की मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई हैं।

कार्यक्रम का उद्देश्य

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी) का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान देने के लिए अपनी पूर्ण क्षमता का लाभ उठाने के लिए समर्थ बनाया जा सके। इस कार्यक्रम लक्ष्य युवाओं को उनके संगत क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने हेतु प्रेरित करना तथा उन्हें विकास की प्रक्रिया के अग्रणी स्तर पर लाना है। इसमें राष्ट्र निर्माण के लिए गहरी युवा ऊर्जा का दोहन करने की अपेक्षा की गई है।

कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुसरण में 15–29 वर्ष आयु समूह में युवा होंगे।

कार्यक्रम के घटक

राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम का एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में प्रस्ताव है। इस कार्यक्रम में निम्नलिखित घटक होंगेः

1. पड़ोसी युवा संसद (एनवाईपी)
2. विकास कार्यक्रम के लिए युवा (वाईएफडीपी)
3. राष्ट्रीय युवा नेता पुरस्कार (एनवाईएलए)
4. राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषद् (एनवाईएसी)
5. राष्ट्रीय युवा विकास कोष (एनवाईडीएफ)

उपरोक्त प्रत्येक घटक के संबंध में उद्देश्य और कार्य क्षेत्र, क्रियान्वयन नीति तथा वित्तीय मानदंड निम्नानुसार हैः

1. पड़ोसी युवा संसद (एनवाईपी)

- **उद्देश्यः** इस कार्यक्रम के अंतर्गत एनवाईकेएस के युवा क्लबों के मंचों का युवा क्लब सदस्यों को सामान्य रूप से ग्रामीण समुदाय से संबंधित सामाजिक–आर्थिक विकास के मुद्दों और विशेषकर युवाओं को शिक्षित करने तथा उन्हें ऐसे मुद्दों पर वाद–विवाद/विचार–विमर्श में शामिल करने के लिए "पड़ोसी युवा संसद" के आकार में और अधिक विकसित किया जाएगा।

- **"पड़ोसी युवा संसद" में लिए जाने वाले विषयः** "पड़ोसी युवा संसद" स्थानीय समुदाय से संबंधित किसी भी मुद्दे को उठा सकती है। कुछ उदाहरण हैः शिक्षा और साक्षरता, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषण, महिला भ्रूण हत्या, दहेज प्रथा, मादक द्रव्यों का इस्तेमाल और शराब इत्यादि जैसे सामाजिक मुद्दे, पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण, ग्रामीण विकास, आर्थिक विकास मुद्दे, कौशल विकास और उद्यमशीलता, स्वयं सेवा, नागरिक शिक्षा इत्यादि।

- **क्रियान्वयन नीतिः** "युवा क्लबों" को गतिमान "पड़ोसी युवा संसद" के रूप में कार्य करने के लिए समर्थ बनाने हेतु युवा क्लब नेताओं का क्षमता निर्माण सतत आधार पर आवश्यक होगा। यह "ब्लॉक युवा संसद" की

प्रकृति का होगा। इस संदर्भ में प्रत्येक तिमाही में प्रत्येक ब्लॉक में एक "ब्लॉक युवा संसद" का आयोजन किया जाएगा। प्रत्येक "ब्लॉक युवा संसद" कार्यक्रम में ऊपर सूचीबद्ध कुछ मुद्दे विचार–विमर्श/वाद–विवाद के लिए उठाए जाएंगे। "ब्लॉक युवा संसद" ब्लॉक से युवा नेताओं की भागीदारी के साथ आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम होगा। प्रत्येक युवा क्लब (युवा क्लब का अध्यक्ष और सचिव अथवा क्लब द्वारा निर्णित कोई अन्य प्रतिनिधि) के दो प्रतिनिधि ब्लॉक युवा संसद में भाग लेंगे। ये कार्यक्रम इस प्रकार तैयार किए जाएंगे कि प्रातः सत्र में प्रबुद्ध वक्ता चुनिन्दा मुद्दों प वार्ता प्रदान करेंगे और दोपहर के सत्र में भागीदार इन मुद्दों पर विचार रखेंगे। सत्र के अंत में विचार–विमर्शों और सिफारिशों के कार्यवृत्त तैयार किए जाएंगे। ये सिफारिशें संबद्ध राज्य विभागों तथा चुने गए स्थानीय निकायों को उनके विचारार्थ भेजा जाएगा। विभिन्न क्लबों से युवा नेता अपने संगत क्षेत्रों में वापसी के पश्चात अपने क्लब सदस्यों को शामिल करते हुए इसी प्रकार के विचार–विमर्शवाद–विवाद आयोजित करेंगे। यह अभिशासन की प्रक्रिया में युवाओं की प्रभावी भागीदारी की प्रक्रिया को आरंभ करेगा।

- **वित्तीय सहायता की पद्धतिः** "ब्लॉक युवा संसद" के आयोजन के लिए 80 युवाओं को शामिल करते हुए प्रति कार्यक्रम 12,000 रुपए की दर से वित्तीय सहायता दी जाएगी, अर्थात 150 रुपए प्रति युवा भागीदार। "पड़ोसी युवा संसद" के आयोजन के लिए प्रत्येक युवा क्लब को प्रति वर्ष 1,200 रुपए प्रति युवा क्लब की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

2. विकास कार्यक्रम के लिए युवा (वाईएफडीपी)

- **उद्देश्यः** इस कार्यक्रम का उद्देश्य गहन युवा ऊर्जा को उन्हें देश भर में बड़े स्तर पर श्रमदान में भागीदारी द्वारा राष्ट्र निर्माण के लिए सरणीबद्ध करना है। यह युवाओं के व्यक्तित्व और नेतृत्व गुणों का विकास करेगा और "श्रमिकों का सम्मान" की भावना का संवर्धन करेगा।

- **कार्यक्रम के अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों की प्रकृतिः** इस कार्यक्रम के अंतर्गत ऐसी कोई गतिविधि जिसमें स्वयंसेवी श्रम शामिल हो और वह स्थानीय क्षेत्र अथवा समुदाय के लिए उपयोगी हो, को लिया जा सकता है। कुछ उदाहरण है जल निकायों/नदियों की सफाई, पौध रोपड़, सार्वजनिक भवनों की सफाई/पेंटिंग/रखरखाव, गांव की सड़कों का निर्माण/मरम्मत, खेल मैदानों का विकास/रखरखाव, स्कूल/कॉलेज परिसरों की सफाई।

- **क्रियान्वयन नीतिः** इसका क्रियान्वयन (i) नेहरु युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) (ii) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) (iii) राष्ट्रीय केडिट कोरपस (एनसीसी), और (iv) राष्ट्रीय हरित कोरपस (एनजीसी) के माध्यम से किया जाएगा। इन कार्यक्रमों को प्रतिवर्ष प्रत्येक युवा द्वारा न्यूनतम 100 घंटे का "श्रमदान" प्रदान करने के लिए समुचित रूप से पुनर्गठित किया जाएगा। क्षेत्र के चुने हुए प्रतिनिधियों को भी ऐसे कार्यक्रमों के साथ जुड़ने के लिए अनुरोध किया जाएगा। ऐसे कार्यक्रमों के लिए समुचित प्रचार किया जाएगा। विभिन्न अन्य तरीकों से कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने के प्रयास भी किए जाएंगे। उदाहरण के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवाओं के लिए पुरस्कार आरंभ किए जाएंगे। वास्तव में, कार्यक्रम के साथ प्रबुद्ध व्यक्तियों को जोड़कर श्रमदान को गौरवान्वित करने के प्रयास किए जाएंगे।

- **वित्तीय सहायता की पद्धतिः** वास्तव में, 'श्रमदान' के लिए कोई वित्तीय सहायता नहीं होगी, चूंकि यह गतिविधि अपनी प्रकृति के अनुसार पूर्णतः स्वयंसेवी होने की आशा की जाती है। तथापि, ऐसे कार्यक्रमों के लिए युवाओं को प्रेरित/एकजुट करने तथा उत्कृष्ट कार्य

के लिए पुरस्कार प्रदान करने हेतु आईईसी गतिविधियों के लिए निधियों की आवश्यकता होगी। प्रतिवर्ष श्रमदान में शामिल युवाओं को 20 रुपए प्रति युवा की दर से वित्तीय सहायता दी जाएगी।

3. राष्ट्रीय युवा नेता पुरस्कार (एनवाईएलए)

- **उद्देश्यः** युवा सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य को मान्यता तथा पुरस्कार प्रदान करके उनके संगत क्षेत्रों में उत्कृष्टता के प्रयास के लिए प्रेरित करना है। ऐसे उत्कृष्ट रूप से प्रतिभावान युवा अन्यों के लिए भूमि का आदर्श और परामर्शदाताओं के रूप में कार्य कर सकते हैं।

- **शामिल किए जाने के लिए अपेक्षित क्षेत्रः** ये पुरस्कार लगभग 50 क्षेत्रों में दिए जाएंगे। इनमें साक्षरता और शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, स्वच्छता, पर्यावरण, कौशल विकास, उद्यमशीलता, महिला एवं बाल विकास, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी/ विकलांग व्यक्तियों/अल्पसंख्यकों के लिए कार्य करना, ई–गवर्नेंस, ग्रामीण विकास इत्यादि शामिल होंगे। क्षेत्रों की सूची को विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के परामर्श से अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रत्येक क्षेत्र में दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे– एक युवा पुरुष के लिए और दूसरा युवा महिला के लिए। इस प्रकार कुल लगभग 100 पुरस्कार होंगे।

- **पुरस्कार की प्रकृति और पात्रता की शर्तें:** इन पुरस्कारों में (i) एक पदक (ii) एक प्रशस्ति पत्र और (iii) 1,00,000 रुपए का नगद पुरस्कार शामिल होगा। पुरस्कार के लिए पात्र होने के लिए व्यक्ति को 15–29 वर्ष आयु समूह में युवा होना चाहिए। चूंकि विभिन्न क्षेत्रों के संबंध में आवश्यकता भिन्न हो सकती है, संबद्ध मंत्रालय/विभाग अपने क्षेत्रों के संबंध में अतिरिक्त शर्तें निर्धारित कर सकते है जो कि आवश्यक और समुचित समझी जाएं।

- **पुरस्कारों के चयन तथा पुरस्कार प्रदान करने की प्रक्रियाः** विभिन्न क्षेत्रों में पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नामों को संबद्ध मंत्रालयों/विभागों द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। प्रत्येक मंत्रालय/विभाग अपने क्षेत्र में प्रदर्शन के मूल्यांकन के मापदंड, आवेदन/ नामांकन प्रस्तुत करने के लिए निर्धारित प्रोफार्मा, चयन की प्रक्रिया इत्यादि के संबंध में प्रक्रिया निर्धारित करेगा। चयन समिति की अध्यक्षता वरीयता रूप से विभाग के सचिव द्वारा की जा सकती है। पुरस्कार से संबंधित सभी गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर तैयार किया जाएगा। सभी मंत्रालय/विभाग इस कैलेंडर का अनुसरण करेंगे, पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नाम को अंतिम रूप देंगे और इन्हें युवा कार्यक्रम विभाग को प्रेषित करेंगे। युवा कार्यक्रम विभाग पुरस्कार समारोह के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करेगा। पुरस्कार समारोह का आयोजन राष्ट्रीय युवा दिवस (प्रत्येक वर्ष 12 जनवरी) अथवा निर्णित किसी अन्य समुचित दिवस को आयोजित किया जाएगा। यह प्रस्ताव है कि पुरस्कार वरीयता रूप से भारत के माननीय राष्ट्रपति अथवा भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा प्रदान किए जाएंगे ताकि उन्हें अपेक्षित महत्व मिल सके।

- **वित्तीय सहायता की पद्धतिः** इस घटक के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रत्येक पुरस्कार के लिए 1,00,000 रुपए की दर से नगद पुरस्कार राशि, सम्मान/प्रशस्ति पत्र/पदक तैयार करने के लिए व्यय, टीए/ डीए पर व्यय, पुरस्कार विजेताओं के आवास तथा भोजन और पुरस्कार समारोह के आयोजन से जुड़े अन्य व्यय के लिए प्रदान की जाएगी।

4. राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषद (एनवाईएसी)

- **उद्देश्यः** राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषद् (एनवाईएसी) की स्थापना का उद्देश्य युवा नेताओं तथा अन्य भागीदारों की युवाओं से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी है। एनवाईएसी

मंत्रालयों/विभागों को युवाओं से संबंधित पहलों/मुद्दों के संबंध में सलाह देगा।

- **राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषद की संरचनाः** परिषद में अत्यधिक वृहत – आधारित संरचना होगी, जो कि निम्नानुसार है

क) युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) : अध्यक्ष

ख) सचिव, युवा कार्यक्रम : उपाध्यक्ष

ग) युवाओं से संबंधित मामलों का कार्य देखने वाले प्रमुख केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों के सचिव।

घ) राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के युवा कार्यक्रमों के प्रभारी सचिव (क्रमानुसार एक समय में 6 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाएगा)।

ङ) गैर–सरकारी संगठन (एनजीओ)।

च) युवा नेता (प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से) एक युवा नेता)।

छ) अन्य सदस्यः संयुक्त राष्ट्र संगठनय वाणिज्य एवं उद्योग चैम्बर; अन्य संबद्ध सरकारी कर्मचारी।

- **वित्तीय सहायता की पद्धतिः** व्यय परिषद की बैठकें आयोजित करने, देश के विभिन्न भागों से गैर–सरकारी सदस्यों के टीए/डीए इत्यादि पर होगा। आरंभ में परिषद के सुचारू कार्यकरण को सुकर बनाने के लिए प्रतिवर्ष एक करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

5. राष्ट्रीय युवा विकास कोष (एनवाईडीएफ)

- **उद्देश्यः** राष्ट्रीय युवा विकास कोष (एनवाईडीएफ) की स्थापना का उद्देश्य युवा विकास के लिए गैर–बजटीय संसाधनों से भी निधियां जुटाना है।

- **एनवाईडीएफ की मुख्य विशेषताएंः** इस कोष की स्थापना मुख्यतः राष्ट्रीय खेल विकास निधि की पद्धति पर चौरिटेबल वृत्तिदान अधिनियम, 1890 के अंतर्गत की जाएगी। इस कोष का युवा विकास से जुड़े उद्देश्यों के लिए उपयोग किया जाएगा। कोष से युवा विकास पहलों के लिए सरकारी/गैर–सरकारी संगठनों/योग्य युवाओं को वित्तीय सहायता दी जाएगी। यह कोष कर्मचारियों/गैर–सरकारी सदस्यों के साथ माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री की अध्यक्षता में एक परिषद द्वारा संचालित/प्रबंधित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कोष के दैनिक कार्यों के प्रबंधन के लिए सचिव, युवा कार्यक्रम की अध्यक्षता में एक कार्यकारी समिति होगी। कोष के कार्यकरण/प्रशासन के लिए संचालन संबंधी दिशा–निर्देश तैयार किए जाएंगे और समय के दौरान इन्हें अधिसूचित किया जाएगा।

- **वित्तीय सहायता की पद्धतिः** इस कोष में प्रतिवर्ष 5 करोड़ रुपए का बजटीय योगदान दिया जाएगा।

वर्ष 2015–16 (31.12.2015 तक) के दौरान एनवाईएलपी के कार्यान्वयन की स्थिति

2015–16 के दौरान योजना के घटकों (क) नजदीकी युवा संसद और (ख) विकास के लिए युवा, के कार्यान्वयन के लिए एनवाईकेएस को कुल 35.68 करोड़ रूपए की राशि जारी की गयी।

नजदीक युवा संसदः वर्तमान वर्ष के दौरान एनवाईकेएस ने ब्लॉक स्तर पर 5,092 युवा संसद कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है जिसमें एनवाईकेएस से संबद्व 3.96 लाख सदस्यों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त एनवाईकेएस ने 16,392 ग्राम स्तरीय नजदीकी युवा संसद कार्यक्रमों का आयोजन किया। 2015–16 की प्रथम तिमाही के दौरान आयोजित कार्यक्रमों को अन्य विषयों के अलावा

योग जागरूकता और प्रशिक्षण के लिए प्रभावी रूप से प्रयोग किया गया जिसने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस अर्थात 21.06.2015 को देश भर में योग कार्यक्रमों में एनवाईकेएस की प्रभावी भागीदारी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विकास के लिए युवाः श्रमदान के बारे में जारूकता/प्रेरणा के लिए एनवाईकेएस द्वारा योजना के मीडिया और प्रचार घटक आईईसी का कार्यान्वयन किया गया है। श्रमदान गतिविधियां जारी हैं।

राष्ट्रीय युवा विकास निधिः राष्ट्रीय युवा विकास निधि की स्थापना करने और उसका संचालन करने के संबंध में दिशानिर्देश अधिसूचित किए गए हैं। निधियों के लिए परिषद और कार्यकारी समिति का गठन किया गया है। परिषद की पहली बैठक विभाग के माननीय प्रभारी मंत्री के अध्यक्षता में आयोजित की गयी है। निधि में बजटीय अंशदान के रूप में 5 करोड़ रूपए की राशि जारी की गयी है।

राष्ट्रीय युवा नेता पुरस्कारः संबद्व मंत्रालयों/विभागों से नामांकन आमंत्रित किए गए हैं।

राष्ट्रीय युवा सलाहकार परिषदः परिषद की संरचना को अंतिम रूप दिया गया है।

अध्याय–10

युवा छात्रावास

युवा छात्रावासों का निर्माण युवाओं में यात्रा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है ताकि वे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव ले सकें। युवा छात्रावासों का निर्माण केन्द्र और राज्य सरकारों का संयुक्त उद्यम है। जबकि केन्द्र सरकार निर्माण की कुल लागत वहन करती है, राज्य सरकार जल आपूर्ति, बिजली के कनेक्शन व पहुंच सड़कों सहित पूर्ण रूप से विकसित भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराती है। युवा छात्रावास ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक महत्व वाले पर्यटन गंतव्यों में शैक्षणिक केन्द्रों में अवस्थित हैं। युवा छात्रावास उचित दरों पर युवाओं को अच्छे आवास प्रदान करते हैं।

इन युवा छात्रावास की देखरेख, केन्द्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों द्वारा की जाती है। मंत्रालय अधिमानतः युवा छात्रावास के कैचमेन्ट क्षेत्र से सेवानिवृत्त रक्षा कार्मिकों, जिन्हें हिन्दी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं का अच्छा ज्ञान हो, से युवा छात्रावासों के लिए प्रबंधकों का चयन करता है।

नई नियुक्ति नीति के तहत, वरीयता रूप से होटल प्रबधन/युवा विकास/एमबीए/एलएसडब्लयू/एमएसडब्लयू में डिग्री और छात्रावास/होटल उद्योग के क्षेत्र में न्यूनतक तीन वर्ष का कार्य अनुभव अथवा केन्द्र/राज्य सरकार के सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी जिनका युवा गतिविधियों का कार्यकारी अनुभव हो भी युवा छात्रावासों में प्रबंधक के रूप में नियुक्ति के पात्र हैं। पद के लिए नियुक्ति हेतु 35 वर्ष से 62 वर्ष के बीच की आयु सीमा 3 वर्ष की आरंभिक अवधि के लिए पूर्णतयाः अनुबंध आधार पर की जाती है, जिसका प्रबंधक के प्रदर्शन के आधापर पर विस्तार किया जा सकता है, परंतु किसी भी मामले में यह 65 वर्ष की आयु से अधिक नहीं होगा। युवा छात्रावासों की केन्द्रीय नीति समिति ने युवा छात्रावास की वार्डन के रूप में युवा छात्रावास प्रबंधक की पत्नी/महिला परिजन को नियुक्त करने का निर्णय लिया है। इससे युवा छात्रावासों में रहने वाली युवा महिला यात्रियों के समक्ष आने वाली समस्याओं, यदि कोई हो, को दूर करने में मदद मिलेगी। युवा छात्रावास वार्डन नियुक्त करने की प्रकिया जारी है।

अब तक देश में 83 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है और रोइंग (अरूणाचल प्रदेश) में एक और युवा छात्रावास निर्माण के विभिन्न चरणों में है। 83 युवा छात्रावासों में से 11 छात्रावासों को युवा और खेल विकास के इष्टतम उपयोग हेतु नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तातंरित किया गया है और बाकी 72 छात्रावास विभाग के सीधे नियंत्रण में है। चार युवा छात्रावासों नामतः डलहोजी (हिमाचल प्रदेश), जोधपुर (राजस्थान), मैसूर (कर्नाटक) और पुद्दुचेरी ने आईएसओ 9001:2008 प्रमाण–पत्र प्राप्त किया है। दो और युवा छात्रावासों, नामतः आगरा (उत्तर प्रदेश) और पणजी (गोवा) को आईएसओ 9001:2008 प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के लिए अभिज्ञात किया गया है।

युवा छात्रावासों का विवरण **अनुबंध IV** और **V** में दिया गया है।

अध्याय–11

स्काउटिंग और गाइडिंग

प्रस्तावना

यह विभाग देश में स्काउट और गाइड आंदोलन का संवर्धन करने के उद्देश्य से स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को सहायता प्रदान करता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय अभियान है जिसका उद्देश्य युवा लड़के और लड़कियों में चरित्र निर्माण, विश्वास, आदर्शवाद और देशभक्ती की भावना पैदा करना है। स्काउट और गाइड का प्रयास लड़कों और लड़कियों में संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास का संवर्धन करना भी है।

प्रशिक्षण शिविरों के आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रमों, जम्बूरों के आयोजन जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के लिए स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों को वित्तीय सहायता दी जाती है। अन्य बातों के साथ–साथ इन कार्यकलापों में प्रौढ़ साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, समुदाय सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता और स्वक्ष्छता तथा सेनीटेशन के संवर्धन देने से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

वर्ष 2015–16 के दौरान विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग गतिविधियों के लिए ;पद्ध भारत स्काउटस और गाइड तथा (ii) हिंदुस्तान स्काउटस और गाइडस को 75.00 लाख रूपए प्रत्येक की दर से 1.50 करोड़ रूपए का कुल अनुदान स्वीकृत किया है।

वर्ष 2015–16 के दौरान (31.12.2016 तक) कार्य निष्पादन/गतिविधियां

भारत स्काउटस और गाइडस (बीएसएंडजी)

वर्ष के दौरान बीएसएंडजी ने लगभग 1,000 स्काउटस और गाइडस को शामिल करते हुए 02 राष्ट्रीय एकता शिविरों, लगभग 5,000 स्काउटस और गाइडस, रोवर्स और रेंजर्स को लाभ पहुंचाते हुए 25 कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रमों, लगभग 300 युवाओं की भागीदारी के साथ हिमालयी और तटवर्तीय क्षेत्रों में 2 ट्रैकिंग और पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों, लगभग 1,500 बच्चों की भागीदारी के साथ 05–10 वर्ष के आयु समूह के बच्चों के लिए 06 कलब के क्षेत्रीय स्तर/बुलबुल उत्सव तथा 6,000 युवाओं को लाभ प्रदान करते हुए राष्ट्रीय साहस संस्थान, पंचमढ़ी, मध्य प्रदेश में साहस कार्यक्रमों का आयोजन किया। 300 स्काउटस और गाइडस ने जापान में विश्व स्काउट जम्बूर में भाग लिया। भारत स्काउटस और गाइडस ने लड़कियां और युवा महिलाओं में आत्म विश्वास जगाने, इंटरनेट सर्फिंग के बारे में जागरूकता फैलाने, और समुदाय सेवाओ का संवर्धन करने तथा विश्व शांति की स्थापना करने के लिए ''शांति का संदेश'', ''मुक्त मैं'', ''सर्फ–स्मार्ट'', हिंसा रोकें इत्यादि के बारे में फलैगशिप कार्यक्रम भी चलाया। लगभग 1500 युवाओं को शामिल करते हुए राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर स्काउटस और गाइडस, रोवर्स तथा रेंजर्स के लिए युवा विकास के संबंध में युवा मंचों, विचार–विमर्शों, कार्यशालाओं, सेमीनारों इत्यादि का आयोजन किया गया।

प्रौढ़ नेताओं के लिए विभिन्न कौशल आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे कि आपदा तैयारी और प्रबंधन पाठ्यक्रम, हस्तशिल्प और व्यावसायिक पाठ्यक्रम, योग अनुदेशी पाठ्यक्रम, मानचित्रण–पठन संबंधी पाठ्यक्रम, अन्वेशण, जीवन कौशल, प्रथम उपचार और रेस्कयू, प्रबंधन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, समुदाय विकास परियोजनाएं इत्यादि का आयोजन किया गया जिनमें स्थानीय/जिला और राज्य

स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में वृद्वि करने के लिए लगभग 5,000 युवाओं को प्रशिक्षित और तैयार किया गया। प्रौढ़ नेताओं के लिए पुनश्चर्या और अभिमुखी कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया जिनमें लगभग 2000 नेताओं ने भाग लिया। विभिन्न राज्यों में राष्ट्रीय स्तर पर नेताओं के लिए सेमीनारों/कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया जिसमें लगभग 2,500 नेताओं ने भाग लिया। देशभर में ''स्वच्छ भारत मिशन'' का कार्यान्वयन किया जा रहा है। ''स्वच्छ भारत मिशन'' के संबंध में 5 क्षेत्रीय स्तर के पीयर शिक्षकों की कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 2,500 युवाओं ने भाग लिया।

हिंदुस्तान स्काउटस और गाइडस (एचएसएंडजी)

वर्ष के दौरान 3,225 स्काउटस और गाइडस को शामिल करते हुए 15 प्रवेशिखा प्रशिक्षण शिविरों, 1,944 स्काउटस और गाइडस को शामिल करते हुए 12 कोमल पद प्रशिक्षण शिविरों, 1,560 स्काउटस और गाइडस को शामिल करते हुए 12 ध्रुव पद प्रशिक्षण शिविरों, 88 शिक्षकों के साथ 8 प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त विभिन्न राज्यों में स्काउटिंग और गाइडिंग के संवर्धन के लिए प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में शामिल स्काउटस और गाइडस की संख्या निम्न है: उत्तर प्रदेश: 4,810, उत्तराखंड: 9,755, आंध्र प्रदेश: 575, दिल्ली:2,840, बिहार: 7,321, हरियाणा: 3,495, चंडीगढ़: 752, छत्तीसगढ़: 667, राजस्थानरू 12,343, महाराष्ट्र: 19110, कर्नाटक: 141411, नागालैंड: 2837, पंजाब: 850, हिमाचल प्रदेश: 1137, उड़ीसा: 77,000, जम्मू और कश्मीर: 355, गुजरात: 957, असम: 351, झारखंड: 550, गोवारू 325, तेलंगाना: 353 और त्रिपुरा: 215, उपरोक्त प्रतिभागी कैम्स क्षेत्र में आने वाली कॉलोनिों जैसे कि बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और कैम्स के चारो ओर स्वच्छता कार्यक्रमों में भी शामिल थे। इसके अलावा, दिल्ली इकाई द्वारा यमुना स्वच्छता अभियान का संचालन भी किया गया। रोवर्स, रेंजर्स और राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों द्वारा 16 से 18 मई, 2015 को अमरकंटक (मध्य प्रदेश) में नर्मदा स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गा।

खेल विभाग

अध्याय–12

खेल

खेलकूद को सदैव ही मानव के व्यक्तित्व के समग्र विकास के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में देखा गया है। मनोरंजन के साधन तथा शारीरिक स्वस्थता के अतिरिक्त खेलकूद ने स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने तथा समाज को जोड़ने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद में उपलब्धि सदैव ही राष्ट्रीय गौरव तथा प्रतिष्ठा का स्रोत रही है।

आधुनिक खेल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं जिससे आधुनिक अवसंरचना, उपकरण तथा उन्नत वैज्ञानिक सहायता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलकूद का परिदृश्य बदल दिया है। उन्नत उपकरण, आधारभूत ढांचा तथा वैज्ञानिक सहायता हेतु बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने अनेक नए कदम उठाए हैं और यह वैज्ञानिक तथा उपकरण सुविधाओं के साथ प्रशिक्षण व अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी से खिलाड़ियों को आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है।

राष्ट्रीय खेल नीति संबंधी पहल

पूर्ववर्ती योजनाओं के समय से ही शारीरिक शिक्षा और खेलकूद पर ध्यान दिया जा रहा है। तथापि, 1982 में भारत द्वारा नौवें एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद ही "खेलों" पर नीतिगत विषय के रूप में ध्यान दिया जाना प्रारंभ हुआ है। राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 देश में खेलों के विकास और संवर्धन के लिए संगठित और व्यवस्थित रूपरेखा विकसित करने हेतु पहला कदम था और यह वर्तमान राष्ट्रीय खेल नीति, 2001 का अग्र रूप है।

राष्ट्रीय खेल नीति 2001

राष्ट्रीय खेल नीति 2001 के दो अभिन्न घटक ''खेलों के विस्तृत आधार देना'' और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ''खेलों में उत्कृष्टता हासिल करना'' है।

नीति की मुख्य विशेषताएं निम्नानुसार हैं:

1. खेलों को विस्तृत आधार प्रदान करना तथा उत्कृष्टता हासिल करना;
2. अवसंरचना का उन्नयन और विकास;
3. राष्ट्रीय खेल परिसंघों और अन्य खेल निकायों को सहायता;
4. खेलों के लिए वैज्ञानिक सुदृढ़ीकरण और कोचिंग सहायता;
5. खेलों को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रोत्साहन;
6. महिलाओं, जनजातियों और ग्रामीण युवाओं की सहभागिता बढ़ाना;
7. खेल संवर्धन में कारपोरेट क्षेत्र को शामिल करना; और
8. व्यापक स्तर पर लोगों में खेल भावना को बढ़ावा देना।

2015 के दौरान भारतीय खिलाड़ियों और टीमों की मुख्य उपलब्धियां

साइना नेहवाल ऑल इंडिया बैंडमिंटन चैम्पियनशिप, 2015 में खेलते हुए

- भारतीय एथलीटों ने जून, 2015 में वुहान (चीन) में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015 में 13 पदक (4 स्वर्ण, 5 रजत और 4 कांस्य पदक) जीते। श्री विकास गौड़ा (डिस्कस थ्रो), श्री इंद्रजीत सिंह (शॉटपुट), सुश्री टिंटू लुका (800 मीटर) और सुश्री ललित बब्बर (3000 मीटर स्टेपलचेस) ने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीते।
- मई, 2015 में दोहा (कतर) में आयोजित एशियाई युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015 में भारतीय एथलीटों ने 14 पदक (2 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य पदक) जीते। श्री बेअंत सिंह (800 मीटर) और श्री ताडवी किशन नरसी (300 मीटर) ने एशियाई युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015 में देश के लिए स्वर्ण पदक जीते।
- सुश्री सायना नेहवाल मार्च, 2015 में लंदन में आयोजित ऑल इंग्लैंड ओपेन बैडमिंटन चैंपियनशिप 2015 के महिला एकल के अंतिम मैच में पहुंच कर ऑल इंग्लैंड ओपेन बैडमिंटन चैंपियनशिप के अंतिम मैच में पहुंचने वाली पहली

भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी बनी। उन्होंने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, वे स्पेन की कारोलीना मारिन से हार गई।

- साइना नेहवाल 2 अप्रैल, 2015 को जारी बैडमिंटन विश्व परिसंघ (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में बैडमिंटन में विश्व की नंबर 1 बनने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी।
- सुश्री साइना नेहवाल ने जकार्ता (इंडोनेशिया) में अगस्त, 2015 में आयोजित 2015 बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता। वे बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के अंतिम मैच में पहुंचने वाली प्रमथ भारतीय महिला बनी।
- सुश्री सानिया मिर्जा, टेनिस खिलाड़ी ने स्वीटजरलैंड की सुश्री मार्टिना हिंगिस के साथ 2015 के दौरान दो ग्रांड स्लैम जीते। सुश्री सानिया मिर्जा और सुश्री मार्टिना हिंगिस की जोड़ी ने विम्बलडन 2015 में महिला डबल्स और यूएस ओपेन 2015 में महिला डबल्स जीते।
- श्री लिएंडर पेस, टेनिस खिलाड़ी ने स्वीटजरलैंड की सुश्री मार्टिना हिंगिस के साथ विम्बलडन 2015 में मिक्स्ड डबल्स और यूएस 2015 में मिक्स्ड डबल्स जीते।
- श्री नाहर सिंह यादव, कुश्ती खिलाड़ी ने सितंबर, 2015 में लास वेगास, यूएसए में आयोजित विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2015 में कांस्य पदक जीता और इस प्रकार रियो ओलंपिक्स 2016 में भारत के लिए 74 किग्रा श्रेणी में कोटा हासिल किया।
- भारतीय खिलाड़ियों ने 25 जुलाई से 2 अगस्त, 2015 तक लास एंजेल्स (यूएसए) में आयोजित विशेष विश्व ओलंपिक्स 2015 में 173 पदक (47 स्वर्ण, 54 रजत और 72 कांस्य) जीत कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारत ने यूएसए और चीन के बाद पदक तालिका में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- भारतीय खिलाड़ियों ने 7–11 सितंबर, 2015 तक समोआ में आयोजित 5वें राष्ट्रमंडल युवा खेल 2015 में 20 पदक (9 स्वर्ण, 5 रजत और 6 कांस्य) जीत कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। भारत ने पदक तालिका में 5वां स्थान प्राप्त किया।
- भारतीय बॉक्सिंग टीम (सब–जूनियर) ने एआईबीए जूनियर (सब–जूनियर) विश्व बॉक्सिंग चैंपियनशिप 2015 में 5 पदक (3 स्वर्ण और 2 रजत) जीते।
- श्री इंद्रजीत सिंह ने कोरिया में जून, 2015 में आयोजित विश्व यूनीवर्सिटी खेल 2015 में शॉटपुट में स्वर्ण पदक जीता।
- भारतीय रोइंग टीम ने बीजिंग में सितंबर, 2015 के दौरान आयोजित 16वीं एशियाई रोइंग चैंपियनशिप में 7 पदक (5 रजत और 2 कांस्य) जीते।
- भारतीय बिलियर्ड टीम ने सितंबर, 2015 में एडीलेड, आस्ट्रेलिया में आयोजित आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड चैंपियनशिप में 12 पदक (3 स्वर्ण, 3 रजत और 6 कांस्य) जीते। श्री पंकज आडवाणी, सुश्री आर्नटक्सा सांचिस और सुश्री श्रीकृष्णा ने चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते।
- भारतीय बालिकाओं ने ताईपाई, ताइबान में मई, 2015 के दौरान आयोजित एआईबीए जूनियर (सब–जूनियर) विश्व बालिका बॉक्सिंग चैंपियनशिप में देश के लिए तीन स्वर्ण और दो रजत पदक जीत कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। सुश्री मनदीप संधू, सुश्री साक्षी, सुश्री सविता ने ताईपाई, ताइवान में मई, 2015 के दौरान आयोजित एआईबीए जूनियर (सब–जूनियर) विश्व बालिका बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीते।

अध्याय–14

भारतीय खेल प्राधिकरण

1.0 प्रस्तावना

भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) की स्थापना युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के तहत 1982 में नई दिल्ली में आयोजित प्वें एशियाई खेलों के आयोजन के लिए 1984 में दिनांक 25 जनवरी, 1984 के संकल्प संख्या 1–1/83/एसएआई के अनुसरण में सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अंतर्गत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी। भाखेप्रा को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलों का संवर्धन करने और खेल उत्कृष्टता प्राप्त करने का दोहरा उद्देश्य सौंपा गया है।

1.1 भारतीय खेल प्राधिकरण को एक महत्वपूर्ण खेल संवर्धन निकाय के रूप में विकसित करने को सुकर बनाने के लिए खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला और इसके केन्द्रों तथा ग्वालियर और तिरूवनन्तपुरम में स्थित लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई) को शामिल करते हुए पूर्व राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा और खेल संस्थान सोसाइटी (एसएनआईपीईएस) को 1 मई, 1987 से भारतीय खेल प्राधिकरण के साथ आमेलित करते हुए शामिल किया गया था। तथापि, एलएनसीपीई, ग्वालियर को ''सम–विश्वविद्यालय'' का दर्जा दिए जाने पर सितम्बर, 1995 में भारतीय खेल प्राधिकरण से अलग कर दिया गया। आज भारतीय खेल प्राधिकरण देश में खेलों के संवर्धन तथा खेल उत्कृष्टता के लिए सर्वोच्च निकाय है।

1.2 भारतीय खेल प्राधिकरण की सामान्य निकाय और शासी निकाय

भाखेप्रा की सामान्य निकाय और शासी निकाय का 2013 में खेल विभाग, युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग द्वारा पुनर्गठन किया गया था। केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) युवा कार्यक्रम एवं खेल एसएआई के सामान्य निकाय के अध्यक्ष तथा शासी निकाय के अध्यक्ष है।

लक्ष्य तथा उद्देश्यः

- देश में खेलों का संवर्धन और उन्हें व्यापक आधार देना ।
- प्रतिभा का पता लगाना तथा उसका पोषण करना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विधाओं में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए स्कीमों/कार्यक्रमों का क्रायान्वयन करना ताकि भारत प्रमुख खेल शक्ति बन सके।
- दिल्ली में स्टेडियमों, जिन्हें वर्ष 1982 में नौवें एशियाई खेलों के लिए निर्मित/नवीकृत किया गया था, का प्रबंधन करना।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा राज्य सरकारों और देश में खेलों के संवर्धन/विकास से संबंधित अन्य एजेंसियों के बीच माध्यम का कार्य करना।

- योग्य कोचों, खेल वैज्ञानिकों और शारीरिक शिक्षा अध्यापकों को तैयार करने के लिए संस्थानों की स्थापना, व्यवस्था, प्रबंधन और संचालन करना।
- देश में खेल अवसंरचना व सुविधाओं की योजना बनाना, उनका निर्माण करना, अधिग्रहण करना, विकास करना, नियंत्रण में लेना, प्रबंधन करना, रख–रखाव करना व उपयोग करना।
- खेलों, खिलाड़ियों एवं कोचों का उन्नयन करने के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना, अधिकार में लेना, प्रायोजित करना, प्रेरित एवं प्रोत्साहित करना।
- देश में खेलों के संवर्धन और खेलों में उत्कृष्टता के विकास से जुड़े अन्य केंद्रीय और राज्य निकायों तथा अन्य संस्थानों के साथ मुद्दे उठाना/या समन्वय करना।

1.4 संगठनात्मक ढांचा:

भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रधान कार्यकारी अधिकारी, महानिदेशक होते हैं और उनकी सहायता के लिए सचिव, कार्यकारी निदेशक तथा शैक्षिक संस्थानों/क्षेत्रीय केन्द्रों/उप केन्द्रों के प्रमुख होते हैं।

1.5 भाखेप्रा के प्रभाग/संस्थाएं तथा उनकी कार्यात्मक जिम्मेदारी:

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	शैक्षणिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	कोचिंग में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन। नियमित पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करके कोचों के कौशल को बढ़ाना।
(ii)	शैक्षणिक (शारीरिक शिक्षा) एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन
(iii)	प्रचालन प्रभाग, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा की खेल संवर्धन स्कीमों की योजना बनाना, कार्यान्वयन और निगरानी करना
(iv)	टीम प्रभाग, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से प्रमुख एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता। इसमें राष्ट्रीय शिविर, विदेश में प्रदर्शन के अवसर और विदेशी कोचों की सेवाएं शामिल हैं।
(v)	उपस्कर सहायता, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा और/या अन्य खेल निकायों की विभिन्न खेल उपस्करों की आवश्यकताओं का समेकन और इन्हें स्थानीय के साथ–साथ विदेशी विक्रेताओं से प्राप्त करना।
(vi)	स्टेडिया प्रभाग, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	स्टेडियमों का रख–रखाव और उनका उपयोग
(vii)	अवसंरचना प्रभाग, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर के भाखेप्रा केंद्रों में खेल एवं खेल संबंधी अवसंरचना का सृजन, विकास और रख–रखाव
(viii)	कार्मिक प्रभाग भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा कर्मचारियों के सेवा मामले

क्र. सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(ix)	कोचिंग प्रभाग भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा कोचों के सेवा मामले
(x)	वित्त प्रभाग भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली स्थित भाखेप्रा के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और कार्यक्षेत्र इकाईयों के लिए वित्तीय योजना और बजट आबंटन
(xi)	समन्वय प्रभाग भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय/अन्य एजेंसियों और भाखेप्रा के विभिन्न प्रभागों के साथ समन्वय के लिए नोडल प्रभाग, विशेष रूप से संसदीय प्रश्न और आरटीआई से संबंधित मामलों पर
(xii)	अंतरराष्ट्रीय सहयोग सैल, भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस विज्ञप्तियां आयोजित करना और भाखेप्रा के अधिकारियों की वेबसाइट का रखरखाव करना और विदेशों के साथ खेल के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान–प्रदान कार्यक्रमों/द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मामलों पर युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग के साथ संपर्क करना।
(xiii)	सामान्य प्रशासन भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	खरीद एवं सामान का रख–रखाव। भवन का रख–रखाव, कम्प्यूटरीकरण एवं आन्तरिक रख–रखाव, परिवहन, बैठकें व सेमीनार, अधिकारियों के लिए टेलीफोन और हवाई यात्रा के लिए टिकट।
(xiv)	विधायी प्रभाग भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा से संबंधित सभी विधायी मामले।
(xv)	सतर्कता सेल भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भाखेप्रा से संबंधित सभी सतर्कता मामले
(xvii)	राजभाषा प्रभाग भाखेप्रा मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

1.6 नई दिल्ली में 1982 में आयोजित 11वें एशियाई खेलों के लिए दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम का निर्माण/नवीकरण किया गया और तदनुसार 2010 में नई दिल्ली में आयोजित ग्प राष्ट्रमंडल खेलों के लिए इनका नवीकरण किया गया। इनका भाखेप्रा द्वारा इनका रखरखाव और उपयोग किया जा रहा है:

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स
2. इंदिरा गांधी खेल परिसर
3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी खेल पूल परिसर (पूर्व में तालकटोरा तैराकी पूल के रूप में ज्ञात)
4. मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम (पूर्व में राष्ट्रीय स्टेडियम के रूप में ज्ञात)
5. डॉ. कर्णी सिंह सूटिंग रेंज (पूर्व में सूटिंग रेंज तुगलकाबाद के रूप में ज्ञात)

1.7 भाखेप्रा ने प्रबुद्ध एथलीटों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए और इसी दौरान युवा प्रतिभा की

पहचान तथा विकास के लिए कई योजनाएं चलाते हुए भारतीय खेल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ये योजनाएं देश भर में फैले भाखेप्रा के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों और प्रशिक्षण केंद्रों के जरिए कार्यान्वित की जा रही है। इसके अतिरिक्त, भाखेप्रा द्वारा शारीरिक शिक्षा में कई शैक्षिक कार्यक्रम और खेल भी प्रदान किए जाते है। इसकी खेल संवर्धन योजनाओं के माध्यम से भाखेप्रा प्रतिभाशाली युवाओं की सहायता तथा पोषण करता है और उन्हें अपेक्षित अवसंरचना, उपकरण, कोचिंग सुविधाएं और प्रतिस्पर्धा के अवसर प्रदान करता है।

1.8 भाखेप्रा की खेल संवर्धन स्कीमें

ऑपरेशन डिवीजन भाखेप्रा की विभिन्न खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन का कार्य देखता है जिसका उद्देश्य राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली बच्चों की पहचान करना तथा उनका पोषण करना है।

इन योजनाओं को भाखेप्रा द्वारा उसके बंगलौर, कोलकाता, गांधीनगर, भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़, गुवाहाटी और इम्फाल स्थित क्षेत्रीय केंद्रों तथा एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवंनतपुरम स्थित शैक्षिक विंग के जरिए कार्यान्वित किया जा रहा है। स्थापित खेल विज्ञान पटिलाया, बंगलौर और कोलकाता में सुविकसित है तथा अन्य केंद्रों में इन सुविधाओं को समुचित रूप से उन्नत किया जा रहा है। वर्तमान में निम्नलिखित खेल संवर्धन योजनाएं चालू है:

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज स्कीम (एनएसटीसी)

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज (एनएसटीसी) स्कीमें स्कूलों से 8–14 वर्ष आयु समूह में प्रतिभावान युवा बच्चों की खोज करने और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करके उनका पोषण करने के लिए 1985 के दौरान आरंभ की गई थी।

एनएसटीसी योजना की भिन्न उप–योजनाएं उनकी शुरूआत के वर्ष के साथ निम्नलिखित हैं:–

i) एनएसटीसी योजना के नियमित स्कूल

ii) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए)

iii) अखाड़ा

उद्देश्य:

इस स्कीम की मुख्य अवधारणा एक ही स्कूल में 'खेलना' और 'अध्ययन' करना है। स्कीम में अनुवांषिक एवं शारीरिक रूप से प्रतिभावान बच्चों को विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मूलतः भावी पदक संभावनाओं के रूप में परिवर्तित करने के लिए अनुकूलतम आयु में प्रतिभा की वैज्ञानिक खोज करना है। इस योजना के अंतर्गत अच्छी खेल सुविधाओं और भरोसेमंद खेल प्रदर्शन के रिकार्ड वाले स्कूलों को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अपनाया जाता है। योजना के अंतर्गत 8–14 वर्ष आयु समूह के प्रशिक्षुओं को शामिल किया जाता है।

(क) नियमित स्कूल (एनएसटीसी)

प्रदत्त सुविधाएं:

प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए कोचों की सेवाओं के अतिरिक्त अपनाये गये प्रत्येक स्कूल को उपभोज्य खेल उपकरण, खेल किट की खरीद, प्रतियोगिता प्रदर्शन और बीमा इत्यादि के लिए निधियां दी जाती है।

चयन मानदंड:

उपर्युक्त स्कीम के अंतर्गत प्रशिक्षुओं का चयन क्षमता और प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है।

1) राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेताओं को स्वतः स्कीम में प्रवेश दिया जाता है बशर्ते कि वे चिकित्सा की दृष्टि से स्वस्थ हों।

2) जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेताओं या राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने वालों को प्रवेश दिया जाता है बशर्ते कि वे चिकित्सा व शारीरिक रूप से स्वस्थ हों और उनमें अपेक्षित क्षमता हो जिसका मूल्यांकन कई परीक्षणों से किया जाता है।

3) दूरस्थ, जनजातीय व तटीय क्षेत्रों के प्रशिक्षुओं का चयन प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करके किया जाता है। टीम खेलों व व्यक्तिगत स्पर्धाओं हेतु चयन, भाखेप्रा के प्रतिनिधियों, स्कूल/अखाड़ा, भाखेप्रा कोचों, खेल वैज्ञानिकों आदि से गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस आधार पर चिन्हित खिलाड़ियों को, आयु सत्यापन, चिकित्सा जांच व विभिन्न परीक्षणों से उपयुक्त पाएं जाने के बाद प्रवेश दिया जाता है।

शामिल खेल विधाएं:

एनएसटीसी के अंतर्गत शामिल खेल विधाएं एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हाकी, कबड्डी, खो–खो, तैराकी, टेबल टेनिस, वालीबॉल और कुश्ती हैं।

(ख) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए), एनएसटीसी (उप–योजना)

उद्देश्य:

पारंपरिक स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्टस का संवर्धन करने के उद्देश्य से ग्रामीण तथा अर्धशहरी क्षेत्रों में स्थित स्कूलों को इन खेलों में प्रतिभा की खोज हेतु चुना जाता है। डीएवी, विद्या भारती जैसे स्कूलों और इसी प्रकार की संस्थाओं के बहुलता वाली शैक्षिक संस्थाओं को भी एनएसटीसी योजना के भाग के रूप में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट के विकास और संवर्धन के लिए अपनाया जाता है।

प्रशिक्षुओं का चयन:

इस स्कीम के अंतर्गतदेशी खेलों और मार्शल आर्टस की प्रतिभा की खोज का कार्य प्रतिभा खोज हेतु आयोजित खुली प्रतियोगिताओं के आधार पर किया जाता है। मौजूदा प्रशिक्षुओं को बनाए रखने/हटाने का कार्य भी इन प्रतियोगिताओं में उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। प्रतिभा की खोज के लिए अपनाए गए स्कूलों द्वारा प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा किराया, पदक, नाश्ता इत्यादि सहित संगठनात्मक खर्चों को पूरा करने के लिए अनुदान उपलब्ध कराया जाता है।

इसके अतिरिक्त स्कूलों को विशिष्ट खेल विधाओं में कोचों की उपलब्धता के अध्यधीन प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेषज्ञों की सेवा भी प्रदान की जाती हैं।

प्रदत्त सुविधाएं:

स्कीम के अंतर्गत स्कूलों को खेल उपस्करों की खरीद और प्रतिभा की खोज के लिए प्रतियोगिताओं के आयोजन सहित प्रशिक्षुओं के बीमे हेतु वार्षिक अनुदान के अलावा प्रशिक्षुओं को वृत्तिका, खेल किट दी जाती है।

शामिल खेल विधाएं:

वर्तमान में देश में विभिन्न केन्द्रों में तीरंदाजी गतका, कबड्डी, कलारियापट्टु, खोमलायनाई, मुकना, मलखंभ, सिलंबम और थांगटा की खेल विधाओं में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट का संचालन किया जाता है।

(ग) अखाड़ा, एनएसटीसी (उपयोजना)

उद्देश्य

कुश्ती की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए कुश्ती के लिए हॉलध्हॉस्टल इत्यादि जैसी विशिष्ट न्यूनतम सुविधाओं वाले अखाड़ों को संबंधित राज्य सरकार और

भाखेप्रा के क्षेत्रीय निदेशक की सिफारिश पर अपनाया जाता है। निर्धारित मानदंडों के आधार पर प्रति अखाड़ा 15–20 पहलवानों को चुना जाता है और प्रवेश दिया जाता है।

प्रदत्त सुविधाएं:

उन्हें कुश्ती मैट और/अथवा उनके भोजन के अनुपूरण हेतु प्रति प्रशिक्षु प्रतिमाह बहुजिम वृत्तिका के रूप में सहायता दी जाती है।

शामिल खेल विधाएं:

इस योजना के अंतर्गत अखाड़ों में शामिल खेल विधा कुश्ती है।

प्रशिक्षुओं को सहायता के मानदंड:

वर्तमान में स्कीम के अंतर्गत चुने गए प्रशिक्षुओं को गैर–आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। तथापि, आपवादिक मामले में प्रशिक्षुओं को 2 स्कूलों में आवासीय आधार पर प्रवेश दिया गया है और वृत्तिका के स्थान पर उन्हें आवास तथा भोजन की सुविधा प्रदान की जाती है।

1) नियमित स्कूल

क्र. सं.	विवरण	राशि (रू. में)
1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	प्रतिस्पर्धा एक्सपोजर (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	2000.00
4	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
5	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

2) स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स

क्र. सं.	विवरण	राशि (रू. में)
1	खेल किट (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	1500.00
2	बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
3	10 माह के लिए वृत्तिका (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति)	3000.00
4	खेल उपस्कर की खरीद हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00
5	प्रतिभा की खोज के लिए प्रतिस्पर्धा के आयोजन हेतु स्कूल को वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	25000.00

3) अखाड़ा

क्र. सं.	विवरण	राशि (रू. में)
1.	खेल किट	3000.00
2.	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति माह)	1000.00
3.	दुर्घटना बीमा (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	150.00
4.	प्रतिस्पर्धा अवसर	3000.00
5.	अपनाए गए अखाड़ों को अनुभवी कोच की सेवाओं के अतिरिक्त कुश्ती मैट/मल्टी–जिम का एक सैट प्रदान किया जाएगा	

(क) अनुभवी कोचों की सेवाओं के अतिरिक्त अपनाए गए अखाड़ों को कुश्ती मैट का एक सैट और/अथवा बहु–जिम भी दिया जाता है।

सेना बाल खेल कंपनी (एबीएससी) स्कीम

उद्देश्य

इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य सेना के विभिन्न उत्कृष्ट अवसंरचना, दक्ष प्रशासन तथा अनुशासित वातावरण का लाभ उठाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करना है। यह स्कीम सेना तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के मध्य एक संयुक्त उद्यम है। 8 से 16 वर्ष के आयु वर्ग के लड़कों को इस स्कीम में प्रवेश दिया जाता है। 17 1/2 वर्ष की अपेक्षित आयु पूरी हो जाने पर इन प्रशिक्षुओं को सेना में रोजगार भी दिया जाता है।

चयन मानदंड

स्कीम के तहत प्रशिक्षुओं का चयन क्षमता व प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। राज्य/राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले प्रशिक्षुओं को उनकी आयु के सत्यापन, और चिकित्सा रूप से सही पाए जाने के अधीन उन्हें इस योजना स्वतः प्रवेश दिया जाता है।

1) जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेताओं या राज्य स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने वालों को प्रवेश दिया जाता है बशर्ते कि वे चिकित्सा व शरीर की दृष्टि से स्वस्थ हों और उनमें अपेक्षित क्षमता हो जिसका कई परीक्षणों से मूल्यांकन किया जाता है।

2) दूरस्थ, जनजातीय व तटीय क्षेत्रों से प्रतिभा के चयन, प्रतिस्पर्धाएं आयोजित करके किया जाता है। टीम खेलों व व्यक्तिगत स्पर्धाओं हेतु चयन, भाखेप्रा के प्रतिनिधियों, सेना और एसएमसी कोचों से गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है। खिलाड़ियों की पहचान निम्नलिखित परीक्षणों के आधार पर की जाती है।

क) विशिष्ट खेलों का प्रयोग/कौशल परीक्षण।

ख) 8 से 16 वर्ष आयु में सत्यापन।

ग) विशिष्ट खेलों/कौशल परीक्षण में खिलाड़ियों के योग्यता संबंधी कई परीक्षणों के प्रयोग और उनकी क्षमता की आकलन हेतु आयु सत्यापन।

घ) उपर्युक्त परीक्षणों में योग्य पाए जाने वाले खिलाड़ियों की चिकित्सा जांच।

शामिल खेल विधाएं:

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, डाइविंग, घुड़सवारी, फेंसिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबॉल, हाकी, कयाकिंग और केनोइंग, निशानेबाजी, तैराकी, रोइंग, वालीबॉल, कुश्ती और भारोत्तोलन।

प्रदत्त सुविधाएं:

इस स्कीम के तहत प्रशिक्षणार्थियों को खान–पान व ठहरने की सुविधा, शैक्षिक व्यय, खेल किट, बीमा चिकित्सा सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा भागीदारी तथा अनुभवी कोचों से वैज्ञानिक कोचिंग दी जाती है।

प्रशिक्षुओं को सहायता के मानदंड

क्र. सं.	विवरण	राशि
1.	300 दिनों के लिए खानपान व ठहरना (प्रति दिन प्रति व्यक्ति)	175.00
2.	शैक्षिक व्यय (प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति) 330 दिनों के लिए पर्वतीय क्षेत्रों के लिए	200.00
3.	खेल किट (प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
4.	शैक्षणिक व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	
5.	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति वर्ष प्रति प्रशिक्षु)	
6.	चिकित्सा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
8.	खेल उपस्कर (प्रति वर्ष)	27500.00
9.	खेल मैदान का रखरखाव	20000.00
10.	मैगजीन/पत्रिका (प्रति वर्ष) प्रति यूनिट	2500.00
11.	लिनन और कंबल का एकबारगी अनुदान प्रति प्रशिक्षु प्रति केंद्र	2000.00

भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्र (एसटीसी)

उद्देश्य

भारत सरकार ने सरकार की सभी योजनाओं का अध्ययन करने के लिए 1987 में एक समिति का गठन किया और इसके निष्कर्षों के परिणामस्वरूप शारीरिक शिक्षा सहित खेलकूद के संवर्धन की भाखेप्रा की योजनाओं को आमेलित किया। समिति का कार्यक्षेत्र कार्यक्रमों और योजनाओं की समीक्षा करना और संशोधनों के साथ उन्हें जारी रखने की सिफारिश करना तथा जहां आवश्यक हो योजनाओं को समेकित करना था। समिति ने यह महसूस किया कि ग्रामीण क्षेत्रों से प्रतिभा प्राप्त करने के लिए और देश में प्रतिभावान युवाओं को उनके स्वयं के राज्यों में इन–हाऊस कोचिंग सुविधाएं प्रदान करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण को योजना आरंभ करनी चाहिए जिसे खेल परियोजना विकास क्षेत्र स्कीम (एसपीडीए) के नाम से जाना गया।

समिति की सिफारिशों के आधार पर एक योजना तैयार की गई जिसमें प्रत्येक एसपीडीए केन्द्र को 80–100 विकास ब्लॉकों को शामिल करना था और इसका कार्यान्वयन संयुक्त रूप से केन्द्र तथा राज्य सरकारोंध्संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किया जाना था। राज्य का हिस्सा हॉस्टल तथा एसपीडीए आरंभ करने के लिए बुनियादी सुविधाओं के विकास हेतु भूमि सहित इस प्रकार की सहायता प्रदान किया जाना था, प्रत्येक एसपीडीए को विशिष्ट क्षेत्र में इनकी लोकप्रियता के आधार पर अधिकतम 4 ओलंपिक खेल विधाओं में कार्य करना था।

बाद में उन खिलाड़ियों को कोचिंग, प्रशिक्षण और पोषण सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से जिन्होंने खेल दक्षता के उच्च स्तर प्राप्त कर लिए हैं, के लिए पूर्व एसएनआईपीईएस बोर्ड द्वारा खेल हॉस्टल नामक योजना आरंभ की गई।

शासी निकाय ने 25 मई, 1995 को अपनी बैठक में एक अध्ययन के परिणामस्वरूप दोनों योजनाओं को सम्मिलित करने का निर्णय लिया और इसे **'भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्र, (एसटीसी) योजना' शीर्षक दिया:**

i. केन्द्र सरकार तथा राज्य सरकारों के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से खेल विकास प्रयासों हेतु मिलकर कार्य करना संभव बनाना।

ii. देश में तथा राज्य के भीतर खेल सुविधाओं में मौजूद क्षेत्रीय असंतुलन को ठीक करना।

iii. भाखेप्रा को वैज्ञानिक रूप से उन खेल प्रतिभाओं का पोषण करने के सक्षम बनाना जिन्होंने एनएसटीसी योजना के अंतर्गत सब–जूनियर स्तर पर उत्कृष्टता हासिल कर ली है और उन्हें दीर्घावधि आधार पर आगे वैज्ञानिक तथा गहन कोचिंग हेतु एसटीसी/उत्कृष्टता केन्द्रों में समाविष्ट करना।

iv. खेल अवसंरचना के लिए सहायता के पैकेज प्रदान करना और विशिष्ट क्षेत्रों में विभिन्न खेल कार्यक्रम चलाना।

v. ऐसी स्थिति से बचने जहां खेल सुविधाएं निष्क्रिय पड़ी रह जाती हैं और उनकी समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए पहले से मौजूद/जिले तथा जोन में सृजित किए जाने वाली सुविधाओं का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित करना।

vi. भारत सरकार और भाखेप्रा की विभिन्न योजनागत स्कीमों के लिए चिन्हित निधियों का समान वितरण सुनिश्चित करना।

vii. प्रतिभा के पोषण के लिए जमीनी स्तर पर विभिन्न योजनागत स्कीमों का लाभ उठाना।

14 से 21 वर्ष आयु समूह में जूनियर स्तर के खिलाड़ियों के पोषण के लिए भाखेप्रा प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की गई थी जिसके लिए राज्य सरकारों द्वारा सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान की जानी थी, जबकि भाखेप्रा को चुने गए प्रशिक्षुओं को वैज्ञानिक प्रशिक्षण/उपकरण सहायता प्रदान करते हुए तथा अवसंरचना में छुटपुट मरम्मत कार्य करके योजना को संचालित करना था ।

चयन के मानदंड

प्रशिक्षुओं का चयन प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। वे प्रशिक्षु जो राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में पदक विजेता हैं उन्हें चिकित्सा रूप से स्वस्थ पाए जाने पर योजना में स्वतः प्रवेश दिया जाता है। वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा तथा अन्य अभिज्ञान प्रतिस्पर्धा में पदक विजिता है जे उन्हें प्रतिस्पर्धा/चयन ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। सभी प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से स्वस्थ पाए जाने और कई परीक्षण पास करने पर ही प्रवेश दिया जाता है।

प्रदत्त सुविधाएं

प्रशिक्षुओं को दी जाने वाली अन्य सुविधाओं में शामिल हैं बोर्डिंग, खेल किट, वृत्तिका, प्रतियोगिता अनुभव, शिक्षा व्यय, चिकित्सा, बीमा और अन्य खर्च।

शामिल खेल विधाएं

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइक्लिंग, फेनसिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक्स, हैंडबॉल, हाकी, जूड़ो, कबड्डी, खो–खो, कराटे, कयाकिंग और केनोइंग, सेपक–टाकरो, शूटिंग, साफ्ट बॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वालीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु।

आयु मानदंड

इस योजना में 12–18 वर्ष आयु समूह के खिलाड़ियों को प्रवेश दिया जाता है। जिमनास्टिक तथा तैराकी पर विशेष ध्यान देते हुए प्रतिभाशाली मामलों में छूट दी जाती है।

प्रशिक्षुओं को सहायता के मानदंड

आवासीय प्रशिक्षु:

क्र. सं.	विवरण (प्रति व्यक्ति)	राशि (रुपए में)
1	खानपान व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति दिन) 330 दिनों के लिए गैर पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	175.00
2	330 दिनों के लिए पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	200.00
3	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
4	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
5	शिक्षा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
6	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
8	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	

गैर–आवासीय प्रशिक्षु:

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपए में)
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	4000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

विशेष क्षेत्र खेल स्कीम (एसएजी)

उद्देश्य

विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी) स्कीम का उद्देश्य देश के दुर्गम जनजातीय, ग्रामीण तथा तटीय क्षेत्रों से आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेलों हेतु प्राकृतिक प्रतिभा की खोज करना तथा उसे वैज्ञानिक रूप से निखारना है ताकि आधुनिक प्रतिस्पर्धी खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सके।

इस योजना के अंतर्गत भाखेप्रा/मंत्रालय द्वारा संपूर्ण रूप से वित्त पोषित अवसंरचना जैसे खेल मैदान, इंडोर हाल, उपकरण सहायता/कोच इत्यादि के साथ राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के परामर्श से केन्द्र आरंभ किए जाते हैं।

इस स्कीम में स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्टस की प्रतिभाओं की खोज करना और ऐसे क्षेत्रों/समुदायों से प्रतिभाओं की खोज करना शामिल है जो अनुवांषिक अथवा भौगोलिक रूप से किसी विशिष्ट खेल विधा में उत्कृष्टता के लिए लाभकारी स्थिति में हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 12–18 वर्ष आयु समूह में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करना है जिसमें अपवादिक मामलों में आयु में छुट दी जाती है।

चयन के मानदंड

प्रशिक्षुओं का चयन प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है। वे प्रशिक्षु जो राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता हैं उन्हें चिकित्सा रूप से स्वस्थ पाए जाने पर योजना में स्वतः प्रवेश दिया जाता है। वे प्रशिक्षु जो जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा तथा अन्य अभिज्ञात प्रतिस्पर्धा में पदक विजेता है उन्हें प्रतिस्पर्धा/चयन ट्रायल में उनके प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश दिया जाता है। सभी प्रशिक्षुओं को चिकित्सा रूप से सही पाए जाने

और कई परीक्षण पास करने पर ही प्रवेश दिया जाता है।

प्रदत्त सुविधाएं

प्रशिक्षुओं को दी जाने वाली अन्य सुविधाओं में शामिल हैं निःशुल्क बोर्डिंग तथा लॉजिंग सुविधाएं, खेल किट, खेल उपकरण, प्रतियोगिता अनुभव, चिकित्सा, बीमा, स्टाईपंड इत्यादि।

शामिल खेल विधाएं

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटल, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, कयाकिंग एवं केनोइंग, साइक्लिंग, फेनसिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हाकी, जूड़ो, कबड्डी, कराटे, नेटबाल, रोइंग, शूटिंग, तैराकी, सेपकटकरा, ताइक्वांडो, वालीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु।

प्रशिक्षुओं को सहायता के मानदंड

आवासीय प्रशिक्षु:

क्र. सं.	विवरण (प्रति व्यक्ति)	राशि (रुपए में)
1	खानपान व्यय (प्रति व्यक्ति प्रति दिन) 330 दिनों के लिए गैर पहाड़ी क्षेत्रों हेतु	175.00
2	330 दिनों के लिए पहाड़ी क्षेत्रों हेतु प्रति दिन प्रति व्यक्ति	200.00
3	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 5000 रूपए)	12000.00
4	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
5	शिक्षा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
6	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
7	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	
8	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	

गैर–आवासीय प्रशिक्षु:

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपए में)
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	4000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

एसटीसी/एसएजी केन्द्रों के विस्तार केन्द्र

उद्देश्य

यह योजना उन स्कूलों और कॉलेजों में खेल स्तर का विकास करने के दृष्टिकोण से 2005 में व्यापक कवरेज हेतु स्कूलों और कॉलेजों में आरंभ की गई थी जिनमें अपेक्षित बुनियादी अवसंरचना मौजूद हैं और जिन्होंने सराहनीय परिणाम दिए हैं। इस योजना के अंतर्गत 12–18 वर्ष आयु वर्ग के प्रशिक्षुओं को अपनाया जाता है।

प्रदत्त सुविधाएं

प्रशिक्षुओं को खेल किट, वृत्तिका, प्रतियोगिता अनुभव, बीमा और कोच की सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अलावा संस्थाओं को प्रति वर्ष 1 लाख रू. का अनुरक्षण अनुदान भी दिया जाता है।

शामिल खेल विधाएं

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटल, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हाकी, जूड़ो, कबड्डी, खो–खो शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वालीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु।

संस्था का चयन

खेलकूद में सक्रियता से शामिल तथा पर्याप्त अवसंरचना वाले स्कूल कॉलेज इस स्कीम के अन्तर्गत पात्र होते हैं। संस्था के पास राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने का पुराना इतिहास होना चाहिए।

प्रशिक्षुओं का चयन

स्कूल/कॉलेज में 12 से 18 वर्ष तक के आयु वर्ग के 20 से अधिक प्रशिक्षु नहीं होंगे। आसपास के स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। प्रशिक्षुओं का चयन विधिवत गठित समिति द्वारा किया जाता है जिसमें (1) क्षेत्रीय निदेशक अथवा उसका प्रतिनिधि (2) कॉलेज/संस्थान का प्रमुख अथवा उसका प्रतिनिधि (3) संबंधित खेल विधा के स्कूल/कॉलेज के विशेषज्ञ/कोच (4) क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ी होते हैं। अपवादस्वरूप मामलों में आयु समूह में छूट दी जा सकती है।

विस्तार केन्द्र को निकटतम एसटीसीध्एसएजी तथा क्षेत्रीय केन्द्र के प्रमुख, जिसके अन्तर्गत यह आता है, द्वारा मानीटर किया जाता है। ऐसे केन्द्रों को मंजूरी देने की अधिकार महानिदेशक भाखेप्रा का होगी।

प्रशिक्षुओं को सहायता के मानदंडः

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपए में)
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	4000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	2000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
5	अभिज्ञात संस्थाओं में आवश्यकता और औचित्य के आधार पर प्रति प्रशिक्षु 1.00 लाख रू. की सीमा तक अवसंरचना तथा उपकरण सहायता	5000.00

उत्कृष्टता केन्द्र योजना (सीओई)

उद्देश्य

सब–जूनियर तथा जूनियर के लिए इस स्कीम के प्राकृतिक सहभागी के रूप में उत्कृष्टता केन्द्रों की स्कीम 1997 में आरंभ की गई थी जिसमें राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में अच्छे प्रदर्शन वाले खिलाड़ियों की प्रतिभा को एक वर्ष में 330 दिन के लिए भाखेप्रा के क्षेत्रीय केन्द्रों में आगे और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए शामिल करने की परिकल्पना की गई थी। उन्हें आधुनिक सुविधाएं, उपकरण और विशिष्ट प्रशिक्षण सहित वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती है। ये केन्द्र भारत में उपलब्ध सर्वोत्कृष्ट प्रतिभा के लिए नियमित कोचिंग शिविरों का कार्य करते हैं और समवर्ती स्तर के संभवतः दो या तीन उच्च कौशल प्राप्त खिलाड़ी उपलब्ध करवाते हैं जिससे आगे राष्ट्रीय टीमों में चयन हेतु प्रतिभा व निरन्तरता का अधिक विकल्प मिलता है और ये राष्ट्रीय टीमों के लिए दूसरा और तीसरा विकल्प प्रदान करते हैं।

चयन का मानदंड

वे खिलाड़ी जो राष्ट्रीय चौम्पियनशिप में सभी आयुवर्ग में वैयक्तिक इवेंटों में सर्वोच्च 4 में स्थान प्राप्त करते हैं और टीम इवेंटों में विजेता अथवा दूसरे स्थान पर रहते हैं तो उनका चयन किया जाता है। प्रशिक्षुओं को 12 से 25 आयु वर्ग समूह में प्रवेश दिया जाता है। वे प्रशिक्षु जो राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपेक्षित स्तर पर प्रदर्शन बनाए रखते हैं उन्हें योग्य मामलों में आयु में छूट देते हुए योजना के अंतर्गत शामिल किया जाना जारी

रखा जाता है। इस योजना के अंतर्गत रोजगार प्राप्त प्रशिक्षुओं को भी प्रवेश दिया जाता है और उन्हें अन्य प्रशिक्षुओं के समान सुविधाएं प्रदान की जाती है।

प्रदत्त सुविधाएं

प्रशिक्षुओं को बोर्डिंग और लोजिंग सुविधाएं, खेल किट, खेल उपकरण, प्रतियोगिता अनुभव, बीमा, चिकित्सा व्यय इत्यादि मानदंडों के अनुसार प्रदान किए जाते हैं और उन्हें वैज्ञानिक तथा चरणबद्ध प्रशिक्षण दिया जाता है।

शामिल खेल विधाएं

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, साइक्लिंग , फेनसिंग, जिमनास्टिक्स, हाकी, जूड़ो, कबड्डी, कयाकिंग और केनोइंग, रोइंग, तैराकी, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वालीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु।

प्रशिक्षुओं को सहायता के मानदंडः

आवासीय प्रशिक्षुः

क्र. सं.	विवरण	राशि (रुपए में)
1	पर्वतीय और गैर–पर्वतीय क्षेत्रों के लिए खानपान व्यय 330 दिनों के लिए (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	225.00
2.	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष) (अधिकतम 6000 रूपए)	6000.00
3.	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
4.	चिकित्सा व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	2000.00
5.	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00
6.	अन्य व्यय (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	850.00

गैर–आवासीय प्रशिक्षुः

क्र. सं.	विवरण	राशि
1	खेल किट (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	6000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	3000.00
3	वृतिका (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	9000.00
4	बीमा (प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष)	150.00

आओ और खेलें योजना

उद्देश्य

"आओ और खेलें योजना" दिल्ली तथा देश भर में भाखेप्रा की खेल सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने के लिए आरंभ की गई थी और इसमें उन क्षेत्रों के स्थानीय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर मुख्य ध्यान दिया गया था जहां भाखेप्रा खेल सुविधाएं/केंद्र कार्यरत है। स्थानीय समुदायों और खेल उत्साही युवाओं को भाखेप्रा के कोचों के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर प्रदान करते हुए यह योजना उन खिलाड़ियों को एक अन्य अवसर प्रदान करती है जो नियमित आवासीय/गैर–आवासीय योजनाओं के अंतर्गत शामिल नहीं है। यह योजना ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का एक पूल प्रदान करती है जहां से प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान की जा सकती है और उन्हें एसटीसी तथा एसएजी की नियमित आवासीय खेल संवर्धन योजनाओं में शामिल किया जा सकता है।

यह योजना मई, 2011 में विभिन्न चरणों में दिल्ली में भाखेप्रा स्टेडियम परिसर में आरंभ की गई थी। योजना के लिए अति उत्साह से भाखेप्रा ने इस योजना को 1 अक्तूबर, 2011 से अपने विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों/उप–केंद्रों/शैक्षिक संस्थाओं/एसटीसी तथा एसएजी केंद्रों में आरंभ किया।

इस योजना का समाचार–पत्रों, टीवी स्पोट्स और रेडियो जिंगल इत्यादि सहित स्थानीय मीडिया में प्रेस विज्ञप्ति

के माध्यम से व्यापक प्रचार किया जाता है। विभिन्न जिला, ब्लॉक, स्थानीय प्राधिकरणों और जिला शिक्षा कार्यालयों/जिला खेल अधिकारियों तथा स्कूलोंध्कॉलेजों के मुख्य अध्यापकों/प्राचार्यों को भाखेप्रा के केंद्रों में तथा उसके आसपास सूचना प्रदान की जाती है ताकि अधिकतम संख्या में प्रशिक्षुओं को उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जागरूक बनाया जा सके ताकि उन तक बेहतर पहुंच प्राप्त हो सके।

चयन के मानदंड

"आओ और खेलें योजना" अनिवार्य रूप से 8–17 वर्ष के आयु वर्ग की आवश्यकताओं को पूरा करती है। उनके चयन के पश्चात् आयु विशिष्ट अर्थात् 8–10, 10–12 और 12–17 वर्ष की प्रतिस्पर्धाएं वर्ष में दो बार में आयोजित की जाती हैं। इन प्रतिस्पर्धाओं में संगत आयु समूह में पहले तीन पद धारकों को चयन की श्रेणी/मापदंड III के अंतर्गत एसटीसी/एसएजी की योजनाओं में प्रवेश के लिए प्रशिक्षुओं के चयन हेतु आयोजित प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

शामिल खेल विधाएं

शामिल किए जाने वाली विशिष्ट खेल विधा का निर्णय उपलब्ध अवसंरचना, खेल उपकरण और कोचों की उपलब्धता के आधार पर प्रभारी क्षेत्रीय केंद्र/उप–केंद्र द्वारा लिया जाता है।

फीस ढांचा

विशिष्ट समय आबंटन उपयोग के लिए 45 रुपए प्रतिमाह का आंशिक शुल्क लिया जा सकता है। अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों और पिछले तीन वर्षों के दौरान राष्ट्रीय/राज्य पदक विजेताओं (दोनों 17–21 वर्ष के आयु समूह में) और भाखेप्रा के कर्मचारियों के बच्चों को नियमित आधार पर मानार्थ सदस्यता (निःशुल्क) दी जाती है। गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले प्रशिक्षुओं को भी मानार्थ सदस्यता दी जाती है। बालिका प्रशिक्षुओं और सरकारी स्कूलों में बच्चों को उपरोक्त फीस के 1/3 पर सदस्यता दी जाती है। प्रशिक्षुओं को फील्ड, ट्रैक, टेबल, मैट्स इत्यादि जैसे खेल मैदान/गैर–उपभोज्य उपकरण प्रदान किए जाते है। बॉल, सेटलकॉक इत्यादि जैसे न्यूनतम और बचे न जा सकने वाले वाली उपभोज्य सामग्री भी भाखेप्रा द्वारा प्रदान की जाती है। तथापि, प्रशिक्षुओं को रैकेट, बैट इत्यादि जैसे खेल उपकरण लाना अपेक्षित होता है। ?

भाखेप्रा राष्ट्रीय खेल अकादमियां

भाखेप्रा की खेल संवर्धन स्कीमों में नवीनतम उपलबधि राष्ट्रीय खेल अकादमियां हैं। 12–25 वर्ष की आयु वर्ग में विभिन्न खेल विधाओं में खेल प्रतिभाओं को आकर्षित करने के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों के सहयोग से भाखेप्रा द्वारा विभिन्न खेल अकादमियों की स्थापना की जा रही है। अकादमी की स्कीम में प्रशिक्षुओं की दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए बेहतर खेल सुविधाओं, उपकरण, अपेक्षित खेल विज्ञान अवसंरचना और योग्य कार्मिकों से युक्त आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों का प्रावधान है। इन खेल अकादमियां में आवासीय और गैर–आवासीय प्रशिक्षु होंगे। प्रत्येक अकादमी पीपीपी मोड के अंतर्गत त्रिपक्षीय करार के अंतर्गत कार्य करेगी जिसमें भाखेप्रा, संबंधित परिसंघ और प्रायोजक की भूमिकाएं निर्धारित की जाएंगी। परिसंघों की एक प्रमुख भूमिका विदेशी विशेषज्ञता के माध्यम से तथा खेल विधाओं के अंतरराष्ट्रीय निकायों के साथ समझौता ज्ञापन के माध्यमों से जानकारी उपलब्ध कराना होगा। राष्ट्रीय परिसंघ भी प्रायोजन या भागीदारी के माध्यम से राजस्व जुटाने के प्रयास करेंगे। निम्नलिखित खेल विधाओं में 13 राष्ट्रीय खेल अकादमियां शुरू करने का प्रस्ताव है:

क्र. सं.	खेल विधा	जगह
1.	एथलेटिक्स (स्प्रिंट्स एवं जम्पस)	तिरूवनंतपुरम
2.	एथलेटिक्स (मध्यम दूरी)	भोपाल
3.	एथलेटिक्स (थ्रो)	रोहतक
4.	तीरंदाजी	गुवाहाटी/कोलकाता
5.	मुक्केबाजी	रोहतक
6.	साइक्लिंग	आईजी स्टेडियम
7.	फुटबाल	कोलकाता एवं कोची
8.	गोल्फ	बंगलौर/दिल्ली
9.	हॉकी	डा. केएसएसआर
10.	निशानेबाजी	डा. एसपीएमसी, दिल्ली
11.	तैराकी	क्त ैच्डब्ए क्मसीप
12.	वालीबॉल	कोची
13.	कुश्ती	सोनीपत

उपर्युक्त में से गोल्फ, स्प्रिंट एवं जंप, तैराकी की खेल विधाओं में भाखेप्रा राष्ट्रीय खेल अकादमियों ने पहले ही कार्य करना प्रारंभ कर दिया है।

1.9 भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र

भाखेप्रा के क्षेत्रीय केन्द्र/उप–केन्द्र

भाखेप्रा के क्षेत्रीय केन्द्र/उप–केन्द्र तथा शैक्षिक संस्थाएं देश भर में खेल संवर्धन योजनाओं और शैक्षिक कार्यक्रमों के लिए कार्यान्वयन एजेंसियां हैं।

उद्देश्य और कार्य

- कोचिंग कैम्पों का संचालन करना और राष्ट्रीय टीमों को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने में सहायता करना;
- क्षेत्र में भाखेप्रा और भारत सरकार की खेल संवर्धन योजनाओं को कार्यान्वित करना और मॉनिटर करना;
- एनएसएनआईएस पटियाला में भाखेप्रा के शैक्षिक विंग के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करना;
- पुनश्चर्या पाठ्यक्रम का संचालन करके कोचों की तकनीकी क्षमता और ज्ञान में वृद्धि करना;
- शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करना;
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के उद्देश्य से सभी संबंद्ध व्यक्तियों को संगठनात्मक सहायता, दस्तावेजीकरण और खेल विज्ञान सूचना प्रदान करना;
- अन्य संगठनों/खेल निकायों, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के साथ संपर्क स्थापित करना और खेलों से संबद्ध विषयों पर सूचना प्रदान करना;
- विभिन्न आयु समूहों में खेल प्रतिभा की पहचान करना और उनके प्रदर्शन में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए उन्हें निखारना; और
- खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन प्राप्त करने में खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।

6.1 नेताजी सुभाष पूर्वी केन्द्र, कोलकाता

भाखेप्रा पूर्वी केन्द्र की स्थापना 23 जनवरी, 1983 को साल्ट लेक सिटी, कोलकाता में की गई थी। यह केंद्र बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और अंडमान निकोबार तथा द्वीप समूह में भाखेप्रा की योजनाओं के कार्यान्वयन तथा मॉनीटरिंग के लिए जिम्मेदार है।

अवसंरचना/खेल सुविधाएं

यह केंद्र 42 एकड़ के क्षेत्र में फैला है। जिसमें निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध है:

केंद्र में उपलब्ध खेल एवं प्रशासनिक सुविधाएं नीचे दी गई है।

(i) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	क्रैश लैंडिंग पिट	फोम फिटेड पिट	01
2.	लॉन टेनिस कोर्ट	हार्ड	02
		क्ले	03
3.	हाकी मैदान	एस्ट्रो टर्फ	01
		घास	01
4.	हैंडबाल मैदान		01
5.	तीरंदाजी मैदान	घास	01
6.	फुटबॉल मैदान	घास	02
7.	वालीबॉल कोर्ट	सिंडर	02
8.	बास्केटबॉल कोर्ट	कंक्रीट	04
9.	तैराकी पूल परिसर	–	01
10.	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	फ्लड लाईट सहित सिंथेटिक ट्रैक	01
11.	क्रिकेट मैदान	–	01

(ii) इंडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	खेल हॉल (इंडोर प्रशिक्षण केन्द्र)	लकड़ी का फर्श – बास्केटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, बैडमिंटन, वालीबॉल, टेबल टेनिस और अन्य इंडोर खेलों के लिए	01
		आधुनिक उपकरण सहित कंडिशनिंग हॉल	01
		ध्यान कक्ष	01
2.	बॉक्सिंग हॉल		01
3.	जूडो हॉल		--

(iii) हॉस्टल और अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	संख्या
1.	80 बिस्तरों वाला लड़कों का हॉस्टल	01
2.	नेशनल शिविरर्स के लिए 40 बिस्तरों वाला मिलेनियम भवन	01
3.	नेशनल शिविरर्स के लिए 40 बिस्तरों वाला लड़कियों का हॉस्टल	01
4.	सम्मेलन कक्ष और केंद्रीय भंडार के साथ प्रशासनिक ब्लॉक	01
5.	नियमित डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स के लिए मॉनिटरी सैल के साथ प्रशासनिक ब्लॉक	01
6.	खेल विज्ञान केन्द्र	01
7.	गेस्ट हाउस	07 कमरें
8.	क्षेत्रीय निदेशक बंगला	01
9.	स्टाफ क्वाटर	30
10.	आधुनिक कंडिशनिंग हॉल–सह–रिकवरी इकाई	01

शैक्षिक कार्यक्रम

वर्ष के दौरान केन्द्र में निम्नलिखित शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए गए थेः–

(i) खेल कोचिंग में (1) तीरंदाजी, (2) एथलेटिक्स, (3) बॉक्सिंग (4) क्रिकेट और (5) फुटबॉल में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम का वर्ष 2015–16 के दौरान आयोजन किया गया।

(ii) विभिन्न खेल विधाओं में 14 मई, से 24 जून, 2015 तक 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

खेल विज्ञान संकायः

खेल विज्ञान संकाय शिक्षण संकाय की सहायता करते है और समय–समय पर कोचिंग कैंपों में भाग लेने वाले राष्ट्रीय खिलाड़ियों को भी सहायता प्रदान करते है। खेल विज्ञान संकाय में निम्नलिखित विभाग शामिल हैः

(क) खेल चिकित्सा

(ख) खेल मनोचिकित्सा

(ग) किन्सियोलॉजी और बॉयोमैकेनिक्स

(घ) व्यायाम फीजियोलॉजी

6.2 भाखेप्रा नेताजी सुभाष दक्षिण केन्द्र, बेंगलुरू

दक्षिणी केंद्र की स्थापना श्री कांतिवीर स्टेडियम, बंगलौर में 13 अप्रैल, 1974 में की गई थी और बाद में इसे जनानाभारती परिसर, बंगलौर विश्वविद्यालय, मैसूर मार्ग, बंगलौर में 29 जुलाई, 1985 को स्थानांतरित कर दिया गया। एनएसएससी बंगलुरु आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, पुद्दुचेरी और तमिलनाडु राज्यों में भाखेप्रा खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन और मॉनीटरिंग के लिए जिम्मेदार है।

अवसंरचना/खेल सुविधाएंः

यह केंद्र 80.2 एकड़ में फैला है और इसमें निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैः

;द्ध व्नजकववत बिपसपजपमेरू

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक ट्रैक	सिंथेटिक सिंडर	01 01
2.	बास्केटबॉल कोर्ट	कंक्रीट	02
3.	फुटबॉल मैदान	टर्फ	01
4.	हॉकी मैदान	पाली ग्रास एस्ट्रो टर्फ	01 01
5.	खो–खो मैदान कबड्डी मैदान	क्ले क्ले	02 02
6.	टेनिस कोर्ट	क्ले सिमेंटेड	05 01
7.	वालीबॉल कोर्ट	सिंडर सैंड	03 01

8.	तैराकी पूल (मुख्य) (डाइविंग सुविधाओं के साथ)	21 मी x 50 मी	01
9.	तैराकी पूल (प्रशिक्षु)	21 मी x 25 मी	01
10.	गोल्फ कोर्स (9 छिद्र)	घास	01
11.	शूटिंग रेंज	10 मी रेंज 25 मी रेंज 50 मी रेंज ट्रैप एवं स्कीट रेंज	01 01 01 01

(ख) इंडोर सुविधाएं:

परिसर-I			
खेल विधा	**डाइमेंशन**	**विधा**	**मैदान की संख्या**
बहुउद्देश्यी इंडोर कक्ष–1	45 x 35 x 20 मी	वालीबॉल बास्केटबॉल हैंडबॉल बैडमिंटन	02 02 01 06
बहुउद्देश्यी इंडोर कक्ष–1	40 x 15 x 15 मी	बैडमिंटन	04
भारोत्तोलन	20 मी x 20 मी x 7.5 मी	प्रतिस्पर्धा कक्ष प्रशिक्षण कक्ष	01 01
सामान्य कंडीशनिंग कक्ष	20 x 20x7.5 मी	कंडीशनिंग	01
परिसर-II			
बहुउद्देश्यी इंडोर कक्ष–1	30 मी x 20 मी 7.5 मी	ताइकबांडू कबड्डी	01 01
बहुउद्देश्यी इंडोर कक्ष–2	20 x 15 x 5 मी	कंडीशनिंग कक्ष	01
बहुउद्देश्यी इंडोर कक्ष–3	20 x 15 x 5 मी	स्टेट ऑफ आर्ट कंडीशनिंग कक्ष	01

(ग) हॉस्टल एवं अन्य सुविधाएं:

क्र. सं.	सुविधाओं का विवरण	संख्या
1.	राष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए 198 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
2.	उत्कृष्टता केन्द्र/एसटीसी/डिप्लोमा के लिए 196 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
3.	महिलाओं के लिए 80 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
4.	प्रमुख पुरुष खिलाड़ियों के लिए 100 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
5.	प्रमुख महिला खिलाड़ियों के लिए 100 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
6.	स्वास्थ्य केन्द्र	01
7.	प्रशासनिक/शैक्षिक भवन	01

8.	शॉपिंग कॉम्पलेक्स	01
9.	खेल विज्ञान भवन	01
10.	गेस्ट हाउस	01
11.	स्टाफ क्वार्टर	91
12.	स्टाफ क्लब हाउस	01
13.	गेस्ट फ्लैट्स	12
14.	ऑडिटोरियम	01
15.	सम्मेलन कक्ष	01
16.	सेमीनार कक्ष	01

शैक्षिक कार्यक्रम

भारतीय खेल प्राधिकरण, एनएस दक्षिणी केंद्र, बंगलौर डिप्लोमा पाठ्यक्रम, सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम और खेलों से संबंधित अन्य पाठ्यक्रमों का संचालन करता है।

लक्ष्य और उद्देश्य

1. उच्च योग्यता के कोच तैयार करना
2. सेवाकालीन कोचों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित करना
3. शारीरिक शिक्षा अध्यापकों और अन्यों के लिए खेल कोचिंग में 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट कार्यक्रम आयोजित करना
4. सेमीनार, सम्मेलन और क्लीनिक आयोजित करना
5. शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए विशेष पाठ्यक्रम आयोजित करना
6. कार्यशालाओं और सेमीनारों का आयोजन करना

भारतीय खेल प्राधिकरण का दक्षिणी केंद्र निम्नलिखित का आयोजन करता है:

i) दस माह की अवधि का खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम जिसके पश्चात दो माह की इंटर्नशिप

ii) शारीरिक शिक्षा अध्यापकों के लिए बड़ी भागीदारी के तहत 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट कार्यक्रम

iii) भारतीय खेल प्राधिकरण के सेवाकालीन कोचों और अन्य संगठनों के कोंचों के लिए प्रोन्नत/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम

iv) खेल विज्ञान में लघु अवधि पाठ्यक्रम

v) कार्याशालाएं और सेमीनार

ऐसे पाठ्यक्रमों का आयोजन करने का मूल उद्देश्य गुणवत्तावान और संभावना वाले कोचों को तैयार करना तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के समान नवीनतम ज्ञान को अद्यतन करना है जिससे कोच संभावित खिलाड़ियों को शिक्षित, प्रशिक्षित और तैयार कर सके तथा सर्वोत्तम प्रतिभा तैयार कर सके।

शैक्षिक वर्ष 2015–16 के लिए खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

10 खेल विधाओं अर्थात् एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हॉकी, कबड्डी, खो–खो, लॉन टेनिस, तैराकी, सॉफ्ट बॉल, ताइकवांडू और वॉलीबाल में 30 अप्रैल, 2015 को इस केंद्र में संचालित।

थ्यौरी तथा प्रयोग दोनों में विशिष्ट खेलों में अंतिम सेमेस्टर परीक्षा 26 अप्रैल, 2015 को संचालित।

10 खेल विधाओं के बाह्य परीक्षकों ने उत्तर–पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया तथा परिणाम प्रस्तुत किए।

38वां स्नातक समारोह 29 अप्रैल, 2015 को आयोजित किया गया। श्री इंजेती श्रीनिवास, आईएएस, महानिदेशक, भाखेप्रा, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे और उन्होंने 116 सफल छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किए।

विशिष्ट खेलों और खेल विज्ञान में सर्वोच्च अंक पाने वालों को ट्रॉफिया प्रदान की गई। समग्र सर्वोत्तम छात्र को मैसर्स बॉश स्पोर्ट्स क्लब, बॉश बंगलौर द्वारा प्रायोजित एक ट्रॉफी और नगद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इंटर्नशिप:

डिप्लोमा पाठ्यक्रम के सभी सफल छात्रों को विभिन्न भाखेप्रा के केंद्रों/विश्वविद्यालयों में 1 मई से 30 जून, 2015 तक की 2 माह की इंटर्नशिप के लिए तैनात किया गया। उन्हेंग15,000 रुपए प्रतिमाह का स्टाइपंड दिया गया है।

6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम – 2015:

4 विभिन्न केंद्रों में 14 मई से 24 जून, 2015 तक 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

आचार्य नागार्जुन विश्वविद्यालय, एपी (एथलेटिक्स, खो–खो और भारोत्तोलन), संख्या–58

(1) एसआरएम विश्वविद्यालय, तमिलनाडु (बास्केटबॉल, फुटबॉल, हॉकी कबड्डी और वॉलीबॉल) – संख्या–83

(2) कूवेम्पू विश्वविद्यालय, शिमोगा, कर्नाटक (हैंडबॉल, टेबल टेनिस और कुश्ती – संख्या–27)

(3) भाखेप्रा, एनएसएससी, बंगलौर (बैडमिंटन, सॉफ्टबॉल, ताइकबांडू और वॉलीबाल) संख्या–68

सभी 236 अभ्यर्थियों ने 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया।

पुनश्चर्या पाठ्यक्रम:

उड़ीसा राज्य के कोचों के लिए 24 मई से 12 जून, 2015 तक एथलेटिक्स, बैडमिंटन, कबड्डी, तैराकी और वॉलीबॉल की खेल विधाओं में इस केंद्र में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। उड़ीसा के कोचों ने पाठ्यक्रम के संबंध में अपनी अत्यधिक संतुष्टि व्यक्त की।

खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम: सत्र–205–16

सत्र 2015–16 के लिए 10 खेल विधाओं के लिए डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन प्राप्त हुए। छटाई के बाद प्राप्त 247 आवेदनों में से 183 अभ्यर्थियों को इस केंद्र में 27–29 जून, 2015 को प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार तथा तत्पश्चात 30 जून और 1 जुलाई, 2015 को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया।

शैक्षिक सत्र 2015–16 के लिए खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए 117 छात्रों का चयन किया गया।

डिप्लोमा पाठ्यक्रम 6 जुलाई, 2015 को आरंभ हुए। श्री एम. श्याम सुंदर, क्षेत्रीय निदेशक ने पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस:

इस केंद्र में 21 जून, 2015 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 300 व्यक्तियों (राष्ट्रीय खिलाड़ियों, भाखेप्रा के अधिकारियों और कर्मचारियों, एसटीसी/सीओई के व्यक्तियों, डिप्लोमा पाठ्यक्रमों इंटर्न्स तथा सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम के छात्रों) ने अति उत्साह के साथ भाग लिया।

कौशल विकास कार्यक्रमः

कौशल विकास प्रशिक्षण के अंतर्गत संख्या और कंडीशनिंग कार्यक्रम का 10 अगस्त से 29 अगस्त, 2015 तक इस केंद्र में आयोजन किया गया। कुल 14 अभ्यर्थियों ने इसमें भाग लिया और पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा किया।

कार्यशाला

इस केंद्र में 15 और 16 सितंबर, 2015 को खिलाड़ियों, कोचों, लोगों तथा कर्मचारियों के मनो–सामाजिक मुद्दों के संवेदीकरण संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। डिप्लोमा पाठ्यक्रम के छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया और कार्यशाला के मेल–मिलाप सत्र में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यशाला काफी शिक्षा प्रद थी।

श्री असीम श्रीवास्तव, सदस्य सचिव, एनसीपीसीआर, नई दिल्ली और डॉ. कविता, सहायक प्रोफेसर तथा विशेषज्ञ, एनआईएमएचएएनएस, बंगलौर ने व्याख्यान दिए।

आस्ट्रेलियाई तैराकी पाठ्यक्रमः

डिप्लोमा पाठ्यक्रम के 17 छात्रों ने पटियाला में आयोजित 28 अक्तूबर से 4 नवंबर, 2015 तक आस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों द्वारा संचालित एएससी तैराकी पाठ्यक्रम में "विषयों" के रूप में भाग लिया। प्राप्त ज्ञान उन्हें कोच के रूप में उनके भविष्य के कैरियर में सहायता प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय कोचिंग कैंप

भाखेप्रा, एनएसएससी, बंगलौर उसकी गहन अवसंरचना, वैज्ञानिक पृष्ठभूमि की उपलब्धता जिसे वर्ष भर आधुनिक वातावरण के साथ अनुपूरित किया जाता है, के कारण विभिन्न स्तर पर राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के संचालन के लिए एक मुख्य क्षेत्रीय केंद्र बन गया है। ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप तथा विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयारी में विभिन्न खेल विधाओं में अधिकांश राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन इस केंद्र/क्षेत्र में किया जाता है।

संचालित राष्ट्रीय कैंपों का विवरण
01.04.2015 से 31.12.2015 तक

क्र.सं.	खेल विधा	कैंपों की संख्या	तैयारी के लिए कैंप
1	एथलेटिक्स	06	बीजिंग, चीन में आईएएएफ विश्व चैंपियनशिप 2015 तथा रियो ओलंपिक्स 2016 की तैयारी के लिए
2	बैडमिंटन	08	विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं की तैयारी के लिए
3	पैरालंपिक्स	05	आईपीसी एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप 2015 की तैयारी के लिए
4	रोइंग	07	एशियाई वरिष्ठ रोइंग चैंपियनशिप 2015 और रियो ओलंपिक खेल 2016 की तैयारी के लिए
5	कबड्डी	02	दक्षिण एशियाई खेलों की तैयारी के लिए
6	वॉलीबाल	02	वरिष्ठ एशियाई पुरुष चैंपियनशिप 2015, ईरान की तैयारी के लिए
7	हॉकी	04	विश्व लीग अंतिम और रियो 2016 ओलंपिक्स विश्व कप – 2016 तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों की तैयारी के लिए
	कुल	**34**	

6.3 भाखेप्रा नेताजी सुभाष पश्चिम केन्द्र, गांधीनगर

भारतीय खेल प्राधिकरण पश्चिमी केंद्र, गांधीनगर की स्थापना 29 अगस्त, 1987 को की गई थी। यह गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, राजस्थान राज्य और दमन और दीव तथा दादर और नागर हवेली के संघ राज्य क्षेत्रों में भाखेप्रा खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

I. अवसंरचना/खेल सुविधाएं:

एनएसडब्ल्यूसी परिसर 64 एकड़ में फैला है, 7.5 एकड़ भूमि महात्मा मंदिर परियोजना के विकास के लिए 20 जुलाई, 2010 को गुजरात सरकार को सौंपी गई थी और इसमें निम्नलिखित सुविधाएं शामिल हैः

(क) आउटडोर सुविधाएं: (सभी खेल मैदानों में फ्लड लाइट की सुविधा उपलब्ध है)

क्र.सं.	आउटडोर	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक्स ट्रैक	सिंथैटिक	01
2.	बास्केटबाल कोर्ट	सीमेंटेड	03
3.	क्रिकेट मैदान	सीमेंटेड टर्फ	04 04
4.	हॉकी मैदान	एस्ट्रो–टर्फ	01
5.	फुटबॉल मैदान	घास	01
6.	हैंडबॉल कोर्ट	क्ले सैंड	03 01
6.	कबड्डी मैदान	क्ले सैंड	03 01
7.	नेटबॉल कोर्ट		01
8.	वॉलीबाल कोर्ट	क्ले	04
9.	तैराकी पूल और डाइविंग पूल	50 मीटर	01
10.	टेनिस कोर्ट	....	03

(ख) इंडोर सुविधाएं:

क्र.सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	बैडमिंटन कोर्ट		02
2.	जिमनास्टिक हॉल		01
3.	कुश्ती हॉल		01
4.	बहु उद्देश्यीय इंडोर हॉल	लकड़ी का फर्श	01
5.	आधुनिक फिटनेस केंद्र		01
6.	खेल विज्ञान केंद्र		01
7.	योग कक्ष		01

(ग) छात्रावास और अन्य सुविधाएं:

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1.	लड़कियों के लिए 150 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
2.	लड़कों के लिए 150 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
3.	प्रशासनिक ब्लॉक	01
4.	आरडी आवास सहित अतिथि कक्ष	01
4.	नेशनल कैम्प्रो के लिए 100 बिस्तर वाला हॉस्टल	01

6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

(क) विभिन्न खेल विधाओं में 14 मई से 14 जून, 2015 तक 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम।

6.4 भाखेप्रा उद्धव दास मेहता (भाई जी) मध्य केन्द्र, भोपाल

भाखेप्रा मध्य केंद्र की स्थापना दिल्ली में अप्रैल, 1988 में की गई थी। इसके पश्चात् इस केंद्र को 2001 में ग्राम गोरा, बिशन खेरी, भोपाल स्थानांतरित कर दिया गया और उद्धव दास मेहता (भाई जी) मध्य क्षेत्रीय केंद्र के रूप में पुनः नामित किया गया। यह केंद्र मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ राज्य में भाखेप्रा खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन और मॉनीटरिंग के लिए उत्तरदायी है।

I. अवसंरचना/खेल सुविधाएं:

यह केंद्र मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त 97 एकड़ भूमि में फैला है और इसमें निम्नलिखित सुविधाएं है:

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	हाकी मैदान	घास एस्ट्रोटर्फ फ्लड लाइट के साथ एस्ट्रोटर्फ	01 01 01
2.	फुटबॉल मैदान	घास	01
3.	बास्केटबॉल कोर्ट	सिमेंटेड	03
4.	वालीबॉल कोर्ट (फैंसिंग सहित)	क्ले	03
5.	एथलेटिक ट्रैक (400 मीटर)	सिंडर	01
6.	जॉगिंग ट्रैक (2.1 किलोमीटर)		01
7.	9 लेन वाला एथलेटिक ट्रैक और घास का फुटबॉल मैदान	सिंथेटिक	01
8.	बाक्सिंग रिंग	सैंड	01
9.	क्रिकेट पवेलियन	टर्फ सीमेंटेड	03 01

(ख) इंडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	बहुउद्देशीय कक्ष	छोटा बड़ा	02 02
2.	मानक आधुनिक फिटनेस केंद्र (आधुनिक कंडीशनिंग हॉल–सह–रिकवरी यूनिट)		01

(ग) हॉस्टल तथा अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	विवरण	संख्या
1.	144 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
2.	वातानुकूलित सुविधाओं के साथ 52 बिस्तरों वाला (पुरूष तथा महिला) हॉस्टल	02
3.	वातानुकूलित सुविधाओं के साथ 48 बिस्तरों वाला हॉस्टल (हॉस्टल संख्या – 4)	01
4.	चेंजिंग रूम	
5.	योगा केंद्र और फिटनेस केंद्र	01
6.	प्रशासनिक ब्लॉक	01
7.	खेल विज्ञान केंद्र और चिकित्सा केंद्र	01
8.	स्टाफ क्वार्टर	32
9.	सुविधा शॉपिंग केंद्र	01
10.	कच्चे पानी के ट्रीटमेंट के लिए फिल्ट्रेशन प्लांट	01
11.	एथलेटिक्स ट्रैक के लिए पहुंच सड़क तथा पार्किंग	01
12.	बिलियर्ड्स कक्ष, टेबल टेनिस हॉल, बैडमिंटन कोर्ट और दो गोल्फ ग्रीन (समुदाय संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत)	

चल रहे कार्य

1. एसएजी धार में पेयजल के लिए पाइपलाइन बिछाना
2. सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक के नजदीक स्टोर तथा चेंज रूम
3. हाई मास्ट सुरक्षा लाइटिंग

6.5 भाखेप्रा चौधरी देवीलाल उत्तरी क्षेत्रीय केन्द्र, सोनीपत

भाखेप्रा के उत्तरी केन्द्र की स्थापना 15 अक्तूबर, 1991 को उत्तरी क्षेत्र के राज्यों में भाखेप्रा तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की स्कीमों को कार्यान्वित करने के लिए चंडीगढ़ में की गई थी। हरियाणा सरकार ने क्षेत्रीय केन्द्र की स्थापना तथा खेल अवसंरचना/खेल की सुविधाओं के निर्माण के लिए सोनीपत में 83 एकड़ भूमि आबंटित की। भाखेप्रा के शासी निकाय ने 23 फरवरी, 2009 को आयोजित अपनी बैठक में क्षेत्रीय केन्द्र को चंडीगढ़ से सोनीपत स्थानांतरित करने और केन्द्र का नाम चौधरी देवी लाल, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र के नाम पर रखने को अनुमोदित किया। यह केंद्र हरियाणा और दिल्ली राज्यों में भाखेप्रा खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

I. अवसंरचना/खेल सुविधाएं:

भाखेप्रा चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत में निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध है:

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	तीरंदाजी मैदान	70 मीटर	01
2.	एथलेटिक ट्रैक	सिंथेटिकस (अभी लिया जाना बाकी है) घास	01 01
3.	बॉस्केटबॉल कोर्ट	सीमेंटेड	02

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
4.	बॉक्सिंग	इंडोर कक्ष	01
5.	हॉकी मैदान	सिंथेटिक घास	01 01
6.	हैंडबॉल	घास	01
7.	कबड्डी कोर्ट		02
8.	फुटबॉल मैदान	घास	01
9.	वॉलीबाल मैदान		01

(ख) इंडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	बहुउद्देशीय हॉल (4 कुश्ती मैट, 2 कबड्डी कोर्ट और 2 बॉक्सिंग रिंग के लिए सुविधाओं सहित)		01
2.	मल्टी जिम	आधुनिक उपस्करों के साथ	02
3.	सोनाबाथ		02

(ग) हॉस्टल तथा अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	विवरण	संख्या
1.	लड़कों के लिए 90 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
2.	लड़कियों के लिए 90 बिस्तर वाला हॉस्टल	01
3.	प्रशासनिक कार्यालय	01
4.	सम्मेलन कक्ष	35
5.	स्टाफ क्वार्टर	01
6.	अतिथि गृह	01
7.	200 बिस्तर वाला हॉस्टल	01
8.	खेल विज्ञान केंद्र	01
9.	फिटनेस केंद्र	01
10.	तरणतारण	01

6.6 भाखेप्रा क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़

भारतीय खेल प्राधिकरण का क्षेत्रीय केंद्र वल्लभगढ़, सोनीपत से मार्च, 2009 में चंडीगढ़ में स्थानांतरित किया गया और यह संघ राज्य प्रशासन द्वारा सेक्टर 42, चंडीगढ़ में स्थित हॉकी स्टेडियम में दिए गए स्थान पर 1 अप्रैल 2009 से कार्यरत है।

पंजाब सरकार ने भारतीय खेल प्राधिकरण के संपूर्ण क्षेत्रीय केंद्र को स्थापित करने के लिए चंडीगढ़ एयरपोर्ट के पास जिरकपुर में 73 बीघा और 6 बिस्वा भूमि प्रदान करने की पेशकश की है। 19 नवम्बर, 2013 को जिरकपुर के नगर निगम, भाखेप्रा और पंजाब के निदेशक (खेल) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। पंजाब सरकार द्वारा भाखेप्रा को जिरकपुर (चंडीगढ़ के नजदीक) में क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना के लिए दी गई भूमि पर चारदीवारी, मुख्य द्वार और भूमि की सतह का कार्य सीपीडब्ल्यूडी को सौंपा गया है।

पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, और संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़ में भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल संवर्धनकारी स्कीमों तथा युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की स्कीमों का पर्यवेक्षण एवं निगरानी क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ के अधिकार क्षेत्र में आता है।

कोचिंग कैंपों का विवरण

क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ के अंतर्गत अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 के दौरान विभिन्न स्थानों पर निम्नलिखित राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों का आयोजन किया गया:–

क्र.सं.	विधा	स्थान	अवधि	कैम्प्रो, कोचों और सहायक कर्मचारियों की संख्या
1	एथलेटिक्स में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप (पुरुष और महिला)	धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश)	1 अप्रैल, 2015 से 7 जुलाई, 2015 इसके पश्चात् ऊटी में स्थानांतरित	पुरुष – 13 महिला – 03 कोच – 02 फीजियो – 01 मेसर – 01
2	साइकलिंग में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप (पुरुष)	जीएनडीयू, अमृतसर	21 अगस्त से 8 नवंबर, 2015	पुरुष – 12 कोच – 03
3	साइकलिंग में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप (पुरुष और महिला)	पीएयू, लुधियाना	21 सितंबर से 1 नवंबर, 2015	पुरुष – 12 महिला – 05 कोच – 06 फीजियो – 01
4	साइकलिंग में राष्ट्रीय कोचिंग कैंप (पुरुष और महिला)	जीएनडीयू, अमृतसर	25 नवंबर से 15 दिसंबर, 2015	पुरुष – 11 महिला – 08 कोच – 03

6.7 भाखेप्रा नेताजी सुभाष पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, इम्फाल

भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में खेल के क्षेत्र में उपलब्ध प्रतिभा को देखते हुए 15 सितंबर, 1986 को टाकयेल, इम्फाल में प्रशिक्षण शिविरों और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के लिए नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल क्षेत्रीय केंद्र संस्थान की स्थापना की गई थी। यह केंद्र मणिपुर, मिजोरम और नागालैंड राज्यों में भाखेप्रा खेल संवर्धन योजनाओं के कार्यान्वयन और निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

I. अवसंरचना/खेल सुविधाएं

64 एकड़ क्षेत्र को शामिल करते हुए इस केंद्र में निम्नलिखित सुविधाएं है:

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	हाकी मैदान	घास	01
2.	फुटबॉल मैदान	घास	03
3.	एथलेटिक मैदान	घास	01
4.	हैंडबाल कोर्ट	आउटडोर	01
5.	तीरंदाजी मैदान	घास	01
6.	बास्केट बाल कोर्ट		01
7.	वालीबॉल मैदान		02
8.	रोइंग कैनाल		01
9.	लान टेनिस कोर्ट		03
10.	कबड्डी कोर्ट	घास	01
11.	सेपक तकरा कोर्ट	आउटडोर	01
12.	ताइक्वांडो		01
13.	शूटिंग रेंज		01
14.	स्वीमिंग एवं डाइविंग पूल		01
15.	जिम्नेजियम		01

(ख) इंडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	बहुउद्देशीय हॉल (हैंडबाल, कबड्डी,सेपक–तकरा और ताइक्वांडो हेतु सुविधाएं)	54.6 x 30 x 12.5 मी.	04
2.	कंडिशनिंग, शारीरिक स्वाथ्य लाभ और खेल औषध सुविधा		03
3.	इंडोर हॉल में बाक्सिंग रिंग, एक मल्टीजिम और कुछ भारोत्तोलन प्रशिक्षण उपस्कर (दीमापुर में)		01

(ग) हॉस्टल तथा अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	विवरण	संख्या
1.	100 बिस्तरों वाला लड़कों का हॉस्टल (एसटीसी इम्फाल में)	01
	50 बिस्तरों वाला लड़कियों का हॉस्टल (भाखेप्रा तक्याल में)	01
	80 बिस्तरों वाला हॉस्टल (एसटीसी उत्लोव में)	01
	175 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01

क्र. सं.	विवरण	संख्या
2.	डाइनिंग हॉल	01
3.	मनोरंजन हॉल	01
4.	कार्यालय कक्ष (छोटा)	01
5.	स्टाफ क्वार्टर टाईप–V	27
6.	अतिथि गृह	01
7.	प्रशासनिक ब्लॉक	01

II. चल रहे कार्यः

i बहुउद्देश्यीय कक्ष

ii. हॉक मैदान (सिंथेटिक टर्फ)

iii. एथलेटिकस ट्रैक

iv. लॉन टेनिस कोर्ट (02)

v. बास्केटबाल कोर्ट (02)

vi. रोइंग कनाल (50 x 550 मीटर)

vii. 100 बिस्तर वाला हॉस्टल

viii. बहुउद्देश्यीय हॉल

6.8 भाखेप्रा क्षेत्रीय केन्द्र, लखनऊ

भाखेप्रा नेताजी सुभाष उपकेन्द्र, लखनऊ की स्थापना 23 फरवरी, 2004 को 52 एकड़ भूमि पर की गयी थी जो उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड राज्यों को कवर करता है।

I. अवसंरचना/खेल मैदान

यह केंद्र 65 एकड़ क्षेत्र में फैला है और इसमें निम्नलिखित सुविधाएं उपलब्ध हैः

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	हॉकी मैदान	सिंथेटिक सतह	01
2.	हॉकी मैदान	घास	01
3.	वॉलीबाल मैदान	क्ले	02
4.	कबड्डी मैदान	क्ले	02
5.	बास्केटबाल मैदान	सीमेंटेड	02
6.	हैंडबाल कोर्ट	घास	01
7.	खो–खो मैदान	घास	02
8.	क्रिकेट पिच	सीमेंटेड	02

(ख) हॉस्टल और अन्य सुविधाएं

क्र.सं.	विवरण	संख्या
1.	80 बिस्तर वाला हॉस्टल (लड़के)	01
2.	80 बिस्तर वाला हॉस्टल (लड़कियां)	01
3.	नेशनल कैम्प्रो के लिए 100 बिस्तर वाला हॉस्टल	01

क्र.सं.	विवरण	संख्या
4.	प्रशासनिक ब्लॉक	01
5.	बहुउद्देश्यीय कक्ष	01
6.	फिटनेस केंद्र	01
7.	योग/ताइक्वांडू हॉल	01
8.	खेल चिकित्सा केंद्र	01

II. चल रहे कार्यः

सिंथेटिक सतह, फुटबॉलट मैदान – फुटबॉल फील्ड बिछाने के लिए एथलेटिक ट्रैक के आंतरिक सर्कल में एथलेटिकस ट्रैक के निर्माण जारी है।

6.9 भाखेप्रा क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर में खेलों को बढ़ावा देने की दृष्टि से भाखेप्रा ने अपने भाखेप्रा पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र, इम्फाल के अंतर्गत 1987 में गुवाहाटी में अपने उपकेंद्र की स्थापना की। भाखेप्रा क्षेत्रीय उपकेंद्र, गुवाहाटी की नींव श्रीमती मार्गेट अल्वा, पूर्व युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री, भारत सरकार द्वारा वर्ष 1987 में रखी गई थी। जनवरी, 2013 में उपकेंद्र गुवाहाटी का स्तरोनयन करके क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी बना दिया गया है। चार पूर्वोत्तर राज्य नामतः असम, मेघालय, अरूणाचल प्रदेश और सिक्किम में विभिन्न भाखेप्रा संवर्धनकारी स्कीमें कार्यान्वित की जा रही है ।

I. अवसंरना/खेल सुविधाएं

यह केंद्र 9.3 एकड़ भूमि पर बना है और इसमें निम्नलिखित सुविधाएं हैंः–

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक ट्रैक 400 मीटर	सिंथेटिक	01
2.	बॉक्सिंग शेड	–	01
3.	टेनिस कोर्ट	सिंथेटिक	02
4.	फुटबॉल मैदान	–	01

(ख) इंडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	बहुउद्देशीय हॉल	52 मी. x 25 मी.	01
2.	मल्टीजिम और भारोत्तोलन के लिए छोटा हॉल	25 मी. x 15 मी.	01

(ग) हॉस्टल तथा अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	संख्या
1.	लड़कियों के लिए 82 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
2.	लड़कों के लिए 68 बिस्तरों वाला हॉस्टल	01
3.	खेल विज्ञान इकाई	01
4.	ग्रांड स्टैंड–सह–प्रशासनिक ब्लॉक	01
5.	कार्यालय कक्ष	02
6.	डायनिंग हॉल	01
7.	मनोरंजन हॉल	01

7.0 शैक्षणिक संस्थान

नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस) पटियाला तथा लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा, कॉलेज (एलएनसीपीई) तिरूवनंतपुरम, भारतीय खेल प्राधिकरण के तहत दो शैक्षणिक संस्थान हैं।

7.1 नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

भारत सरकार द्वारा देश में व्यवस्थित और वैज्ञानिक खेल कोचिंग के युग का सूत्रपात करने के लिए 7 मई, 1961

को राष्ट्रीय खेल संस्थान की स्थापना की । यह 1 मई, 1987 से भारतीय खेल प्राधिकरण का शैक्षणिक प्रभाग बन गया। इसे एशिया में प्रमुख खेल संस्थान माना गया है और यह 268 एकड़ के क्षेत्रफल में मोती बाग पैलेस, पटियाला (पंजाब) में स्थित है।

संस्थान के लक्ष्य और उद्देश्य

- खेल कोचिंग, खेल विज्ञान और अन्य संबंधित क्षेत्रों में अल्प एवं दीर्घावधि शैक्षणिक पाठ्यक्रम आयोजित करना।
- कोचों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों के आयोजन द्वारा कोचों की योग्यता बढ़ाना।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के आयोजन हेतु राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता देना।
- विशिष्ट खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रदर्शन की प्राप्ति हेतु वैज्ञानिक सहायता प्रदान करना।
- खेल से संबंधित विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार और कार्यशालाएं आयोजित करना।
- विशेषज्ञों के माध्यम से खेल अवसंरचना के संबंध में सूचना और परामर्श स्रोत के रूप में कार्य करना।
- भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल संवर्धनात्मक स्कीमों का कार्यान्वयन करना।
- ज्व पहचान की गई खेल विधाओं में खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक खेल कोचिंग के माध्यम से उन्हें तैयार करना।
- युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की खेल संवर्धन स्कीमों को कार्यान्वित करना

शैक्षणिक कार्यक्रम

खेल कोचिंग 2014–15 सत्र में डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए छात्रों को भाखेप्रा के विभिन्न केंद्रों में 2 माह के अनिवार्य इंटर्नशिप हेतु भेजा गया था। पटियाला में 16 खेल विधाओं के लिए खेल कोचिंग में 272 छात्रों को डिप्लोमा प्रदान किए गए। महामहिम पंजाब और हरियाणा के राज्यपाल श्री के.एस. सौलंकी ने डिप्लोमा प्रशिक्षुओं को सर्टिफिकेट प्रदान किए। भाखेप्रा एनएस दक्षिण केंद्र, बंगलौर में 10 खेल विधाओं में 116 छात्रों, भाखेप्रा एनएस पूर्वी केंद्र, कोलकाता में 5 खेल विधाओं में 69 छात्रों और तिरुवनंतपुरम में रोइंग, कैकिंग और केनोइंग में 16 छात्रों को सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। कुल मिलाकर 25 विधाओं में 473 छात्र कोच बनने के लिए अर्हता प्राप्त हुए। भाखेप्रा एनएसएनआईएस, पटियाला के शैक्षिक विंग ने वर्ष 2015 के दौरान कोच शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित शैक्षिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों का आयोजन किया।

1. खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

1. संस्थान द्वारा पटियाला, बंगलुरू और कोलकाता स्थित शैक्षणिक केंद्रों में एक वर्ष का डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है।

2. पटियाला में 17 खेल विधाओं नामतः एथलेटिक्स, बॉस्केटबॉल, मुक्केबाजी, क्रिकेट, साइक्लिंग, फेंसिग, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हाकी, जूडो, टेबल टेनिस, तैराकी वालीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुल 274 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

3. बेंगलुरू में 10 खेल विधाओं नामतः एथलेटिक्स, बैडमिंटन, हाकी, कबड्डी, खो–खो, सॉफ्टबाल, लॉन टेनिस, तैराकी, ताइक्वांडो तथा बालीबॉल में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुल 123 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

4. कोलकाता में 5 खेल विधाओं नामतः तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, क्रिकेट और फुटबॉल में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कुल 86 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

5. तिरुवनंतपुरम में रोइंग, कैकिंग और कोनोइंग में कोचिंग में डिप्लोमा प्रदान किया जा रहा है। तिरुवनंतपुरम में इस कोचिंग पाठ्यक्रम के लिए कुल 12 छात्रों को प्रवेश दिया गया।

6. पटियाला और उसके 3 उपकेंद्रों में सत्र 2015–16 के लिए 25 खेल विधाओं में 495 छात्र डिप्लोमा पाठ्यक्रम का अध्ययन कर रहे है। इस कार्यक्रम में 1961 से अब तक 18815 व्यक्तियों ने अर्हता प्राप्त की है।

2. खेल कोचिंग में एम. एससी.

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला से सम्बद्ध यह दो वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम केवल पटियाला केन्द्र में चलाया जा रहा है। एथलेटिक्स, तैराकी और वॉलीबाल की तीन खेल विधाओं में एम.एससी. खेल कोचिंग (2014–16) में तीन छात्रों और 2015–17 में आठ छात्रों को प्रवेश दिया गया। 202 छात्रों ने 2015 तक एम.एससी. खेल कोचिंग में सफलता प्राप्त की। वर्ष 1979 में 10 खेल विधाओं में खेल कोचिंग में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ किया गया।

3. खेल कोचिंग में सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम

संस्थान द्वारा 14 मई से 24 जून, 2015 तक विभिन्न भाखेप्रा शैक्षिक केन्द्रों में जन शिक्षा कार्यक्रम के तहत खेल कोचिंग में 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम आयोजित किया गयाः एनआईएस पटियाला, एनएस पश्चिमी केन्द्र, गांधी नगर, भाखेप्रा पश्चिमी केन्द्र, औरंगाबाद, एलएनसीपीई, तिरूवनंतपुरम, भाखेप्रा एनएस दक्षिण केंद्र, बंगलौर, भाखेप्रा एनएस पूर्वी केन्द्र, कोलकाता, भाखेप्रा एसटीसी प्रशिक्षण केन्द्र, कांडीवली (पूर्वी) मुम्बई, एएन विश्वविद्यालय, गुंटूर (आन्ध्र प्रदेश), एसआरएम विश्वविद्यालय, कांचीपुरम (तमिलनाडु), कुवेम्पू विश्वविद्यालय, सिमोगा (कर्नाटक), एनबीए, रोहतक, केआईआईटी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, बीएचयू, वाराणसी (उत्तर प्रदेश)। 25 खेल विधाओं में कुल 1111 छात्रों ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम मॉड्यूल के अंतर्गत 1963 से 28008 खिलाड़ियों को संस्थान ने प्रशिक्षित किया है।

4.	खेल प्रबंधन में तीन सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 05.05.2015 से 23.05.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल प्रबंधन में 20 छात्रों ने तीन सप्ताह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में भाग लिया
5	तरणतारण में लाइफ गार्ड के लिए चार सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 01.05.2015 से 28.05.2015 तक तरणतारण में लाइफ गार्ड के लिए चार सप्ताह के सर्टिफिकेट पा. ठ्यक्रम में सात छात्रों ने भाग लिया
6	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल मसाज में तीन सप्ताह का सर्टिफेकिट पाठ्यक्रम दिनांक 17.04.2015 से 07.05.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल मसाज में तीन सप्ताह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 12 छात्रों ने भाग लिया
7	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल न्यूट्रीशियन एवं डाइटिक्स में दो सप्ताह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 05.05.2015 से 18.05.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल न्यूट्रीशियन एवं डाइटिक्स में दो सप्ताह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में चार छात्रों ने भाग लिया

8	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल न्यूट्रीशियन एवं डाइटिक्स में दो सप्ताह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 28.05.2015 से 10.06.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल न्यूट्रीशियन एवं डाइटिक्स में दो सप्ताह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में दो अभ्यर्थियों ने भाग लिया
9	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना/इवेंट प्रबंधन में दो सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 09.06.2015 से 22.06.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाध्इवेंट प्रबंधन में दो सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 5 छात्रों ने भाग लिया
10	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजना/इवेंट प्रबंधन में दो सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 09.06.2015 से 22.06.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाध्इवेंट प्रबंधन में दो सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 5 छात्रों ने भाग लिया
11	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल पुनर्वास और रिकवरी में 2 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 17.06.2015 से 30.06.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल पुनर्वास और रिकवरी में 2 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 3 छात्रों ने भाग लिया
12	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जिम प्रबंधन में एक सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 16.11.2015 से 20.11.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत जिम प्रबंधन में एक सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 6 छात्रों ने भाग लिया
13	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल मसाज में तीन सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 16.11.2015 से 05.12.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल मजास में तीन सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 9 छात्रों ने भाग लिया
14	कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल एंथ्रोपोमीट्री में दो सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम दिनांक 23.11.2015 से 05.12.2015 तक कौशल विकास कार्यक्रम के अंतर्गत खेल एंथ्रोपोमीट्री में दो सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम में 4 छात्रों ने भाग लिया
15	29.08.2015 को राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन किया गया
16	28.09.2015 से 07.11.2015 तक आस्ट्रेलियाई विशेषज्ञों द्वारा आयोजित तैराकी में एएसए कोचिंग पाठ्यक्रम
17	26.10.2015 से 31.10.2015 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया
18	31.10.2015 को राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया
19	26.11.2015 को संविधान दिवस का आयोजन किया गया
20	09.12.2015 को तनाव प्रबंधन से संबंधी कार्यशाला का आयोजन किया गया

राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का प्रबंधन

i) राष्ट्रीय शिविरों और भाखेप्रा की स्कीमों को वैज्ञानिक सहायता

विभिन्न वैज्ञानिक विभागों ने भाखेप्रा एनएसएनआईएस, पटियाला में आयोजित राष्ट्रीय शिविरों में भाग लेने वालों के संबंध में वैज्ञानिक परीक्षणध्मूल्यांकन किए। इन विभागों ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी कर रहे खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु मूल्यवान सूचना दी।

(ii) संस्थान में सृजित अवसंरना सुविधाएं

- **आउटडोर**

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	एथलेटिक्स ट्रैक	सिंथेटिक	01
2.	एथलेटिक्स ट्रैक	सिंडर	01
3.	एथलेटिक्स ट्रैक	घास	01
4.	बास्केटबाल कोर्ट		04
5.	क्रिकेट मैदान		01
6.	फुटबाल मैदान	घास	02
7.	हैंडबाल कोर्ट		04
8.	हॉकी मैदान	सिंथेटिक	01
9.	हॉकी मैदान	घास	03
10.	तरणतारण		01
11.	टेनिस कोर्ट		04
12.	वेलोड्रम		01
13.	वॉलीबाल कोर्ट		04
14.	सैंड रनिंग सर्किट		01
15.	क्रास कंट्री कोर्स		01
16.	गोल्फ कोर्स	9 छिद्र	01

- **इंडोर**

क्र.सं.	खेल सुविधाएं	प्रकार	संख्या
1.	कुश्ती और भारोत्तोलन हॉल	75 x 13.4 x 5 मी	1
2.	बॉक्सिंग और टेबल टेनिस हॉल	55 x 21.20 x 5 मी	1
3.	बैडमिंटन, बास्केटबाल, हैंडबाल और वॉलीबाल के लिए इंडोर हॉल	65x27x12.5 मी	1 प्रत्येक
4.	जूडो हॉल	15 x 21 x 5 मी	1
5.	जिम्नेजियम हॉल	32 x 21 x 5 मी	1

7.2 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई), तिरूवनन्तपुरम

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज (एलएनसीपीई) करियावट्टम, तिरूवनन्तपुरम की स्थापना युवा कार्यक्रम व खेल विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन 17 अगस्त, 1985 को की गई थी। 1 मई, 1987 को एनएसआईसीपीआई के भाखेप्रा से सम्मेलन के पश्चात यह कॉलेज एनएसएनआईएस पटियाला और एलएनसीपीई, ग्वालियर के समतुल्य भारतीय खेल प्राधिकरण के शैक्षणिक खंड का एक भाग बन गया। इसे कार्यावतम् जंक्शन, तिरूवनंतपुरम से 1 किलोमीटर दूर एनएच–47 की उत्तरी ओर केरल विश्वविद्यालय, करियावट्टयम शिविर से ली गई 50 एकड़ भूमि पर बनाया गया ।

I. मुख्य उद्देश्य

i. शारीरिक शिक्षा, खेल–कूद व अन्य संबंधित क्षेत्रों में अत्यधिक दक्ष और कुशल नेतृत्व/अध्यापक, कोच और प्रशिक्षक तैयार करना।

ii. शारीरिक शिक्षा, और सम्बद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केन्द्र के रूप में सेवा देना।

iii. भारत तथा विदेश में शारीरिक शिक्षा के अन्य संस्थानों को तकनीकी, व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।

iv. क्षेत्र में कार्यरत अन्य व्यक्तियों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और नौकरी में सहायता करना।

v. जन शारीरिक शिक्षा कार्यकलाप के कार्यक्रम विकसित करना तथा उन्हें बढ़ावा देना।

vi. राज्य और राष्ट्र स्तरीय कोचिंग शिविरों के लिए अवसंरचना, आवास और भोजन संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ–साथ इस कॉलेज को भाखेप्रा की चल रही स्कीमों का केंद्र बनाना।

vii. विभिन्न भाखेप्रा खेल संवर्धन योजनाओं के लिए प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

केरल विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज निम्नलिखित पाठ्यक्रम प्रदान करते हैः

पाठ्यक्रम का नाम

- शारीरिक शिक्षा स्नातक (4 वर्ष)
- शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर (2 वर्ष)
- मास्टर आफ फिलासफी (एम. फिल) (1 वर्ष)
- नियमित पीएच.डी.
- अंशकालीन पीएच.डी.
- खेल कोचिंग में एनआईएस डिप्लोमा

अन्य कार्यक्रम

संस्थान निम्नलिखित कार्यक्रम भी आयोजित करता हैः

1. खेल कोचिंग में 6 सप्ताह का सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
2. राज्य/राष्ट्रीय टीम प्रशिक्षण के लिए कोचिंग कैंप
3. सेवाकालीन अध्यापकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम
4. भुगतान करें और खेलें योजना
5. आओ और खेलें योजना
6. आम लोगों के लिए भुगतान आधार पर स्वास्थ्य एवं फिटनेस कार्यक्रम
7. पायका एमटीटी पाठ्यक्रम

2. संस्थान में सृजित अवसंरचना सुविधाएं

(क) आउटडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	सिंथेटिक ट्रैक		01
2.	फुटबाल मैदान	घास	02
3.	हॉकी मैदान	घास	01
4.	बास्केटबाल कोर्ट	सिमेंटेड	02
5.	हैंडबाल		01
6.	टेनिस कोर्ट	क्ले	03
7.	बीच वालबॉल		01
8.	खो–खो खेल मैदान	क्ले	01
9.	क्रिकेट फील्ड	घास	01
10.	वेलोड्रम		01
11.	कबड्डी खेल मैदान	क्ले	02
12.	तैराकी पूल		01

(ख) इंडोर

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	प्रकार	संख्या
1.	इंडोर प्रशिक्षण हॉल (जिम्नास्टिक, बाक्सिंग एवं बैडमिंटन)	52 मी x 25 मी	01
2.	स्वास्थ्य और फिटनेस केंद्र	25 मी x 15 मी	01
3.	आधुनिक फिटनेस केंद्र		01
4.	ताइक्वांडो हॉल		01
5.	कुश्ती हॉल		01

(ग) हॉस्टल तथा अन्य सुविधाएं

क्र. सं.	खेल अवसंरचना	संख्या
1.	प्रशासनिक–सह शैक्षणिक ब्लॉक जिसके कक्षाएं, कार्यालय, पुस्तकालय, कम्प्यूटर रूम, चिकित्सा केंद्र, दृश्य–श्रव्य कक्ष	01
2.	सम्मेलन कक्ष	01
3.	लड़कों के लिए हॉस्टल (100 बिस्तर)	01
4.	लड़कों के लिए हॉस्टल (80 बिस्तर)	01
5.	पुरूषों के लिए एलिट हॉस्टल (60 बिस्तर)	01
6.	लड़कियों के लिए हॉस्टल (100 बिस्तर)	01
7.	लड़कियों के लिए हॉस्टल (96 बिस्तर)	01
8.	महिलाओं के लिए एलिट हॉस्टल (40 बिस्तर)	01
9.	लड़कों और लड़कियों के लिए शयन कक्ष	05
10.	खेल विज्ञान केंद्र	01
11.	स्टाफ क्वार्टर	23

8.0 राष्ट्रीय कोचिंग योजना

तत्कालीन केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री स्वर्गीय राजकुमारी अमृत कौर की पहल पर सितम्बर, 1953 में संगठित खेल कोचिंग आरंभ की गई है।

राष्ट्रीय कोचिंग स्कीम, जो राजकुमारी अमृत कौर स्कीम का आशोधित रूप है, देश भर में खेलों को विस्तृत आधार देने और खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्यों की पूर्ति करता है। इस स्कीम के तहत राज्य कोचिंग केंद्र/जिला कोचिंग केंद्र के लिए मैचिंग आधार पर राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन को कोचों की सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। कोचों की सेवाओं का उपयोग भाखेप्रा की चल रही विभिन्न स्कीमों के तहत युवा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने के लिए भी किया जाता है। इसके अतिरिक्त कोच राष्ट्रीय टीमों के प्रशिक्षण और विभिन्न खेल विधाओं में कोचिंग में संचालित किए जा रहे डिप्लोमा/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के संचालन में शैक्षणिक विंग की सहायता भी करते हैं।

कोच महत्वपूर्ण खेल प्रतियोगिताओं के लिए राष्ट्रीय/अंतः विश्वविद्यालय/और अन्य टीमों की कोचिंग हेतु राष्ट्रीय परिसंघों/संगठनों/खेल बोर्डों/विश्वविद्यालयों की सहायता करते हैं। कोच, कोचिंग शिविर के आयोजन और राष्ट्रीय चैंपियनशिपों में भागीदारी के लिए राज्य स्तरीय टीमों को तैयार करने में राज्य खेल परिषदों की भी सहायता करते हैं। भाखेप्रा के कोच अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयारी करने हेतु राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के आयोजन में राष्ट्रीय खेल परिसंघों की भी सहायता करते हैं।

भाखेप्रा के कोच प्रतिभा खोज की प्रक्रिया में भी सममिलित हैं जिसके माध्यम से प्रतिभावान खिलाड़ियों की पहचान की जाती है और उन्हें भाखेप्रा की विभिन्न खेल संवर्धनात्मक स्कीमों में शामिल किया जाता है यथा राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज (एनएसटीसी), विशेष क्षेत्र खेल (एसएजी), सेना बाल खेल कंपनी (एबीएससी) और भाखेप्रा प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)। कोचों को खेल क्षेत्र में कार्यरत अन्य कोचों के प्रशिक्षण और कार्य निष्पादन की निगरानी के लिए भाखेप्रा के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों में भी नियुक्त किया जाता है। कोचों को भाखेप्रा मुख्यालय तथा क्षेत्रीय मुख्यालयों में आओ और खेलों तथा समुदाय पहुंच स्कीमों के लिए भी नियुक्त किया जाता है।

यद्यपि राष्ट्रीय कोचिंग स्कीम के अंतर्गत राज्य कोचिंग केंद्रों (एससीसी) के लिए राज्य सरकारों को कोच उपलब्ध कराने का प्रावधान भी है परंतु कोचों की कमी के कारण संदर्भाधीन वर्ष के दौरान किसी भी भाखेप्रा कोच की तैनाती भाखेप्रा की स्कीमों के अलावा कहीं और नहीं की गई ताकि भाखेप्रा की अपनी संवर्धनात्मक स्कीमों को और मजबूत किया जा सके।

2. कोचों की संख्या

01.01.2016 की स्थिति के अनुसार विभिन्न खेल विधाओं में 1053 नियमित कोच और 125 कोच अनुबंध आधार पर हैं।

स्टेडियम प्रभाग

दिल्ली में निम्नलिखित 5 स्टेडियम नामतः जेएनएससी, आईजीएससी, डॉक्टर एसपीएमएसपीसी, एमडीसीएनएस और डॉ. केएसएसआर का 9वें एशियाई खेल के लिए स्थान के रूप में मूल रूप से निर्मित/नवीकृत स्टेडियम का राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ पुनः नवीकृत/उन्नयन किया गया। स्टेडियम–वार विवरण निम्नानुसार हैः

1. जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम परिसर (जेएनएससी), लोधी रोड, नई दिल्ली – (110 एकड़ भूमि क्षेत्र)

- पीटीएफएफ मैम्ब्रेन छत द्वारा कवर्ड 60,000 फिक्स्ड सीटों के साथ आउटडोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेकिट ट्रैक और फुटबाल मैदान)।

- वार्म–अप एरिया (सिंथेटिक एथलेकिट ट्रैक और फुटबाल मैदान)।
- 2172 फिक्स्ड सीटों के साथ पूर्णतः वातानुकूलित भारोत्तोलन ऑडीटोरियम (26000 वर्ग मीटर)।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल, जिम, वॉलीबाल और भारोत्तोलन
- 140 बिस्तर वाला खेल हॉस्टल

2. इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (आईजीएससी), आईपी स्टेट, नई दिल्ली – (104 एकड़ भूमि क्षेत्र)

- जिमनास्टिक हॉल 15000 हजार फिक्स्ड सीटों के साथ लकड़ी का फर्श (पूर्णतः वातानुकूलित)
- कुश्ती हॉल 6000 फिक्स्ड सीटों के साथ (पूर्णतः वातानुकूलित)
- साइकलिंग वेलोड्रम 3800 फिक्स्ड सीटों के साथ (पूर्णत वातानुकूलित)
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – बैडमिंटन, बास्केटबाल, बॉक्सिंग, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, साइकलिंग और कुश्ती
- 150 बिस्तर वाला स्पोर्ट्स हॉस्टल

3. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी तरणतारण परिसर (डॉ. एसपीएमएसपीस), विलिंगटन क्रीसेंट मार्ग, नई दिल्ली – (12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र) 5000 फिक्स्ड सीटों के साथ (पूर्णतः वातानुकूलित इंडोर स्टेडियम)

- 50 मीटर तरणतारण (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वार्म–अप पूल (6 लेन)

4. मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम (एमडीसीएनएस), दिल्ली उच्च न्यायालय के नजदीक – (37 एकड़ भूमि क्षेत्र) आउटडोर स्टेडियम, स्टैंडिंग सीम रूफ के साथ कवर्ड वीआईपी सीटिंग, नई खुली गैलरी में 14000 फिक्स्ड सीट, तीन अंतर्राष्ट्रीय मानक के प्रतिस्पर्धा हॉकी एस्ट्रोटर्फ

- उपलब्ध खेल सुविधाएं – हॉकी और क्रिकेट

डॉ. कर्णी सिंह सूंटिग रेंज (डॉ. केएसएसआर), तुगलकाबाद, नई दिल्ली –

- पूर्णतः वातानुकूलित दस मीटर रेंज को दस मिनट के अंदर गैर वातानुकूलित 25 मीटर और 50 मीटर रेंज में परिवर्तित करने में सक्षम अंतिम रेंज।
- 80 फायरिंग प्वाइंट के साथ 10 मीटर, 50 मीटर फायरिंग प्वाइंट के साथ 25 मीटर रेंज तथा 80 फायरिंग प्वाइंट के साथ 50 मीटर रेंज पूर्णतः कवर्ड वातानुकूलित ।

टीम प्रभाग

टीम (विशिष्ट एथलिटों का प्रशिक्षण एवं प्रबंधन सहायता) प्रभाग को युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों के समन्वय से विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के लिए विभिन्न खेल विधाओं में राष्ट्रीय टीमों की तैयारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरे शब्दों में यह ओलंपिक खेल, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल, विश्व कप जैसी अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं तथा भारत और विदेशों में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए विशिष्ट खिलाड़ियों को तैयार करने हेतु आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता है। यह राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए राष्ट्रीय टीमों की तैयारी हेतु विभिन्न राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्व ारा उनके वार्षिक प्रशिक्षण तथा प्रतियोगिता कैंलेंडर

(एसीटीसी) द्वारा तैयार और समिति द्वारा अनुमोदित योजनाओं का कार्यान्वयन निम्नलिखित सुविधाएं प्रदान करते हुए करता है:

कोचिंग शिविर

''राष्ट्रीय खेल परिसंघों को वित्तीय सहायता'' स्कीम के अंतर्गत 31 खेल विधाओं कोचिंग शिविरों का आयोजन किया गया।

विदेशी कोच

9 खेल विधाओं में कुल 26 विदेशी कोच और 02 खेल विधाओं में 07 विदेशी सहायक कर्मचारी क्रमशः अनुबंध–VI और अनुबंध–VII में दिए गए विवरण के अनुसार भारतीय खिलाड़ियों के प्रशिक्षण हेतु नियुक्त किए गए थे।

खेल विज्ञान बैक–अप

यह खेल औषधि, वैज्ञानिकों, फिजियोथेरेपिस्टों तथा मालिशकर्ताओं आदि में डॉक्टरों के रूप में राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के दौरान खिलाड़ियों को वैज्ञानिक सहायता प्रदान करता है ताकि वे अपनी फिटनेस का स्तर बढ़ा सकें, चोटें ठीक कर सके और इलाज संबंधी कमी को दूर कर सके।

उपस्कर सहायता

इसने राष्ट्रीय कैम्पों को आयातित और स्वदेशी दोनों प्रकार के आवश्यक उपकरणों की सहायता प्रदान की।

समन्वय प्रभाग

भाखेप्रा का समन्वय प्रभाग भाखेप्रा की आम सभा और शासी निकाय की बैठकों के आयोजन सहित संसद/संसदीय समितियों संगम ज्ञापन और भाखेप्रा के नियमों से संबंधित मुद्दों को डील करता है। यह वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने और उसे भाखेप्रा के संपरीक्षित रिपोर्ट और संपरीक्षित लेखों को संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने हेतु युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय को प्रस्तुत करने के लिए जिम्मेदार है। इसके अतिरिक्त यह मुख्यालय/क्षेत्रीय केंद्रों/उप केंद्रों/शैक्षणिक संस्थानों/युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के विभिन्न प्रभागों के साथ सामान्य प्रकृति के मुद्दों पर सम्पर्क स्थापित करता है।

चिकित्सा केंद्र

1984 में भाखेप्रा की योजनागत स्कीम के अंतर्गत जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेल औषधि एवं खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई जिसका उद्देश्य खेल औषधि, खेल वैज्ञानिकों, फिजियोथिरेपिस्ट, मसाजियों और अन्य सहायक स्टाफ के विशेषज्ञों की मदद से खिलाड़ियों को खेल औषधि और खेल वैज्ञानिक वैकअप प्रदान करना है। यह केंद्र व्यापक खेल आधारित कार्यक्रमों के माध्यम से चोट के उपचार एवं बचाव, स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है और विभिन्न वैज्ञानिक जांच के माध्यम से प्रदर्शन में बढ़ोतरी करता है। खिलाड़ी जिन्हें चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की जाती है वे राष्ट्रीय कैम्पर, भाखेप्रा की विभिन्न स्कीमों के खिलाड़ी आओ और खेलों स्कीम के खिलाड़ी और अन्य खिलाड़ी होते हैं। हमारे राष्ट्रीय एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा सहायता प्रदान करने के लिए दिल्ली के प्रमुख अस्पताल जैसे अखिल भारतीय आर्युविज्ञान संस्थान और गंगाराम अस्पताल आदि के आर्थोपेडिक्स, ऑपथालमोलोजी, सर्जरी और मेडिसन विभाग के विशेषज्ञ इस केंद्र में आते हैं। भाखेप्रा ने खेल फिजियोथिरेपिस्ट पाठ्यक्रम में मार्स्टस प्रदान करने वाले चिकित्सा संस्थानों को भी शामिल किया है जिसमें वहां के प्रशिक्षु भाखेप्रा में चिकित्सा ड्यूटी के लिए लगाए जाते हैं। जामिया हमदर्द, जामिया इस्लामिया, दिल्ली से भारतीय स्पाइनल इंजूरी संस्थान और एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा भाखेप्रा में प्रशिक्षु जो कि राष्ट्रीय शिविर से संबद्ध डाक्टरों को सहायता प्रदान करते हैं, लगाने हेतु फीडर संस्थान हैं।

राष्ट्रीय खिलाड़ियों को आंतरिक चिकित्सा उपलब्ध कराने के अतिरिक्त भाखेप्रा ने एम्स के अधीन जयप्रकाश ट्रामा केंद्र और सफदरजंग खेल इंजूरी केंद्र, दिल्ली के साथ समझौता किया है जो कि चिकित्सा आकस्मिकताओं पर ध्यान देंगे और खिलाड़ियों का प्राथमिकता के आधार पर उपचार करेंगे जिसके लिए विशेष स्टाफ निर्धारित किया गया है।

2014 राष्ट्रमंडल खेल, ग्लासगो और 2014 एशियाई खेल, इंचियोन, दक्षिण कोरिया और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए तैयारी हेतु जिम्नास्टिक, महिला मुक्केबाजी, साइक्लिंग, निशानेबाजी, तीरंदाजी और महिला हॉकी में जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, राष्ट्रीय स्टेडियम, शूटिंग रेंज और इंदिरा गांधी स्टेडियम में नियमित और दीर्घावधि के राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त दस दिन से कम अवधि के ट्रांजिट कैंप को भी दिल्ली के भाखेप्रा स्टेडिया में उनके रहने के दौरान चिकित्सा और वैज्ञानिक सहायता प्रदान की गई।

मीडिया प्रभाग

1. मीडिया प्रभाग भाखेप्रा प्रशिक्षुओं की विभिन्न उपलब्धियों, अवसंरचना विकास, राष्ट्रीय कोचिंग कैंपों, महत्वपूर्ण इवेंट और दौरों को उजागर करते हुए एक त्रैमासिक भाखेप्रा समाचार पत्र "उत्कृष" का प्रकाशन करता है। समाचार–पत्र का यह ई–अंश समय–समय पर भाखेप्रा की वेबसाइट पर अपडेट किया जा रहा है।

2. मीडिया प्रभाग ने सॉफ्टवेयर पोर्टल ई–भाखेप्रा के तहत भाखेप्रा के डिजिटीकरण के लिए कदम उठाए हैं। इस पोर्टल में ऑनलाइन प्रबंधन सूचना प्रणाली स्थापित करने की परिकल्पना की गई है। इस पहल के अंतर्गत मीडिया प्रभाग निम्नलिखित सॉफ्टवेयर सिस्टम तैयार कर रहा है:

   (i) वैयक्तिक सूचना प्रबंधन प्रणाली (पीआईएमएस)

   (ii) प्रशिक्षु सूचना प्रबंधन प्रणाली (टीआईएमएस) और

   (iii) भारतीय खेल प्राधिकरण स्टेडियम की ऑनलाइन बुकिंग (बीओएसएस)

   पीआईएमएस और टीआईएमएस सभी भाखेप्रा के कर्मचारियों और भाखेप्रा प्रशिक्षुओं को व्यापक ऑनलाइन सूचना प्रणाली प्रदान करेगी। बीओएसएस मूल रूप से सभी पांच भाखेप्रा के सभी पांच स्टेडियम के लिए एक ऑनलाइन बुकिंग प्रणाली है।

3. मीडिया प्रभाग ने भाखेप्रा में विभिन्न घटनाक्रमों को उजागर करते हुए प्रिंट तथा डिजीटल मीडिया के लिए विभिन्न प्रेस सम्मेलनों का आयोजन किया और प्रेस विज्ञप्तियां जारी की।

4. मीडिया प्रभाग ने सृजनात्मक डिजाइनिंग और मुद्रण इत्यादि से संबंधित विभिन्न कार्यों के लिए 4 सृजनात्मक एजेंसियों को नियुक्त किया है।

5. भाखेप्रा की पुस्तिका **"उत्कृष्टता का संवर्धन"** की डिजाइनिंग, संपादन, प्रूफ रीडिंग और मुद्रण।

6. विभिन्न एटीसी/एसएजी केंद्रों के लिए 80 कंप्यूटरों के प्रापण हेतु समन्वय।

7. निम्नलिखित संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने हेतु समन्वय:

(i) एसएआई–एएफआई–आईएएएफ के बीच त्रिपक्षीय करार।

(ii) एसएआई और हॉकी इंडिया के बीच।

(iii) एसएआई और टाटा स्टील लिमि. टेड के बीच।

(iv) एसएआई और स्कूल खेल संवध् नि फाउंडेशन के बीच।

(v) एसएआई और पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन फाउंडेशन के बीच।

(vi) एसएआई और ग्लेनमार्क एक्वेटिक फाउंडेशन के बीच।

यूनाइटेड किंग्डम में विभिन्न संस्थाओं अर्थात् खेल कोच यूके, यूके स्पोर्ट्स, बर्मिंघम यूनीवर्सिटी, यूनिवर्सिटी ऑफ लीड्स, ब्रेडफोर्ड यूनिवर्सिटी और अंतर्राष्ट्रीय कोचिंग उत्कृष्टता केंद्र (आईसीसीई) के साथ खेल विकास और संवर्धन में भविष्य में संभावित सहयोग के लिए समन्वय।

8. भाखेप्रा की विभिन्न घटनाक्रमों और गतिविधियों का सोशल मीडिया अर्थात् यू–ट्यूब, फेसबुक, ट्वीटर इत्यादि पर सक्रिय संवर्धन।

उच्च निष्पादन अकादमी की स्थापना के लिए एसएआई, एएफआई और आईएएएफ हस्ताक्षर करते हुए

अध्याय–15

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (सम विश्वविद्यालय)

1. प्रस्तावना:

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक संस्थान की स्थापना 17 अगस्त, 1957 को अर्थात भारत के स्वतंत्रता संग्राम के शताब्दी वर्ष में एक कालेज के रूप में की गयी थी। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है जहां रानी लक्ष्मीबाई ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपने जीवन का बलिदान कर दिया था। शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में संस्थान द्व ारा की गई सेवाओं के सम्मान में 1995 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यूजीसी अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत यूजीसी की सिफारिशोंपर भारत सरकार द्वारा इसे सम विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया है। यह संस्थान युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन एक स्वायत्त संगठन है और यह मध्य प्रदेश सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम, 1973 के अंतर्गत पंजीकृत है।

2. उद्देश्य

संस्थान के निम्नलिखित उद्देश्य हैं:–

- शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उच्च योग्यता प्राप्त अध्यापक और नेता तैयार करना।
- शारीरिक शिक्षा में उत्कृष्टता और नयाचार–केन्द्र के रूप में सेवा करना और इस क्षेत्र में अनुसंधान आरंभ, प्रोत्साहित तथा प्रसारित करना।
- शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को व्यावसायिक और शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
- इस क्षेत्र में व्यावसायिकों को व्यावसायिक मार्गदर्शन तथा रोजगार में सहायता प्रदान करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल में सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- देश में शारीरिक शिक्षा और खेल के कार्यक्रमों को विकसित तथा प्रोत्साहित करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में वैज्ञानिक समकालीन साहित्य को प्रोत्साहित करना और सृजन करना।
- शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में सामुदायिक सेवाएं प्रदान करना।

3. विभाग / केन्द्र:

विश्वविद्यालय के सात निम्नलिखित कार्यात्मक विभाग हैं:

- शारीरिक शिक्षा अध्यापन विभाग
- व्यायाम शरीर विज्ञान विभाग
- खेल मनोविज्ञान विभाग
- खेल जैव यंत्र विज्ञान विभाग
- स्वास्थ्य विज्ञान और फिटनेस विभाग
- खेल कोचिंग और प्रबंधन केंद्र
- प्रोन्नत अध्ययन केंद्र

4. संचालित पाठ्यक्रम:

यह संस्थान वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है:

शारीरिक शिक्षा स्नातक (बी.पी.एड.)	8 सेमेस्टर डिग्री कोर्स
शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर (एम.पी.एड.)	4 सेमेस्टर डिग्री कोर्स
योग में कला स्नातकोत्तर	4 सेमेस्टर डिग्री कोर्स
शारीरिग शिक्षा में इंटीग्रेटिड एम.फिल.–पीएच.डी.	7 सेमेस्टर
शारीरिक शिक्षा में डॉक्टर (पीएच.डी.–पूर्णकालिक)	–
योग शिक्षा में पी.जी. डिप्लोमा (पीजीडी वाईईडी)	एक वर्ष
फिटनेस प्रबंधन में पी.जी. डिप्लोमा (पीजीडीएफएम)	एक वर्ष
खेल कोचिंग में पी.जी. डिप्लोमा (पीजीडीएससी)	एक वर्ष
खेल कोचिंग में डिप्लोमा (डीएससी) (केवल सेवाकालीन रक्षा कर्मियों के लिए)	एक वर्ष

उपर्युक्त पाठ्यक्रम के अलावा विभिन्न विषयों में अनेक अल्पावधि सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम समय–समय पर संचालित किए जाते हैं ।

5. गवर्नेन्स सिस्टमः

केन्द्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री सोसाइटी/आम सभा के अध्यक्ष होते हैं।

संस्थान का शीर्षस्थ शासी निकाय प्रबंधन बोर्ड है और इसका अध्यक्ष कुलपति होता है जो एक प्रतिष्ठित अकादमीशियन होता है और जिसकी नियुक्ति सोसायटी के प्रेजीडेंट द्वारा सर्च–कम सेलेक्शन प्रक्रिया द्वारा की जाती है।

प्रबंधन बोर्ड अपने शैक्षणिक और प्रशासनिक उत्तरदायित्वों के पालन के लिए सोसाइटी के नियंत्रण से मुक्त होता है। इसमें प्रतिष्ठित व्यक्ति होते हैं जो विश्वविद्यालय के आदर्शों और परंपराओं को बनाए रखने और उनमें योगदान देने में सक्षम होते हैं। प्रबंधन बोर्ड की संरचना इस प्रकार हैः–

- कुलपति– अध्यक्ष
- संयुक्त सचिव, प्रभारी एलएनआईपीई, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार, मंत्रालय के मनोनीत व्यक्ति के रूप में
- संकाय अध्यक्ष, अधिकतम दो (बारी–बारी से फिटनेस/उपयुक्तता सह वरीयता आधार पर)
- एलएनआईपीई के अध्यक्ष द्वारा नामित दो प्रमुख खेल शिक्षाविद
- एलएनआईपीई के अध्यक्ष द्वारा एक प्रमुख खिलाड़ी
- दो शिक्षक (प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर से) बारी–बारी से फिटनेसध उपयुक्तता सह वरीयता आधार पर
- रजिस्ट्रार – सचिव

6. पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटीः

पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी की स्थापना के लिए 2009 में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा अनुमति दी गयी थी और 2009–10 के शैक्षणिक सत्र के दौरान प्रथम बैच ने ग्वालियर से ही ऑफ कैम्पस कार्य किया। इसके पश्चात मई, 2010 में असम सरकार से तेपासिया खेल परिसर लेने के पश्चात एनईआरसी ने शैक्षणिक सत्र 2011–12 से वास्तविक कार्य आरंभ किया जहां इंडोर बहुउद्देशीय हॉल, फुटबॉल मैदान, हाकी मैदान, वेलोड्रम और वॉलीबाल कोर्ट जैसी अनेक सुविधाएं मौजूद हैं। अब यह संस्थान पूर्णतया और नियमित आधार पर बीपीएड कार्यक्रम का संचालन कर रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी में नियमित कर्मचारियों की आवश्यकता महसूस करते हुए भारत सरकार ने 2011–12 के दौरान कुल 11 पद संस्वीकृत किए और इनमें से अधिकतर पदों पर नियुक्तियां कर दी गई हैं ।

7. सहायता अनुदानः

यह संस्थान भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय से सहायता अनुदान द्वारा पूर्णतः वित्त–पोषित है। वर्ष 2014–15 के दौरान संशोधित अनुमान स्तर पर अनुदान का आबंटन निम्नानुसार हैः–

i. पूर्वोत्तर अनुदान सहित योजनागत
36.50 करोड़ रुपए

ii. योजनेत्तर
15.00 करोड़ रुपए

8. शैक्षणिक विवरणः

2015–16 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रमों में कक्षा–वार संख्या निम्नानुसार हैं:–

क्र. सं.	कक्षा	लड़के	लड़कियां	कुल
1.	**बीपीएड–I (सेमेस्टर)** (ग्वालियर)	104	44	**148**
	(गुवाहाटी)	65	18	**83**
2.	**बीपीएड–II (सेमेस्टर)** (ग्वालियर)	105	45	**150**
	(गुवाहाटी)	32	15	**47**
3.	**बीपीएड–III (सेमेस्टर)** (ग्वालियर)	107	43	**150**
	(गुवाहाटी)	28	14	**42**
4.	**बीपीएड–IV** (ग्वालियर)	107	40	**147**
	(गुवाहाटी)	32	13	**45**
5.	एमपीएड (I सेमेस्टर)	58	23	**81**
6.	एमपीएड (III सेमेस्टर)	52	28	**80**
7.	पीएचडी(नियमित)	15	07	**22**
8.	पीएचडी(कोर्स वर्क)	06	01	**07**
9.	एम.फिल (कोर्स वर्क)	05	05	**10**
10.	पी.जी.डी. योगा	18	10	**28**
11.	फिटनेस मैनेजमेंट में पी.जी. डिप्लोमा	12	01	**13**
12.	खेल कोचिंग में पी.जी. डिप्लोमा	13	-	**13**
13.	खेल कोचिंग में डिप्लोमा	12	-	**12**
	कुल	**771**	**307**	**1078**

2014–15 के शैक्षणिक सत्र के दौरान उत्तीर्ण छात्रों की संख्या:

क्र. सं.	कक्षा	कितने छात्रों ने परीक्षा दी	उत्तीर्ण	अनुत्तीण	कुल
1.	बीपीएड IV (ग्वालियर)	127	126	-	**126**
2.	बीपीएड IV (गुवाहाटी)	44	43	-	**43**
3.	एमपीएड IV(ग्वालियर)	73	73	-	**73**
4.	खेल कोचिंग में पी.जी. डिप्लोमा	52	50	-	**50**
5.	खेल कोचिंग में डिप्लोमा	27	27	-	**27**
6.	फिटनेस प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा	11	10	-	**10**
7.	योगा थेरेपी में पी.जी.डिप्लोमा	08	08	-	**08**
8.	पीएच.डी.	10	10	-	**10**

9. अवसंरचनात्मक सुविधाएं:

शुरू से ही इस संस्थान में लड़के–लड़कियां एक साथ पढ़ते हैं और यह पूर्णतः आवासीय है। इसमें ग्वालियर में खेल के मैदानों, भवनों सहित पर्याप्त अवसंरचनात्मक सुविधाएं हैं जबकि एनईआरसी, गुवाहाटी में प्राथमिकताओं के साथ–साथ निधियों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए एक चरणबद्ध तरीके से ऐसी सुविधाएं सृजित की जा रही हैं।

10. जनवरी, 2016 तक महत्वपूर्ण गतिविधियां

(i) संस्थान के समूह 'ग' के कर्मचारियों और अन्यों के लिए 31 मई, 2015 को "विश्व तम्बाकू–रोधी दिवस" के संबंध में संस्थान के स्वास्थ्य केंद्र में एक शिविर का आयोजन किया गया। मैसर्स सिप्ला फार्मास्युटिकल द्वारा स्पीरोमीट्री टेस्ट का आयोजन किया गया। कुल 28 कर्मचारियों की जांच की गई।

(ii) एचडीएफसी बैंक और ग्वालियर की रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से संस्थान के स्वास्थ केंद्र में 11 दिसंबर, 2015 को एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। संस्थान के कुल 191 छात्रों और कर्मचारियों ने अति–उत्साह के साथ रक्तदान किया।

(iii) भारत सरकार द्वारा अपनाये गए "स्वच्छ भारत अभियान" मिशन के अंतर्गत 2 अक्तूबर, 2014 से संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा आवधिक रूप से स्वच्छता गतिविधियां चलाई गई।

(iv) 15 जनवरी, 2016 को संस्थान के ऑडीटोरियम में एलएनआईपीई, ग्वालियर के छात्रों और कर्मचारियों के लिए **सड़क सुरक्षा–कार्रवाई** का समय के संबंध में श्री अजय त्रिपाठी, डीएसपी (ट्रैफिक), ग्वालियर द्वारा एक मेहमान लेक्चर प्रदान किया गया।

11 संभावित गतिविधियां (जनवरी–मार्च, 2016):

(क) बीपीईडी–II वर्ष के छात्रों के लिए उनकी पाठ्यचर्या के भाग के रूप में पंचमणि (मध्य प्रदेश) में नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा।

(ख) संस्थान दिनांक 27 जनवरी, 2016 से 10 फरवरी, 2016 तक स्वास्थ्य विज्ञान और योग विभाग द्वारा निःशुल्क 15 दिवसीय फिटनेस संबंधी कार्यशाला का आयोजन करने की प्रक्रियाधीन है।

(ग) 24–26 फरवरी, 2016 तक खेल बॉयो–मैकेनिक्स विभाग द्वारा खेल बॉयो–मैकेनिक्स में एक राष्ट्रीय सेमीनार (खेल मंत्रालय द्वारा वित्त–पोषित) का आयोजन किया जाएगा।

(घ) युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 7 और 8 मार्च, 2016 को शीर्षक "उत्थान" (शिक्षा के माध्यम से खेलों का विकास) के संबंध में भारत ने विश्वविद्यालय खेलों के विकास के लिए एक राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया जाएगा।

अध्याय–16

राजीव गांधी खेल अभियान योजना (आरजीकेए)

1. पंचायत युवा क्रीडा और खेल अभियान (पायका) की मौजूदा योजना का पुनरुद्धार किया गया था और इसे राजीव गांधी खेल अभियान योजना (आरजीकेए) के रूप में नामित किया गया। आरजीकेए योजना देश के प्रत्येक ब्लॉक में आउटडोर तथा इंडोर दोनों खेल विधाओं के लिए लगभग 1.60 करोड़ रुपए की कुल लागत (आउटडोर तथा इंडोर खेल हॉल प्रत्येक के लिए 80 लाख रुपए) पर लगभग छः–सात एकड़ भूमि पर खेल परिसर के निर्माण का प्रावधान करती है। इसमें खेल विभाग द्वारा खेल उपकरण के लिए 15 लाख रुपए का भी प्रावधान है। यह योजना ब्लॉक स्तरीय खेल परिसर में अनिवार्य रूप से निम्नलिखित खेल विधाओं के लिए खेल सुविधाओं का प्रावधान करती है:

(क) आउटडोर खेल विधा: एथलेटिक, बैडमिंटन, फुटबॉल/हॉकी (कोई भी एक) कबड्डी/खो–खो (कोई भी एक) और वॉलीबॉल/बास्केटबॉल

(ख) इंडोर खेल विधा: बॉक्सिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस और भारोत्तोलन/मल्टी–जिम

इसके अतिरिक्त, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के लिए ब्लॉक स्तरीय खेल परिसर में निम्नलिखित आउटडोर खेल विधाओं में से सभी कोधकिसी तीन को चुनने और तदनुसार खेल अवसंरचना सुविधाओं का सृजन करने का भी विकल्प होता है। इसके अतिरिक्त, राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को किसी तीन खेल अवसंरचना सुविधाओं का सृजन करने का भी विकल्प होता है:

तीरंदाजी, हैंडबॉल, फुटबॉल/हॉकी (वैकल्पिक) कबड्डी/खो–खो (वैकल्पिक), वॉलीबॉल/बास्केटबॉल और टेनिस। निशानेबाजी भी एक वैकल्पिक खेल विधा है।

इस योजना में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा), पिछड़ा क्षेत्र अनुदान निधि (बीआरजीएफ), संसाधनों का समाप्त न होने वाला केंद्रीय पूल (एनएलसीपीआर–केंद्रीय), वामपंथी चरमपंथ से प्रभावित जिलों के लिए ग्रामीण विकास मंत्रालय की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता (एसीए) पंचायती राज, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनियर) और योजना आयोग जैसी विभिन्न योजनाओं से निधियों के अभिसरण के जरिए पांच वर्ष की अवधि में चरणबद्ध तरीके से 634 जिलों में सभी 6545 ब्लॉकों को शामिल करने की परिकल्पना की गई है।

खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए प्रत्येक ब्लॉक स्तरीय खेल परिसर में समुचित मानदेय के साथ तीन मास्टर खेल ट्रेनर/खेल ट्रेनर की नियुक्ति का भी प्रावधान है। प्रतिस्पर्धाओं के विभिन्न घटकों के तहत वित्तीय सीमा में भी वृद्धि की गई है। आरजीकेए के अंतर्गत वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन के लिए वृद्धित निधियन पद्धति का विवरण अगले अनुच्छेद में दिया गया है।

2. खेल प्रतिस्पर्धा

वार्षिक खेल प्रतिस्पर्धा: आरजीकेए के अंतर्गत नीचे दी गई निधियन पद्धति के अनुसार 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता के साथ निम्नलिखित प्रकार की खेल प्रतिस्पर्धाओं का वार्षिक रूप से आयोजन किया जाएगा:

(क) ग्रामीण प्रतिस्पर्धा

	प्रतिस्पर्धा	निधियन
	ग्रामीण प्रतिस्पर्धाएं:	
(i)	ब्लॉक स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	प्रति खेल विधा 20,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास, यात्रा व्यय इत्यादि सहित प्रति ब्लॉक 1 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(ii)	जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	प्रति खेल विधा 40,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास, यात्रा व्यय इत्यादि सहित प्रति जिला 4 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iii)	राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	प्रति खेल विधा 20,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास इत्यादि सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रति जिला 2 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iv)	राष्ट्रीय स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	भोजन तथा आवास सहित प्रति खेल विधा 10 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान (8.5 लाख रुपए प्रति खेल विधा मेजबान राज्य/संगठन को प्रदान किया जाएगा तथा प्रति खेल विधा 1.5 लाख रुपए पदक, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, पुरस्कार इत्यादि पर उपयोग किया जाएगा।

आरजीकेए के अंतर्गत पटियाला (पंजाब) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में महिला वालीवाल खिलाड़ी खेलते हुए

आरजीकेए के अंतर्गत पटियाला (पंजाब) में आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में महिला कब्ड्डी खिलाड़ी खेलते हुए

(ख) महिला प्रतिस्पर्धा

प्रतिस्पर्धा का स्तर		निधियन
(i)	ब्लॉक स्तर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से संचालित, यदि वे इच्छुक हो (वै. कल्पिक)
(ii)	जिला स्तर	प्रति खेल विधा 20,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास, यात्रा व्यय इत्यादि सहित प्रति जिला 2.40 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iii)	राज्य स्तर	12 खेल विधाओं के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रति जिला 1 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iv)	राष्ट्रीय स्तर	भोजन तथा आवास सहित प्रति खेल विधा 10 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान (8.5 लाख रुपए प्रति खेल विधा मेजबान राज्य/संगठन को प्रदान किया जाएगा तथा प्रति खेल विधा 1.5 लाख रुपए पदक, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, पुरस्कार इत्यादि पर उपयोग किया जाएगा।

(ग) पूर्वोत्तर खेलः

	निधियन	पूर्वोत्तर खेलः
	पूर्वोत्तर खेलः	
(i)	ब्लॉक स्तर	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र द्वारा अपने स्वयं के संसाधनों से संचालित, यदि वे इच्छुक हो (वैक. ल्पिक)
(ii)	जिला स्तर	08 खेल विधाओं के लिए भोजन तथा आवास, यात्रा व्यय इत्यादि के लिए प्रति जिला 1 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iii)	राज्य स्तर	08 खेल विधाओं के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रति जिला 1 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iv)	राष्ट्रीय स्तर	भोजन तथा आवास सहित प्रति खेल विधा 10 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान (8.5 लाख रुपए प्रति खेल विधा मेजबान राज्य/संगठन को प्रदान किया जाएगा तथा प्रति खेल विधा 1.5 लाख रुपए पदक, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, पुरस्कार इत्यादि पर उपयोग किया जाएगा।

(घ) वामचरम पंथ प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धाएंः

प्रतिस्पर्धा		निधियन
ग्रामीण प्रतिस्पर्धाएं		
(i)	ब्लॉक स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	प्रति खेल विधा 20,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास, यात्रा व्यय इत्यादि सहित प्रति ब्लॉक 1 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(ii)	जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	प्रति खेल विधा 40,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास, यात्रा व्यय इत्यादि सहित प्रति जिला 4 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iii)	राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	प्रति खेल विधा 20,000 रुपए की दर से भोजन तथा आवास इत्यादि सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र में प्रति जिला 2 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान
(iv)	राष्ट्रीय स्तरीय प्रतिस्पर्धाएं	भोजन तथा आवास सहित प्रति खेल विधा 10 लाख रुपए का एक मुश्त अनुदान (8.5 लाख रुपए प्रति खेल विधा मेजबान राज्य/संगठन को प्रदान किया जाएगा तथा प्रति खेल विधा 1.5 लाख रुपए पदक, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, पुरस्कार इत्यादि पर उपयोग किया जाएगा।

टिप्पणीः विजेताओं के लिए शील्ड, पदक, ट्रॉफी, सर्टिफिकेट इत्यादि पर व्यय भी प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन हेतु प्रदत्त निधियों से पूरा किया जाना चाहिए। अनुदान प्रत्येक ब्लॉक, जिला और राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में आयोजित खेल विधाओं की संख्या के आधार पर स्वीकार किया जाएगा।

यात्रा व्यय– ब्लॉक तथा जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए यात्रा व्यय प्रतिस्पर्धा अनुदान में शामिल किया जाता है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धाओं में भाग लेने के लिए यात्रा पर वास्तविक व्यय जो कि द्वितीय श्रेणी रेल भाड़ा/सामान्य बस भाड़े से अधिक नहीं हो, की खिलाड़ियों को प्रतिपूर्ति की जाएगी। वास्तविक लागत का वितरण प्रतिस्पर्धा के स्थान पर ही समुचित प्रक्रिया अपनाने के पश्चात् किया जाएगा।

पुरस्कार राशिः पुरस्कार राशि का टीम के खिलाड़ियों और सदस्यों जिन्होंने पहले तीन स्थान प्राप्त किए हों को नीचे दिए गए विवरण के अनुसार वितरण किया जाएगाः

प्रतिस्पर्धा का स्तर	पुरस्कार की राशि (रुपए में)			
	प्रथम स्थान	द्वितीय स्थान	तृतीय स्थान	कुल
ब्लॉक स्तर	250/-	150/-	100/-	500/-
जिला स्तर	350/-	250/-	150/-	750/-
राज्य/संघ राज्य स्तर	500/-	300/-	200/-	1000/-
राष्ट्रीय स्तर	2500/-	1500/-	1000/-	5000/-

आरजीकेए योजना के कार्यान्वयन की स्थिति

- चूंकि अभिसरण मंत्रालयों की योजनाओं से कोई निधियां प्राप्त नहीं हुई है इसलिए इसि योजना में संशोधन करने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान वित्त मंत्रालय ने दिनांक 28 अक्तूबर, 2015 के वित्त–सचिव के अर्ध–शासकीय पत्र संख्या 32/पीएसओ/एफएस/2015 द्वारा सूचित किया है कि पूर्व पंचायत युवा क्रीड़ा और खेल अभियान (अब आरजीकेए) सहित कई योजनाएं अब राज्य सरकारों के लिए वैकल्पिक होंगी और उनकी निधि शेयरिंग पद्धति केंद्र तथा राज्यों के बीच 50:50 (8 पूर्वोत्तर तथा 3 हिमालयी राज्यों के लिए 80:20) होगी। इसमें यह भी उल्लेख किया गया है कि केंद्रीय रूप से प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन में मित्व्यता सुनिश्चित करने के लिए पायका इत्यादि जैसे छोटे कार्यक्रमों को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में समुचित रूप से पुनः संरक्षित किया जा सकता है।
- योजना को पुनः संरक्षित करने के लिए देश के 6 क्षेत्रों जैसे कि नई दिल्ली में केंद्रीय और उत्तरी, भुवनेश्वर में पूर्वी, गुवाहाटी में पूर्वोत्तर, तिरुवनंतपुरम में दक्षिणी तथा अहमदाबाद में पश्चिमी क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। उपरोक्त कार्यशालाओं में आरजीकेए, एएसटीएसएस, यूएसएआईएस इत्यादि योजनाओं के संबंध में राज्य सरकार, खेल विभाग के सुझाव/विचार मांगे गए।
- प्रस्तावित योजना केंद्र द्वारा 100 प्रतिशत रूप से वित्त–पोषित की जाएगी और यह एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना होगी। तदनुसार, इस योजना को पुनः संरक्षित करने के लिए कार्रवाई की जा रही है।

उपलब्धियां

- चालू वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान आरजीकेए के लिए किया गया आबंटन 95 करोड़ रुपए है।
- 2015–16 के दौरान वार्षिक ग्रामीण प्रतिस्पर्धाओं के आयोजन के लिए 22 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है और इसमें से 16 करोड़ रुपए जारी कर दिए गए हैं।
- पूर्व पायका योजना के अंतर्गत 99 करोड़ रुपए की राशि बकाया थी और इसमें से 54 करोड़ रुपए के उपयोगिता प्रमाण–पत्र परिसमाप्त कर दिए गए है।
- आरजीकेए योजना के अंतर्गत 80 करोड़ रुपए की राशि बकाया थी और इसमें से 54 करोड़ रुपए के उपयोगिता प्रमाण–पत्र परिसमाप्त कर दिए गए है।

शहरी खेल अवसंरचना स्कीम (यूएसआईएस)

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय वर्ष 2010–11 से पायलट आधार पर एक स्कीम, नामतः शहरी खेल अवसंरचना स्कीम (यूएसआईएस) का कार्यान्वयन कर रहा है । इस स्कीम के तहत, निम्नलिखित खेल अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों को शतप्रतिशत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है:–

(i) सिंथेटिक खेल सतह (हॉकी और एथलेटिक के लिए)

(ii) बहुउद्देशीय इंडोर हाल

2. इस स्कीम के तहत, निम्नलिखित निकाय खेल अवसंरचना के सृजन के लिए सहायता प्राप्त करने के पात्र हैं:–

(क) राज्य सरकारें

(ख) स्थानीय नागरिक निकाय

(ग) केंद्र/राज्य सरकारों के तहत स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालय और

(घ) खेल नियंत्रण बोर्ड

3. वित्तीय सहायता जिसके तहत निम्नलिखित परियोजनाएं मंजूर की जा रही हैं:–

क्र. सं.	खेल मैदान का नाम	अनुमानित लागत
1.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रेक	सामान्य लाइटिंग के साथ 5.50 करोड़ रू.
2.	सिंथेटिक हॉकी मैदान	4.50 करोड़ रू. (सामान्य लाइटिंग के साथ 5.00 करोड़ रू.)
3.	60 मीटर X 40 मीटर आकार का बहुउद्देशीय हाल	6.00 करोड़ रू.
4.	सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल मैदान	सामान्य लाइटिंग के साथ 4.50 करोड़ रुपए

4. प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र को वर्ष में 2 परियोजनाओं से अधिक प्राप्त नहीं होंगी ।

5. यह स्कीम मार्च, 2012 से संसदीय सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) स्कीम के साथ समन्वय में आई है। इसके परिणामस्वरूप, यदि एक संसद सदस्य यूएसआईएस परियोजना के लिए अनुज्ञेय अनुदान का कम से कम 50 प्रतिशत योगदान देता है, तो बची हुई राशि का यूएसआईएस के बजट प्रावधान से पूरा किया जाएगा। इस प्रबंध में एक राज्य के लिए अधिकतम दो परियोजनाओं का प्रतिबंध लागू नहीं होगा। एक वर्ष में प्रत्येक राज्यध्संघ राज्य क्षेत्र के लिए अधिकतम दो अतिरिक्त परियोजनाएं स्वीकार्य होंगी।

शहरी खेल अवसंरचना स्कीम (यूएसआईएस) के अंतर्गत जारी अनुदान

6. शहरी खेल अवसंरचना स्कीम (यूएसआईएस) के तहत खेल अवसंरचना परियोजनाओं के सृजन/उन्नयन के लिए राज्यध्संघ राज्य क्षेत्रों के लिए निम्नलिखित सहायता अनुदान अनुमोदित और जारी किया गया है ।

वर्ष	राज्यों की संख्या	अनुमोदित अनुदान	जारी अनुदान
2010-11	04	19.98	12.50
2011-12	10	54.81	40.00
2012-13	10	54.98	23.00
2013-14	14	76.00	36.35
2014-15	11	60.49	24.89
2015-16 (31.12.2015 के अनुसार)	05	34.00	39.21*
कुल	**54**	**300.26**	**175.95**

* टिप्पणी: इसमें पिछले वर्षों में स्वीकृत परियोजनाओं के संबंध में दूसरी और तदंतर किश्तों के अनुदान की जारी राशि शामिल है।

उपर्युक्त उललिखित विवरण में पूर्वोत्तर राज्य शामिल हैं जिनके विवरण नीचे दिए गए हैं:–

वर्ष	राज्यों की संख्या	अनुमोदित अनुदान	जारी अनुदान
2010-11	01	5.00	5.00
2011-12	04	22.50	19.70
2012-13	02	11.00	6.80
2013-14	05	25.50	13.35
2014-15	01	6.00	1.80
2015-16 (31.12.2015 के अनुसार)	02	17.50	6.60
कुल	**15**	**87.50**	**53.25**

उपलब्धियां

- चालू वर्ष के दौरान 34 करोड़ रुपए की अनुदान सहायता मंजूर की गई थी और 5 राज्यों को 12.18 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई है।
- उपर्युक्त स्कीम के तहत अब तक केवल 5 परियोजनाएं पूरी की गई है। इनमें से एक परियोजना चालू वर्ष में पूरी की गई ।
- यूएसआईएस के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं के लिए राज्योंध्अन्य संगठनों को वर्ष 2010–11 से 2015–16 तक 300.26 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई थी। जिसमें से 175.95 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी तथा 23. 18 करोड़ रुपए के लिए उपयोगिता प्रमाण–पत्र अभी तक लंबित है। उपयोगिता प्रमाण–पत्र लंबित होने के मुख्य कारणों में एक कारण राज्य सरकारों के वित्त विभाग द्वारा कार्यान्वयन एजेंसियों को विलंब से निधियां जारी करना है। इसके अन्य कारणों में निविदा तैयार करने और इसे अंतिम रूप देने में विलंब होना शामिल है।

8. देश के 6 क्षेत्रों जैसे कि नई दिल्ली में केंद्रीय और उत्तरी, भुवनेश्वर में पूर्वी, गुवाहाटी में पूर्वोत्तर, तिरुवनंतपुरम में दक्षिणी और अहमदाबाद में पश्चिमी क्षेत्र में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाओं के दौरान राज्य सरकारों, खेल विभाग के प्राप्त सुझावों/विचारों के आध ाार पर आरजीकेए तथा एनएसटीएसएस को यूएसआईएस के साथ अमेलित करने और एकल केंद्रीय क्षेत्र योजना तैयार करने का प्रस्ताव है।

अध्याय–18

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस)

16वीं लोक सभा के आम चुनावों के पश्चात् भारत के माननीय राष्ट्रपति ने दिनांक 09 जून, 2014 को संसद के दोनों सदनों में एक संयुक्त भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने कहा कि उनकी सरकार एक राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज प्रणाली आरंभ करेगी। संगत अनुच्छेद नीचे दोहराया गया है:–

1. "देश के बच्चों और युवाओं को मनोरंजन के ऐसे अवसरों की आवश्यकता है जो उनका सकारात्मक रूप से विकास करें और उन्हें फिट रखें। मेरी सरकार 'राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज प्रणाली' आरंभ करेगी। यह भारतीय खेलों, विशेषकर ग्रामीण खेलों का विकास और संवर्धन करेगी। खेलों को स्कूल पाठ्यचर्या का समेकित भाग बनाकर तथा शैक्षिक प्रोत्साहन देकर लोकप्रिय बनाया जाएगा।"

2. कृत कार्रवाई के रूप में राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) आरंभ की गई और इसकी मुख्य विशेषताएं नीचे दी गई है:

   - प्कमदजपपिबंजपवद देश भर के स्कूलों में 8–12 के आयु समूह में ब्लॉक के प्रत्येक स्कूल में छात्रों के संबंध में प्रत्येक चयन स्तर पर 6 परीक्षण करते हुए बच्चों (लड़कों और लड़कियों दोनों) में खेल प्रतिभा की पहचान।
   - प्रत्येक स्कूल के कुल सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले चार लड़कों और चार लड़कियों को ब्लॉक स्तरीय परीक्षा के लिए छांटा जाएगा।
   - ब्लॉक स्तरीय परीक्षाओं में कुल सर्वोत्तम अंक प्राप्त करने वाले 16 लड़कों और 16 लड़कियों को जिला स्तरीय परीक्षाओं के लिए छांटा जाएगा।
   - प्रति ब्लॉक इन 32 छात्रों में प्रत्येक द्व ारा जिला स्तरीय परीक्षा में प्राप्त कुल अंकों को समेकित किया जाएगा और एक समान वरीयता सूची तैयार की जाएगी।
   - इस समेकित वरीयता सूची में से प्रत्येक राज्य के विभिन्न जिलों से सर्वोत्तम कुल अंक प्राप्त करने वाले सर्वोत्तम 1000 लड़कों और 1000 लड़कियों को छांटा जाएगा।
   - खेल प्रतिभा/संभावना वाले लड़कों और लड़कियों की सूची तथा जिनकी एनएसटीएसएस के जरिए पहचान की गई है से राज्य खेल स्कूलों/केंद्रीय खेल स्कूलों/जूनियर खेल अकादमियों/राज्य खेल अकादमियों/राज्य खेल हॉस्टल इत्यादि में प्रवेश तथा विभिन्न अन्य राज्य खेल योजनाओं के अंतर्गत लाभ प्रदान किया जाएगा।
   - इसके अतिरिक्त, आरजीकेए ग्रामीण प्रतिस्पर्धाओं में 8–12 आयु समूह के उच्च प्रदर्शन वाले अभ्यर्थी भी उपरोक्तानुसार राज्य खेल स्कूलों इत्यादि में प्रवेश के पात्र होंगे।

- पांच वर्ष के लिए कुल अनुमानित व्यय लगभग 210 करोड़ रुपए होगा।
- एनएसटीएसएस के संबंध में स्थाई वित्त समिति (एसएफसी) ज्ञापन दिनांक 21.01.2015 को माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम एवं खेल द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।
- योजना के कार्यान्वयन के लिए सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 20.02.2015 को दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं।
- खेल विभाग के बजट में चालू वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान 16 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया है।

3. देश के 6 क्षेत्रों जैसे कि नई दिल्ली में केंद्रीय और उत्तरी, भुवनेश्वर में पूर्वी, गुवाहाटी में पूर्वोत्तर, तिरुवनंतपुरम में दक्षिणी और अहमदाबाद में पश्चिमी क्षेत्र में आयोजित क्षेत्रीय कार्यशालाओं के दौरान राज्य सरकारों, खेल विभाग के प्राप्त सुझावों/विचारों के आधार पर आरजीकेए तथा एनएसटीएसएस को यूएसआईएस के साथ अमेलित करने और एकल केंद्रीय क्षेत्र योजना तैयार करने का प्रस्ताव है।

2. जम्मू और कश्मीर में खेल अवसंरचना/सुविधाओं के विकास हेतु विशेष पैकेज

जम्मू और कश्मीर में खेल अवसंरचना/सुविधाओं के विकास के लिए अनुमोदित विशेष पैकेज के कार्यान्वयन की दिनांक 14.12.2015 के अनुसार स्थिति नीचे दी गई है:

(i) 200 करोड़ रुपए के अनुमोदित पैकेज में से जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं की वृद्धि हेतु वर्ष 2015–16 के लिए 100 करोड़ रुपए का बजटीय आबंटन किया गया है।

(ii) सचिव (खेल), युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा 8.09.2015 को श्रीनगर की यात्रा के दौरान जम्मू और कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री तथा राज्य सरकार के अन्य प्रतिनिधियों के साथ विचार–विमर्श और दिनांक 02.12.2015 को सचिव (खेल) जम्मू और कश्मीर के साथ हुए विचार–विमर्शों के आधार पर प्रत्येक कार्य के लिए अनुमानित लागत के साथ विशेष पैकेज के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों को अंतिम रूप दिया गया है।

(iii) पूंजीगत जिलों के लिए अनुमोदित मौजूदा स्टेडियम के नवीकरण/उन्नयन तथा अन्य कार्यों अर्थात् जम्मू और कश्मीर के लिए अपेक्षित विशेषज्ञता तथा अनुभव की आवश्यकता है और इसे भारत सरकार (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय) द्वारा प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया के आधार पर नियुक्त किए जाने वाली पीएसयू के माध्यम से संचालित किया जाएगा।इन कार्यों के लिए अनुमानित लागत 84 करोड़ रुपए तय की गई है। इन कार्यों के संचालन हेतु पीएमसी के चयन के लिए एनआईटी को पुनः जारी किया जा रहा है।

(iv) पूंछ तथा रजोरी में मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन तथा 12 जिलों तथा स्थानों में बहु–उद्देश्य हॉल का निर्माण राज्य सरकार द्वारा किया जाएगा। इन कार्यों के लिए अनुमानित लागत 52 करोड़ रुपए निर्धारित की गई है। इन कार्यों को करने के लिए 52 करोड़ रुपए की कुल अनुमानित लागत में से 50 करोड़ रुपए की निधियां भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा जारी की गई हैं। इन कार्यों के लिए जम्मू और कश्मीर राज्य खेल

परिषद् को डीपीआर प्रस्तुत किए गए हैं जिन्हें टिप्पणी हेतु निदेशक (अवसंरचना) एसएआई को प्रेषित किया गया है।

(v) पहल गांव और मनसर झील में जल खेल गतिविधियों के लिए अवसंरचना विकास हेतु 6.00 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है।

(vi) टीआरसी श्रीनगर तथा गनी मेमोरियल स्टेडियम, श्रीनगर में ऑर्टीफिशियल फुटबॉल मैदान में लाइटिंग सिस्टम हेतु 2.63 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है।

(vii) खेल उपकरणों, कोच, ट्रेनर, फर्नीचर, प्रतिस्पर्धाओं इत्यादि के लिए 55 करोड़ रुपए की राशि रखी गई है।

3. हिमालयी क्षेत्र में वार्षिक खेल इवेंट

वित्त मंत्री ने दिनांक 10.07.2014 को 2014–15 के लिए केंद्रीय बजट प्रस्तुत करते हुए अपने बजट भाषण के भाग के रूप में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान कार्यान्वयन के लिए नई योजनाओं/कार्यक्रमों, विशिष्ट आबंटन इत्यादि के संबंध में कुछ विशिष्ट घोषणाएं की। बजट भाषण के पैरा 166 द्वारा वित्त मंत्री ने निम्नलिखित घोषणा की:–

"उन देशों और राज्यों में हिमालयी क्षेत्र में, अनन्य खेल परंपराएं विकसित हुए हैं। जिनके वे भाग हैं इनका संवर्धन करने के लिए भारत इन खेलों के संवर्धन हेतु वार्षिक इवेंट आरंभ करेगा तथा नेपाल और भूटान जैसे देशों को भी भारतीय राज्यों जैसे कि जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों के अतिरिक्त आमंत्रित करेगा।"

माननीय वित्त मंत्री की उपरोक्त घोषणा का कार्यान्वयन करने के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने हिमालयी क्षेत्र में वार्षिक खेल इवेंट आयोजित करने का निर्णय लिया है और हिमालयी क्षेत्र खेल उत्सव (एचआरएसएफ) नामक एक योजना तैयार की गई है।

निम्नलिखित खेल विधाओं में प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी: (i) तीरंदाजी, (ii) एथलेटिक्स, (iii) बॉक्सिंग, (iv) फुटबॉल, (v) जूडो, (vi) ताइक्वांडू, (vii) कुश्ती और (viii) फेंसिंग।

इसके अतिरिक्त, राज्य/देश में सर्वाधिक लोकप्रिय स्वदेशी खेलों और मार्शल आर्ट्स का प्रदर्शन भी आयोजित किया जाएगा।

- इस योजना की एक प्रति संबंधित प्रतिभागियों को परिचालित की गई है।
- मंत्रालय द्वारा दिनांक 07.08.2015 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा एक आयोजन समिति गठन किया गया है।
- प्रथम एचआरएसएफ के गुवाहाटी में आयोजित किए जाने का प्रस्ताव है।
- एचआरएसएफ के आयोजन पर वार्षिक वित्तीय निहितार्थ 5 करोड़ रुपए के स्तर का होने का अनुमान है।
- 2014–15 के दौरान तैयारी गतिविधियों के लिए असम सरकार को 1.27 करोड़ रुपए की राशि जारी की गई थी।

4. राष्ट्रीय खेल अकादमियों (सीनियर और जूनियर) की स्थापना

1. 2014–15 के बजट भाषण में यह घोषणा की गई थी कि "सरकार देश के विभिन्न भागों में खेलों को मुख्य धारा में लाने के लिए राष्ट्र स्तरीय खेल अकादमियों की स्थापना करेगी। निशानेबाजी, तीरंदाजी, बॉक्सिंग, कुश्ती, भारोत्तोलन और विभिन्न ट्रैक तथा फील्ड इवेंटों के लिए जूनियर तथा सब–जूनियर स्तर पर देश में एथलीटों

के प्रशिक्षण और सर्वोत्तम प्रतिभा को पोषण के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधाओं के साथ अकादमियों का गठन भी किया जाएगा।"

2. सरकार का निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ राष्ट्रीय खेल अकादमियों का गठन करने का प्रस्ताव है:

- अभिज्ञात वरीयता खेल विधाओं में सब–जूनियर तथा जूनियर स्तर पर अभिज्ञात खेल प्रतिभा तथा सीनियर प्रतिष्ठित एथलीटों के लिए उच्च गुणवत्तापरक कोचिंग प्रदान करना।
- विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं में भागीदारी को प्रेरित करके एक संगठित तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण प्रदान करना।
- अभिज्ञात खेल विधाओं में राष्ट्रीय खेल अकादमियों (उच्च प्रदर्शन केंद्रों/उत्कृष्टता केंद्रो) और राष्ट्रीय शिविरों के लिए प्रतिभा की पहचान हेतु एक पूल तैयार करने के लिए प्रति वर्ष न्यूनतम बैंच संख्या तैयार करना।
- किसी खेल विधा में प्रति इवेंट न्यूनतम 10 खिलाड़ियों की दर से 100–150 प्रबुद्ध एथलीटों की न्यूनतम बैंच संख्या तैयार करना।
- संगत एनएसएफ/आईएसएफ के सहयोग/संबद्धन से विभिन्न स्तरों की विशिष्ट खेल विधाओं की खेल कोचिंग में प्रबुद्ध एथलीटों के कौशल विकास की संभावना प्रदान करना।
- संबंधित एनएसएफ/आईएसएफ की चुनिंदा खेल विधाओं में उच्च प्रदर्शन केंद्र/ उत्कृष्टता केंद्र।
- विशिष्ट रूप से अभिज्ञात खेल विधाओं में अधिक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए खेल आदर्शों/उपलब्धि प्राप्तकर्ताओं की सेवाओं का उपयोग करना।
- देश में विशेष रूप से अभिज्ञात खेल विधाओं में क्लब/लीग संस्कृति का विकास करना।

स्थिति

1. अकादमियों की स्थापना के संबंध मसौदा दृष्टिकोण टिप्पणी तैयार की गई और भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) को उनकी टिप्पणियों के लिए भेजी गई।

2. भारतीय खेल प्राधिकरण की टिप्पणियां प्राप्त हो गई है और दृष्टिकोण टिप्पणी को अंतिम रूप दिए जाने के लिए इन पर विचार किया जा रहा है।ण

अध्याय–19

खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन से संबंधित स्कीम

1. राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीमः

इस स्कीम के तहत, भारत सरकार, राष्ट्रीय खेल परिसंघों को भारत में राष्ट्रीय चैम्पियनशिप और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन करने, विदेश में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भाग लेने, कोचिंग शिविरों का आयोजन करने, खेल उपकरण प्राप्त करने, विदेशी कोचों की नियुक्ति और राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा नियुक्त किए गए संयुक्त/सहायक सचिवों के वेतन के भुगतान के लिए सहायता उपलब्ध कराती है ।

पिछले 3 वर्षों अर्थात 2013–14, 2014–15 और 2015–16 के दौरान विभिन्न मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता स्कीम से जारी की गई वित्तीय सहायता के ब्यौरे अनुबंध–VII में दिए गए हैं ।

2. खेलों में मानव संसाधन विकास स्कीमः

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने मौजूदा प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण से संबंधित स्कीम को संशोधित किया है और वर्ष 2013–14 में इसका नाम बदलकर 'खेलों में मानव संसाधन विकास स्कीम' रखा । संशोधित स्कीम के तहत, सरकार का उद्देश्य देश में खेल–कूद के समग्र विकास के लिए खेल विज्ञान और औषधि में मानव संसाधनों के विकास पर ध्यान केंद्रित करना है । इससे सामान्य रूप से एक समयावधि में इन क्षेत्रों में देश को आत्मनिर्भर बनाने में और विशेष रूप से प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल विज्ञान और औषधि संस्थान की आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी ।

3. राष्ट्रीय खेल विकास निधिः

देश में खेलकूद के संवर्धन के लिए निजी/कारपोरेट क्षेत्र तथा अप्रवासी भारतीयों सहित सरकारी तथा गैर–सरकारी स्रोतों से संसाधनों को जुटाने के लिए केंद्रीय सरकार ने धर्मार्थ अक्षयनिधि अधिनियम, 1890 के तहत 1998 में राष्ट्रीय खेल विकास निधि की स्थापना की थी। निधि के लिए अंशदानों को आकर्षक बनाने के उद्देश्य से भी निधि के लिए सभी अंशदानों को आयकर से शत–प्रतिशत छूट प्रदान की गई है। सर्वप्रथम सरकार ने वर्ष 1998–99 के दौरान एनएसडीएफ को 2.00 करोड़ रू. का प्रारंभिक अंशदान किया। इसके बाद, सरकार का अंशदान अन्य स्रोतों से प्राप्त अंशदानों के बराबरी के आधार पर है। 31.01.2016 के अनुसार, इस निधि में कुल 118.70 करोड़ रूपए की धनराशि उपलब्ध है।

इस निधि का प्रबंधन केंद्र सरकार द्वारा गठित एक परिषद द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री होते हैं। इस निधि के दिन–प्रतिदिन के कार्यों का प्रबंधन एक कार्यकारी समिति द्वारा किया जाता है जिसके प्रमुख संयुक्त सचिव, खेल विभाग होते हैं।

एनएसडीएफ से वित्तीय सहायताः

एनएसडीएफ ने उत्कृष्ट खिलाड़ियों, खेल परिसंघों और अन्य संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की है। शीर्ष

स्तर के खिलाड़ी जिनकी ओलंपिक, राष्ट्रमंडल खेलों, एशियाई खेलों और अन्य अन्तरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने की संभावनाएं हैं, उनका चयन एनएसडीएफ से वित्तीय सहायता हेतु किया जाता है। इस सहायता को अन्तरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में उनके द्वारा पदक जीतने के लिए तैयार करने हेतु भारत तथा विदेश में उनके विशेष प्रशिक्षण हेतु प्रदान किया जाता है।

ओलंपिक खेल वर्ष 2016 और 2020 के लिए संभावित पदक विजेताओं को प्रशिक्षण देने हेतु विशेषरूप से तैयार टीओपी (टार्गेट ओलंपिक पोडियम) स्कीम के अंतर्गत चयनित खिलाड़ियों की सहायता करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ।

खेलों के संवर्धन में कार्यरत प्रतिषठित संगठन/संस्थान भी विशिष्ट परियोजनाओं हेतु जैसे कि अवसंरचना का सृजन, अत्याधुनिक उपकरणों की खरीद आदि के लिए वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते हैं बशर्ते कि उस क्षेत्र/भाग की एक बड़ी जनसंख्या ऐसी परियोजनाओं से होने वाले लाभ को प्राप्त कर सके।

निधि में इसकी शुरूआत से अब तक भारत सरकार के अंशदान सहित अंशदान का विवरण **अनुबंध–IX** में दिया गया है।

आज तक राष्ट्रीय खेल विकास निधि से सहायता प्राप्त करने वाले लाभार्थियों का विवरण **अनुबंध–X** में दिया गया है।

अध्याय–20

खिलाडियों को प्रोत्साहन से संबंधित स्कीमें

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खिलाड़ियों को खेलों के लिए प्रोत्साहन देने के लिए विभिन्न स्कीमों का कार्यान्वयन करता है ।

1. राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए यह स्कीम 1991–92 में आरंभ की गयी थी। पुरस्कार पाने वालों को एक पदक और 7.5 लाख रुपए दिए जाते हैं। वर्ष 2015 के दौरान राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से एक खिलाड़ी को सम्मानित किया गया था।

क्र.सं.	नाम	खेल विधा
1	सुश्री सानिया मिर्जा	टेनिस

इस योजना के आरंभ होने से अब तक 28 खिलाड़ियों को यह पुरस्कार दिया जा चुका है।

राष्ट्रपति सुश्री साानिया मिर्जा को राजीव गांधी खेल रतन से सम्मानित करते हुए

2. अर्जुन पुरस्कार

अर्जुन पुरस्कार की स्थापना 1961 में की गई थी। पुरस्कार की पात्रता के लिए यह आवश्यक है कि संबंधित खिलाड़ी ने पिछले 4 वर्षों के दौरान लगातार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल अच्छा प्रदर्शन किया हो बल्कि जिस वर्ष के लिए पुरस्कार की सिफारिश की जा रही है, उस वर्ष उत्कृष्ट निष्पादन और नेतृत्व के गुण, खिलाड़ी भावना और अनुशासन का प्रदर्शन भी आवश्यक है। पुरस्कृत खिलाड़ी को एक प्रतिमा, सम्मान का स्क्रोल, समारोह की पोशाक और 5.00 लाख रूपये पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है।

इस स्कीम के प्रावधानों के अनुसार किसी भी कलैंडर वर्ष में अधिकतम 15 पुरस्कार से अधिक नहीं दिए जाने चाहिए।

निम्नलिखित खिलाड़ियों को 29 अगस्त, 2015 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा वर्ष 2015 के लिए अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए गए थे:

क्र स	नाम	खेल विधा
1	नायब सुबेदार संदीप कुमार	तीरंदाजी
2	सुश्री एम.आर. पुवामा	एथलेटिक्स
3	श्री किदाम्बी श्रीकांत नामलवार	बैडमिंटन
4	श्री मंदीप जांगरा	बॉक्सिंग
5	श्री रोहित शर्मा	क्रिकेट
6	सुश्री दीपा करमारकर	जिमनास्टिक
7	श्री श्रीजेश पी.आर.	हॉकी
8	श्री मंजीत छिल्लर	कबड्डी
9	सुश्री अभिलाषा शशिकांत महातरे	कबड्डी
10	श्री अनूप कुमार यामा	रोलर स्केटिंग
11	श्री जीतू राय	शूटिंग
12	श्री एस. सतीश कुमार	भारोत्तोलन
13	श्री बजरंग	कुश्ती
14	सुश्री बबिता कुमारी	कुश्ती
15	सुश्री युमनाम सनथोई देवी	वुशु
16	श्री शारथ एम. गायकवाड़	पैरा–तैराकी

विभिन्न खेल विधाओं से अब तक 799 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार प्रदान किए गए हैं ।

3. खेल–कूद में जीवनपर्यन्त उपलब्धियों के लिए ध्यानचंद पुरस्कार

खेल–कूद में जीवनपर्यन्त उपलब्धियों के लिए ध्यानचंद पुरस्कार वर्ष 2002 में शुरू किया गया था। यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन से खेलों में योगदान दिया है और सक्रिय खेल कैरियर से संन्यास लेने के बाद भी खेलों के संवर्धन में योगदान दे रहे हैं। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा,सम्मान का स्क्रॉल,समारोह की पोशाक 5 लाख रु. पुरस्कार राशि दी जाती है।

वर्ष 2015 के लिए 29 अगस्त, 2015 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा निम्नलिखित खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए गए:

क्र.सं.	नाम	खेल विधा
1.	श्री रोमियो जेम्स	हॉकी
2.	श्री शिव प्रकाश मिश्रा	टेनिस
3.	श्री टी.पी. पदमानाभन नायक	वॉलीबाल

इस पुरस्कार की शुरूआत से अब तक 45 कोचों को यह पुरस्कार दिया गया है।

4. द्रोणाचार्य पुरस्कार

1985 में शुरू किया गया द्रोणाचार्य पुरस्कार उन प्रतिष्ठित कोचों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है, जिन्होंने खिलाड़ियों या टीमो को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है और उन्हें अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने के योग्य बनाया है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, सम्मान का स्क्रॉल, समारोह की पोशाक व 5.00 लाख रु. की पुरस्कार राशि दी जाती है।

वर्ष 2015 के लिए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा 29 अगस्त, 2015 को निम्नलिखित 5 कोचों को पुरस्कार प्रदान किए गए थे:

क्र.सं.	नाम	खेल विधा
1.	श्री नवल सिंह	पैरा–खेल
2.	श्री अनूप सिंह	कुश्ती
3.	श्री हरबंस सिंह	एथलेटिक्स
4.	श्री स्वतंत्रराज सिंह	बॉक्सिंग
5.	श्री निहार अमीन	तैराकी

स्थापना से अब तक 88 कोचों को यह पुरस्कार दिया गया है।

5. मौलाना अब्दुल कलाम आजाद (माका) ट्राफी

मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्राफी 1956–57 में आरंभ की गई थी। अंतर– विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों में सर्वोच्च समग्र प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्राफी दी जाती है जो एक रोलिंग ट्राफी है। माकाट्राफी की एक लघु प्रतिकृति विश्वविद्यालय द्वारा रखे जाने के लिए भी प्रदान की जाती है। विजेता विश्वविद्यालय को रोलिंग ट्राफी तथा 10 लाख रु. की पुरस्कार राशि प्रदान की जाती है और द्वितीय तथा तृतीय स्थान पानेवाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः 5 लाख रु. और 3 लाख रु. की राशि प्रदान की जाती है।

वर्ष 2015 के लिए, भारत के राष्ट्रपति द्वारा 29 अगस्त, 2015 को पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला को माका ट्राफी प्रदान की थी।

6. राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार

खिलाड़ियों तथा प्रशिक्षकों के अलावा अन्य निकायों द्वारा खेल के विकास में दिए गए योगदान को मान्यता प्रदान करने के उद्देश्य से सरकार ने वर्ष 2009 से 'राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार' नामक एक नया पुरस्कार आरंभ किया है जिसमें 4 श्रेणियां हैं नामतः सामुदायिक खेल विकास, उत्कृष्टता वाली खेल अकादमियों का संवर्धन, विशिष्ट खिलाड़ियों को सहायता और खिलाड़ियों को रोजगार।

निम्नलिखित निकायों को वर्ष 2015 के लिए 29 अगस्त, 2015 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए गए:

भारत के राष्ट्रपति के साथ राष्ट्रीय खेल और साहस पुरस्कार विजेताओं का ग्रुप फोटोग्राफ

क्र.सं.	श्रेणी	राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार, 2015 के लिए सिफारिश की गई ईकाई
1.	संभावित/युवा प्रतिभा की पहचान तथा पोषण	सैन्य प्रशिक्षण महानिदेशालय
2.	कारपोरेट सामाजिक दायित्व के जरिए खेलों को प्रोत्साहन	भारतीय कोयला लिमिटेड
3.	खिलाड़ियों का रोजगार और खेल कल्याण उपाय	हरियाणा पुलिस
4.	विकास के लिए खेल	खेल कोचिंग संघ, हैदराबाद

7. अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में विजेता खिलाड़ियों और उनके कोचों के लिए विशेष पुरस्कार

अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में विजेता खिलाड़ियों और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार की स्कीम उत्कृष्ट उपलबधियां करने के उद्देश्य से उत्कृष्ट खिलाड़ियों को प्रोत्साहित और प्रेरित करने तथा युवा पीढी को खेलों को अपनी आजीविका के रूप में अपनाने के लिए वर्ष 1986 में शुरू की गई थी। मंत्रालय ने 29.01.2015 को योजना में संशोधन किया है जिसमें पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के नगद पुरस्कार में काफा वृद्धि की गई है तथा योजना के भेदभाव वाले खंड जिसके अंतर्गत पैरा ओलंपिक्स, निःशक्तों, मूक–बधिर, नेत्रहीन इत्यादि के लिए विशेष ओलंपिक्स चैंपियनशिप जैसे क्लोज्ड इवेंट में पदक विजेताओं से संबंधित खंड को समाप्त किया गया और इन इवेंटों को संशोधित योजना में शामिल किया गया। इस योजना के तहत, खिलाड़ियों व उनके कोचों को वर्ष में आयोजित मान्यता प्राप्त खेल स्पर्धाओं में, पदक जीतने के लिए नीचे दी गई सारणी के अनुसार विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं:

क्र.सं.	इवेंट का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपए में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1	ओलंपिक खेल (ग्रीष्म और शरत)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4	विश्व चैंपियनशिप अथवा विश्व कप (4 वर्षीय चक्र में संचालित)/अखिल इंग्लैंड बैडमिंटन चौपियनशिप	40 लाख	25 लाख	15 लाख
5	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (2 वर्ष में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6	विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप (वार्षिक रूप से आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7	एशियाई चैंपियनशिप (4 वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8	एशियाई चैंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख

क्र.सं.	इवेंट का नाम	पुरस्कार की राशि (रुपए में)		
9	एशियाई चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (चार वर्ष में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
11	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (दो वर्ष में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
12	राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप (एक वर्ष में एक बार आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
13	विश्व यूनीवर्सिटी खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
(ख) श्रेणीः– पैरा–खेलः				
क्र.सं.	**इवेंट का नाम**	**पुरस्कार की राशि (रुपए में)**		
		स्वर्ण पदक	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1	पैरालंपिक खेल (ग्रीष्म और शरत)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2	पैरा एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3	राष्ट्रमंडल खेल (पैरा एथलेटिक्स)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4	आईपीसी विश्व कप/ चैंपियनशिप (द्विवार्षिक रूप आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5	आईपीसी विश्व कप/ चैंपियनशिप (वार्षिक रूप से आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख
(ग) श्रेणीः– दृष्टिहीन – खेल				
1	आईबीएसए विश्व चैंपियनशिप	**स्वर्ण पदक**	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
		10 लाख	7 लाख	4 लाख
(घ) श्रेणीः– बधिर–खेल				
		स्वर्ण पदक	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1	डीफलंपिक्स	15 लाख	10 लाख	5 लाख
(ङ) श्रेणीः– विशेष ओलंपिक्स–खेल				
		स्वर्ण पदक	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1	विशेष ओलंपिक्स (ग्रीष्म/शरत)	5 लाख	3 लाख	1 लाख

उन कोचों को भी नकद पुरस्कार दिए जाते हैं जिन्होंने प्रतियोगिता से ठीक पहले कम से कम 180 दिन तक पदक विजेताओं को प्रशिक्षण दिया है। कोच को दी जाने वाली पुरस्कार की राशि की मात्रा, उस खिलाड़ी की पुरस्कार राशि का 50 प्रतिशत होती है जिसे कोचिंग दी गई है। एक से अधिक कोच होने की स्थिति में पुरस्कार राशि उनमें बराबर–बराबर बांट दी जाती है।

पुरस्कार की राशि में वृद्धि के लिए एक खंड जोड़ा गया है जिसके अंतर्गत युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री सचिव (खेल) अध्यक्षता में एक समिति जिसमें अन्यों के साथ–साथ मंत्रालय के वित्तीय सलाहकार शामिल होंगे, की सिफारिशों के आधार पर पुरस्कार की राशि में चार वर्ष में एक बार वृद्धि कर सकते है।

वर्ष 2015–16 में 17.46 करोड़ रुपए की नकद राशि खिलाड़ियों और कोचों मे वितरित की गई थी ।

8. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन के लिए खेल निधि स्कीम

यह स्कीम वर्ष 1994 में प्रारंभ की गई थी। इस स्कीम के तहत, वे खिलाड़ी जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने ओलंपिक खेलों, विश्वकप/विश्वचौमपियनशिप, एशियाई खेलों, राष्ट्रमंडल खेलों और पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक जीते हों तथा जिनकी आयु 30 वर्ष हो और सक्रिय खेल जीवन से संन्यास ले चुके हों, जीवनपर्यन्त पेंशन पाने के लिए पात्र हैं।

पात्र खिलाड़ियों को भुगतान की गई पेंशन की दरें इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी	पेंशन की दर (रुपए प्रतिमाह)
1.	ओलंपिक खेलों में पदक विजेता	10000
2.	ओलंपिक औरएशियाई खेल विधाओं में विश्वकप/विश्व चौम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	8000
3.	ओलंपिक तथा एशियाई खेल विधाओं में विश्वकप/विश्व चौम्पियनशिप में रजत एवं कांस्य पदक विजेता	7000
4.	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता	7000
5.	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों में रजत एवं कांस्य पदक विजेता	6000
6.	पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक विजेता	5000
7.	पैरालंपिक खेलों में रजत पदक विजेता	4000
8.	पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक विजेता	3000

इस स्कीम के तहत 650 खिलाड़ी पेंशन प्राप्त कर रहें हैं।

9. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष

खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष की स्थापना दरिद्रावस्था में जीवनयापन कर रहे भूतपूर्व उत्कृष्ट खिलाड़ियों, जिन्होंने खेलों में देश का गौरव बढ़ाया है, को सहायता देने के उद्देश्य से मार्च, 1982 में की गई थी। इन भूतपूर्व उत्कृष्ट खिलाड़ियों को एकमुश्त अनुग्रह सहायता प्रदान करने के लिए जुलाई, 2009 में स्कीम की समीक्षा की गई थी। पेंशन के प्रावधान को समाप्त कर दिया गया है क्योंकि पहले से ही मेधावी खिलाड़ियों

हेतु एक पेंशन स्कीम मौजूद है। अब एकमुश्त अनुग्रह सहायता खिलाड़ियों अथवा उनके परिवार को चिकित्सा उपचार आदि के लिए दी जाती है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान, विद्यमान 20 लाभार्थियों को पेंशन के अतिरिक्त, निम्नलिखित खिलाड़ियों के लिए इस कोष से एकमुश्त सहायता निम्नलिखित को प्रदान की गई:

(i) श्री स्वर्ण जीत सिंह, पूर्व क्रिकेटर को उनके चिकित्सा उपचार के लिए 2 लाख रुपए।

(ii) सुश्री बारबरा जे. फ्रांसिस, पूर्व हॉकी खिलाड़ी को उनके चिकित्सा उपचार के लिए 50 हजार रुपए।

(iii) श्री शामराव पवार, पूर्व जिमनास्टिक खिलाड़ी को उनके चिकित्सा उपचार के लिए 2 लाख रुपए।

(iv) श्री कबयानी तालुकदार, रूबिक क्यूब खिलाड़ी को ब्राजील में विश्व चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए 3 लाख रुपए।

(v) सुश्री विभा बंधु पाटियोल, 1964 टोकियो ओलंपिक्स हॉकी टीम के सदस्य श्री बंधू पाटिल की विधवा को 5 लाख रुपए।

(vi) श्री दीपांकर बोराह, कराटे खिलाड़ी को उनके उपचार के लिए 2 लाख रुपए।

(vii) सुश्री खिराडा सेकिया कालिता, पूर्व एथलीट को उनके उपचार के लिए 2 लाख रुपए।

प्रतिस्पर्धात्मक खेलों से संबंधित स्कीम

(I) राजीव गांधी खेल अभियान के तहत खेल प्रतियोगिताएं

राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए) स्कीम के तहत प्रत्येक वर्ष अनेक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इन खेल प्रतियोगिताओं के ब्यौरे आरजीकेए से संबंधित अध्याय में दिए गए हैं।

(II) निःशक्तजनों में खेलों का संवर्धन

मंत्रालय ने निःशक्तजनों में खेलों के संवर्धन के लिए वर्ष 2009 में यह स्कीम तैयार की थी। इस स्कीम का उद्देश्य निःशक्तजनों में प्रतिस्पर्धात्मक खेलों का व्यापक आधार तैयार करना है। निःशक्तजनों के लिए खेलकूल की स्कीम में निम्नलिखित घटक हैः–

(क) खेल कोचिंग और स्कूलों के लिए उपभोज्य तथा गैर–उपभोज्य खेल उपकरणों के क्रय हेतु अनुदान।

(ख) कोचों के प्रशिक्षण के लिए अनुदान।

(ग) निःशक्तजनों के लिए जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु अनुदान।

वर्ष 2015–16 के दौरान 31.12.2015 तक इस स्कीम के तहत 32 स्कूलों को अनुदान दिए गए। 2015–16 के दौरान लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर में 500 व्यक्तियों के लिए मास्टर ट्रेनर पाठ्यक्रम।

अध्याय–22

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी

डोप–रोधी नियम प्रतिस्पर्धा नियमों की तरह ही उन शर्तों को नियंत्रित करने वाले खेल नियम होते हैं जिनके तहत खेल, खेले जाते हैं। एथलीट, एथलीट सहायक कार्मिक और अन्य व्यक्ति इन नियमों को भागीदारी की शर्त के रूप में स्वीकार करते हैं और उन्हें इनका पालन करना होगा। ये खेल विशिष्ट नियम और प्रक्रियाएं जिनका उद्देश्य एक वैश्विक और सुसंगत वातावरण में डोप–रोधी सिद्धांतों को लागू करना है, सर्वथा भिन्न प्रकृति के होते हैं। राष्ट्रीय डोप–रोधी एजेंसी (नाडा) ने विश्व डोप–रोधी 'कोड' को स्वीकार किया है। ये डोप–रोधी नियम इस कोड के तहत नाडा की जिम्मेदारियों के अनुरूप अपनाए और कार्यान्वित किए जाते हैं तथा वे भारत में डोपिंग समाप्त करने के नाडा के सतत प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए सहायक हैं। यह कोड नाडा को भारत द्वारा निर्दिष्ट निकाय के रूप में परिभाषित करता है जो राष्ट्रीय स्तर पर डोप–रोधी नियम अपनाने और कार्यान्वित करने, नमूनों के एकत्रीकरण के निदेश देने, परीक्षण परिणामों के प्रबंधन और सुनवाई करने के लिए मुख्य प्राधिकरण है।

पृष्ठभूमि:

वर्ष 1999 के प्रारम्भ में खेलों में डोपिंग पर लुसाने, स्विटजरलैंड में पहला विश्व सम्मेलन आयोजित किया गया और जिसके कारण वर्ष 1999 के अंत मे विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) का सृजन किया गया। भारत सरकार विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) (1999–2000) के सदस्यों में से एक है। वाडा, जो खेलों में डोपिंग के विरूद्ध मानक स्थापित करता है, ने 5 मार्च, 2003 को कोपहेगन, डेनमार्क में वाडा कोड को अपनाया।

विभिन्न राज्य पक्षकारों में से एक भारत ने दिसम्बर, 2014 में डोप–रोधिता पर कोपहेगन घोषणा पर हस्ताक्षर किए। कोड के अनुसार, राष्ट्रीय डोप–रोधी एजेंसी (नाडा) को 24.11.2005 को एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत किया गया था। 2007 में, तीसरा विश्व सम्मेलन मैड्रिड, स्पेन में आयोजित किया गया और इसमें कोड के संशोधित संस्करण को अंतिम रूप दिया गया। डोप रोधी संबंधी कोपहेगन घोषणा और डोपिंग के विरूद्ध यूनेस्को अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (1 फरवरी, 2007) का हस्ताक्षरकर्ता होने के नाते नाडा ने 7 मार्च, 2008 को विश्व डोप रोधी कोड को स्वीकार किया और वाडा के कोड के अनुरूप नाडा के डोप रोधी नियम (एडीआर) तैयार किए।

राष्ट्रीय डोप–रोधी कार्यक्रम:

भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय डोप–रोधी एजेंसी (नाडा) की स्थापना भारत के लिए स्वतंत्र डोप–रोधी संगठन के रूप में कार्य करने के उद्देश्य से की गयी थी। नाडा के पास निम्नलिखित के लिए आवश्यक प्राधिकार और जिम्मेदारी है:–

- डोपिंग नियंत्रण में योजना, समन्वय, कार्यान्वयन, मानिटरिंग और सुधारों की वकालत करना;
- अन्य संगत राष्ट्रीय संगठनों, एजेंसियों और अन्य डोप–रोधी संगठनों के साथ सहयोग करना;
- राष्ट्रीय डोपिंग–रोधी संगठनों के बीच पारस्परिक परीक्षण को प्रोत्साहित करना;
- डोप–रोधी अनुसंधान का संवर्धन;
- जहां निधियां प्रदान की जाती हैं, किसी ऐसे एथलीट अथवा एथलीट सहायककर्मी की

अयोग्यता की अवधि के दौरान उसकी सारी निधियां अथवा कुछ निधियां रोकना जिसने डोप–रोधी नियमों का उल्लंघन किया हो;

- डोपिंग के प्रत्येक मामले में एथलीट सहायक कार्मिक या अन्य व्यक्तियों की संलिप्तता की जांच सहित इसके अधिकार क्षेत्र में डोप–रोधी नियमों के सभी संभावित उल्लंघन पर कार्रवाई करना; और
- डोप–रोधी सूचना और शिक्षा कार्यक्रमों की योजना, कार्यान्वयन और मानीटरिंग करना।

नाडा अनुशासनिक प्राधिकरणों (डोप रोधी अनुशासनिक पैनल और डोप रोधी अपील पैनल) से भिन्न एक स्वतंत्र निकाय है ।

प्रबंधनः

नाडा की स्थापना 1980 के सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी और इसने 1 जनवरी, 2009 से कार्य आरंभ कर दिया था। नाडा के प्रबंधन और कार्य का दायित्व शासी निकाय जिसमें युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री इसके अध्यक्ष, सचिव (खेल) इसके उपाध्यक्ष, और 4 अन्य सदस्य, 2 प्रबुद्ध प्रतिषठित वैज्ञानिक और सदस्य सचिव के रूप में नाडा के महानिदेशक शामिल हैं, का है। नाडा का वित्त–पोषण अनुदान के माध्यम से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा किया जाता है।

नाडा के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन

नाडा ने गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (आईएसओ 9001:2008) के कार्यान्वयन के साथ आईएसओ 9001:2008 प्रमाणन प्राप्त करने की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है, डोप नमूना एकत्रीकरण, परिणाम प्रबंधन और शिक्षा तथा प्रशिक्षण की गतिविधियां प्रमाणन के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आती है। प्रमाणन का उद्देश्य डोपिंगरोधी कार्यक्रम को मजबूत बनाना और निम्नलिखित उद्देश्य प्राप्त करना हैः

- देश में सभी खेल संगठनों द्वारा अनुपालन प्राप्त करने के लिए डोपिंगरोधी कोड का कार्यान्वयन करना।

अ सभी भागीदारों के माध्यम से डोप परीक्षा कार्यक्रम का समन्वय करना।

- डोप मुक्त खेलों के मूल्य का समावेशन करने के लिए डोपरोधी अनुसंधान तथा शिक्षा का संवर्धन करना।
- प्रभावी कार्यान्वयन तथा कार्यक्रम के सतत सुधार के लिए सर्वोत्तम पद्धति के मानकों और गुणवत्ता प्रणाली को अपनाना।

डोपरोधी नियमों का कार्यान्वयन

नाडा राष्ट्रीय डोप रोधी संगठन के रूप में वाडा के अनुसार डोप रोधी नियमों के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार है। यह डोप रोधी नियम उन शर्तों को अभिशासित करने वाले नियम है जिनके अंतर्गत खेल खेले जाते है। ये डोपिंग रोधी नियम नाडा के लिए लागू होंगे। इन डोपिंग रोधी नियमों को अपनाकर और उनके अभिशासन दस्तावेज तथा खेल नियमों में शामिल करके राष्ट्रीय परिसंघ नाडा की राष्ट्रीय डोपिंग रोधी कार्यक्रम को कार्यान्वित करने तथा इन डोपिंग रोधी नियमों को (परीक्षण में लागू करने सहित) डोपिंग रोधी नियमों के अनुच्छेद–1.3 में सूचीबद्ध उन सभी व्यक्तियों जो राष्ट्रीय परिसंघों के अंतर्गत हैं, के संबंध में नाडा की जिम्मेदारी को मान्यता प्रदान करता है तथा वे उनके कार्य में नाडा की सहायता करेंगे। वे उनके अधिकार क्षेत्र में व्यक्तियों पर लगाए गए प्रतिबंधों की सुनवाई पैनल के निर्णयों सहित इन डोपिंग रोधी नियमों के अनुसरण में दिए गए निर्णयों को भी मान्यता प्रदान करेंगे, उनका अनुपालन करेंगे और उन्हें लागू करेंगे।

नाडा का संशोधित डोप–रोधी नियम 2015

नाडा सघनता से वाडा के समन्वय के साथ कार्य कर रहा है और वाडा द्वारा निर्धारित सभी नियमों/प्रक्रियाओं और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन करता है। उपरोक्त अधिदेश के अनुसरण में नाडा ने वाडा कोड 2015 को अपनाया है और अपने डोपिंगरोधी नियम 2010 में वाडा कोड 2015 के अनुरूप संशोधन किए हैं। ये संशोधित डोपिंगरोधी नियम राष्ट्रीय डोपिंगरोधी नियम, भारत के रूप में अधिसूचित किए गए थे और 1 जनवरी, 2015 से प्रभावी हुए।

डोप नमूना का एकत्रण

वर्ष 2015–16 के दौरान नाडा का लक्ष्य 5000 मूत्र नमूने एकत्र करना था नाडा ने संपूर्ण भारत में स्थित अपने डोपिंग नियंत्रण अधिकारियों के पैनल की सहायता से 3230 मूत्र और 170 रक्त नमूने एकत्रित किया है। नीचे दिए गए ब्यौरे के अनुसार पूरे भारत में आयोजित विभिन्न चैंपियनशिप और भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अपने केंद्रों पर आयोजित प्रशिक्षण शिविरों के दौरान एथलीटों के नमूने एकत्र किए गए थे।

मूत्रः

ब्यौरा	2015–16				कुल
	प्रथम तिमाही (अप्रैल–जून)	दूसरी तिमाही (जुलाई–सितम्बर)	तीसरी तिमाही (अक्तूबर–दिसम्बर)	चौथी तिमाही (जनवरी–मार्च 2016 अनुमानित)	
एकत्र किए गए मूत्र नमूनों की संख्या	986	1069	1175	---	3230

रक्तः

ब्यौरा	2015–16				कुल
	प्रथम तिमाही (अप्रैल– जून)	दूसरी तिमा. ही (जुलाई–सितम्बर)	तीसरी तिमा. ही (अक्तूबर–दिसम्बर)	चौथी तिमाही (जनवरी– मार्च 2016 अनुमानित)	
एकत्र किए गए रक्त नमूनों की संख्या	89	66	15	---	170

प्रतिस्पर्धा से बाहर बनाम प्रतिस्पर्धा के दौरान परीक्षण

नमूना	प्रतिस्पर्धा से बाहर परीक्षण	प्रतिस्पर्धा में परीक्षण	कुल
मूत्र	1331	1899	3230
रक्त	158	12	170

वर्ष 2015–16 में विभिन्न राष्ट्रीय ध्अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धाओं में नाडा द्वारा नमूनों का एकत्रीकरणः

क्र.सं.	खेल विधा/प्रतिस्पर्धा	चैम्पियनशिप का स्थान	नमूनों की संख्या	नमूना एकत्रण की तारीख
1.	63वीं अखिल भारतीय पुलिस एक्विटिक्स और क्रास कंट्री चैंपियनशिप	बीएसएफ कैंप, चावला, नई दिल्ली	42	20–27 अप्रैल, 2015
2.	19वीं फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप	मंगला स्टेडियम, मंगलौर, कर्नाटक	73	1–4 मई, 2015
3.	5वीं नेशनल लॉन बाल चैंपियनशिप	आरके आनंद ग्रीन बॉल, रांची	06	26 मई, 2015
4.	2015 कैडेट एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप	आईजीआई स्टेडियम	20	11–14 जून, 2015
5.	65वीं इंटर सर्विस वॉलीबाल चैंपियनशिप 2015	कमांड स्टेडियम, नेवल वेश, कोच्चि	08	23 जून, 2015
6.	55वीं नेशनल इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप	जेएलएन नेहरु स्टेडियम, चेन्नई	68	10–13 जुलाई, 2015
7.	14वीं अखिल भारतीय पुलिस जल खेल चैंपियनशिप, 2015	होटल सेंतूर, श्रीनगर	17	27–31 जुलाई, 2015
8.	अखिभाल भारतीय रेल एथलेटिक्स चैंपियनशिप	भाखेप्रा, भोपाल	28	5–7 अगस्त, 2015
9.	64वीं अखिल भारतीय पुलिस एथलेटिक्स चैंपियनशिप	सीएसएन स्टेडियम, त्रिवेन्द्रम	66	7–11 सितंबर, 2015
10.	55वीं नेशनल ओपेन एथलेटिक्स चैंपियनशिप	सॉल्ट लेक स्टेडियम, कोलकाता	82	16–19 सितंबर, 2015
11.	8वीं एशियाई एयरगन चैंपियनशिप 2015	डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज तुगलकाबाद	21	27–30 सितंबर, 2015
12.	अखिल भारतीय रेवले बॉक्सिंग चैंपियनशिप	रेलवे स्टेशन, जयपुर	13	28 सितंबर, 2015
13.	69वीं सीनियर नेशनल एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 2015	राजकोट, गुजरात	46	28 सितंबर–01 अक्तूबर, 2015
14.	भाखेप्राकलिंग नेशनल चैंपियनशिप	पुणे	10	01–02 नवंबर, 2015
15.	ट्रैक एशिया साइकलिंग कप 2015	आईजी स्टेडियम, नई दिल्ली	12	18–20 नवंबर, 2015
16.	15वीं वर्ल्ड सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप 2015	आरके खन्ना स्टेडियम, नई दिल्ली	10	19–20 नवंबर, 2015
17.	59वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2015	डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज, तुगलकाबाद	16	05–12 दिसंबर, 2015
18.	64वीं अखिल भारतीय पुलिस कुश्ती, जूडो, जिमना. स्टिक, भारोत्तोलन, बॉक्सिंग और वुशु चैंपियनशिप	करनाल	143	07–08 दिसंबर, 2015
19.	सीनियर, जूनियर तथा उप–जूनियर नेशनल ट्रैक साइकलिंग चैंपियनशिप	पीएयू, लुधियाना	50	16–20 दिसंबर, 2015

डोपिंग रोधी नियम उल्लंघन का परिणाम प्रबंधन

चिकित्सीय उपयोग छूट (टीयूई): एडीआर के तहत, चिकित्सीय उपयोग छूट समिति में प्रतिष्ठित और अत्यधिक योग्य चिकित्सक शामिल होते हैं जिनके पास सामान्य मेडिसिन, फार्माकोलॉजी और छाती के रोगों में विशेषज्ञता होती है। समिति का मुख्य उद्देश्य उन खिलाड़ियों के आवेदनों पर विचार करना है जो स्वास्थ्य के आधार पर चिकित्सीय उपयोग छूट की मांग करते हैं जिनमें निषिद्ध पदार्थ अथवा निषिद्ध पद्धति का प्रयोग करना अपेक्षित हो। रिपोर्ट के तहत वर्ष के दौरान समिति ने छूट के लिए एथलेटिक्स खेल विधा से संबंधित 01 मामले की जांच की है।

डोप रोधी नियम उल्लंघन (एडीआरवी):

खेल विधा वार एडीआरवी मामलों का ब्यौरा (अप्रैल, 2015 से दिसम्बर, 2015 तक)

क्र.सं.	खेल	संख्या
1.	एथलेटिक्स	15*
2.	बॉक्सिंग	03
3.	साइकलिंग	01
4.	जूडो	02
5.	कबड्डी	05**
6.	पावरलिफ्टिंग	01
7.	तैराकी	03
8.	भारोत्तोलन	14
9.	कुश्ती	04***
	कुल	**48**

** दो मामले परिणाम प्रबंधन के लिए आईएएफ/एएफआई द्वारा भेजे गए थे।*
***एक मामला परिणाम प्रबंधन के लिए अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी परिसंघ द्वारा भेजा गया था।*
****एक मामला परिणाम प्रबंधन के लिए कैरेबियन राडो द्वारा भेजा गया था।*

डोप रोधी नियमों के उल्लंघन के मामलों के संबंध में एक निष्पक्ष तरीके से उचित सुनवाई करने के लिए नाडा के डोप रोधी नियमों के तहत 1 जनवरी, 2009 से दो पैनलों नामतः डोप रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) और डोप रोधी अपील पैनल (एडीएपी) का गठन किया गया है। डोपिंग रोधी नियम, 2015 के अनुच्छेद 8 और अनुच्छेद 13 के अनुसार पैनल का गठन किया गया है।

डोप–रोधी अनुशासनात्मक पैनलः

इस पैनल की अध्यक्षता सेवानिवृत्त जिला और सेशन न्यायाधीश द्वारा की जाती है तथा इसके सदस्य कानूनी, चिकित्सा, खेल क्षेत्र से प्रतिष्ठित व्यक्ति होते हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान, पैनल ने 28 बैठकें कीं और उनके पास भेजे गए 88 मामलों में सुनवाई की। पिछले वर्षों में भेजे गए मामलों सहित कुल 44 मामलों पर निर्णय लिए गए और एथलीटों को प्रतिबंध जारी किए गए। सुनवाई के विभिन्न चरणों के अंतर्गत अन्य मामले निम्नानुसार हैं।

ब्यौरा	2015–16				कुल
	प्रथम तिमाही (अप्रैल– जून)	दूसरी तिमाही (जुलाई– सितम्बर)	तीसरी तिमाही (अक्तूबर– दिसम्बर)	चौथी तिमाही	
सुनवाईयों की संख्या	--	07	21	--	28
भेजे गए मामलों की संख्या	--	21	67	--	88
निर्णीत मामलों की संख्या	--	14	30	--	44

डोप रोधी अपील पैनलः इस पैनल की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाती है और इसके सदस्य चिकित्सा और खेल क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यक्ति हैं। वर्ष 2015–16 के दौरान, पैनल ने 05 बैठकें की और 06 मामले का निर्णय किया।

ब्यौरा	2015-16				कुल
	प्रथम तिमाही (अप्रैल– जून)	दूसरी तिमाही (जुलाई– सितम्बर)	तीसरी तिमाही (अक्तूबर– दिसम्बर)	चौथी तिमाही	
सुनवाईयों की संख्या	--	--	05	--	05
भेजे गए मामलों की संख्या	--	--	07	--	07
निर्णीत मामलों की संख्या	--	--	06	--	06

पीड्स–शिक्षा–सह–जागरूकता कार्यक्रम

डोपिंग संकट को हल करने के लिए नाडा ने पूरे देश में आईईसी अभियान चलाया है। इस अभियान के माध्यम से प्रतियोगी खिलाड़ियों में डोप रोधी उपायों के संबंध में जागरूकता स्तर को बढ़ाना तथा इसके परिणामस्वरूप डोप संकट को फैलने से बचाना है। इस समय राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों में तुलनात्मक रूप से जागरूकता का स्तर संतोषजनक है। तथापि, उदीयमान एथलीटों में जागरूकता की कमी है। आईईसी अभियान योजना से हितधारकों में और अधिक जागरूकता उत्पन्न करने में सहायता प्राप्त हो सकती है।

पिछले पांच वर्षों में नाडा ने 20000 से अधिक डोप मूत्र नमूने एकत्र किए जिसमें से 700 नमूने एथलीटों के लिए डोप पदार्थ युक्त पाए गए। एथलेटिक्स, भारोत्तोलन, कुश्ती, पावर लिफ्टिंग, कबड्डी, मुक्केबाजी आदि जैसी खेल विधाओं में उल्लेखनीय संख्या में डोप पदार्थ पाए गए। इसको ध्यान में रखते हुए उपर्युक्त उल्लिखित विधाओं के लिए जागरूकता अभियान में और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

इस डोप रोधी अभियान के जागरूकता–सह–आउटरीच स्तर में वृद्धि लाने के लिए पूरे भारत में इलेक्ट्रानिक प्रिंट मिडिया के उपयोग और बाहरी प्रचार पर अत्यधिक बल देने की जरूरत है। इसके परिणामस्वरूप नाडा ने विभिन्न हितधारकों के लिए प्रस्तुतीकरण की सामग्रियों और प्रशिक्षण माडलों को विकसित करना प्रारंभ कर दिया है। इसके अतिरिक्त डोप रोधी से संबंधित दृष्य श्रव्य सामग्रियों नामतः छोटी फिल्मों, डाकुमेंन्ट्रियों और बीडियो दृष्यों का भी इस अभियान के लिए प्रयोग किया जाएगा।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्रशिक्षण मॉडयूलों के साथ–साथ जागरूकता कार्यक्रम/कार्यशालाएं आयोजित करने के लिए एक योजना तैयार की है जिसके लिए संभावित वित्तीय प्रतिबंधों को हल किया जा रहा है तथा इसे **"खेलों में डोप रोधी शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रम (पीईएडीएस)"** का नाम देने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित योजना का विवरण निम्नानुसार है

कार्यक्रम के उद्देश्यः

- ज्व प्रतियोगी खिलाड़ियों और अन्य सभी हितधारकों में डोप रोधी जागरूकता उत्पन्न करना।
- सभी हितधारकों को डोप–रोधी उपायों के संबंध में सूचना उपलब्ध कराना।
- खेल संस्थानों/परिसंघों/संघों/विश्वविद्यालयों /कालेजों के जरिए जागरूकता/ प्रशिक्षण कार्यशालाए आयोजित करना।

- मेडिकल चिकित्सकों/सहायक कार्मिकों के लिए निषिद्ध पदार्थों/प्रणालियों पर सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) आयोजित करना।

अप्रैल, 2015 से दिसम्बर, 2015 की अवधि के दौरान, नाडा ने पूरे देश में खिलाड़ियों, युवा एथलीटों, कोचों और सहायक कार्मिकों के लिए देशभर में 37 शैक्षिक और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

कार्यक्रम के विशेषज्ञों के साथ नाडा के तकनीकी अधिकारी भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के क्षेत्रीय केन्द्रों और अन्य स्थानों (जहां कैम्प लगाए जाते हैं) का नियमित रूप से दौरा कर रहे हैं और एथलीटों की मदद से नियमित आधार पर व्याख्याना/सेमीनारों/कार्यशालाओं इत्यादि का आयोजन करके खेलों में डोपिंग और डोप पदार्थों के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, नाडा द्वारा 14 भारतीय भाषाओं अर्थात् हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी, तमिल, तेलगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली, असमी, गुजराती, मराठी, उड़िया, कश्मीरी और मणिपुरी भाषाओं में भारत के विभिन्न भागों से संबद्ध एथलीट समूहों में डोपन रोधी सर्वोत्तम संचार सुनिश्चित करने के लिए नाडा द्वारा डोपिंग रोधी पुस्तिका/सूचना का अनुवाद और मुद्रण करवाया गया है।

नाडा ने डोपिंग रोधी अनुशासन पैनल/डोपिंग रोधी अपीलीय पैनल तथा भारतीय खेल प्राधिकरण/राष्ट्रीय खेल परिसंघों तथा अन्य खेल निकायों के चिकित्सा कर्मियों के सदस्यों के साथ 16 सितंबर, 2015 को नई दिल्ली में **"नाडा के डोपिंग रोधी नियम, 2015 तथा कार्रवाई"** संबंधी एक दिवसीय कार्यशाला का भी आयोजन किया। इस सेमीनार का मुख्य उद्देश्य वाडा कोड 2015 के अनुसार नाडा डोपिंग रोधी नियम 2015 में मुख्य परिवर्तन को उजागर करना था।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

- डॉ. सरवना पैरुमल, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी ने श्री विजय वर्मा, सहायक परियोजना अधिकारी, नाडा के साथ डोपिंग रोधी कार्यक्रम के विकास के लिए संयुक्त परियोजना तैयार करने तथा डोप परीक्षण, आरटीपी–वेयरअबाउट कार्यक्रम तथा एथलीट बॉयोलोजिकल पासपोर्ट (एबीपी) में सर्वोत्तम प्रक्रिया अपनाने तथा कार्यान्वित करने के लिए भागीदारी की संभावित संभावना के लिए वाडा तथा आस्ट्रेलियाई खेल डोपिंग रोधी प्राधिकरण (एएसएडीए) के साथ संयुक्त बैठक में भाग लेने के लिए अगस्त, 2015 में कैनबरा, आस्ट्रेलिया की यात्रा की।

अध्याय–23

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक स्वायत निकाय है। यह प्रयोगशाला आईएसओ/आईईसी 17025 (2003) के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशाकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड और मानव खेलों से मूत्र और खून नमूनों की जांच के लिए विश्व डोप रोधी एजेंसी (सितम्बर, 2008) द्वारा प्रत्यायित है। एनडीटीएल विश्व में 34 वाडा प्रत्यायित प्रयोगशाला में से एक और एशिया में 8वीं प्रयोगशाला है। एनडीटीएल में अनुसंधान के लिए अति आधुनिक सुविधाएं हैं और विभिन्न परियोजनाओं पर अनुसंधान करती है।

एनडीटीएल का लक्ष्य भारत में खेलों में डोप परीक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करना और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार गुणवत्तापरक परीक्षण की सेवाएं प्रदान करना है। एनडीटीएल ने अप्रैल, 2014 में आईएसओ/आईईसी 17025:2005 प्रत्यायन प्राप्त करने के पश्चात् जुलाई, 2014 से रुटीन होर्स डोप परीक्षण आरंभ किया। एनडीटीएल भारत में सभी प्रमुख रेस क्लबों से होर्स डोप परीक्षण नमूने प्राप्त करता है।

एनडीटीएल ने वर्ष 2014 में फोरेंसिक एंड एनालिटिकल लेब्रोरेट्रीज के लिए पीटी प्रदाता (आईएसओ/आईईसी 17043:2010) के रूप में प्रत्यायन प्राप्त किया। एनडीटीएल पीटी योजना देश में मादक द्रव्यों के क्षेत्र में एक मात्र प्रत्यायित कार्यक्रम है।

वाडा कार्यकारी बोर्ड में नामांकनः डॉ. अल्का बेओत्रा, वैज्ञानिक निदेशक, एनडीटीएल, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय को वाडा (विश्व डोपिंग रोधी वैज्ञानिक संघ) के कार्यकारी बोर्ड में नामित किया गया है। वाडा के कार्यकारी बोर्ड में उनका कार्यकाल तीन वर्ष की अवधि अर्थात् मार्च, 2015 से होगा। डॉ. अल्का बेओत्रा वाडा कार्यकारी बोर्ड में एशिया क्षेत्र की अकेली सदस्या है।

2015–16 के दौरान उपलब्धियां

1. औषधि परीक्षण

(क) रूटीन नमूना परीक्षण

- **मानव डोप परीक्षण**

  अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 तक परीक्षण किए गए नमूनों की संख्या 6606 (मूत्र) और 189 (रक्त) है। कुल 6606 मूत्र नमूने जिनकी इस अवधि के दौरान परीक्षा की गई थी, में से 3303 नमूने राष्ट्रीय एजेंसियों से प्राप्त हुए थे और 3303 नमूने अंतर्राष्ट्रीय ग्राहकों से प्राप्त हुए थे। परीक्षण किए गए नमूनों का विवरण नीचे दिया गया है:–

	लक्ष्य		मूत्र	रक्त
	मूत्र	रक्त	परीक्षण किए गए नमूने	परीक्ष किए गए नमूने
राष्ट्रीय	4000	300	3303	176
अंतर्राष्ट्रीय	1700		3303	13
कुल	5700	300	6606	189

- होर्स डोप परीक्षण

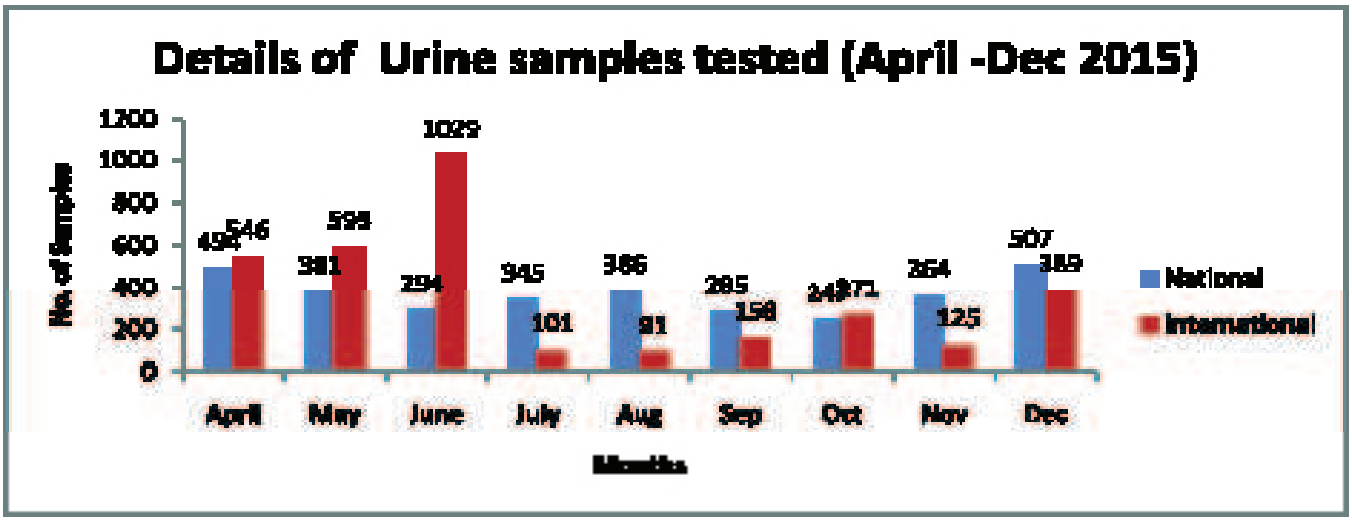

उन नमूनों की संख्या जिनका अप्रैल, 2015 से दिसंबर, 2015 तक परीक्षण किया गया, 760 (मूत्र) है। एनडीटीएल ने इस अवधि के दौरान होर्स डोप परीक्षण के लिए दो नए क्लबों (बंगलौर रेसिंग क्लब और मैसूर रेसिंग क्लब) के साथ वार्षिक करार पर हस्ताक्षर किए हैं।

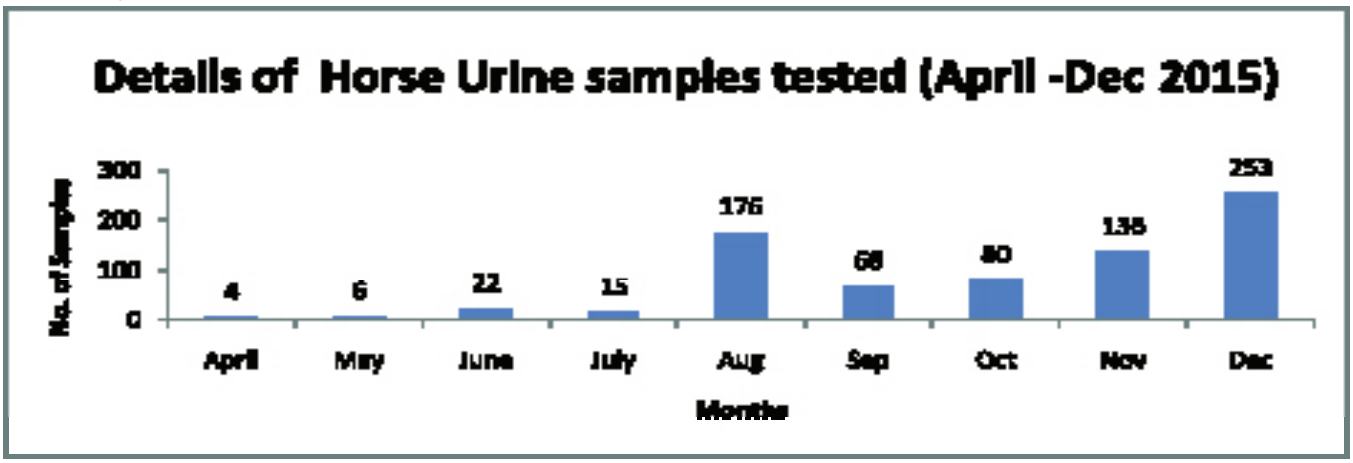

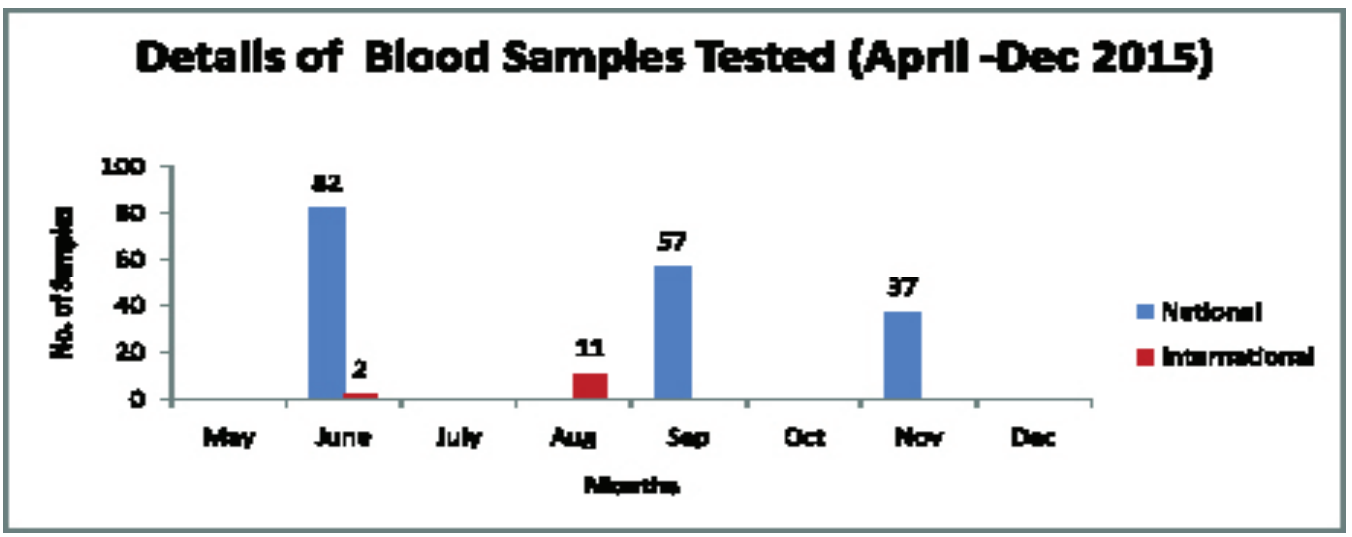

ख. प्रवीणता नमूना परीक्षण:

रूटीन नमूना परीक्षण के अलावा, एनडीटीएल विभिन्न प्रवीणता परीक्षण दौर में भाग लेता है जिससे डोप नमूनों के परीक्षण में इसकी विश्वसनीयता और अधिक सुनिश्चित होती है।

एनडीटीएल निम्नलिखित एजेंसियों द्वारा आयोजित बाह्य गुणवत्ता मूल्यांकन स्कीम में भाग लेता है:

मानव डोप परीक्षण

i.) 2015 के लिए वाडा बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस): (मूत्र नमूने)

वाडा ईक्यूएएस के दो दौर तथा वाडा डबल ब्लाइंग का एक दौर प्राप्त हुआ था तथा एनडीटीएल द्वारा परिणाम प्रस्तुत किए गए। एनडीटीएल का कार्य निष्पादन सभी ईक्यूएएस दौर में अच्छा था।

ii) 2015 के लिए वाडा बाह्य गुणवत्ता आश्वासन योजना (ईक्यूएएस): (रक्त नमूने)

रक्त मापदंड:

एनडीटीएल के गुणवत्ता नियंत्रण केंद्र स्वीटजरलैंड (सीएससीक्यू) जिससे प्रत्येक माह दो रक्त नमूने प्राप्त होते है, के रिंग परीक्षण में एनडीटीएल के समावेशन के साथ रक्त नमूनों की प्रवीणता परीक्षण जारी रही। इन परीक्षणों में एनडीटीएल का कार्य निष्पादन आज तक उत्कृष्ट है।

iii) एनडीटीएल का सीएपी प्रवीणता परीक्षण कार्यक्रम 2015:

सीएपी नमूनों के दो दौर (प्रत्येक दौर में 5 नमूने) प्राप्त हुए और एनडीटीएल के कार्य क्षेत्र में सभी द्रव्यों को सही सूचित किया गया और सीएपी द्वारा "अच्छा" टिप्पणी दी गई।

iv) वाडा प्रवीणता परीक्षण 2015:

वाडा नमूनों का एक दौर (13 नमूने) प्राप्त किया गया और एनडीटीएल के कार्य क्षेत्र में सभी द्रव्यों को सही सूचित किया गया तथा वाडा द्वारा **"अच्छा"** टिप्पणी दी गई।

होर्स डोप परीक्षण

एनडीटीएल 2012 से ऑफिशियल रेसिंग कैमिस्ट संघ (एओआरसी) के प्रवीणता परीक्षण दौर में भाग लेता रहा है। 2015 में, एनडीटीएल को एओआरसी से 8 नमूने प्राप्त हुए तथा प्राप्त रिपोर्ट के मूल्यांकन के अनुसार उसने सफलतापूर्वक प्रवीणता परीक्षण दौर पूर किया।

हेयर परीक्षण सुविधा

i) हैयर परीक्षण सोसायटी (एसओएचटी) (ईटीजी–प्रवीणता परीक्षण 2015):

हाल ही में, एनडीटीएल ने बालों में ईटीजी का पता लगाने के लिए हैयर परीक्षण सोसायटी (एसओएचटी द्वारा आयोजित पीटी कार्यक्रम में भाग लिया है और रिपोर्ट प्रस्तु की है)। एसओएचटी से ईटीजी पीटी–2015 के लिए रिपोर्ट का मूल्यांकन 3 प्रमाणित नमूनों में सफलतापूर्वक 3 रहा है।

क्र. सं.		एजेंसी		राउंड / वर्ष (नमूनों की संख्या)	एनडीटीएल ने इनमें भागीदारी की	आउटकम
1.	मूत्र	वाडा	मूत्र	02 (12)	02 (12)	एनडीटीएल ने सभी मादक पदार्थों की सही पहचान की
			डबल ब्लाइंड	01 (1)	01 (1)	
		डब्ल्यूएएडीएस			01 (13)	
		सीएपी		02 (10)	02 (10)	
2.	रक्त	सीएससीक्यू		12 (2)	12 (24)	सभी राउंड में, एनडीटीएल के परिणाम उत्कृष्ट श्रेणी में रखे गए
3.	हॉर्स डोपिंग	मूत्र / रक्त		01 (08)	01 (08)	एनडीटीएल के परिणाम शतप्रतिशत रहे
4.	हैयर परीक्षण	हैयर		03 (03)	01 (03)	एनडीटीएल ने सभी मादक पदार्थों की सही पहचान की

2. गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला ने आईएसओ / आईईसीआई 17025:2005 मानक तथा वाडा अंतर्राष्ट्रीय प्रयोगशाला मानक (वर्जन 8.0) जनवरी, 2015 के अनुसार अपनी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) तैयार और कार्यान्वित की है।

बाह्य और आंतरिक लेखापरीक्षाएं आईएसओ / आईईसी 17025:2005 तथा वाडा आईएसएल (वर्जन 8.0) मानकों के अनुसार नियमित आधार पर की जाती है।

आतंरिक लेखा और प्रबंधन पुनरीक्षा बैठक: एनडीटीएल की गुणवत्ता प्रणाली की समीक्षा करने के लिए नियमित आधार पर प्रशिक्षित मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा आंतरिक लेखापरीक्षा की जाती है। एनडीटीएल की एमआरजी बैठक गुणवत्ता प्रणाली के सही होने तथा उसकी प्रभावित सुनिश्चित करने एवं सुधार के लिए आवश्यक परिवर्तन करने के लिए वार्षिक रूप से आयोजित की जाती है।

आईएसओ / आईईसी 17025:2005 के लिए एनएबीएल डेस्कटॉप: निगरानी एनडीटीएल की अप्रैल, 2015 में डेस्कटॉप निगरानी की गई। एनएबीएल दस्तावेज के अनुसार 218 दस्तावेज और रिकॉर्ड तैयार किए गए तथा एनएबीएल को भेजे गए। एनडीटीएल ने मौजूदा कार्य क्षेत्र के अनुसार रसायन एवं जैविक परीक्षण के लिए प्रत्यायन जारी करने का एनएबीएल पत्र प्राप्त किया।

प्रवीणता परीक्षण (पीटी) प्रदाता की निगरानी लेखापरीक्षा: दिनांक 12–13 दिसंबर, 2015 को 2 सदस्यीय मूल्यांकन टीम द्वारा प्रवीणता परीक्षण प्रदाता कार्यक्रम की ऑनसाइट निगरानी लेखापरीक्षा की गई। एनएबीएल ने आईएसओ 17043:2010 के अनुसार एनडीटीएल का प्रत्यायन जारी रखने की सिफारिश की।

3. एनडीटीएल, भारत के वैज्ञानिकों द्वारा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन / बैठकें जिनमें भाग लिया

क. आमंत्रित लेक्चर

- शिल्पा जैन, प्र. एसडी, एनडीटीएल:

शीर्षक	आयोजक	तारीख
खेलों में ड्रग	गोल्फ और कंट्री क्लब, अहमदाबाद	6 अप्रैल, 2015

- डॉ. अल्का बेओत्राः

शीर्षक	आयोजक	तारीख
विश्वसनीय प्रमाणन कैसे प्राप्त करें संबंधी विचार–विमर्श मंच	भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई) और प्रमाणन निकायों के लिए राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीसीबी)	22 अप्रैल, 2015
डोपिंग रोध संबंधी कार्यशाला	एप्लाइड विज्ञान संकाय, मानव रचना, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी	25–26 जून, 2015
खेल ड्रग परीक्षण में एलसीएमएस लागू करना	इंडिया फार्माकोपोइया कमीशन, गाजियाबाद	22 सितंबर, 2015
केंद्र तथा राज्य ड्रग परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए आईएसओ/आईईसी–17025:2005 के अनुसार एनएबीएल प्रयोगशाला प्रत्यायन संबंधी प्रथम प्रशिक्षण कार्यक्रम	इंडिया फार्माकोपोइया कमीशन, गाजियाबाद	12 अक्तूबर, 2015
एब्यूज विश्लेषण की औषधि में मास स्पैक्ट्रोमिट्री की भूमिकाः मानव से अश्व तक का डोप परीक्षण	एसईएलईसीटीबीआईओ द्वारा आयोजित दूसरा अंतर्राष्ट्रीय प्रोन्नत तकनीक एवं मास स्पेकट्रोमिट्री उपयोग सम्मेलन	19–20 नवंबर, 2015
प्रयोगशाला प्रक्रिया, ईष्टतम स्तर, एक विशिष्ट निष्कर्ष आईआरएमएस	5वां एशियाई फुटबॉल संघ (एएफसी) चिकित्सा सम्मेलन 2015	28–29 नवंबर, 2015
खेलों में सप्लीमेंट का उपयोग और दुरुपयोगः इससे कैसे निपटा जाए? और खेलों में गुलोकोकोर्टीकोष्टीरॉएट्स का उपयोग और पता लगाने के संबंध में चिंता	5वां एशियाई फुटबॉल संघ (एएफसी) चिकित्सा सम्मेलन 2015	30 नवंबर, 2015

ख. भागीदारी

- डॉ. शिल्पा जैन, प्र. वैज्ञानिक निदेशक और डॉ. राजीव सरीन, डीडी, एनडीटीएल ने दिनांक 04–06 मई, 2015 तक दोहा, कतर में **"डोपिंग रोधी अनुसंधान में वैश्विक प्रवृत्ति"** संबंधी 5वें एडीएलक्यू सिम्पोजियम में भाग लिया।

- डॉ. अल्का बेओत्रा, एडी, एनडीटीएल ने दिनांक 02 अक्तूबर से 05 अक्तूबर, 2015 तक लीज बर्ग, बर्जीनिया, यूएसए में यूएसएडीए द्वारा आयोजित **"प्रभावी रोधी कार्यक्रम तैयार करना"** संबंधी डोपिंग रोधी विज्ञान के संबंध में 14वें वार्षिक यूएसएडीए सिम्पोजियम में भाग लिया। सिम्पोजियम के दौरान डब्ल्यूएएडीएस के कार्यकारी बोर्ड और डब्ल्यूएएडीएस के सदस्यों की एक बैठक भी आयोजित की गई जिसमें अन्य मुद्दों के अलावा तीसरे डब्ल्यूएएडीएस क्यूए की बैठक आयोजित करने के एनडीटीएल के प्रस्ताव के संभार तंत्र पर विचार–विमर्श किया गया।

4 एनडीटीएल के कर्मचारियों का प्रशिक्षणः

- **एमएस टीओएफ में उन्नतिः** जिओल विशेषज्ञ डॉ. जुन तमूरा ने 7 मई, 2015 को एनडीटीएल में एमएस टीओएफ संबंधी सेमीनार में एक लेक्चर दिया। इस सेमीनार में एनडीटीएल के संबंधित वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

- **प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रणाली और आंतरिक लेखापरीक्षा संबंधी आईएसओ प्रशिक्षणः**

  श्री चन्दन सिंह, डीईओ, एनडीटीएल ने दिनांक 24–27 अगस्त, 2015 को सीआईपीईटी–पीडीएस, गुड़गांव द्वारा आयोजित **"प्रयोगशाला गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली और आंतरिक लेखापरीक्षा"** संबंधी 4 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

- **बॉयो–स्टेटिस्टिक पर लेक्चरः** प्रो. आर.एम. पाण्डेय, प्रमुख, बॉयो–स्टेटिस्टिक विभाग, एम्स द्वारा 21 और 28 सितंबर, 2015 को एनडीटीएल में बॉयो–स्टेटिस्टिक संबंधी एक व्याख्यान माला का आयोजन किया।

- **विभागीय प्रस्तुती/प्रशिक्षणः** डोपिंग विश्लेषण के क्षेत्र में हाल की उन्नति के संबंध में कर्मचारियों को शिक्षित करने के लिए नियमित रूप से विभागीय प्रस्तुतियां संचालित की गई हैं।

5. शोध गतिविधियांः

क. पीएचडीः पीएच.डी. के लिए पंजीकृत 12 छात्रों में से 2 को डिग्री प्रदान की गई है, एक ने अपनी थीसिस प्रस्तुत कर दी है और 08 छात्र 2016 में अपनी थीसिस प्रस्तुत करेंगे।

ख. चालू अनुसंधान परियोजनाएंः

- डिस्क्रिमिनेशन आफ बायोलाजिकल एंड सिंथेटिक ओरिजिन आफ एनाबोलिक सटिरायड ह्यूमन यूरीनः कोरिलेशन बिटवीन क्रोमैटोग्राफी मास स्पेक्ट्रोमीटरी एंड आउसोटोय रेशो मास स्पेक्ट्रोमीटरी।

- एन एनेलिटिकल एप्रोच फार स्क्रीनिंग आफ पर्फोमेंस इनहेंसिग सबस्टेंस फ्राम वैरियस डायटरी सप्लीमेंट एंड टू स्टडी देयर एक्सक्रीशन फ्रोफाइलस यूसिंग क्रोमेटोग्राफिक मास स्पेक्ट्रोमीट्रिक टेकनीक।

- डेवलपमेंट आफ एनेलिटिक टूल्स फार द डिटेक्शन एंड आईडिनटिफिकेशन आफ परफार्मेंश इनहेंसिंग पेप्टाइडस इन बायोलाजिकल स्पेसिमेल।

- एन एनेलिटिकल एप्रोज फार द डिटेक्शन आफ कोर्टिकोस्टेखायड इन ह्यूम एंड हार्स बायोजिकल स्पेसिमेन यूजिंग क्रोमेटाग्राफिक एंड मास स्पेक्ट्रोमोट्रिक टेकनीक ।

- टू स्टडी द इफैक्ट आफ वैरियस प्रिपेरेशन आफ टेस्टोस्टरोन आन स्टेरायड प्रोफाइल एंड डेल्टा वैल्यू आफ 13 सी 12 सी आफ टेस्टोस्टेटोन मेटाबोलाइट इन वालंटीयर्स विथ नार्मल/एबनार्मल टेस्टोसटिरोन/इपिटेस्टोस्टेरान (टी/ई) रेशियो।

- इंडियन हर्बल ड्रग्सः आईडेनटिफिकेशन सबस्टेंस विथ पोटेंशियल आफ डरगोजेनिक एड्स इन स्पोर्टस।

- करकेक्ट्रराइजेशन आफ आइसो इलोक्ट्रिक फोकसिंग (भाखेप्राईएफ) पैटर्न एवं सोडियम डोडेसाइल सल्फेट पाली क्री लमाइड जेल इलेक्ट्रोफोकसिंग (एसडीएस–पेज) रिजल्ट आफ इंडियन वायोसिमिल।

- करकेक्ट्रराइजेशन आफ फिजियोकेमिकल प्रापर्टीज एंड एनोलिसिस आफ लियोजोम इन हयमन वायोलाजिकल सैंपल्स यूजिंग हाइफिनेटेड एनेलिटिकल टेकनीक ।

ग. आगामी/नई अनुसंधान परियोजनाएं

डोप रोधी विज्ञान के क्षेत्र में क्षेत्र विधितता लाने के उद्देश्य से अनुसंधान के निम्नलिखित नए क्षेत्रों की पहचान की गई है।

1. रासायनिक संजातन के बाद एलसी एमएस/एमएस पर औषधि दुष्प्रभाव (ड्रग आफ एब्यूज) का पता लगाना।

2. एलसी. एमएस/एमएस का उपयोग करते हुए मानव मूत्र में छोटे पेप्टाइडों का पता लगाना ।

3. मानव रोम में औषधि दुष्प्रभाव का पता लगाना और मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग ।

घ) शोध प्रकाशन/प्रस्तुतीः

विभिन्न सम्मेलनों/इंडेक्स्ड जर्नलों में निम्नलिखित शोध कार्य प्रस्तुत/प्रकाशित किए गए हैः

- निमकेर वी, जमाल एच, घोष पीसी, जैन, एस., बेओत्रा ए; लिपोसोम; ड्रग डिलीवरी सिस्टम अथवा संभावित डोपिंग एजेंट; 5वां राष्ट्रीय विज्ञान दिवस सिम्पोजियम, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैम्पस 27–28 फरवरी, 2015 – पोस्टर प्रस्तुती।
- बेओत्रा ए, दुबे एस, कोर टी, सिंह ए, यादव एस, जैन एसय आईएसओ/आईईसी 17043:20 10 मानक के अनुसार पीटी कार्यक्रम में एनडीटीएल–पीटी योजना का प्रत्यायन, डोपिंग विश्लेषण के संबंध में 33वीं मैनफ्रेड डोनिक कार्यशाला, 2–6 मार्च, 2015 – मौखिक प्रस्तुती।
- निमकेर वी, जमाल एच, लाल आर, घोष पीसी, जैन एस, बेओत्रा ए; लिपोसोम; लिपोसोम के डोपिंग एजेंटों के साथ इंटरएक्शन को प्रभावित करने वाले कारण डोपिंग विश्लेषण के संबंध में 33वीं मैनफ्रेड डोनिक कार्यशाला, 2–6 मार्च, 2015 – मौखिक प्रस्तुती।
- उपाध्याय ए, दुबे एस, दुबे एस, प्रियदर्शी आर, बेओत्रा ए, शुक्ला एस, जैन एस; यूपीएलसी–एमएस/एमएस द्वारा मानव मूत्र में एन्डोजीनियस गुलुकोकोर्टिकोस्टीरॉयड्स पर एक प्रारंभिक अध्ययनय सिंथेटिक गुलुकोकोर्टिकोस्टीरॉयड्स का प्रभाव, डोपिंग विश्लेषण के संबंध में 33वीं मैनफ्रेड डोनिक कार्यशाला, 2–6 मार्च, 2015 – मौखिक प्रस्तुती।
- बेओत्रा ए, दुबे एस, मलिक ए, लाल आर, जैन एस; अश्व मूत्र में 210 द्रव्यों के लिए यूनीवर्सल तथा सेंसिटिव ब्रॉड स्पेक्ट्रम स्क्रीनिंग पद्धति तथा सॉलिड फैज एक्सट्रेक्शन का उपयोग करते हुए प्लाज्मा तत्पश्चात लिक्विड क्रोमेटोग्राफी – टेंडम मास स्पेक्ट्रोमिट्रीय 18वीं एओआरसी ऑस्ट्रल–एशिया सेक्शन बैठक, सिओल, कोरिया, 12–14 सितंबर, 2015–मोखिक प्रस्तुती।
- सिंह ए, रामदरास, बेओत्रा ए, जैन ए; 2011–2014 के दौरान एनडीटीएल, भारत में एलएच परीक्षण का अनुभवय नई वाडा गाइड लाइंस के प्रभाव का शहर–संबंध; 7वां एशिया प्रशांत व्यायाम एवं खेल विज्ञान सम्मेलन (एपीसीईएसएस), 14–16 अक्तूबर, 2015–**सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार।**
- राज ए, सिंह पी, लाल बीआर, जैन एस, बेओत्रा एस, जैन ए; आरएचईपीओ और इम्यूनोएफिनिटी शोधन तकनीक का प्रयोग करते हुए जैविक नमूनों से इसके एनालोगस की सघनता; 7वां एशिया प्रशांत व्यायाम एवं खेल विज्ञान सम्मेलन (एपीसीईएसएस), 14–16 अक्तूबर, 2015–पोस्टर प्रस्तुती।
- चक्रवर्ती एम, संधू जेएस, बेओत्रा ए, कौर तेजिन्दर, दुबे सचिन, जेन शीला; हर्बल सामग्री के प्रयोग के साथ चूकपूर्ण डोपिंग; क्या यह वास्तविकता है?य 7वां एशिया प्रशांत व्यायाम एवं खेल विज्ञान सम्मेलन (एपीसीईएसएस), 14–16 अक्तूबर, 2015–**सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार।**
- सिंह पी, राज ए, लाल बीआर, जैन एस, बेओत्रा ए, जैन एके; भारतीय बाजार में उपलब्ध डार्बीपोटिन अल्फा बॉयोसिमिलर्स के आईईएफ पैटर्न तथा एसडीएस–पीएजीई का वर्गीकरण और परिणाम; 7वां एशिया प्रशांत व्यायाम एवं खेल विज्ञान सम्मेलन (एपीसीईएसएस), 14–16 अक्तूबर, 2015–**सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार।**

- जैन एसय "खेल द्रव्य विश्लेषण में मास स्पेक्ट्रोमिट्री की भूमिका", 29वां आईएसएमएएस अंतर्राष्ट्रीय मास स्पेक्ट्रोमिट्री सिम्पोजियम, 29, 77–80
- बेओत्रा ए; क्रिकेट में डोप परीक्षण; स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान जर्नल (जेपीएमईआर) अक्तूबर–दिसंबर, 2015य 49(4); 197–198

6. द्विपक्षीय सहयोग

द्विपक्षीय सहयोग के भाग के रूप में एनडीटीएल ने विभिन्न प्रयोगशालाओं में घेंट लैब, बेल्जियम से थ्रेसहोल्ड द्रव्यों के लिए परिणामों की विभिन्न प्रयोगशालाओं में विश्लेषण किए गए समान नमूनों की तुलना हेतु इंटर लैब तुलना (आईएलसी) नमूने प्राप्त किए।

7. 8वीं शासी निकाय और 7वीं आम सभा की बैठक:

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) की 8वीं शासी निकाय और 7वीं आम सभा की बैठक दिनांक 02 दिसंबर, 2015 को माननीय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) युवा कार्यक्रम और खेल की अध्यक्षता में माननीय मंत्री के चौम्बर, शास्त्री भवन, नई दिल्ली में आयोजित की गई।

8. खेलों के लिए विवाचन न्यायालय

डॉ. अल्का बेओत्रा, एसडी, एनडीटीएल और डॉ. फ्रांसिस्को बोत्रे (बाह्य विशेषज्ञ के रूप में) ने दिनांक 16 जनवरी, 2015 को अबूधावी में खेलों के लिए विवाचन न्यायालय में ए. मुरलीधरन के डोपिंग संबंधी मामले में गवाही दी और राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला का प्रतिनिधित्व किया। इस मामले में 09 अप्रैल, 2015 को निर्णय प्राप्त हो गया है। खेलों के लिए विवाचन न्यायालय ने ए. मुरलीधरन द्व ारा दायर अपील को निरस्त कर दिया और नाडा डोपिंग रोधी अपील पैनल के 2014 में अंतिम निर्णय को सही ठहराया।

9. 28वें एसईए खेल 2015

सिंगापुर में आयोजित 28वें एसईए खेल (2–16 जून, 2015) के दौरान एनडीटीएल ने 641 मूत्र नमूने तथा 12 रक्त नमूने प्राप्त किए और उनका परीक्षण किया तथा 48 घंटों के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत की। 641 मूत्र नमूनों में से 16 नमूनों का ईपीओ विश्लेषण के लिए भी परीक्षण किया गया जिसके लिए टर्न अराउंड समय 72 घंटे का था। सभी रक्त नमूनों की केवल सीईआरए के लिए ही परीक्षण किया गया। यह प्रयोगशाला खेलों की अवधि के दौरान खुली रही।

10. एनडीटीएल की नीति समिति की चौथी और 5वीं बैठक:

एनडीटीएल नीति समिति की चौथी और 5वीं बैठक क्रमशः 24 जून, 2015 और 13 जुलाई, 2015 को एनडीटीएल के सम्मेलन कक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता डॉ. एस.डी. सेठ द्वारा की गई। "यौन उन्मुखीकरण, जेंडर पहचान तथा/अथवा मिश्रलिंगता के आधार पर खेल, यौन उत्पीड़न तथा भेदभाव" संबंधी युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा वित्त–पोषित शोध परियोजना के अनुमोदन के लिए नीति समिति की बैठक आयोजित की गई।

11. होर्स रेसिंग कर्मचारियों के साथ एक दिन का इंटरएक्शन सत्र

एनडीटीएल ने 14 अक्तूबर, 2015 को इंडिया हेबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में "होर्स रेसिंग कर्मचारियों के साथ एक दिवसीय इंटरएक्शन सत्र" आयोजित किया। प्रो. फ्रांसिस्को बोत्रे, निदेशक रोम डोपिंग रोधी प्रयोगशाला तथा प्रो. पीटर वेन ईनू, निदेशक, घेंट डोपिंग रोधी प्रयोगशाला को अंतर्राष्ट्रीय वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया, समूचे भारत से विभिन्न रेसिंग क्लबों के कर्मचारियों ने इस इवेंट में भाग लिया। यह इंटरएक्शन होर्स डोप परीक्षण के क्षेत्र में एनडीटीएल की विश्वसनीयता में और अधिक

वृद्धि करने में काफी उपयोगी रहा।

12. डोपिंग रोधी विज्ञान में नवीनतम प्रवृत्ति संबंधी एक दिवसीय सेमीनार

एनडीटीएल ने 15 अक्तूबर, 2015 को इंडिया हेबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में **"डोपिंग रोधी विज्ञान में नवीनतम प्रवृत्ति संबंधी एक दिवसीय सेमीनार"** का आयोजन किया। एनडीटीएल ने 2 वाडा प्रत्यायित प्रयोगशालाओं से प्रयोगशाला निदेशकों तथा भारतीय खेल प्राधिकरण, डोपिंग रोधी परिसंघों एवं अन्य खेल संस्थाओं से कर्चमारियों को नए वाडा कोड के क्रियान्वयन, विभिन्न डोपिंग रोधी संगठनों के परीक्षण कार्यक्रमों का सिंहावलोकन, टीयूई, खेलों में सप्लीमेंट के प्रयोग तथा डोपिंग से संबंधित अन्य मुद्दों पर विचार–विमर्श करने के लिए आमंत्रित किया।

13. व्यायाम तथा खेल विज्ञान संबंधी 7वां एशियाई प्रशांत सम्मेलन (एपीसीईएसएस 2015)

व्यायाम तथा खेल विज्ञान संबंधी 7वां एशियाई प्रशांत

लेटेस्ट ट्रेन्ड्स इन एंटी–डोपिंग साइन्स पर एक दिवसीय सेमिनार के दौरान सीईओ एनडीटीएल और सचिव खेल का विशेष संबोधन

सम्मेलन (एपीसीईएसएस 2015) 14–16 अक्तूबर, 2015 को मानव रचना इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में आयोजित किया गया।

डॉ. अल्का बेओत्रा, एसडी एनडीटीएल ने 7वां एशियाई प्रशांत सम्मेलन (एपीसीईएसएस 2015) में 16 अक्तूबर, 2015 को **डोपिंग रोधी विज्ञान में उन्नतिः स्वस्थ खेलों के लिए एक दृष्टिकोण संबंधी डोपिंग रोधी** सिम्पोजियम की अध्यक्षता की। निम्नलिखित लेक्चर प्रस्तुत किए गए:

वक्ता	शीर्षक
डॉ अलका बेओत्रा	खेलों में सप्लीमेंट्स का प्रयोग और दुरुपयोगः इससे कैसे निपटा जाए?
डॉ शिल्पा जैन	बॉयोसिमिलर ईपोटिन्सः गुणवत्ता परिदृश्य
प्रो डॉ फ्रांसिस्को बोत्रे (इटली)	खेल मैदान में लुका–छिपी, खेल डोपिंग में नीतियों को ढकना और उजागर करना।
प्रो डॉ– पीटर वान ईनो (बेल्जियम)	एनाबोलिक स्टीरॉयड–प्रयोग का प्रचलन तथा पता लगाना।

एनडीटीएल के चार शोधकर्ताओं ने एपीसीईएसएस में पोस्टर प्रस्तुती में अपनी शोध कार्य प्रस्तुत किए। सम्मेलन में प्रस्तुत चार पोस्टरों में से तीन पोस्टरों को सर्वोत्तम 10 पोस्टर श्रेणी में चुना गया।

14. तीसरी डब्ल्यूएएडीएस क्यूए प्रबंधक बैठक

डब्ल्यूएएडीएस क्यूए प्रबंधक की तीसरी बैठक जनवरी, 2016 के महीने में एनडीटीएल, दिल्ली में आयोजित की गई। भारत में इस इवेंट का आयोजन किया जाना सम्मान की बात है जिससे देश में डोपिंग रोधी कार्यक्रम को सुदृढ़ बनाने में भाग की विश्वसनीयता और अधिक स्थापित होगी।

15. संदर्भ सामग्री प्रक्रिया (आरएमपी) प्रत्यायन समिति

डॉ. अल्का बेओत्रा को संदर्भ सामग्री प्रक्रिया के एनएबीएल प्रत्यायन के लिए राष्ट्रीय परीक्षण एवं कैलीब्रेशन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा गठित प्रत्यायन समिति के एक सदस्य के रूप में नामित किया गया। डॉ. अल्का बेओत्रा आईएसओ–गाइड 34 के लिए एक प्रमाणित प्रमुख मूल्यांकनकर्ता है और समिति की पहली बैठक 21 जुलाई, 2015 को आयोजित की गई।

16. राजस्व अर्जन

एनडीटीएल ने 2015–16 में परीक्षण से लगभग **3.98 करोड़ रुपए** का राजस्व अर्जित किया है।

वित्तीय वर्ष	एमवाईएएस से प्राप्त जीआईए (रुपए करोड़ में)	डोप परीक्षण शुल्क (राजस्व) लगभग (रुपए करोड़ में)
2008-09	1.85	0.11
2009-10	14.00	0.15
2010-11	11.50	3.00
2011-12	2.50	1.06
2012-13	2.50	2.62
2013-14	1.91	2.24
2014-15	8.50	3.73
2015-16	7.59	3.98 (अप्रैल, 2015–दिसंबर–2015)

17. भारत की राष्ट्रीय नियमावली 5वां अंक

डॉ. अल्का बेओत्रा, एडी, एनडीटीएल को एनएफआई, 5वें अंक की विषय समीक्षा समिति के सदस्य के रूप में चुना गया। डॉ. अल्का बेओत्रा ने खेलों में प्रतिबंधित दवाओं के बारे में भारत की राष्ट्रीय नियमावली, 5वां अंक में एक अध्याय का योगदान दिया। भारत की राष्ट्रीय नियमावली अनिवार्य रूप से चिकित्सा व्यवसाय के सदस्यों, चिकित्सा छात्रों, अस्पतालों और बिक्री स्थापना में कार्यरत नर्सों तथा फार्मासिस्टों के मार्ग–दर्शन के लिए बना है। खेलों में प्रतिबंधित दवाओं को इसमें शामिल करने से चिकित्सा व्यावसायिकों को एथलीटों के लिए दवाइयां लिखने से पहले सावधान रहने में सहायता मिलेगी।

18. एनडीटीएल प्रवीणता परीक्षण (एनडीटीएल–पीटी)

एनडीटीएल पीटी योजना में वर्ष 2015 में भागीदारों की संख्या और परीक्षण के कार्य क्षेत्र के रूप में वृद्धि हुई। 12–13 दिसंबर, 2015 को एनएबीएल निगरानी लेखापरीक्षा आयोजित की गई।

19. एनडीटीएल में हेयर परीक्षण सुविधा

एनडीटीएल ने हेयर नमूनों में द्रव्य दुरुपयोग के परीक्षण की स्थापना हेतु शोध सुविधा आरंभ की। यह भारत में हेयर में द्रव्यों के परीक्षण के लिए एक मात्र सेटअप है और यह फोरेंसिक तथा क्लीनिकल प्रयोगशालाओं की आवश्यकताओं को पूरा करेगी।

एनडीटीएल ने एथाइल गुलुकोरोनाइड (ईटीजी) के परीक्षण के लिए पद्धति तैयार की है और इसने हेयर में ईटीजी का पता लगाने के लिए हैयर परीक्षण सोसायटी (एसओएचटी) द्वारा आयोजित पीटी कार्यक्रम में सफलतापूर्वक भाग लिया।

इसके अतिरिक्त, हेयर में निम्नलिखित द्रव्यों के परीक्षण की पद्धति तैयार की जा रही है:

क) स्टानोजोलोल

ख) मिथेनडाइनोन

ग) कोर्टीसोन

घ) मिथाइल प्रेडनीसोलोन

ङ) क्लेनबूटेरोल

च) सालबुटामोल

भविष्य के दृष्टिकोण की योजना:

1. मानव एवं होर्स डोप परीक्षण में रुटीन तथा शोध विंग में एनडीटीएल की विस्तृत दृष्टिकोण योजना तथा पुनः संरचना में किए गए प्रस्ताव के अनुसार विस्तार।
2. पीटी प्रदाता योजना का विस्तार।
3. मानव तथा होर्स दोनों के लिए शोध विंग के रूप में हैयर परीक्षण सुविधा की स्थापना।
4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रशासनिक कार्य के प्रबंधन हेतु एनआईसी के सहयोग से ई–ऑफिस (प्रशासन) आरंभ करना।

अध्याय–24

भारतीय राष्ट्रीय खेल–मैदान संघ

भारतीय राष्ट्रीय खेल मैदान संघ की स्थापना सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत सोसायटी के रूप में फरवरी, 2009 में की गई थी। देश में खुले स्थानों तथा खेल के मैदानों की कमी तथा मौजूदा कुछ मैदानों के अन्य कार्यकलापों में प्रयोग को ध्यान में रखकर खुले स्थानों और खेल मैदानों की सुरक्षा के लिए संस्थागत व्यवस्था विकसित करना आवश्यक समझा गया है। तदनुसार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने एनपीएफएआई स्थापित करने की पहल की।

एनपीएफएआई के अध्यक्ष केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री हैं और इसमें युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, राज्य सरकारों के प्रतिनिधि शामिल हैं। लब्धप्रतिष्ठित व्यक्ति जैसे एफ.एस. नरीमन, श्री बिशन सिंह बेदी, श्रीमती पी.टी उषा, श्रीमती इंदु पुरी और कमांडर नंदी सिंह तथा अन्य व्यक्ति सोसायटी के संस्थापक सदस्य हैं। एनपीएफएआई को औपचारिक रूप से 26 फरवरी, 2009 को शुरू किया गया।

एनपीएफएआई के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- खेलों और क्रीडाओं के लिए खेल के मैदानों तथा खुले स्थानों और अन्य सुविधाओं का संरक्षण, परिरक्षण, संवर्धन, विकास तथा उन्नयन करना।
- खेल के मैदानों, प्ले ग्राउंडों, खेल पिचों तथा खुले स्थलों के संबंध में राष्ट्रीय नीति तैयार करना।

एनपीएफएआई का मुख्य ध्यान मौजूदा खेल के मैदानों को सुरक्षा और संरक्षण करना तथा खेल के मैदान और खुले स्थानों को उपलब्ध कराने के लिए मानदंड और मानक प्रक्रिया विकसित करने के अलावा नए मैदानों का संवर्धन करने पर है।

एनपीएफएआई को राष्ट्रीय खेल विकास निधि से जुलाई, 2009 में प्रारम्भिक धनराशि के रूप में 50 लाख रुपए प्राप्त हुए ।

एनपीएफएआई के सर्वोच्च निकाय बनने के बाद, सभी राज्य सरकारों को राज्य स्तर पर इसी प्रकार की सोसाइटिंया स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जो राष्ट्रीय सोसायटी से संबद्ध होगी । इस पहल से जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक समावेशन के संदर्भ में खेल के मैदानों, प्लेग्राउंडों और खुले हरित स्थलों से मिलने वाले सामाजिक लाभों की राष्ट्रीय जागरूकता पैदा होने की आशा है । सभी राज्य सरकारोंध्संघ राज्य क्षेत्रों से प्राथमिकता आधार पर राज्य स्तरीय खेल मैदान एसोसिएशन स्थापित करने का अनुरोध किया गया । एनपीएफएआई की अवधारणा और इसके उद्देश्यों पर 2009 और 2010 में खेल मंत्रियों के सम्मेलनों में विस्तार से विचार–विमर्श किया गया जिनमें सभी राज्यों के खेल मंत्रियों ने यह आश्वासन दिया कि प्राथमिक आधार पर राज्य स्तरीय खेल मैदान संघों का गठन किया जाएगा। अब तक, 10 राज्यों ने राज्य स्तरीय संघों का गठन किया हैं, ये राज्य है:

(i) हिमाचल प्रदेश, (ii) ओडिशा, (iii) हरियाणा, (iv) आन्ध्र प्रदेश, (v) मिजोरम, (vi) पश्चिम बंगाल, (vii) मणिपुर, (viii) राजस्थान, (ix) मध्य प्रदेश और (x) कर्नाटक ।

इसके अतिरिक्त केरल और त्रिपुरा ने राज्य स्तरीय संघों के गठन का अनुमोदन कर दिया है।

12 राज्य संघों में से पांच संघों (क्रम सं. (ए) से (ट)) को एनपीएफएआई से संबद्ध किया गया है। इन पांच राज्य संघों ने संबद्धता से पहले सभी आवश्यक सूचनाएं उपलब्ध करा दी हैं। एनपीएफएआई से संबंध पांच राज्य संघों को शहरी खेल बुनियादी ढ़ाचा स्कीम में से प्रत्येक को 50 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है और इन्हें पहले अनुदान वितरित किया जा चुका है। यह अनुदान खेल मैदानों, प्लेग्राउंडों इत्यादि के संरक्षण, संवर्धन, परिरक्षण, विकास तथा सुधार के समग्र उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए निधि का सृजन करने के प्रयोजन से है।

नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) ने भी खेल मैदान संघ का गठन किया है ।

एनपीएफएआई ने 18 अगस्त, 2009 को यू.के. की नेशनल प्लेइंग फील्ड एसोसिएशन (इसका प्रचालनशील नाम 'फील्डस इन ट्रस्ट' है) के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित किया था। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य कार्यनीति संबंधी भागीदारी स्थापित करना है जिसमें सहयोगपूर्ण व्यवस्थाएं और पक्षों के बीच सहयोग शामिल है।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के पश्चात फील्डस इन ट्रस्ट (एफ.आई.टी) के मुख्य कार्यपालक की अगुवाई में दो सदस्यों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सितम्बर, 2009 को दिल्ली का दौरा किया था। इस दौरे का उद्देश्य, सम्पूर्ण दिल्ली में विभिन्न खेल मैदानों का स्थल दौरा करना था ताकि स्थल मूल्यांकन किया जा सके और आदर्श खेल के मैदान के रूप में विकसित करने के लिए 2–3 स्थलों की पहचान की जा सके। टीम ने डीडीए, एमसीडी, एनडीएमसी, सिविल सेवा, खेल नियंत्रण बोर्डों और केंद्रीय विद्यालयों जैसी विभिन्न एजेंसियों द्वारा अनुरक्षित शहर के कुछ खेल नियंत्रण बोर्डों और केंद्रीय विद्यालयों का दौरा किया। क्षेत्र की आवश्यकता, स्थान/क्षेत्र की अभिगम्यता, स्थल का आकार, धारणीयता इत्यादि जैसे कारकों के आधार पर प्रतिनिधिमंडल ने दिल्ली में कुछ स्थलों की सूची तैयार की है।

इसके बाद एनपीएफएआई ने स्थानीय प्राधिकारियों से परामर्श करके कुछ मैदानों की पहचान की है जिन्हें पायलट परियोजना के रूप में आदर्श खेल मैदान के रूप में विकसित किया जाएगा। इनमें से एनडीएमसी ने 4 स्थानों को आदर्श खेल मैदानों के रूप में पहले ही तैयार कर लिया है।

इसके अलावा, एनपीएफएआई ने न्यूनतम सुविधाओं से युक्त विभिन्न आकार के मूल खेल मैदान विकसित किए हैं जिनमें समतल मैदान, झूलों/स्लाइडों आदि के साथ बाल खेल क्षेत्र, एक या दो खेल विधाओं के लिए खेलकूद सुविधा, शौचालय सुविधा आदि शामिल हैं । खेल के मैदानों के विकास के लिए सामान्य दिशानिर्देशों को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इन दिशानिर्देशों में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप उपयुक्त संशोधन करके सभी राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों को परिचालित किया गया।

कॉमनवैल्थ लिगेसी योजना के तहत केंद्र सरकार की सहायता से दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों, तेरह कॉलेजों और पांच स्कूलों के लिए दो कल्याणकारी संगठनों में खेल/मैदान सुविधाएं विकसित की गई हैं। सृजित सुविधाओं में बास्केट बाल, टेबल टेनिस, शूटिंग रेंज, फिटनेस सेंटर के लिए सिंथेटिक कोर्टों का निर्माण शामिल हैं ।

एनपीएफएआई ने एनडीएमसी क्षेत्र में 78 खेल मैदानों के विकास हेतु एनडीएमसी को 192.00 लाख रुपए मंजूर किए थे। यह परियोजना पूरी की जा चुकी है।

अध्याय–25

खेल और शारीरिक शिक्षा टीमों/विशेषज्ञों का अंतरराष्ट्रीय आदान–प्रदान

विदेशों में खेलों की जानकारी और विदेशों में कोचिंग/प्रशिक्षण और विदेशी कोचों/विशेषज्ञों की सेवाएं प्राप्त करने के लिए भारतीय टीमों/विशेषज्ञों को ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध कराने हेतु खेल और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को महत्व दिया गया है।

भारत तथा फ्रांस के बीच दिनांक 09.04.2015 को भारत के प्रधानमंत्री की अप्रैल, 2015 में फ्रांस की यात्रा के दौरान पेरिस (फ्रांस) में खेलों के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू में अन्य बातों के साथ–साथ खेल के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि चिकित्सा, संस्थागत सहयोग, निकट खेलों के संदर्भ में खेलों की प्रैक्टिस करने, खेलों में महिलाओं की भागीदारी में सहायता करने, उच्च स्तरीय खेलों में विशेषज्ञता का आदान–प्रदान करने, एक्जीक्यूटिव के प्रशिक्षण इत्यादि में सहयोग का प्रावधान है।

श्री थॉमस बाक, अध्यक्ष आईओसी 27.4.2015 को प्रधानमंत्री से भेंट करते हुए

भारत और कजाकिस्तान के बीच दिनांक 08.07.2015 को भारत के प्रधानमंत्री की जुलाई, 2015 में यात्रा के दौरान अस्ताना (कजाकिस्तान) में खेलों के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू में अन्य बातों के साथ–साथ खेलों के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि वैज्ञानिक शोध का आदान–प्रदान, उच्च प्रदर्शन खेलों के क्षेत्र में अंतिम उपलब्धि से संबंधित सूचना, खेल निदान, चिकित्सा एवं जैविक सहायता की पद्धति, उच्च प्रौद्योगिकी से संबंधित सूचना का आदान–प्रदान और खेल निर्माण के क्षेत्र में विशेषज्ञता इत्यादि में सहयोग का प्रावधान है।

भारत तथा तुर्कमेनिस्तान के बीच दिनांक 11.07.2015 को अशगाबत (तुर्कमेनिस्तान) में भारत के प्रधानमंत्री की जुलाई, 2015 में तुर्कमेनिस्तान की यात्रा के दौरान खेलों के क्षेत्र में सहयोग के संबंध में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू में अन्य बातों के साथ–साथ खेलों के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि खेल सोसायटियों और संघों के बीच व्यापार संबंधों का संवर्धन करना, खेल इवेंटों में भागीदारी, विभिन्न खेलों में मैच, संयुक्त प्रशिक्षण सत्र आयोजित करना, विशिष्ट समूहों के आदान–प्रदान इत्यादि में सहयोग का प्रावधान है।

भारत तथा मालदीव के बीच दिनांक 11.10.2015 को माले में वीवीआईपी की मालदीव यात्रा के दौरान खेलों के क्षेत्र में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू में अन्य बातों के साथ–साथ खेलों के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि विशेषज्ञों, सरकारी कर्मचारियों, कोचों और एथलीटों का आदान–प्रदान, खेलों के संबंध में शिक्षण एवं पाठ्यचर्या सामग्री का आदान–प्रदान, खेल विकास एवं प्रशिक्षण प्रणाली के संबंध में सूचना का आदान–प्रदान, बैठकों, सम्मेलनों और सिम्पोजियम इत्यादि के जरिए इंटरएक्शन में सहयोग का प्रावधान है।

अध्याय–26

2015–16 के दौरान खेल विभाग की उपलबधियां और पहल

1. राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस)

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) की एक नई योजना (i) 8–12 वर्ष आयु समूह (कक्षा–iv से vi में प्रवेश के लिए) में छात्रों में खेल प्रतिभा की पहचान करने जिनमें जन्मजात गुणवत्ता है जैसे कि मानवशास्त्रीय, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक क्षमताएं जो बिना संरचनात्मक निर्बलताओं के बगैर होय और (ii) जिला स्तरीय खेल स्कूलों/केंद्रीय खेल स्कूलों/राष्ट्रीय खेल अकादमियों इत्यादि में खेल क्षमता/प्रतिभा का पोषण करने के लिए तैयार की गई है ताकि वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सके। यह देश में खिलाड़ियों के पूल में वृद्धि करेगी।

2. हिमालयी क्षेत्र खेल उत्सव (एचआरएसएफ):

खेल विभाग ने हिमालयी क्षेत्र जिसमें नेपाल और भूटान तथा जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे भारतीय राज्यों में अन्नय खेल परंपराओं के संवर्धन हेतु हिमालयी क्षेत्र खेल उत्सव (एचआरएसएफ) तैयार किए है।

एचआरएसएफ के अंतर्गत संचालित की जाने वाली खेल प्रतिस्पर्धाओं में सभी पूर्वोत्तर राज्य, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड तथा पड़ोसी देश जैसे कि नेपाल और भूटान भाग लेंगे। ये प्रतिस्पर्धाएं विभिन्न देशी खेलों तथा देश के पहाड़ी राज्यों के बीच टीम भावना और पड़ोसी देशों के साथ खेल के क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग का संवर्धन करेंगी।

3. जम्मू और कश्मीर की खेल अवसंरचना के विकास हेतु विशेष पैकेज

प्रधानमंत्री द्वारा जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं में वृद्धि के लिए 200 करोड़ रुपए की कुल सहायता के साथ जम्मू और कश्मीर में खेलों के विकास हेतु एक विशेष पैकेज की घोषणा की। इस विशेष पैकेज के अंतर्गत निष्पादित किए जाने वाले कार्य को जम्मू और कश्मीर की राज्य सरकार के परामर्श से अंतिम रूप दिया गया है। 84 करोड़ रुपए के निधियन के साथ जम्मू और कश्मीर में स्टेडियम को अंतर्राष्ट्रीय स्तर का बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त, लंबे शरत सत्र के साथ राज्य के मौसम को ध्यान में रखते हुए पूंछ तथा रजोरी में मौजूदा स्टेडियम का उन्नयन तथा 12 जिलों/स्थानों में बहुउद्देश्यी इंडोर हॉल का निर्माण किया जाएगा। इन कार्यों के लिए अनुमानित लागत 52 करोड़ रुपए रखी गई है। इन कार्यों के लिए 6.00 करोड़ रुपए की राशि पहलगांव और मनसर झील में जल खेल गतिविधियों के लिए अवसंरचना विकास हेतु रखी गई है। 2.63 करोड़ रुपए की राशि टीआरसी श्रीनगर और गनी मेमोरियल स्टेडियम, श्रीनगर में ऑर्टिफिशियल फुटबॉल मैदान में लाइटिंग सिस्टम के लिए रखी गई है। 55 करोड़ रुपए की राशि खेल उपकरणों, कोचों, ट्रेनर, फर्नीचर, प्रतिस्पर्धाओं इत्यादि के लिए रखी गई है।

यह राज्य के युवाओं को खेल गतिविधियों में शामिल होने और आतंकबाद से उन्हें दूर करने का अवसर प्रदान करेगी।

4. मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय

बजट 2014–15 में मणिपुर राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय के गठन का प्रस्ताव औपचारिक रूप से घोषित किया गया।

मणिपुर सरकार ने प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए युवा कार्यक्रम एवं खेल विभाग को मणिपुर के थोबल जिले में 336.93 एकड़ भूमि हस्तांतरित कर दी है। एक केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपकरण हिंदुस्तान स्टील वर्क्स कंस्ट्रक्शन्स लिमिटेड (एचएससीएल) को प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता के रूप में चुना गया है। राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय विधेयक, 2016 विधि एवं न्याय मंत्रालय में अंतिम रूप दिए जाने हेतु लंबित है।

मणिपुर में राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना से सामान्य रूप से देश के युवाओं और विशेष कर पूर्वोत्तर क्षेत्र के उन युवाओं को अवसर प्राप्त होगा जो कोचिंग, फिजियोथैरेपी, फिटनेस, खेल प्रबंधन, खेल पत्रकारिता इत्यादि में बीपीईडी, एमपीईडी, डिप्लोमा/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम का अध्ययन करेंगे। यह खिलाड़ियों की जमीनी स्तर पर तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर योग्यताओं का मंथन करेगा और खेल वस्तुओं एवं चिकित्सा जैसे खेल–उद्योग–संबंधित उत्पादों का संवर्धन भी करेगा।

5. भारतीय खेल विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसएसआर):

खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए खेल विज्ञान तथा खेल चिकित्सा के अध्ययन, शोध और पद्धति के समेकन के दृष्टिकोण से भारतीय खेल विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसएसआर) की स्थापना करने का निर्णय लिया गया है।

प्रस्तावित संस्थान शोध कार्य, सहायक सेवाओं के विस्तार, पोषण–तत्वों के प्रमाणन तथा भारत और विदेशों में खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा संकाय के बीच सहयोग को शामिल करेगा। इसके साथ, खेल विज्ञान तथा खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना/प्रसार के लिए पात्र सम्मानित विश्वविद्यालयों/संस्थानों/चिकित्सा कॉलेजों के निधियन के लिए एक योजना भी तैयार की गई है। चरणबद्ध तरीके से छः (6) विश्वविद्यालयों और छः (6) संस्थानों/चिकित्सा कॉलेजों का वित्त–पोषण करने का प्रस्ताव है।

भारतीय खेल विज्ञान और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसएसआर) देश में खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा की विभिन्न शाखाओं में शोध के लिए समर्पित पहला संस्थान होगा।

ऐसे शोध भारत की खेल क्षमताओं में सुधार करेंगे। ये गुणवत्ता आश्वासन विकास के माध्यम से खिलाड़ियों के लिए पोषण अनुपूरण का परीक्षण भी करेंगे। इसके अतिरिक्त, इससे आवश्यक वैज्ञानिक और कुशल मानव संसाधन तैयार होंगे जो खेल प्रतिभा की पहचान और पोषण के लिए महत्वपूर्ण होंगे। तदंतर, उपरोक्त गतिविधियां खेल वस्तुओं, पोषण मदों इत्यादि जैसे उद्योग से संबंधित उत्पादों का संवर्धन करेंगे जो सामान्य रूप से अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होंगे।

वे वित्त समिति (ईएफसी) ने दिनांक 04.06.2015 को आयोजित अपनी बैठक में 344 करोड़ रुपए की संभावित लागत का प्रस्ताव अनुमोदित किया है। यह वह 12वीं और 13वीं पंचवर्षीय योजनाओं में पहला होगा। संस्थान की स्थापना के लिए मसौदा मंत्रिमंडल टिप्पणी माननीय वित्त मंत्री द्वारा अनुमोदित कर दी गई है और इसे विचारार्थ मंत्रिमंडल को भेजा जा रहा है।

6. टारगेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी) योजना और रियो–ओलंपिक्स 2016 की तैयारी:

राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के समग्र तत्वाधान में टीओपी (टारगेट ओलंपिक पोडियम) योजना नामक एक कार्यक्रम तैयार किया गया है जिसका उद्देश्य 2016 और 2020 ओलंपिक खेलों के लिए संभावित पदक विजेताओं की सहायता करना है। इसमें फोकस दिए जाने वाली खेल विधाएं हैः एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, कुश्ती, भारोत्तोलन और निशानेबाजी। चुने गए एथलीटों को विश्व स्तर की सुविधाओं वाले संस्थानों में उनके प्रशिक्षण के लिए वित्तीय सहायता तथा अन्य आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत एथलीटों के चयन का बैंचमार्क अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप है।

अब तक टीओपी योजना के अंतर्गत निधियन के लिए 106 एथलीटों की पहचान की गई है।

प्रबुद्ध एथलीटों को विश्व स्तर की सुविधाओं वाले संस्थानों में प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक सहायता दी जा रही है जिससे प्रदर्शन में सुधार होगा और देश के लिए पदक तालिका में उच्च स्थान प्राप्त हो सकेगा।

इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों का आयोजन किया जा रहा है और राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) के परामर्श से वार्षिक प्रशिक्षण एवं प्रतिस्पर्धा केलैंडर (एसीटीसी) के अनुसार अभिज्ञात संभावनाओं को विदेश में प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जा रहा है और एनएसएफ को सहायता की योजना के अंतर्गत निधियां प्रदान की जा रही हैं जिसके लिए चालू वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान 185 करोड़ रुपए का बजटीय आबंटन किया गया है।

7. बैडमिंटन खेल की सहायता के लिए भारतीय इन्फ्रॉस्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल) के साथ समझौता ज्ञापनः

खेल विभाग और भारतीय इन्फ्रॉस्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसीएल), वित्त मंत्रालय के अंतर्गत एक कंपनी ने बैडमिंटन खेल को सहायता प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन ("एमओयू") हस्ताक्षरित किया है। इस एमओयू के अंतर्गत आईआईएफसीएल कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की अपनी पहल के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) के तत्वाधान में टारगेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी) में 30 करोड़ रुपए (3 वर्ष के लिए प्रत्येक वर्ष 10 करोड़ रुपए) का योगदान देगी। आईआईएफसीएल ने 31.03.2015 को पहले वर्ष के लिए 10 करोड़ रुपए का अंशदान दिया है।

8. भारत द्वारा 12वें दक्षिण एशियाई खेलों की मेजबानीः

दक्षिण एशियाई खेल (एसएजी) दक्षिण एशिया के एथलीटों में द्विवार्षिक बहु–खेल इवेंट है। वर्तमान में एसएजी 8 सदस्यों नामतः अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका है। इन खेलों का लक्ष्य मित्रता का संवर्धन करना और दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संघ (सार्क) देशों के लोगों में सद्भाव पैदा करना है। 11वें एसएजी 2010 में ढाका (बांग्लादेश) में आयोजित किए जाने के पश्चात् खेलों का आयोजन करने की अगली बारी भूटान की थी। चूंकि भूटान ने खेलों की मेजबानी कनरे में अपनी असमर्थता व्यक्त की थी इसलिए दक्षिण एशिया ओलंपिक परिषद् की कार्यकारी समिति ने भारत को क्रमानुसार अगला आयोजक होने के नाते इन खेलों के 12वें संस्करण को भारत को प्रदान किया।

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के लिए शुभंकर

12वें दक्षिण एशियाई खेल पूर्व की योजना के अनुसार 2012 में आयोजित नहीं किए जा सके। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारतीय ओलंपिक परिसंघ असम सरकार द्वारा मेघालय सरकार के बीच विचार–विमर्शों के पश्चात् यह निर्णय लिया गया कि 12वें एसएजी गुवाहाटी शिलांग में आयोजित किए जा सकते है। 12वें दक्षिण एशियाई खेल 5–16 फरवरी, 2016 को गुवाहाटी शिलांग में सफलतापूर्वक आयोजित किए गए।

दक्षिण एशियाई खेलों 22 खेल विधाओं में लगभग 2500 एथलीटों ने भाग लिया। जिनमें तीरंदाजी, एथलेटिक, बैडमिंटन, बॉक्सिंग साइकलिंग, फुटबॉल, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो–खो, निशानेबाजी, तैराकी, स्कवैश, टेबल टेनिस, ताइक्वांडू, ट्राईएथलॉन, वॉलीबाल भारोत्तोलन, कुश्ती और वुशु शामिल थे।

भारतीय खिलाड़ियों और टीमों ने 12वें दक्षिण एशियाई खेलों में सराहनीय प्रदर्शन किया। भारत ने न केवल पदक तालिका में प्रथम स्थान प्राप्त किया बल्कि दक्षिण एशियाई खेलों के पिछले 11वें संस्करण की तुलना में रिकॉर्ड संख्या में पदक भी जीते। भारत ने 12वें दक्षिण एशियाई खेलों में 308 पदक (108 स्वर्ण, 90 रजत और 30 कांस्य) जीते।

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम नई दिल्ली में 17 जनवरी, 2016 को 12वें दक्षिण एशियाई खेलों के लिए टार्च रिले

मेजर ध्यानचंद स्टेडियम नई दिल्ली में 17 जनवरी, 2016 को 12वें दक्षिण एशियाई खेलों के लिए टार्च रिले

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री भाषण देते हुए

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह में श्री सर्बानन्द सोनोवाल राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का भाषण

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान कलाकार प्रस्तुति देते हुए

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान टार्च के साथ बाईचिंग भूटिया

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के दौरान भारतीय तीरंदाज तरूणदीप राय

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

12वें दक्षिण एशियाई खेलों में बैडमिंटन का महिला युगल जीतने के बाद ज्वाला गट्टा और अश्विनी पोनप्पा

12वें दक्षिण एशियाई खेलों में पुरूष एकल का स्वर्ण पदक जीतने वाले रामकुमार रामानाथन (भारत)

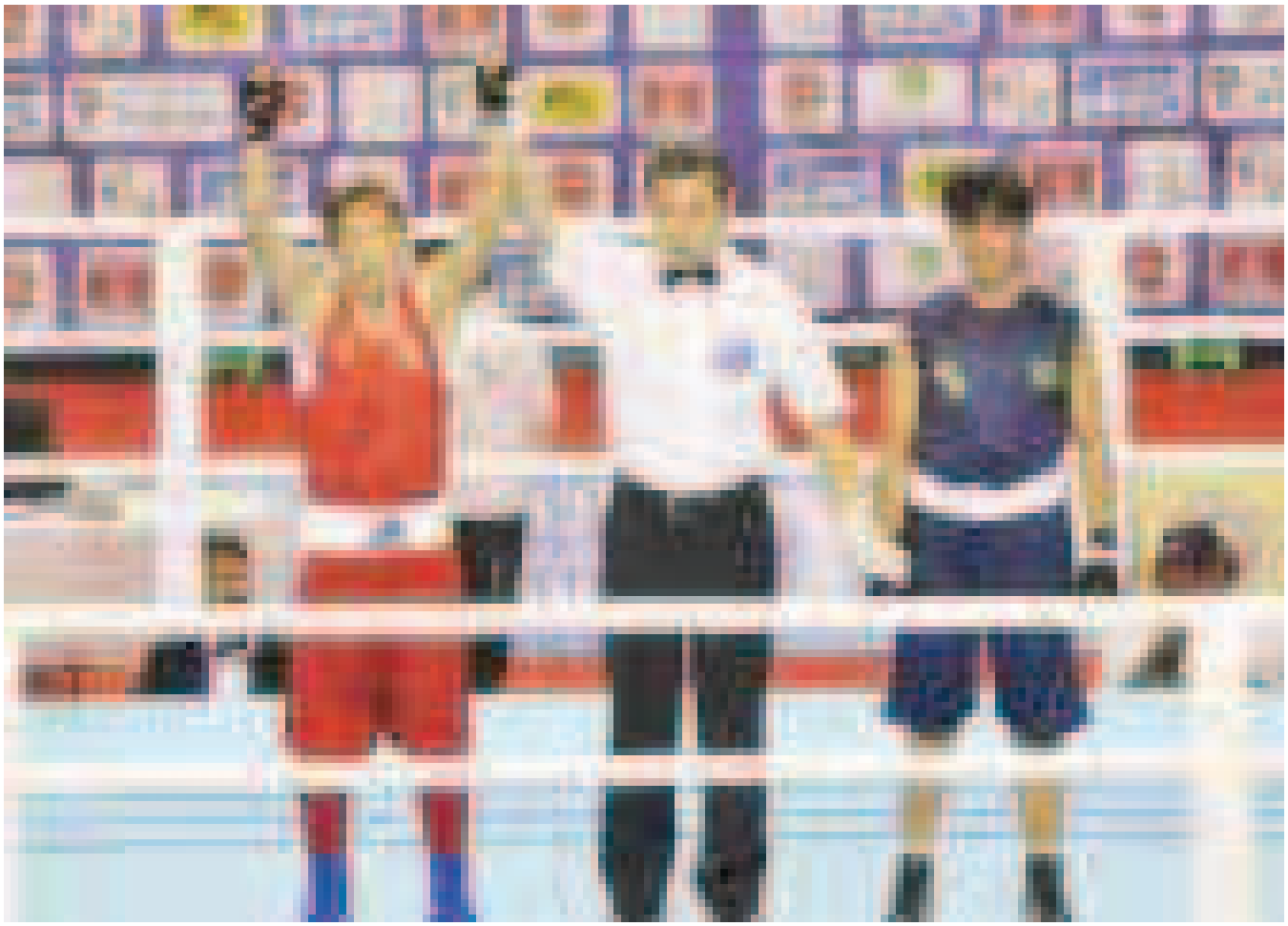

12वें दक्षिण एशियाई खेलों में सुश्री मैरी कॉम को विजेता घोषित करते हुए

9. एथलीटों के लिए विभिन्न सुविधाओं में वृद्धिः युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने 30 जून, 2015 को निम्नलिखित दरों के अनुसार एथलीटों के खुराक और संपूरक प्रभारों में वृदधि की हैः

I. खुराक प्रभार –

सीनियर खिलाड़ियों के लिए प्रति एथलीट प्रतिदिन 650/– रुपए तक

जूनियर/सब–जूनियर खिलाड़ियों के लिए प्रति एथलीटि प्रतिदिन 450/– रुपए तक

II. संपूरक प्रभार–

हैवी और मिडल वेट पॉवर इवेंट के लिए प्रति एथलीट प्रतिदिन 700/– रुपए तक

मजबूती, टीम, स्प्रिंट्स और लो वेट पॉवर इवेंटों के लिए प्रति एथलीट प्रतिदिन 400/– रुपए तक

कौशल इवेंटों के लिए प्रति एथलीट प्रतिदिन 300/– रुपए तक

10. क्षेत्रीय खेल संघों का सृजन तथा उनको मान्यता देनाः क्षेत्रीय प्रभाव वाले खेलों को समुचित मान्यता और महत्व देने तथा उनका संवर्धन करने के लिए मंत्रालय ने कुछ शर्तों जैसे कि खेल विधा उस क्षेत्र/राज्य में अनिवार्य रूप से लोकप्रिय होनी चाहिए और एक अथवा अधिक राज्यों में खेली जाने वाली होनी चाहिए; खेल पिछले न्यूनतम 10 वर्षों से क्षेत्र में खेले गए हो; सरकार से मान्यता का अनुरोध करने वाले आरएसके

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

12वें दक्षिण एशियाई खेलों के समापन समारोह के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार

ने सीनियर, जूनियर और सब–जूनियर सभी श्रेणियों में चैंपियनशिप का आयोजन किया हो, के अधीन क्षेत्रीय खेल संघों (आरएसएफ) के रूप में कुछ स्वदेशी खेल विधाओं के खेल संघों को मान्यता देने पर विचार करने का निर्णय लिया है। प्रत्येक खेल के लिए केवल एक आरएसएफ होगी; केवल स्वदेशी खेलों के संघों पर ही आरएसएफ के रूप में मान्यता के लिए विचार किया जाएगा; और यदि खेल विधा के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय निकाय है तो उक्त निकाय को मान्यता प्राप्त करना आवश्यक होगा।

11. भारत में आयोजित राष्ट्रीय चैंपियनशिप और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के दौरान खिलाड़ियों और कर्मचारियों को खेल अवसंरचना/सुविधाएं प्रदान करने के दिशा–निर्देश जारी करनाः राष्ट्रीय पैरा–एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2015 को संचालन में खराब प्रबंधन की शिकायतों को देखते हुए मंत्रालय ने 23 अप्रैल, 2015 को खेल क्षेत्र से संबंधित अपेक्षित सुविधाओं को प्रदान करने और उनका प्रबंधन करने, उन तक पहुंच, साफ और सुथरे शौचालय, पेयजल सुविधाओं के प्रावधान, समुचित विश्राम स्थल, लड़कों और लड़कियों के लिए पृथक चेंज रूम, साफ और सुथरी आवास सुविधाएं, निःशक्त हितेषी शौचालयों सहित पर्याप्त रूप से सुसज्जित शौचालय, ठहरने के स्थान से चैंपियनशिप के स्थान तक खिलाड़ियों और कर्मचारियों के लिए समुचित परिवहन व्यवस्था इत्यादि प्रदान करने के संबंध में सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों को दिशा–निर्देश जारी किए हैं।

12. अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के शिष्टमंडल की यात्राः श्री थॉमस बाच, अध्यक्ष की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एक शिष्टमंडल ने भारत में खेलों के विकास के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण पर विचार–विमर्श करने हेतु दिनांक 27 अप्रैल, 2015 को प्रधानमंत्री के साथ बैठक के लिए भारत की यात्रा की।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति, भारतीय ओलंपिक संघ और युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। जिसका लक्ष्य आईओसी द्वारा पहले से उपलब्ध कराए गए अवसरों के अनुपूरण में अपने मौजूदा विकास कार्यक्रमों के जरिए अतिरिक्त कदमों का संवर्धन करने हेतु पक्षों के संगत अधिदेश, नियमों और प्रक्रियाओं के भीतर सहयोग के समग्र ढांचा प्रदान करते हुए भारत में खेल के विकास में योगदान करना है।

13. खेल विधाओं का वर्गीकरण ताकि उन्हें उनके प्रदर्शन के आधार पर सहायता का पात्र बनाया जा सकेः खेल विभाग ने सरकार से सहायता प्राप्त करने के दृष्टिकोण से 23 मार्च, 2015 को खेल विधाओं का वर्गीकरण किया। "उच्च वरीयता" की एक नई श्रेणी तैयार की गई है जबकि पूर्व की तीन श्रेणियों अर्थात् 'वरीयता', 'सामान्य' और 'अन्य' को बनाए रखा गया है। "उच्च वरीयता" श्रेणी में ओलंपिक खेलों में खेले जाने वाली खेल विधाएं और जिनमें भारत ने पिछले एशियाई खेलों तथा राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीते है अथवा जिनमें भारत का ओलंपिक में पदक जीतने का अच्छा अवसर है, को शामिल किया गया है। वर्तमान में, 9 खेल विधाएं अर्थात् एथलेटिक्स, तीरंदाजी, बैडमिंटन, बॉक्सिंग, हॉकी, निशानेबाजी, टेनिस, भारोत्तोलन और कुश्ती को शामिल किया गया है। उच्च वरीयता वाली खेल विधाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

14. अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंटों में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों/टीमों के चयन के मानदंड तैयार करनाः खेल विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंटों में भागीदारी के लिए खिलाड़ियों/टीमों के चयन के मानदंड तैयार किए गए हैं और इसे 10 मार्च, 2015 को भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को परिचालित किया गया है। यह निर्णय लिया गया है कि ओलंपिक खेल, शरत ओलंपिक खेल, एशियाई खेल,

राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई इंडोर खेल, एशियाई बीच खेल, युवा ओलंपिक, एशियाई युवा खेल, राष्ट्रमंडल युवा खेल, पैरा–लंपिक्स और पैरा–एशियाई खेलों जैसे बहु विधा खेलों में भागीदारी के लिए व्यक्ति इवेंटों में खिलाड़ियों के इवेंट आरंभ होने से पिछले 12 महीने की अवधि के दौरान किया गया प्रदर्शन खेलों में संगत टूर्नामेंट के पिछले संस्करण के छठें स्थान धारक द्वारा प्राप्त प्रदर्शन से कम नहीं होगा और टीम इवेंटों के लिए केवल वे टीमें जिन्हें पिछले एक वर्ष में संबंधित टूर्नामेंटों के भागीदार देशों में 8 तक रैंक प्राप्त किया हो, पर ही संबंधित टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए विचार किया जाना चाहिए। गैर–माप योग्य वयैक्तिक खेलों में खिलाड़ियों ने अनिवार्य रूप से पिछले 12 महीनों में छठा रैंक प्राप्त किया होना चाहिए।

यह भी निर्णय लिया गया है कि केवल खिलाड़ी, कोच तथा मंत्रालय एवं भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्व ारा अनुमोदित सहायक कर्मचारी ही सरकार की लागत पर इवेंटों के जत्थे का भाग होंगे और किसी अतिरिक्त खिलाड़ी, कोच और सहायक कर्मचारी को इन खेल प्रतिस्पर्धाओं में सरकार की लागत पर शामिल नहीं किया जाएगा।

15. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार योजना में संशोधनः युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार और द्रोणाचार्य पुरस्कारों की योजनाओं को संशोधित किया है।

संशोधित योजनाओं में निम्नलिखित मुख्य संशोधन किए गए हैं:

(i) अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन समिति की अध्यक्षता सर्वोच्च न्यायालय/उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा की जाएगी।

(ii) अर्जुन पुरस्कार के लिए चयन समिति में एक प्रबुद्ध खिलाड़ी/खेल प्रशासक/पैरा–खेलों से संबद्ध खेल विशेषज्ञ शामिल होगा।

(iii) किसी विशिष्ट खेल विधा के पक्ष में पक्षपात से बचने के लिए विशिष्ट खेल विधा का एक से अधिक प्रबुद्ध खिलाड़ी/कोच चयन समिति का सदस्य नहीं होगा।

(iv) नामांकन एजेंसियों से इस बात पर ध्यान ने देते हुए योग्य खिलाड़ियों/कोचों के नामांकन भेजने की आशा की जाती है कि खिलाड़ियों/कोचों ने पुरस्कार के लिए उन्हें आवेदन किया है।

16. आईओए और एनएसएफ द्वारा अपनी वेबसाइट पर अनिवार्य रूप से डाले जाने वाली सूचनाः युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) से उनके द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों को स्वतः अपनी वेबसाइटों पर अनिवार्य रूप से डालने के लिए कहा है। इसके अतिरिक्त, आईओए और एनएसएफ द्वारा वेबसाइट यथा संभव और पाक्षिक रूप से न्यूनतम एक बार अपडेट की जानी चाहिए।

उन्हें पिछले वर्ष के संपरीक्षित लेखों और तुलन–पत्र को चालू वर्ष के 30 जून तक वेबसाइट पर डालने के लिए भी कहा गया है। यह भी निर्धारित किया गया है कि पिछले वित्तीय वर्ष के वार्षिक लेखों को भी आईओए तथा एनएसएफ द्वारा चालू वर्ष के दौरान उन्हें अंतिम रूप दिए जाने और 31 दिसंबर तक वेबसाइट पर डाला जाना चाहिए।

17. अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंटों में पदक विजेताओं और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार की योजना में संशोधनः युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने अंतर्राष्ट्रीय खेल इवेंटों में पदक विजेताओं और उनके कोचों को विशेष पुरस्कार की योजना में जनवरी, 2015 में संशोधन किया है। संशोधित योजना में पुरस्कार की राशि में वृद्धि की गई है। ओलंपिक खेलों (ग्रीष्म और शरत) में पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार की राशि मौजूदा 50 लाख (स्वर्ण पदक), 30 लाख रुपए (रजत पदक) और 20 लाख

रुपए (कांस्य पदक) से बढ़ाकर क्रमशः 75 लाख रुपए, 50 लाख रुपए और 30 लाख रुपए कर दी गई है। एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार की राशि मौजूदा 20 लाख रुपए (स्वर्ण पदक), 10 लाख रुपए (रजत पदक) और 6 लाख रुपए (कांस्य पदक) से बढ़ाकर क्रमशः 30 लाख रुपए 20 लाख रुपए और 10 लाख रुपए कर दी गई है। विश्व चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप तथा राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप की श्रेणी में 3 पृथक पुरस्कार राशि श्रेणियां निर्धारित की गई हैं जो इस बात पर निर्भर करती है कि क्या चैंपियनशिप चार वर्ष में एक बार, दो वर्ष में एक बार अथवा वार्षिक रूप से आयोजित की जाती है।

पैरालंपिक खेलों (ग्रीष्म और शरत), पैरा–एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों (पैरा–एथलीट) के पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार की राशि ओलंपिक खेलों, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेताओं के समान कर दी गई है।

दृष्टिहीन, डीफलिंपिक्स और विशेष ओलंपिक (ग्रीष्म और शरत) की आईबीएसए विश्व चैंपियनशिप को विशेष पुरस्कार की संशोधित योजना में शामिल किया गया है।

18. 35वें राष्ट्रीय खेल, केरल का सफलतापूर्वक आयोजनः 31 जनवरी से 14 फरवरी, 2015 तक केरल में 35वें राष्ट्रीय खेलों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। 34 खेल विधाओं और 2 डेमो इवेंटों में खेल प्रतिस्पधर्ाएं केरल के सात जिलों अर्थात् तिरूवनंतपुरम, कोलम, अलापुझा, एर्नाकुलम, थ्रिसुर, कोझीकोड़ और कन्नूर में अस्थायी ओवरलेज में आयोजन किया गया था। 35वें राष्ट्रीय खेलों के लिए भारत सरकार ने केरल सरकार को खेल अवसंरचना के सृजन/उन्नयन के लिए अतिरिक्त केंद्रीय सहायता के रूप में 121 करोड़ रुपए का अनुदान दिया है।

19. विशेष विश्व ओलंपिक 2015, लॉस एंजिल में भारत का सराहनीय प्रदर्शनः भारतीय खिलाड़ियों ने 25 जुलाई से 2 अगस्त, 2015 के दौरान लॉस एंजिल (यूएसए) में आयोजित विशेष विश्व ओलंपिक 2015 में 173 पदक (47 स्वर्ण, 54 रजत और 72 कांस्य) जीत कर सराहनीय प्रदर्शन किया। भारत ने अमेरिका और चीन के बाद पदक तालिका में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मंत्रालय ने विशेष विश्व ओलंपिक 2015 में सरकार की लागत पर भारतीय जत्थे की भागीदारी का अनुमोदन किया। भारतीय जत्थे में 275 व्यक्ति थे जिनमें 214 खिलाड़ी, 53 कोच, 3 मनोचिकित्सक और 5 जत्थे के कर्मचारी थे।

20. खेल विधाओं का वर्गीकरण और 'योग' को एक खेल विधा के रूप में मान्यता देनाः विभिन्न खेल विधाओं के वर्गीकरण की समीक्षा की गई और भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) तथा सभी मान्यता प्राप्त एनएसएफ को राष्ट्रीय खेल परिसंघ (एनएसएफ) को सहायता की योजना के अंतर्गत खेल विधाओं की संशोधित श्रेणी और प्रत्येक श्रेणी के लिए लागू वित्तीय सहायता के स्तर के बारे में सूचित किया गया।

मुख्य अंतर्राष्ट्रीय इवेंटों में पिछले प्रदर्शन के आधार पर फैंसिंग खेल को 'अन्य' से 'सामान्य' श्रेणी में उन्नत करने का निर्णय लिया गया है। "विश्वविद्यालय खेल" को "वरीयता" श्रेणी में रखने का निर्णय लिया गया है। इसके अतिरिक्त, 'योग' को एक खेल विधा के रूप में मान्यता देने और इसे 'वरीयता' श्रेणी में रखने का निर्णय लिया गया है।

21. भारतीय राष्ट्रीय विकास कोड को पुनः तैयार करने के लिए गठित कार्य समूहः भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) और देश के विभिन्न खेल परिसंघों में पारदर्शिता तथा सुशासन भारत में खेल के विकास के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण

है। इस उद्देश्य के लिए सरकार ने समय–समय पर कई निर्देश जारी किए है और कई कदम उठाए गए हैं। वर्ष 2001 तक जारी सभी आदेश/अधिसूचनाएं/निर्देश/परिपत्रों को आवश्यक संशोधनों के साथ भारतीय राष्ट्रीय खेल विकास कोड (एनएसडीसीआई), 2011 शीर्षक के एक व्यापक कोड के अंतर्गत आमेलित किया गया है जो कि 31.01.2011 से तत्काल रूप से प्रभावी हो गया है।

तब से खेल क्षेत्र में कई घटनाक्रम हुए हैं जिनसे खेल निकायों के कार्यकरण में जवाबदेही और अधिक पारदर्शिता आवश्यक हो गई है। इसलिए एनएसडीसीआई के विभिन्न प्रावधानों में आगे और संशोधनों की पुनः समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है और एनएसडीसीआई के संगत प्रावधानों में समुचित संशोधन किए जाने की आवश्यकता है।

परामर्श के आयोजनों को सुलभ बनाने तथा एनएसडीसीआई का संशोधित प्रारूप तैयार करने के लिए मंत्रालय ने माननीय न्यायमूर्ति सी.के. महाजन (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में एक कार्य समूह का गठन किया है।

यह कार्य समूह खेल सुशासन और कानूनी दृष्टिकोण दोनों से मौजूदा एनएसडीसीआई की जांच करेगा और उसे अधिक सटीक तथा संक्षिप्त बनाने के लिए उसमें संशोधन करेगा, चुनाव कॉलेज की तैयारी से संबंधित विशिष्ट सिफारिशें देगा और राज्य/जिला निकायों को मुख्य धारा में लाने के लिए सिफारिशें देगा तथा समुचित समझी गई अन्य सिफारिशें प्रदान करेगा।

22. खिलाड़ियों और राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता के स्तर में संशोधनः रियो–ओलंपिक्स 2016 के लिए भारतीय खिलाड़ियों की तैयारी में वृद्धि करने और देश की पदक संभावनाओं में वृद्धि करने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 27 अक्तूबर, 2015 को राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता की योजना के अंतर्गत विभिन्न वित्तीय मापदंडों में उत्तरोत्तर संशोधन किए है।

संशोधित मानदंडों के अनुसार राष्ट्रीय चैंपियनशिप आयोजित करने के लिए राशि सीनियर, जूनियर और सब–जूनियर के लिए 2 लाख रुपए से संशोधित करके सीनियर के लिए 5 लाख, जूनियर के लिए 7 लाख और सब–जूनियर के लिए 10 लाख कर दी गई है। इससे खेल प्रतिभा को युवा रूप में पहचाने में सहायता मिलेगी।

पारंपरिक टूर्नामेंटों का संवर्धन करने के लिए ऐसे इवेंटों के लिए 5 लाख रुपए प्रत्येक तक की वित्तीय सहायता का एक नया प्रावधान किया गया है। ऐसे टूर्नामेंटों की पहचान एक विशेषज्ञ समिति द्वारा की जाएगी। भारत में प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए 25 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी इससे टूर्नामेंटों की गुणवत्ता में सुधार होगा।

सीनियर खिलाड़ियों और कोचों को 5 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए इकनॉमी क्लास में वायुयान द्वारा यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। इसी प्रकार जूनियर खिलाड़ियों को 1200 किलोमीटर से अधिक दूरी के लिए इकनॉमी क्लास में वायुयान द्वारा यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। सब–जूनियर खिलाड़ियों को एसी–III टायर द्वारा यात्रा करने की अनुमति दी जाएगी। पूर्व में हवाई यात्रा की अनुमति नहीं दी जाती थी और सीनियर खिलाड़ी एसी–II टायर तथा जूनियर एवं सब–जूनियर खिलाड़ी घरेलू प्रतिस्पर्धाओं के लिए सिलीपर क्लास से यात्रा करते थे। इससे एथलीटों की भागीदारी कम तनावपूर्ण और सुविधाजनक होगी।

कोचिंग कैंपों तथा पूर्वोत्तर क्षेत्रों में आयोजित की जाने वाली प्रतिस्पर्धाओं के लिए हवाई यात्रा की अनुमति दी गई है इसी प्रकार पूर्वोत्तर क्षेत्र के एथलीटों को उनके आवास/कोचिंग शिविरों से कोलकाता तक तथा वहां से

हवाई यात्रा की अनुमति दी जाएगी।

एथलीटों के लिए 5 लाख रुपए की चिकित्सा बीमा पॉलिसी तथा 25 लाख रुपए की वैयक्तिक दुर्घटना पॉलिसी की अनुमति दी गई है।

भारत में आयोजित किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय इवेंटों के लिए वित्तीय सहायता की मात्रा 10 लाख रुपए से बढ़ाकर 30 लाख रुपए कर दी गई है। यह सहायता भोजन, आवास, परिवहन, खेल मैदान के किराये, उपभोज्य उपकरणों की लागत, सर्टिफिकेट, पदक, पुरस्कार और पुरस्कार की राशि के लिए प्रयुक्त की जा सकती है। संशोधन से पहले पुरस्कार राशि के लिए सहायता का कोई प्रावधान नहीं था।

डॉक्टरों, फिजियोथेरेपिस्टों, मनोचिकित्सकों, मसाजरों इत्यादि जैसे विभिन्न सहायक व्यक्तियों के वेतन में भी अत्यधिक वृद्धि की गई है ताकि एथलीटों की सहायता के लिए अत्यधिक कुशल व्यक्तियों को आकर्षित किया जा सके।

एसएआई/एनएसएफ द्वारा खेल विधाओं के लिए 2 लाख रुपए प्रतिमाह तक के पारिश्रमिक के साथ उच्च प्रदर्शन वाले विशेषज्ञ कोचों को बड़े इवेंटों में शामिल किया जा सकता है।

मुख्य कोच का वेतन 50,000 रुपए से तीन गुणा बढ़ाकर 1,50,000 रुपए कर दिया गया है। विशिष्ट योग्य मामलों में अधिक वेतन की भी अनुमति दी जाएगी। अन्य कोचों का वेतन भी 30,000 रुपए से बढ़ाकर 75,000 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। इससे अच्छे कोचों को प्रोत्साहन मिलेगा।

एनएसएफ को 10 लाख रुपए तक के उपकरण खरीदने की अनुमति दी गई है। इस राशि से अधिक का प्रापण भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) द्वारा किया जाएगा। खेल विज्ञान के दृष्टिकोण से एथलीटों के प्रदर्शन के मूल्यांकन की अनुमति दी गई है। खेल विज्ञान और चिकित्सा फिटनेस के दृष्टिकोण से मूल्यांकन के लिए प्रति अंतर्राष्ट्रीय भागीदारी (यदि प्रतिस्पर्धा से पहले कैंप आयोजित नहीं किया गया हो) प्रति एथलीट 1500 रुपए की राशि का सरकार द्वारा भुगतान किया जाएगा।

23. एक बड़े स्तर पर राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आयोजनः

खेल विभाग ने प्रतिवर्ष देश में 4 से 5 स्थानों पर एक बड़े स्तर पर राष्ट्रीय स्कूल खेलों का आयोजन करने का निर्णय लिया है। जनवरी, 2016 में केरल राज्य में आयोजित इन खेलों की सहायता करते हुए इसकी शुरूआत की गई थी।

राष्ट्रीय स्कूल खेलों का उद्देश्य स्कूल स्तर पर विभिन्न खेलों का समुचित संवर्धन और विकास सुनिश्चित करना है। इससे बच्चों की प्रतिभा की शुरूआत में ही पहचान और शारीरिक फिटनेस में सहायता मिलेगी। राष्ट्रीय स्कूल खेलों के सक्षमतापूर्वक आयोजन के उद्देश्य से खेल विभाग खेलों के आयोजन के लिए भारतीय स्कूल खेल परिसंघ (एसजीएफआई) और अवसंरचना हेतु चुनिंदा राज्य सरकारों के साथ सहयोग कर रहा है। यह आशा की गई है कि देश के विभिन्न भागों से प्रस्तावित राष्ट्रीय स्कूल खेलों में बच्चों की बड़ी संख्या में भागीदारी न केवल खेलों के संवर्धन के उद्देश्य को प्राप्त करने में बल्कि राष्ट्रीय एकता और सद्भावना में भी योगदान देगी।

अनुबंध

संगठनात्मक चार्ट

अनुबंध–1

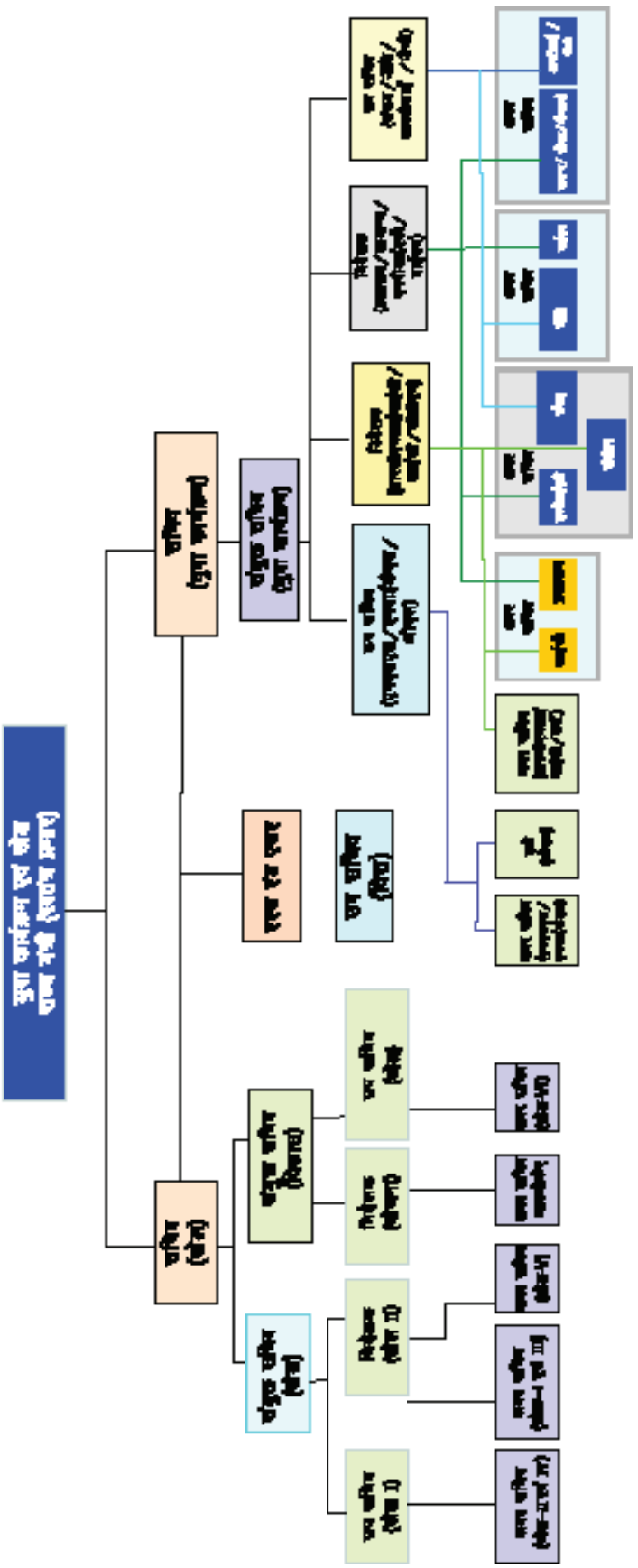

संकेताक्षर

एएसएंडएफए	:	अपर सचिव और वित्तीय सलाहकार
सं. सचि.	:	संयुक्त सचिव
सीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
डीएस	:	उप सचिव
डीसीए	:	उप लेखा नियंत्रक
यूएस	:	अवर सचिव
वाईए	:	युवा कार्यक्रम
डीडी	:	उप निदेशक
आईसी	:	अंतरराष्ट्रीय सहयोग
ओएल	:	राजभाषा
एनपीवाईएडी	:	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम
एनएसएस	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
एसपी	:	खेल
एडीएमएन	:	प्रशासन
वीआईजी	:	सतर्कता
पीएआरएल	:	संसद
एसएआइ	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
एनवाईकेएस	:	नेहरू युवा केन्द्र संगठन
आरजीकेए	:	राजीव गांधी खेल अभियान
जीईएन	:	सामान्य
पीओएल	:	नीति
पीयूबी	:	प्रकाशन
वाईएच	:	युवा हॉस्टल
आरजीएनआईवाईडी	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
सीडीएन	:	समन्वय
एडी	:	सहायक निदेशक
सीआर	:	केंद्रीय रजिस्ट्री

अनुबंध–II

वित्तीय परिव्यय 2016–17

बजट अनुमान 2015–16 तथा संशोधित अनुमान 2015–16 और बजट अनुमान 2016–17 के लिए वित्तीय परिव्यय निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

(रुपए करोड़ में)

क्र.सं.	योजना का नाम	बजट अनुमान 2015–16		संशोधित अनुमान 2015–16		बजट अनुमान 2016–17	
	युवा कार्यक्रम विभाग:	योजनागत@	योजनेत्तर	योजनागत@	योजनेत्तर	योजनागत@	योजनेत्तर
1	2	3	4	5	6	7	8
A.	युवा कल्याण योजना						
1	सचिवालय–सामाजिक सेवाएं	0.00	24.00	0.00	20.68	0.00	26.00
2	राष्ट्रीय सेवा योजना	70.15	10.90	83.15	12.82	120.00	17.50
3	नेहरु युवा केंद्र संगठन	133.75	35.00	158.75	39.60	165.00	40.10
4	राष्ट्रीय विषय योजना	0.00	2.00	0.00	2.00	0.00	5.00
5	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान	20.00	3.00	20.00	6.30	30.00	6.00
6	राष्ट्रीय युवा कोरपस (पूर्ववर्ती स्वयंसेवक योजना)	33.00	0.00	21.65	0.00	35.00	0.00
7	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम	17.10	0.00	25.87	0.00	36.50	0.00
8	युवा छात्रावास	1.50	0.00	1.50	0.00	1.50	0.00
9	स्काउटिंग एवं गाइडिंग	1.50	0.00	1.50	0.00	-	0.00
10	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	7.00	0.10	9.00	2.60	12.00	1.40
11	युवा नेता कार्यक्रम	100.00	0.00	47.94	0.00	100.00	0.00
		384.00	**75.00**	**369.38**	**84.00**	**500.00**	**96.00**

@ *.पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित*

2016–17 से नेहरु युवा केंद्र संगठन, राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम, अंतर्राष्ट्रीय सहयोग, युवा छात्रावास, स्काउटिंग और गाइडिंग तथा युवा नेतृत्व कार्यक्रम जैसी योजनाओं को राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम के तत्वाधान में शामिल किया गया है।

अनुबंध–II

वित्तीय परिव्यय 2016–17

बजट अनुमान 2015–16 तथा संशोधित अनुमान 2015–16 और बजट अनुमान 2016–17 के लिए वित्तीय परिव्यय निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

(रुपए करोड़ में)

क्र.सं.	योजना का नाम	बजट अनुमान 2015–16		संशोधित अनुमान 2015–16		बजट अनुमान 2016–17	
	खेल विभागः	योजनागत@	योजनेत्तर	योजनागत@	योजनेत्तर	योजनागत@	योजनेत्तर
1	2	3	4	5	6	7	8
B.	खेल एवं शारीरिक शिक्षा@						
1	भारतीय खेल प्राधिकरण	345.78	58.61	283.64	62.18	345.30	71.00
2	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा यूनिवर्सिटी	45.00	15.00	36.50	16.95	45.00	21.60
3	खेल गतिविधियों के संवर्धन के लिए प्रोत्साहन						
3.1	पुरस्कार	30.00	1.62	24.00	1.57	30.00	1.80
3.2	प्रतिभा पेंशन (नई)	2.00	0.00	2.00	0.00	2.00	0.00
4	खेल उत्कृष्टता के संवर्धन के लिए सहायता						
4.1	राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता	185.00	0.00	314.50	0.00	185.00	0.00
4.2	खेलों में मानव संसाधन विकास की योजना (पूर्व में प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण)	5.00	0.00	2.00	0.00	5.00	0.00
5	विकलांग व्यक्तियों में खेलों का संवर्धन	4.00	0.00	2.10	0.00	4.00	0.00
6	राष्ट्रमंडल खेल, 2010 (एसएआई स्टेडिया)	0.10	0.00	0.02	0.00	0.10	0.00
7	खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष	0.00	1.00	0.00	1.00	0.00	1.00
8	राष्ट्रीय डोपिंग रोधी गतिविधियां	12.00	0.00	12.00	0.00	12.00	0.00
9	राष्ट्रीय खेल विकास निधि	5.00	0.00	5.00	0.00	5.00	0.00

अनुबंध–II

वित्तीय परिव्यय 2016–17

बजट अनुमान 2015–16 तथा संशोधित अनुमान 2015–16 और बजट अनुमान 2016–17 के लिए वित्तीय परिव्यय निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

(रुपए करोड़ में)

क्र.सं.	योजना का नाम	बजट अनुमान 2015–16		संशोधित अनुमान 2015–16		बजट अनुमान 2016–17	
	खेल विभाग:	योजनागत@	योजनेत्तर	योजनागत@	योजनेत्तर	योजनागत@	योजनेत्तर
10	राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए)	95.00	0.00	23.38	0.00	140.00*	0.00
11	शहरी खेल अवसंरचना योजना	25.00	0.00	60.00	0.00		
12	राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज प्रणाली कार्यक्रम	100.00	0.00	15.00	0.00		
13	राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं खेल चिकित्सा संस्थान	0.50	0.00	0.02	0.00	0.50	0.00
14	राष्ट्रीय कोचिंग शिक्षा संस्थान	0.50	0.00	0.07	0.00	0.50	0.00
15	राष्ट्रीय शारीरिक फिटनेस कार्यक्रम–एनएनयूपीई, ग्वालियर में संसाधन केंद्र	0.10	0.00	0.02	0.00	0.10	0.00
16	देश में खेल प्रतिभा की पहचान और पोषण की योजना	0.50	0.00	0.02	0.00	0.50	0.00
17	जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधा की वृद्धि	100.00	0.00	55.00	0.00	75.00	0.00
18	पूर्वोत्तर में खेल विश्वविद्यालय (मणिपुर)	50.00	0.00	0.35	0.00	50.00	0.00
	कुल (ख) खेल एवं शारीरिक शिक्षा	1005.48	76.65	835.62	81.70	900.00	95.4
ग.	अन्य कार्यक्रम						
1	सेमीनार, समितियों की बैठकों इत्यादि पर व्यय	0.00	0.42	0.00	0.30	0.00	0.60
	कुल (ग) अन्य कार्यक्रम	0.00	0.42	0.00	0.30	0.00	0.60
	सकल योग (क+ख+ग)	**1389.48**	**151.65**	**1205.00**	**166.00**	**1400.00**	**192.00**

@ - पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

*आरजीकेए, यूएसआईएस और एनएसटीएसएसपी योजनाओं के आमेलन के पश्चात् खेलों इंडिया

1. 2016–17 से खेल संस्थाओं/योजनाओं को अम्ब्रेला योजना के तत्वाधान में लाया गया है जिसमें उपरोक्त क्रम संख्या 1,2,8,13,14 और 18 में योजनाएं शामिल है।
2. अम्ब्रेला योजना के रूप में खिलाड़ियों को प्रोत्साहन और पुरस्कार जिसमें उपरोक्त क्रम संख्या 3,4,5 और 9 में योजनाएं शामिल हैं।
3. 2016–17 से क्रम संख्या 10,11 और 12 में राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए), शहरी खेल अवसंरचना योजना (यूएसआईएस) और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा कार्यक्रम (एनएसटीएसएसपी) को आमेलित करके खेल विभाग के एक राष्ट्रीय कार्यक्रम ''खेलो इंडिया'' नामक एक नई अम्ब्रेला योजना जिसमें क्रम संख्या 6,15,16 और 17 में योजनाएं भी शामिल हैं।

बकाया सीएंडएजी पैरा और उनकी वर्तमान स्थिति दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	रिपोर्ट संख्या और वर्ष		संक्षिप्त विषय	वर्तमान स्थिति
1	2010–11 का 38	पैरा 9.1	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान, श्रीपेरम्बदूर, तमिलनाडु के कर्मचारियों को आवास किराया भत्ता और क्षतिपूर्ति भत्ते के भगुतान 67.11 लाख रुपए का अनियमित अतिरिक्त व्यय	भुगतान किए गए अधिक एचआरए की जनवरी, 2016 से 24 बराबर किश्तों में रिकवरी के लिए 18.12.2015 को आदेश जारी किया गया। तथापि, माननीय कैट, मद्रास से प्राप्त स्थगन आदेश के कारण इसे रोक दिया गया है।
2	2011–12 का 6	अध्याय 17 और 18	राष्ट्रमंडल खेल 2010	रिपोर्ट में विभिन्न मंत्रालयोंविभागों में की जा रही सीडब्ल्यूजी 2010 की विभिन्न परियोजनाओं के संबंध में टिप्पणियां निहित हैं। पीएसी ने विभाग को प्रश्नावली भेजी और अधिकारियों ने मौखिक साक्ष्य दिए। पीएसी से एक रिपोर्ट की प्रती है। वित्त मंत्रालय तथा लेखापरीक्षा से प्राप्त स्पष्टीकरण के आधार पर विभिन्न मंत्रालयों/विभागों को एटीएन तैयार करने को कहा गया है।
3	2013 का 19	पैरा 16.1	अनुदान की अप्रभावी मॉनीटरिंगः राष्ट्रमंडल खेल 2010 के लिए जारी 191.86 करोड़ रुपए की निधियां भारतीय खेल प्राधिकरण के पास रख दी गई। मंत्रालय एसएआई को अनुदान जारी करने से पहले 22.12 करोड़ रुपए की अव्ययित राशि पर अर्जित ब्याज लेने में विफल रहा।	कृत कार्रवाई टिप्पणी नवंबर, 2014 में लेखापरीक्षा को भेज दी गई थी। तथापि, लेखापरीक्षा ने कुछ और प्रश्न उठाए हैं और एटीएन में संशोधन का अनुरोध किया है जिसे पूरा करना बाकी है।
4	2014 का 25	पैरा 20.1	कनिष्ठ लेखा अधिकारी जिन्हें भुगतान हेतु बिलों की संवीक्षा और सत्यापन करने का दायित्व सौंपा गया था, ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए स्वयं अपने लिए 11.10 लाख रुपए के फर्जी मेडिकल बिल पास किए।	श्री अंजन बोरठाकुर, जएओ को 21.07.2014 से भाखेप्रा की सेवाओं से टर्मिनेट कर दिया गया है। उन्होंने अपीलीय प्राधिकारी को अपील की थी जिसे अस्वीकृत कर दिया गया है। वर्तमान में निदेशक प्रभारी, भाखेप्रा, गुवाहाटी के माध्यम से 11,61,215/– रुपए की वसूली के लिए उनके विरूद्ध एक मुकदमा दायर किया गया है। इस संबंध में खेल विभाग द्वारा कृत कार्रवाई रिपोर्ट प्रस्तुत की जानी अभी बाकी है।
5	2015 का 18	अध्याय 14.1	भारतीय खेल प्राधिकरण–व्यय को स्थिर रखना सुरक्षा मुद्दों का संज्ञान न लेते हुए खेल अवसंरचना का निर्माण जिससे 14.15 कोड़ रुपए की अवसंरचना बेकार हो गई तथा 1.28 करोड़ रुपए का अर्थहीन व्यय हुआ। इसके अतिरिक्त, जनजातीय युवाओं को खेल प्रशिक्षण देने का उद्देश्य भी पूरा नहीं हुआ।	आईएफडी के दिनांक 12.10.2015 द्वारा खेल विभाग से उनका उत्तर आईएफडी द्वारा पुनरीक्षा के लिए लेखापरीक्षा महानिदेशक (सीई) के कार्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है।
6	2015 का 18	अध्याय 14.2	भारतीय खेल प्राधिकरण – गैर–लाभकारी व्यय एएसआई द्वारा अपेक्षित सुविधा के उपयोग की व्यवहार्यता को आकलन किए बगैर पूर्वोत्तर पहाड़ी विश्वविद्यालय, शिलांग में एस्ट्रो टर्फ हॉकी फील्ड की स्थापना के अनुमोदन से कार्य को निरस्त करना पड़ा। परिणामस्वरूप, स्थल पर किया गया 82 लाख रुपए का व्यय अलाभकारी हो गया।	आईएफडी के दिनांक 12.10.2015 द्वारा खेल विभाग से उनका उत्तर आईएफडी द्वारा पुनरीक्षा के लिए लेखापरीक्षा महानिदेशक (सीई) के कार्यालय द्वारा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया है।

अनुबंध–IV
विभाग के सीधे निमंत्रण में युवा छात्रावासों की सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	पोर्ट ब्लेयर
2.	आंध्र प्रदेश	8	नागाजुर्नसागर, सिकंदराबाद, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापट्टनम, विजयनगरम, वारंगल, कडप्पा
3.	अरुणाचल प्रदेश	1	नाहरलगुन
4.	असम	2	गुवाहाटी, तेजपुर
5.	बिहार	1	पटना
6.	गोवा	2	पणजी, पदम मापुसा
7.	गुजरात	1	गांधीनगर
8.	हरियाणा	7	भिवानी, गुड़गांव, कुरुक्षेत्र, पंचकुला, रेवाड़ी, सिरसा, यमुना नगर
9.	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10.	जम्मू और कश्मीर	2	पतिन्तोप (उधमपुर), श्रीनगर
11.	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगलु, तीर्थरेमश्वर
12.	केरल	3	कालीकट (कोझिकोड), कोच्चि (एरनाकुलम), तिरुवंनतपुरम
13.	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14.	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15.	मणिपुर	3	इम्फाल, चुराचांदपुर, थोबल
16.	मेघालय	1	शिलांग
17.	मिजोरम	1	आइजोल
18.	नागालैंड	1	दीमापुर
19.	ओडिशा	4	गोपालपुर–ऑन–सी, जोशीपुर, कोरापुट, पुरी
20.	पुद्दुचेरी	1	पुद्दुचेरी
21.	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरुर, तरणतारण
22.	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक
24.	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, तंजावुर, त्रिची
25.	त्रिपुरा	1	अगरतला
26.	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
27.	उत्तरांचल	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
28.	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
कुल		**72**	

अनुबंध–V

एनवाईकेएस/एसएआई/राज्य सरकारों को हस्तांतरित युवा छात्रावासों की सूची

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र का नाम	युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावासों का स्थान
1.	असम	2	गोलघाट, नाओगांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नगरोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलढाणा
5.	मणिपुर	1	उखरूल
6.	मेघालय	1	तूरा
7.	नागालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामची
9.	पश्चिम बंगाल	2	चुरुलिया, बर्धवान
कुल		**11**	

अनुबंध–VI

विदेशी कोचों की स्थिति दृ 2015.2016

क्र.सं.	खेल विधा	नाम और वेतन	देश	अवधि	टिप्पणी
1.	एथलेटिक्स (वाकिंग)	श्री आरतसेबसेव अलैक्सजेंडर यूएसडी 4950/– प्रतिमाह	रूस	17.06.2011 से 31.12.2014	31 अगस्त, 2016 अर्थात् ओलंपिक 2016 तक विस्तारित।
2.	एथलेटिक्स (लंबी एवं मध्य दूरी)	श्री निकोली स्नेसारेव यूएसडी 8000/– प्रतिमाह	बेलारूस	03.02.2014 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
3.	एथलेटिक्स (स्प्रिंट्स)	श्री दमित्रो वनियिकीन यूएसडी 5000/– प्रतिमाह	यूक्रेन	21.04.2014 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
4.	एथलेटिक्स (थ्रोइंग प्रतिस्पर्धा)	श्री आईयुरी मिनाकोव यूएसडी 5000/– प्रतिमाह	यूक्रेन	29.04.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
5.	एथलेटिक्स (रिले प्रतिस्पर्धा)	श्री आईयुरी ओगोरोवनिक यूएसडी 7000/– प्रतिमाह	यूक्रेन	20.07.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
6.	एथलेटिक्स (कूद प्रतिस्पर्धा)	श्री बेदरोस बेदरोसियन यूएसडी 5000/– प्रतिमाह	रोमानिया	10.09.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
7.	तीरंदाजी (रिकर्व प्रतिस्पर्धा)	श्री चाई वांग लिम यूएसडी 7500/– प्रतिमाह	साउथ कोरिया	01.10.2013 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित। पुणे से दिल्ली स्थानांतरित।
8.	बैडमिंटन (डबल्स)	श्री हेन्द्रा मुलयोनो यूएसडी 3000/– प्रतिमाह	इंडोनेशिया	10.01.2013 से 31.12.2014	31 अगस्त, 2016 अर्थात् ओलंपिक 2016 तक विस्तारित।
9.	बैडमिंटन	श्री अहमद युसुफ जौहरी यूएसडी 3000/– प्रतिमाह	इंडोनेशिया	28.03.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
10.	बैडमिंटन	श्री दवी क्रिस्टीवान यूएसडी 3000/– प्रतिमाह	इंडोनेशिया	31.03.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित

क्र.सं.	खेल विधा	नाम और वेतन	देश	अवधि	टिप्पणी
11.	बैडमिंटन	श्री योनातन सूर्यताम दासुकी यूएसडी 3000/– प्रतिमाह	इंडोनेशिया	03.05.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
12	बैडमिंटन (डबल्स)	श्री तान किम हेर यूएसडी 7500/– प्रतिमाह	मलेशिया	01.09.2015 से 31.08.2020	करार हस्ताक्षरित
13.	हॉकी (महिला)	श्री मथैस कोन्ह अहरेन्स यूएसडी 10500/– प्रतिमाह	कनाडा	03.05.2015 से 31.07.2018	करार हस्ताक्षरित
14.	हॉकी (पुरुष)	श्री रोगेरियस लुडोविक्स मारिया पेत्रुस वन गेंट यूएसडी 9500/– प्रतिमाह	नीदरलैंड	15.11.2015 से 31.12.2018	करार हस्ताक्षरित
15.	हॉकी (महिला)	श्री नील एंड्रेयू हॉगुल यूएसडी 9500/– प्रतिमाह	आस्ट्रेलिया	30.10.2015 से 31.12.2016	करार हस्ताक्षरित
16.	जूडो	श्री व्लादिमीर किचादोव यूएसडी 3500/– प्रतिमाह	कजाकिस्तान	05.10.2015 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित
17.	निशानेबाजी (राइफल प्रतिस्पर्धा)	श्री स्टेनिस्लेव लेपिडस यूएसडी 7500/– प्रतिमाह	कजाकिस्तान	14.10.2009 से 15.10.2014	31.08.2016 तक विस्तारित। वेतन 19.12.2013 से यूएसडी 6000/– प्रतिमाह से बढ़ाकर यूएसडी 7500/– प्रतिमाह कर दिया गया।
18.	निशानेबाजी (ट्रैप एवं डबल ट्रैप प्रतिस्पर्धा)	श्री मार्सेलो ड्राडी यूरो 550/– प्रतिदिन	इटली	20.02.2013 से 31.08.2016	लघु अवधि आधार पर – एक वर्ष में चार वार – प्रति यात्रा 30 दिन – विदेश में प्रशिक्षण के लिए 40 दिन। वर्ष में कुल 160 दिन
19.	निशानेबाजी (स्कीट प्रतिस्पर्धा)	श्री इनियो फाल्को यूरो 450/– प्रतिदिन	इटली	07.07.2013 से 31.08.2016	लघु अवधि आधार पर – एक वर्ष में चार वार – प्रति यात्रा 30 दिन – विदेश में प्रशिक्षण के लिए 40 दिन। वर्ष में कुल 160 दिन
20.	निशानेबाजी (पिस्टल प्रतिस्पर्धाएं)	श्री स्मीर्नोव पावेल यूएसडी 7500/– प्रतिमाह	रूस	30.09.2013 से 31.08.2016	करार हस्ताक्षरित। बंगलौर से दिल्ली स्थानांतरित।

क्र.सं.	खेल विधा	नाम और वेतन	देश	अवधि	टिप्पणी
21.	निशानेबाजी (जूनियर) (पिस्टल प्रतिस्पर्धाएं)	श्री यूरे लिसिच्को यूएसडी 6000/– प्रतिमाह	रूस	05.12.2015 से 04.12.2017	करार हस्ताक्षरित
22.	स्क्वैश	श्री सिंगारावेलू सुब्रामणियम यूएसडी 4500/–प्रतिमाह	मलेशिया	01.11.2005 से 31.10.2014	31.10.2016 तक बढ़ाया गया।ण
23.	कुश्ती (फ्री स्टाईल)	श्री व्लादिमिर मेस्तवीरिश्वीली यूएसडी 49500/– प्रतिमाह	जॉर्जिया	28.04.2011 से 31.08.2012	31 अगस्त, 2016 अर्थात् ओलंपिक 2016 तक विस्तारित।
24.	कुश्ती (ग्रीको रोमन)	श्री एम्जर मखाराद्जे यूएसडी 3850/– प्रतिमाह	जॉर्जिया	28.04.2011 से 31.12.2014	31 अगस्त, 2016 अर्थात् ओलंपिक 2016 तक विस्तारित।
25.	कुश्ती (महिला पहलवान)	श्री रोइन डेबार्डनिड् यूएसडी 3850/– प्रतिमाह	जॉर्जिया	28.04.2011 से 31.08.2012	31 अगस्त, 2016 अर्थात् ओलंपिक 2016 तक विस्तारित।
26.	याटिंग	श्री पीटर डेविड कॉन्चे यूएसडी 6000/– प्रतिमाह	इंग्लैंड	10.06.2013 से 31.12.2014	2 वर्ष की और अधिक अवधि के लिए बढ़ाया गया अर्थात् 31 दिसंबर, 2016 तक।
27.	निशानेबाजी (जूनियर – स्कीट प्रतिस्पर्धा)	श्री जुअन गिहा यरुर यूरो 450/– प्रतिदिन	पेरु	19.06.2015 से 18.06.2017	लघु अवधि आधार पर – वर्ष में चार बार– प्रतिवर्ष 90 दिन के लिए।
28.	निशानेबाजी (जूनियर – ट्रैप एवं डबल ट्रैप प्रतिस्पर्धा)	श्री एंड्रिया मोटो यूरो 450/– प्रतिदिन	इटली	19.06.2015 से 18.06.2017	लघु अवधि आधार पर – वर्ष में चार बार– प्रतिवर्ष 90 दिन के लिए।

अनुबंध-VII

सहायक कर्मचारियों की स्थिति–2015.2016

	खेल विधा	नाम और वेतन	देश	अवधि
1.	एथलेटिक्स डेंमनेम	श्री अंजेलिका स्नेसेरेवा यूएसडी 2000 प्रतिमाह	बेलारूस	03.01.2014 से 31.08.2016
2.	एथलेटिक्स रिकवरी एक्सपर्ट	श्री एंड्री फिलिमोनो यूएसडी 9000 प्रतिमाह	बेलारूस	27.05.2014 से 31.08.2016
3.	वैज्ञानिक सलाहकार (हॉकी जूनियर पुरूष)	श्री मेथ्यू डेविड आईल्स एयूडी 5500 प्रतिमाह	आस्ट्रेलिया	13.10.2013 से 31.08.2016
4.	हॉकी चीफ कॉर्डिनेटर एवं हाई परफारमेंस डाईरेक्टर	श्री रोलेंट वुटर ऑल्टमेंस यूएसडी 15000 प्रतिमाह	नीदरलैंड	24.10.2013 से 31.08.2016
5.	वैज्ञानिक सलाहकार (हॉकी वरिष्ठ महिला)	श्री मेथ्यू जॉन स्टुवर्ट ट्रेडिया एयूडी 5000 प्रतिमाह	आस्ट्रेलिया	02.11.2015 से 31.12.2018
6.	वैज्ञानिक सलाहकार (जूनियर–महिला)	श्री क्रिस्टी एनी एलीजाबेथ शेरीडन यूएसडी 5500 प्रतिमाह	आस्ट्रेलिया	02.11.2015 से 31.12.2018
7.	एथलेटिक्स (उच्च प्रदर्शन निदेशक)	श्री डरेक चार्ल्स बूसी यूएसडी 8500 प्रतिमाह	यू.एस.ए.	18.01.2016 से 31.12.2018
8.	एथलेटिक्स (उच्च प्रदर्शन निदेशक)	श्री डरेक चार्ल्स बूसी यूएसडी 8500 प्रतिमाह	यू.एस.ए.	09.11.2015 से 31.08.2016

एनएसएफ को केंद्रीय निधि दर्शाने वाला विवरण

(रुपए लाख में)

क्र. सं.	छंउम वि जीम थ्मकमतंजपवद	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (30.09.2015 तक)	कुल
1	भारतीय एथलेटिक्स परिसंघ, नई दिल्ली	790.00	81.04	1014.37	83.55	79.72	**2048.68**
2	भारतीय तीरंदाजी संघ, नई दिल्ली	606.00	143.27	1000.57	448.59	353.04	**2551.47**
3	अखिल भारतीय शतरंज परिसंघ, चेन्नई	162.13	253.94	232.08	107.95	50.48	**806.58**
4	भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ, नई दिल्ली	1440.00	561.47	1960.68	1039.63	370.62	**5372.40**
5	अखिल भारतीय टेनिस संघ, नई दिल्ली	11.29	34.11	228.74	48.52	15.64	**338.30**
6	भारतीय जूडो परिसंघ, नई दिल्ली	425.00	108.52	250.22	114.66	28.11	**926.51**
7	भारतीय रोइंग परिसंघ, सिकंदराबाद	319.00	52.25	361.52	40.69	42.83	**816.29**
8	भारतीय टेबल टेनिस परिसंघ, नई दिल्ली	360.00	379.51	331.31	122.02	58.50	**1251.34**
9	भारतीय तैराकी परिसंघ, अहमदाबाद	122.00	131.28	167.54	7.22	39.99	**468.03**
10	भारतीय स्क्वैश रैकेट परिसंघ, चेन्नई	68.40	33.12	177.50	101.56	53.55	**434.13**
11	भारतीय एमेच्योर मुक्केबाजी परिसंघ, नई दिल्ली	1531.00	238.71	1145.49	99.36	107.98	**3122.54**
12	हॉकी इंडिया	1809.00	565.20	1268.19	520.33	395.99	**4558.71**
13	भारतीय भारोत्तोलन परिसंघ, नई दिल्ली	567.00	229.35	530.22	83.47	113.70	**1523.74**
14	भारतीय बैडमिंटन संघ	910.00	382.72	1106.35	511.59	267.81	**3178.47**
15	भारतीय घुड़सवारी परिसंघ, नई दिल्ली	0.00	23.37	27.46	12.43	0.00	**63.26**
16	अखिल भारतीय फुटबाल परिसंघ	174.99	288.14	394.70	131.63	19.96	**1009.42**
17	भारतीय गोल्फ यूनियन, नई दिल्ली	23.53	70.76	106.46	37.29	6.94	**244.98**
18	भारतीय कुश्ती परिसंघ, आई.जी. स्टेडियम, दिल्ली	983.00	692.04	1429.12	532.31	337.72	**3974.19**

(रुपए लाख में)

क्र. सं.	छंउम वि जीम थ्मकमतंजपवद	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (30.09.2015 तक)	कुल
19	भारतीय याटिंग संघ, नई दिल्ली	255.00	51.66	142.75	116.91	51.53	**617.85**
20	भारतीय एमेच्योर कबड्डी परिसंघ, जयपुर	121.00	11.44	74.00	18.00	0.00	**224.44**
21	भारतीय वॉलीबाल परिसंघ, चेन्नई	84.68	153.38	310.65	125.92	75.96	**750.59**
22	भारतीय जिम्नास्टिक परिसंघ, जोधपुर	636.00	0.00	119.26	66.10	9.30	**830.66**
23	एमेच्योर हैण्डबाल परिसंघ, जम्मू–कश्मीर	78.70	46.33	146.18	24.95	11.35	**307.51**
24	भारतीय बास्केटबाल परिसंघ, नई दिल्ली	227.89	40.23	227.62	52.63	9.82	**558.19**
25	भारतीय फेंसिंग परिसंघ, पटियाला	36.06	9.00	0.00	0.00	0.00	**45.06**
26	भारतीय कयाकिंग व केनोइंग संघ, नई दिल्ली	185.72	64.64	182.27	59.94	30.16	**522.73**
27	अखिल भारतीय बधिर खेल परिषद, नई दिल्ली	75.82	59.07	87.49	3.02	29.22	**254.62**
28	भारतीय पैरालंपिक समिति, बंगलौर	13.38	175.46	143.40	197.72	156.12	**686.08**
29	विशेष ओलंपिक भारत, नई दिल्ली	285.89	69.28	274.51	191.65	284.81	**1106.14**
30	अखिल भारतीय कैरम परिसंघ, नई दिल्ली	10.96	7.83	30.57	5.83	0.00	**55.19**
31	अखिल भारतीय कराटे–डो–परिसंघ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
32	भारतीय एमेच्योर बेसबाल परिसंघ, दिल्ली	12.75	9.75	11.75	2.25	0.00	**36.50**
33	भारतीय आत्या पात्या परिसंघ, नागपुर	10.50	13.50	14.00	1.25	0.00	**39.25**

(रुपए लाख में)

क्र. सं.	छंउम वि जीम थ्मकमतंजपवद	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (30.09.2015 तक)	कुल
34	भारतीय साइकल पोलो परिसंघ, नई दिल्ली	12.00	17.55	27.52	2.85	0.00	**59.92**
35	भारतीय पोलो एसोसिएशन	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
36	भारतीय पावर लिफ्टिंग परिसंघ	0.00	3.50	10.25	5.25	0.00	**19.00**
37	भारतीय खो–खो परिसंघ, कोलकाता	16.50	16.50	3.00	7.75	0.00	**43.75**
38	भारतीय कोर्फबाल परिसंघ, नई दिल्ली	2.50	0.00	0.00	0.00	0.00	**2.50**
39	भारतीय सेपक टाकरा परिसंघ, नागपुर	12.00	12.00	64.60	10.53	13.61	**112.74**
40	भारतीय शूटिंग बाल परिसंघ, नई दिल्ली	12.00	1.50	14.22	0.00	0.00	**27.72**
41	भारतीय साफ्टबाल परिसंघ, इंदौर	11.75	21.00	15.00	0.00	0.00	**47.75**
42	भारतीय ताइक्वांडों परिसंघ, बंगलौर	490.00	28.05	332.13	39.80	4.53	**894.51**
43	भारतीय टेनीक्वाइट परिसंघ, बंगलौर	15.25	14.00	15.70	3.00	0.00	**47.95**
44	भारतीय टेनिस बाल क्रिकेट परिसंघ, गोरखपुर	8.50	0.00	28.50	2.00	0.00	**39.00**
45	भारतीय रस्साकशी परिसंघ, नई दिल्ली	11.25	9.25	10.75	3.00	0.00	**34.25**
46	भारतीय वुशू संघ, नई दिल्ली	90.56	75.28	158.60	68.55	7.45	**400.44**
47	भारतीय बिलियडर्स एवं स्नूकर परिसंघ, कोलकाता	50.20	88.98	164.80	76.25	32.64	**412.87**
48	भारतीय रग्बी फुटबाल यूनियन, मुम्बई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**

(रुपए लाख में)

क्र. सं.	छंउम वि जीम थ्मकमतंजपवद	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (30.09.2015 तक)	कुल
49	भारतीय भाखेप्राक्लिंग परिसंघ	0.00	58.34	309.83	69.29	42.05	**479.51**
50	भारतीय मलखम्ब परिसंघ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
51	भारतीय एमेच्योर साफ्ट टेनिस परिसंघ	11.75	12.22	17.50	0.50	0.00	**41.97**
52	भारतीय ब्रिज परिसंघ	0.00	4.50	5.22	0.00	0.00	**9.72**
53	आइस हॉकी (एनएसपीओ)	0.00	1.00	0.50	2.00	0.00	**3.50**
54	भारतीय स्कूल गेम्स परिसंघ, भोपाल	0.00	6.14	61.52	17.20	20.67	**105.53**
55	भारतीय ओलंपिक संघ, नई दिल्ली	39.54	284.44	0.00	1830.87	0.00	**2154.85**
56	भारतीय खेल प्राधिकरण, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली	322.00	7387.77	7307.68	0.00	0.00	**15017.45**
57	भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एनएसपीओ)	160.89	8.09	186.01	146.57	0.00	**501.56**
58	भारतीय टेनपिन परिसंघ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
59	भारतीय बालिंग परिसंघ	0.00	0.00	0.00	10.44	0.00	**10.44**
60	भारतीय बाल बैडमिंटन परिसंघ	0.00	18.69	13.25	1.00	0.00	**32.94**
61	भारतीय रोल बाल परिसंघ	0.00	0.00	4.51	0.00	0.00	**4.51**
62	भारतीय जम्प रोप परिसंघ	0.00	8.09	9.50	3.00	0.00	**20.59**

(रुपए लाख में)

क्र. सं.	छंउम वि जीम थ्मकमतंजपवद	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (30.09.2015 तक)	कुल
63	भारतीय शीतकालीन खेल परिसंघ	0.00	0.00	2.97	7.23	0.00	**10.20**
64	भारतीय बॉडी बिल्डर परिसंघ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
65	नेटबाल परिसंघ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	**0.00**
66	सुब्रतो मुखर्जी एजुकेशन सोसाइटी	0.00	0.00	7.50	1.25	0.00	**8.75**
67	जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट सोसाइटी	0.00	0.00	8.87	2.25	0.00	**11.12**
		13603.38	**13057.26**	**22276.90**	**7219.55**	**3121.80**	**59278.89**
	राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों एवं विदेशी कोचों के वेतन के लिए जारी अनुदान		**5368.67**	**7822.06**	**7843.53**	**3507.20**	**24541.46**

अनुबंध-IX

राष्ट्रीय खेल विकास निधि में योगदान

वर्ष	उस स्रोत का नाम जिसके जरिए निधियां उगाही गई है, (दानदाता का नाम)	दान की राशि (रुपए में)	मैचिंग सरकारी अंशदान (रुपए में)
1998-99	.	-	2,00,00,000 *(प्रारंभिक धन)*
1999-00	रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन पावर कॉरपोरेशन लि.	5,00,000	11,60,000
	ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	5,00,000	-
	मै. बामर लारी एंड कंपनी लि	1,00,000	-
	पंजाब नेशनल बैंक	50,000	-
	नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन	10,000	-
	कुल (1999-00)	**11,60,000**	
2000-01	नापथा झाकरी पावर कॉरपोरेशन लि.	2,00,000	1,25,00,000
	पावर फाइनेंस कारपोरेशन	2,00,000	-
	कुछ वर्ष पूर्व श्री कपिल देव द्वारा अंशदान किंतु खिलाड़ियों के राष्ट्रीय कल्याण कोष में अप्रयुक्त रहा, श्री कपिल देव की सहमति से एनएसडीएफ को ब्याज सहित हस्तांतरित।	1,21,00,000	-
	कुल (2000-01)	**1,25,00,000**	
2001-02	हुडको	25,00,000	25,00,000
	कुल (2001-02)	**25,00,000**	
2002-03	.	-	-
2003-04	पंजाब नेशनल बैंक	5,00,000	19,46,050
	एक्सपोर्ट इंपोर्ट बैंक आफ इंडिया	5,00,000	-
	बैंक आफ इंडिया	50,000	-
	चेन्नई पेट्रोलियम कारपोरेशन	1,00,000	-
	नार्थ इस्टर्न इलेक्ट्रिक पावर कारपोरेशन आफ इंडिया	20,000	-
	स्टेट बैंक आफ मैसूर	25,000	-
	नेशनल मिनरल डेवलपमेंट कारपोरेशन	25,000	-
	यूनियन बैंक आफ इंडिया	1,00,000	-
	भारतीय स्टेट बैंक	5,00,000	-
	सेंट्रल बैंक आफ इंडिया	1,25,000	-
	श्री के एस राणा	300	-
	श्री के पी कन्हैया	250	-

वर्ष	उस स्रोत का नाम जिसके जरिए निधियां उगाही गई है, (दानदाता का नाम)	दान की राशि (रुपए में)	मैचिंग सरकारी अंशदान (रुपए में)
	श्री एस के गुप्ता	500	-
	कुल (2003-04)	**19,46,050**	
2004-05	पावर ग्रिड कारपोरेशन आफ इंडिया लि.	5,00,000	19,83,599
	विडियोकॉन इंटरनेशनल लि.	1,20,000	-
	स्टेट बैंक आफ बीकानेर एंड जयपुर	20,000	-
	ओरियंटल बैंक ऑफ कॉमर्स	3,00,000	-
	पुज्जोलन मशीनरी फैब्रिकेटर्स	4,00,000	-
	राष्ट्रीय खेल दिवस पर ध्वज वितरण के माध्यम से प्राप्त धन राशि	6,43,649	-
	कुल (2004-05)	**19,83,649**	
2005-06	जिंदल स्टील एंड पावर लि.	25,00,000	28,79,027
	राष्ट्रीय खेल दिवस पर ध्वज वितरण के माध्यम से प्राप्त धन राशि	3,78,352	-
	कुल (2005-06)	**28,78,352**	
2006-07	राष्ट्रीय खेल दिवस पर ध्वज वितरण के माध्यम से प्राप्त धन राशि	84,219	-
	कुल (2006-07)	**84,219**	
2007-08	स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि. (सेल)	1,00,00,000	5,00,00,000
	भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)	15,00,00,000	-
	कुल (2007-08)	**16,00,00,000**	
2008-09	भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई)	35,00,00,000	10,25,00,000
	कुल (2008-09)	**35,00,00,000**	
2009-10	आरएआई फाउंडेशन	10,00,000	8,12,00,000
	मध्य प्रदेश सरकार	1,00,00,000	-
	हरियाणा सरकार	1,00,00,000	-
	कुल (2009-10)	**2,10,00,000**	
2010-11	सरकारी अंशदान	-	20,00,00,000
	कुल (2010-11)	**-**	
2011-12	महाराष्ट्र सरकार	1,00,00,000	-

वर्ष	उस स्रोत का नाम जिसके जरिए निधियां उगाही गई है, (दानदाता का नाम)	दान की राशि (रुपए में)	मैचिंग सरकारी अंशदान (रुपए में)
	जेपी स्पोर्टस इंटरनेशनल लि.	10,00,00,000	-
	कुल (2011-12)	**11,00,00,000**	
2012-13	जेपी स्पोर्टस इंटरनेशनल लि.	10,00,00,000	5,00,00,000
	कुल (2012-13)	**10,00,00,000**	
2013-14	जेपी स्पोर्टस इंटरनेशनल लि.	10,00,00,000	5,00,00,000
	अन्य स्रोत	20	-
	कुल (2013-14)	**10,00,00,020**	
2014-15	भारतीय अवसंरचना वित्तीय कंपनी लि.	10,00,00,000	3,75,00,000
	कुल (2014-15)	**10,00,00,000**	
2015-16	द ओरियंटल इंश्योरेंस कंपनी लि.	5,82,654	5,00,00,000
	बैंक ऑफ बड़ौदा	1,00,00,000	
	सकल योग	**97,46,34,944**	**66,41,68,676**

टिप्पणी (1) सरकारी अंशदान में 2.00 करोड़ रुपए का प्रारंभिक धन भी शामिल है।

(2) एनएसडीएफ के जरिए टार्गेट ओलंपिक पोडियम (टीओपी) योजना में कारपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) के तहत 10.00 करोड़ रुपए का आईआईएफसीएल अंशदान बैडमिंटन खेल विधा पर केंद्रित है।

(3) द ओरिएंटल इंश्योरेंस कंपनी लि. ने बीमा भागीदार के रूप में सीएसआर के तहत अंशदान किया है।

अनुबंध -X

राष्ट्रीय खेल विकास निधि से खिलाड़ियों और संगठनों को दी गई वित्तीय सहायता का विवरण

क्र. सं.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
2001-2002			
1.	श्री अभिनव बिन्द्रा, निशानेबाज	विदेश में प्रशिक्षण	10,00,000
		कुल	**10,00,000**
2002-2003			
1.	श्री अभिनव बिन्द्रा, निशानेबाज	विदेश में प्रशिक्षण	5,00,000
2.	अनिल कुमार, एथलीट	–वही–	5,00,000
3.	सुश्री बॉबी एलोयसियस, एथलीट	–वही–	7,50,000
		कुल	**17,50.000**
2003-2004			
1.	सुश्री अंजु बाबी जॉर्ज, एथलीट	विदेश में प्रशिक्षण	14,91,505
2.	ले. कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, निशानेबाज	–वही–	78,23,496
3.	श्री अभिनव बिन्द्रा, निशानेबाज	–वही–	1,90,000
4.	सुश्री बॉबी एलोयसिस, एथलीट	–वही–	18,67,531
5.	श्री अनिल कुमार, एथलीट	–वही–	8,37,794
		कुल	**1,22,10,326**
2004-2005			
1.	श्री मनशेर सिंह, निशानेबाज	विदेश में प्रशिक्षण	13,28,108
2.	श्री मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	–वही–	7,99,390
3.	श्री अनवर सुलतान, निशानेबाज	–वही–	5,17,573
4.	श्री गगन नारंग, निशानेबाज	–वही–	5,90,549
5.	सुश्री सुमा षिरूर, निशानेबाज	–वही–	2,73,213
6.	श्री अभिनव बिन्द्रा, निशानेबाज	–वही–	13,42,506
7.	सुश्री बॉबी एलोसिएस, एथलीट	–वही–	7,94,071
8.	ले. कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, निशानेबाज	–वही–	5,89,932
		कुल	**62,35,342**
2005-2006			
1.	श्री गगन नारंग, निशानेबाज	विदेश में प्रशिक्षण	1,92,422
2.	ले. कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, निशानेबाज	–वही–	32,94,077
3.	श्री अनवर सुलतान, निशानेबाज	–वही–	1,27,301
4.	श्री मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	–वही–	1,28,032

क्र. सं.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
5.	सुश्री अंजु बाबी जॉर्ज, एथलीट	–वही–	71,154
6.	श्री मनशेर सिंह, निशानेबाज	–वही–	1,00,662
7.	श्री मोराद अली खान, निशानेबाज	–वही–	9,00,000
8	रूरल डेवलपमेंट फॉउंडेशन	तीरंदाजी उपकरण की खरीद के लिए	6,03,493
		कुल	**54,17,141**

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
2006-07			
1.	श्री मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	विदेश में प्रशिक्षण	21,62,425
2.	श्री मनशेर सिंह, निशानेबाज	–वही–	8,35,041
3.	श्री रोंजन सोढ़ी, निशानेबाज	–वही–	13,18,013
4.	श्री अनवर सुलतान, निशानेबाज	–वही–	8,32,471
5.	श्री अभिनव बिन्द्रा, निशानेबाज	–वही–	37,02,661
6.	श्री परिमार्जन नेगी, शतरंज खिलाड़ी	–वही–	7,59,463
		कुल	**96,10,074**
2007-08			
1.	श्री मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	विदेश में प्रशिक्षण	18,73,932
2.	श्री मनशेर सिंह, निशानेबाज	–वही–	16,32,578
3.	श्री अनवर सुलतान, निशानेबाज	–वही–	4,32,887
4.	सुश्री सुमा शिरूर, निशानेबाज	–वही–	5,86,124
5.	श्री विक्रम भटनागर, निशानेबाज	–वही–	8,78,154
6.	ले. कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौर, निशानेबाज	–वही–	6,87,124
7.	श्री परिमार्जन नेगी, शतरंज खिलाड़ी	–वही–	13,91,176
8.	श्री रंजन सोढ़ी, निशानेबाज	–वही–	14,32,028
9	श्री वृघावल खड़े, तैराकी	–वही–	3,20,590
10	श्री जोरावर सिंह संधु	–वही–	3,94,890
11	श्री अभिनव बिंद्रा	–वही–	6,01,248
12	भारतीय खेल प्राधिकरण	स्ट्रॉग रूम के निर्माण के लिए	37,50,000 (परियोजना बंद होने के बाद वापस की गई राशि)

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
13.	भारतीय खेल प्राधिकरण	क्यूबा शिष्टमंडल के दौरे से संबंधित व्यय	3,08,774
14	एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी	बैंकॉक में विश्व के विश्वविद्यालयी खेलों में भारतीय विश्वविद्यालयी दलों की भागीदारी	30,68,993
15.	राष्ट्रीय सूचना केंद्र सेवा (एनआईसीएसआई)	खेल सॉफ्टवेयर का विकास	4,00,000
		कुल	**1,77,58,498**
2008-09			
1-5	सुश्री अवनीत कौर सुश्री अंजली भागवत श्री गगन नारंग श्री संजीव राजपूत श्री समरेश जंग (सभी निशानेबाज और उनके कोच)	प्रशिक्षण के लिए	57,95,494
6.	सुमा शिरूर	–वही–	2,90,027
7.	श्री अनवर सुलतान	–वही–	1,43,165
8.	श्री विक्रम भटनागर	–वही–	1,09,002
9.	श्री जोरावर सिंह संधु	–वही–	6,00,928
10.	सुश्री तानिया सचदेव	–वही–	4,63,599
11.	श्री मानवजीत सिंह संधु	–वही–	43,75,418
12.	श्री मनशेर सिंह	–वही–	48,40,220
13.	श्री रंजन सोढ़ी	–वही–	43,36,584
14.	श्री अभिनव बिंद्रा	–वही–	9,81,229
15.	श्री परिमार्जन नेगी	–वही–	10,93,237
16.	श्री विरधावल खड़े	–वही–	10,30,656
17.	संदीप सेजवाल	–वही–	3,44,045
18.	श्री अनूप श्रीधर	–वही–	5,16,195
19.	श्री नरेश कुमार शर्मा	–वही–	28,12,904
20.	रोइंग फेडरेशन आफ इंडिया	–वही–	12,78,081
21.	जूडो फेडरेशन आफ इंडिया	–वही–	4,45,744

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
22.	आल इंडिया टेनिस एसोसिएशन	–वही–	29,14,560 (दी गई सहायता राशि में से 14,22,160.00 रुपए की वापसी की गई राशि)
23.	इंडियन मेच्योर मुक्केबाजी फेडरेशन	–वही–	11,64,158
24	राष्ट्रीय सूचना केंद्र	खेल सॉफ्टवेयर के अनुरक्षण के लिए	1,50,000
25.	Felicitation of nine members of Indian Football team in Melbourne Olympics 1956	अभिनन्दन	16,31,691
		कुल	**3,53,16,937**
2009-10			
1.	श्री अनिल कुमार	प्रशिक्षण के लिए	6,40,977
2.	श्री परिमार्जन नेगी	–वही–	16,85,418
3.	सुश्री तानिया सचदेव	–वही–	6,73,869
4.	श्री अभिनव बिंद्रा	–वही–	90,54,728
5.	सुश्री अंजली भागवत	–वही–	90,177
6.	सुश्री अवनीत कौर	–वही–	1,26,277
7.	श्री गगन नारंग	–वही–	1,16,973
8.	श्री संजीव राजपूत	–वही–	1,17,511
9.	श्री समरेस जंग	–वही–	64,801
10.	श्री मानवजीत सिंह संधु	–वही–	54,19,244
11.	श्री मनशेर सिंह	–वही–	34,50,038
12.	श्री रोंजन सोढ़ी	–वही–	47,20,986
13.	श्री नरेश कुमार शर्मा	–वही–	16,36,489
14.	श्री शिवा केशवन	–वही–	16,24,008
15.	श्री जमयंग नमगियाल	–वही–	8,69,322
16.	श्री ताशी लुंडुप	–वही–	7,56,805
17.	श्री अनूप श्रीधर	–वही–	73,808
18.	डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी (असम)	10 संबद्ध कॉलेजों में खेल सुविध. ाओं को उपलब्ध कराना	1,36,00,000

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
19.	नेशनल प्लेइंग फील्ड एसोसिएशन आफ इंडिया (एनपीएफएआई)	एनपीएफएआई के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए प्रारंभिक राशि के रूप में	50,00,000
20.	अटल बिहारी वाजपेई इंस्टीट्यूट आफ माउंटेनरिंग एंड अलाइड स्पोर्ट, मनाली (हिमाचंल प्रदेश)	एल्पाइन / ग्रास स्कीइंग में प्रशिक्षण / प्रतियोगिता के लिए स्कीइंग उपकरणों की खरीद	75,00,000
21.	डिस्ट्रिक स्पोर्टस काउन्सिल, कुरूक्षेत्र	महिला हॉकी खिलाड़ियों के लिए हॉस्टल के निर्माण के लिए	37,50,000
22.	डिप्टी कमीश्नर, लेह	नुब्रा वैली, लदाख में एक पोलो टूर्नामेंट का आयोजन	75,000 (कार्यक्रम रद्द होने के कारण वापस ली गई राशि)
23.	रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया	ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के भाग के रूप में	75,101
24.	जूडो फेडरेशन ऑफ इंडिया	ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के भाग के रूप में	12,690
25.	नेशनल इंफोरमेटिक्स सेंटर	खेल सॉफ्टवेयर के अनुरक्षण के लिए	2,07,250
26.	नेशनल वूमेन हॉकी प्लेयर	प्रोत्साहन के रूप में धनराशि	90,20,000
		कुल	**7,03,61,472**
2010-11			
1.	श्री परिमार्जन नेगी	प्रशिक्षण के लिए	5,05,208
2.	श्री अभिनव बिंद्रा	–वही–	63,79,820
3.	श्री मानवजीत सिंह संधु	–वही–	61,48,666
4.	श्री मनशेर सिंह	–वही–	39,73,507
5.	श्री रंजन सोढ़ी	–वही–	59,78,644
6.	श्री सोमदेव देववर्मन	–वही–	6,19,005
7.	लिएंडर पेस	–वही–	22,08,675
8.	बलजीत सिंह	चिकित्सीय व्यय	33,08,301
9.	डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी	10 संबद्ध कॉलेजों में खेल सुविधाओं को उपलब्ध कराना–दूसरी किश्त	45,40,000
10.	कुश्ती फेडरेशन ऑफ इंडिया	ओलंपिक के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के भाग के रूप में	2,91,133

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
11.	चाइल्डलिंक इंडिया फॉउन्डेशन (मैजिक बस)	खेलों पर राष्ट्रीय विकास बैठक के लिए मैदान समिट 2010 हेतु स्थल शुल्क	1,16,400
12.	तंगखुल नागा सोसाइटी	नई दिल्ली में चौथा उत्तर–पूर्व टम. चोन फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करना	3,00,000
13.	जिला युवा सेवाएं और खेल (लाहुल और स्पीति)	काजा (स्पीति) आइस स्केटिंग रिंक का निर्माण	3,11,090
14.	एनएस एनआईएसए पटियाला (भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से)	हॉकी एरिना के विकास के लिए	96,82,000
15.	नेशनल प्लेइंग फील्डस एसोसिएशन ऑफ इंडिया	एनडीएमसी क्षेत्र में 78 खेल के मैदानों के विकास के लिए	1,92,00,000
16.	इंटरनेशल पैरालंपिक समिति	न्यूजीलैंड में पैरालंपिक प्रतियोगिता में 5 एथलीटों का भाग लेना	14,07,815 (दी गई सहायता राशि में से 10,997 रुपए की वापसी की गई राशि)
		कुल	**6,49,70,264**
2011 – 12			
1.	अनिल कुमार, एथलीट	प्रशिक्षण के लिए	2,26,984
2.	अनूप श्रीधर, बैडमिंटन खिलाड़ी	–वही–	38,515
3.	परिमार्जन नेगी, शतरंज खिलाड़ी	–वही–	10,95,100
4.	तानिया सचदेव, शतरंज खिलाड़ी	–वही–	3,168
5.	अभिनव बिंद्रा, निशानेबाज	–वही–	72,88,274
6.	मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	–वही–	48,07,475
7.	मनशेर सिंह, निशानेबाज	–वही–	19,47,758
8.	रंजन सोढ़ी, निशानेबाज	–वही–	48,31,041
9.	सोमदेव देववर्मन, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	33,30,592
10.	ओम प्रकाश सिंह कारहन, एथलीट	–वही–	40,78,692
11.	कृष्णा पुनिया, एथलीट	–वही–	31,07,509
12.	विकास गौड़ा, एथलीट	–वही–	25,84,596
13.	लिएंडर पेस, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	8,25,581
14.	महेश भूपति, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	15,67,565
15.	सानिया मिर्जा, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	10,94,807
16.	सानिया मिर्जा, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	17,38,315

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
17.	रोहन बोपन्ना, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	7,13,678
18.	यूकी भाम्बरी, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	17,19,647
19.	मायूखा जॉनी, एथलीट	–वही–	22,27,724
20.	प्रीजा श्रीधरन, कविता रावत, ओ.पी. जयसा एवं सुधा सिंह	–वही–	89,91,000 (दी गई 89,91,000 की सहायता राशि में से 39,55,246.00 रुपए की वापस की गई राशि)
21.	जोरावर सिंह संधु, निशानेबाज	–वही–	64,620
22.	शगुन चौधरी, निशानेबाज	–वही–	7,79,740
23.	सनम सिंह, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	5,43,329
24.	शिवा केशवन के पी, लुजे (विंटर खेल)	–वही–	2,69,384
25.	उषा स्कूल ऑफ एथलेटिक्स	400 मीटर रनिंग ट्रैक और एलाइट सुविधाएं	4,92,00,000
26.	इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन	भारतीय मुक्केबाजी दल के इंडोनेशिया और कजाकिस्तान में प्रतियोगताओं	23,39,976
27.	रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन	आर्चरी उपकरणों की खरीद (अंतिम भुगतान)	31,302
28.	अटल बिहारी वाजपेई इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनरिंग एण्ड एलाइड स्पोर्ट, मनाली	विभिन्न श्रेणियों में प्रशिक्षण/ प्रतियोगिता प्रयोजन के लिए स्की. इंग सेटों	24,99,646
29.	तंगखुल नागा सोसाइटी	नई दिल्ली में चौथा उत्तरपूर्व टम. चोन फुटबॉल टूर्नामेंट का संचालन	5,00,000
30.	जम्मू–कश्मीर ओलंपिक एसोसिएशन	श्रीनगर, जम्मू–कश्मीर में ओलंपिक डे रन आयोजित करने के लिए	3,91,390
31.	उद्भव संस्कृत एवं क्रीडा संस्थान, ग्वालियर	कैलाशवासी श्रीमंत माधवराव सिंधियां मेमोरियल उद्भव मैराथन को	2,00,000
32.	डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट सोसाइटी	डूरंड फुटबॉल टूर्नामेंट के 104वें सत्र को आयोजित करना	25,00,000
33.	मुम्बई सहारा कबड्डी एसोसिएशन	राष्ट्रीय स्तर की कबड्डी प्रतियोगिता को आयोजित करना	18,75,000
		कुल	**11,34,12,506**

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
2012-2013			
1	ओम प्रकाश सिंह करहाना, एथलीट	प्रशिक्षण के लिए	19,18,195
2	कृष्णा पुनिया, एथलीट	–वही–	42,52,909
3	विकास गौड़ा, एथलीट	–वही–	28,80,054
4	मायूखा जॉनी, एथलीट	–वही–	16,67,980
5	प्रीजा श्रीधरन, कविता रावत, ओ.पी. जयसा और सुधा सिंह	–वही–	50,08,769
6	एमसी मैरी कॉम (सांई के माध्यम से)	–वही–	34,18,326
7	अभिजीत गुप्ताए शतरंज खिलाड़ी	–वही–	3,96,187
8	परिमार्जन नेगी, शतरंज खिलाड़ी	–वही–	7,47,052
9	ले. कर्नल राजेश पट्टू, घुड़सवार	–वही–	12,15,076
10	अभिनव बिंद्रा, निशानेबाज	–वही–	59,53,457
11	मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	–वही–	94,62,253
12	रोंजन सोढ़ी, निशानेबाज	–वही–	91,92,818
13	संजीव राजपूत, निशानेबाज	–वही–	11,07,484
14	शगुन चौधरी, निशानेबाज	–वही–	48,66,206
15	जोयदीप कर्माकर, निशानेबाज	–वही–	22,31,872
16	हीना सिंद्धू, निशानेबाज	–वही–	11,13,537
17	नरेश कुमार शर्मा, निशानेबाज (पैरालंपिक)	–वही–	39,95,576
18	दीपिका पल्लीकल, स्क्वैश	–वही–	7,29,895
19	लिएंडर पेस, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	36,64,590
20	महेश भूपति, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	25,17,573
21	सानियां मिर्जा, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	23,72,617
22	युकी भाम्बरी, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	12,03,293
23	सनम सिंह, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	4,35,251
24	जे विष्णुवर्धन, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	9,77,303
25	करन रस्तोगी, टेनिस खिलाड़ी	–वही–	6,47,486
26	शिवा केशवन केपी, ल्यूज (षीतकालीन खेल)	–वही–	2,25,000
27	एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी	विश्व विश्वविद्यालयी खेल 2007 में भागीदारी (अंतिम भुगतान)	1,01,911
28	बैडमिंटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया	अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट का आयोजन	15,00,000

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
29	जिला युवा सेवाएं और खेल और (लाहुल स्पीति)	काज (स्पीति)में आइस स्केटिंग रिंक का निर्माण	1,03,410
30	जम्मू–कश्मीर खेल परिषद	जम्मू और बारामूला में इंडोर खेल परिसर	4,50,00,000
31	उद्भव संस्कृत एवं क्रीडा संस्थान, ग्वालियर	कैलाशवासी श्रीमंत माधवराव सिंधियां मेमोरियल उद्भव मैराथन को	4,37,500
32	सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्टस एजुकेशन सोसाइटी	फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन	33,50,000
33	विनय नगर बंगाली सीनियर सेकेन्डरी स्कूल, नई दिल्ली	फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करना	7,50,000
34	क्रिकेट एसोसिएशन फार दी ब्लाइंड आफ इंडिया	नेत्रहीनों के लिए टी–20 विश्वकप को आयोजित करने के लिए	10,00,000
35	तंगखुल नागा सोसायटी	नई दिल्ली में पूर्वोत्तर तामकोन फुटबाल टूर्नामेंट के संचालन के लिए	4,00,000
		कुल	**12,35,20,580**
2013-14			
1	श्री अभिजीत गुप्ता, शतरंज खिलाड़ी	प्रशिक्षण के लिए	1,63,784
2	ले. कर्नल राजेश पट्टू, घुड़सवार	–वही–	9,67,876
3	श्री रोंजन सोढ़ी, निशानेबाज	–वही–	83,28,427
4	श्री मानवजीत सिंह संधू, निशानेबाज	–वही–	82,74,829
5	शगुन चौधरी, निशानेबाज	–वही–	37,91,380
6	दीपिका पल्लीकल, स्क्वैश	–वही–	7,95,179
7	श्री शिवा केशवन केपी, शीतकालीन खेल	–वही–	10,82,228
8	श्री अभिनव बिंद्रा, निशानेबाज	–वही–	26,07,664
9	श्री परिमार्जन नेगी, शतरंज खिलाड़ी	–वही–	8,00,807
10	ओम प्रकाश सिंह करहाना, एथलेटिक्स	–वही–	30,168
11	विकास गौड़ा, एथलेटिक्स	–वही–	11,80,961
12	वसंतदादा एसएसएस कारखाना लि. , सांगली	महाराष्ट्र में कुश्ती अकादमी का नवीकरण और उन्नयन	67,90,000
13	सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्टस एजुकेशन सोसाइटी	सुब्रतो कप टूर्नामेंट के आयोजन के लिए	11,50,000
14	भारत में नेत्रहीनों के लिए क्रिकेट एसोसिएशन	नेत्रहीनों के लिए क्रिकेट विश्वकप टी–20 का आयोजन	10,00,000

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
15	गुंटूर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन	राष्ट्रीय युवा (अंडर–18) एथलेटिक चैम्पियनशिप आयोजित करने के लिए	10,00,000
16	क्यूबा सरकार	कृत्रिम हॉकी टर्फ के लिए	6,34,00,000
17	सेपकतकरा फेडरेशन ऑफ इंडिया	आईएसटीएएफ वर्ल्ड सुपर सीरीज की मेजबानी के लिए	10,00,000
18	मैरी कॉम रिजनल बाक्सिंग फाउंडेशन	जिम्नेजियम हॉल के निर्माण और जिम उपकरण की खरीद / स्थापना के लिए	2,08,02,000
19	डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी	'एक कॉलेज एक खेल परियोजना' के तहत विश्वविद्यालय से संबद्ध 10 कालेजों में खेल अवसंरचना को उपलब्ध कराने के लिए	42,00,436
20	तंगखुल नागा सोसाइटी	7वीं पूर्वोत्तर तमोचन फुटबाल टूर्नामेंट को आयोजित करने के लिए	4,00,000
21	विंटर ओलंपिक्स गेम्स फेडरेशन	खेल उपकरणों की खरीद के लिए	9,46,800
22	जे एंड के स्पोर्टस काउंसिल	एक बहुउद्देशीय हाल के निर्माण के लिए	2,50,00,000
		कुल	**15,37,12,539**
2014-15			
1	अर्जुन, डिस्कस थ्रो	प्रशिक्षण के लिए	13,97,109
2	प्रीजा श्रीधरन, कविता रावत, ओ.पी. जयसा और सुधा सिंह (पिछली अवधि के प्रशिक्षण से संबंधित जारी शेष)	–वही–	4,49,072
3	हीना सिद्धू, निशानेबाजी	–वही–	51,82,877
4	कृष्णा पूनिया, एथलेटिक्स	–वही–	21,91,095
5	ओम प्रकाश सिंह करहाना	–वही–	15,48,666
6	सीमा पूनिया, एथलेटिक्स	–वही–	16,09,194
7	विकास गौड़ा, एथलेटिक्स	–वही–	46,08,048
8	दीपिका पल्लीकल, स्क्वैश	–वही–	98,177
9	शगुन चौधरी, निशानेबाजी	–वही–	11,51,265
10	मानवजीत सिंह संधू, निशानेबाजी	–वही–	75,06,026
11	रंजन सोढ़ी, निशानेबाजी	–वही–	26,02,416
12	ले. कर्नल राजेश पट्टू, घुड़सवारी	–वही–	12,02,226 (दी गई राशि 12,02,226 की सहायता रासि में से 21,926 रुपए की वापस की गई राशि)

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
13	अभिनव बिंद्रा, निशानेबाजी	–वही–	50,06,264
14	परिमार्जन नेगी, शतरंज	–वही–	2,56,794
15	शिवा केशवन के पी, ल्यूज–विंटर गेम्स	–वही–	16,75,672
16	के सी गणपति और वर्षा गौतम, याटिंग	–वही–	10,83,237
17	वर्षा गौतम, याचिंग	–वही–	15,72,488
18	हरीका ड्रोंवली, शतरंज	–वही–	8,53,082
19	एश्वर्या सी. याचिंग	–वही–	5,27,500
20	विंटर ओलंपिक गेम्स फेडरेशन (शेष भुगतान)	विंटर ओलंपिक गेम्स में भागीदारी के लिए उपकरण	1,44,150
21	पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन फाउंडेशन	अतिरिक्त सुविधाओं के निर्माण के लिए	2,50,00,000
22	याटिंग एशोसिएशन आफ इंडिया	वाईएआई के लिए उपकरण (बोट)	50,26,136
23	उद्धव संस्कृत एवं क्रीडा संस्थान (शेष भुगतान)	8वीं कैलाशवासी श्रीमंत माधव राव सिंधियां को आयोजित करने के लिए	62,500
24	भारतीय भारोत्तोलन परिसंघ	विदेश में खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए	44,31,093
25	भारतीय गोल्फ टीम	साउथ कोरिया में राष्ट्रीय गोल्फ टीम के अभ्यास के लिए	7,50,000
26	जम्मू और कश्मीर खेल परिषद (बारामूला)	इंडोर खेल परिसर के निर्माण के लिए	1,80,00,000
27	एथलेटिक फेडरेशन आफ इंडिया	एथलीटों के लिए पर्यनुकुलन	4,35,195
28	अश्वनी स्पोर्ट्स फाउंडेशन (कर्नाटक)	400 मीटर के 8 लेन सिंथेटिक ट्रेक बिछाने के लिए	1,37,50,000
29	तंगखुल नागा सोसाइटी	8वीं पूर्वोत्तर तमोचन फुटबाल टूर्नामेंट के आयोजन के लिए	3,00,000
30	मेरी कॉम क्षेत्रीय बॉक्सिंग फाउंडेशन, इम्फाल	अतिरिक्त सुविधाओं का निर्माण/जिम उपकरण की खरीद	91,00,000

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
31	ऊषा एथलेटिक्स स्कूल (केरल)	400 एम रनिंग ट्रैक और संबद्ध सुविधाएं (दूसरी किश्त)	78,00,000
32	मी आर मामिंट	असम कबड्डी लीग का संच. ालन	3,00,000
	कुल		12,56,20,282

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
	2015-16		
1	मानवजीत सिंह संधु, निशानेबाज	प्रशिक्षण के लिए (टीओपी योजना के तहत सहायता का मुख्य भाग)	5331882
2	रंजन सोढ़ी, निशानेबाजी	प्रशिक्षण के लिए	1777702
3	दीपिका पल्लीकल, स्क्वैश	–वही–	1239529
4	हीना सिद्धू, निशानेबाजी	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	3912826
5	अभिनव बिंद्रा, निशानेबाजी	–वही–	9515145
6	एश्वर्या सी. याचिंग	–वही–	1084478
7	वर्षा गौतम, याचिंग	–वही–	1084479
8	हरिन्दर पाल सिंह, स्कवैश	प्रशिक्षण के लिए	453741
9	विकास गौड़ा, एथलेटिक्स	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	3355763
10	अंकुर मित्तल, निशानेबाज	–वही–	1309734
11	अनीसा सैय्यद, निशानेबाज	–वही–	244620
12	कीनन चौनई, निशानेबाज	–वही–	2235047
13	डोला बनर्जी, तीरंदाजी	–वही–	98313
14	अतानू दास, तारंदाजी	–वही–	98313
15	तरुणदीप राय, तीरंदाजी	–वही–	98313
16	जयंत तालुकदार, तीरंदाजी	–वही–	98313
17	मंगल चम्पिया, तीरंदाजी	–वही–	98313
18	रिमिल ब्रुइली, तीरंदाजी	–वही–	98313
19	बोम्बायला देवी, तीरंदाजी	–वही–	98313
20	दीपिका कुमारी, तीरंदाजी	–वही–	98313

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
21	अतुल वर्मा, तीरंदाजी	–वही–	98313
22	संजय बोरो, तीरंदाजी	–वही–	98313
23	मधु विद्वान, तीरंदाजी	–वही–	98313
24	रंजीत नाइक, तीरंदाजी	–वही–	178713
25	लक्ष्मी रानी माझी, तीरंदाजी	–वही–	98313
26	मोहम्मद असहाब, निशानेबाज	–वही–	2224293
27	कुश कुमार, स्कवैश	प्रशिक्षण के लिए	570382
28	मास्टर निश्चय लूथरा, आई स्केटिंग	–वही–	456568
29	मंदीप जांगरा, बॉक्सर	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	567283
30	सौरव घोसाल, स्कवैश	प्रशिक्षण के लिए	733993
31	स्वेता सिंह, निशानेबाज	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	1544721
32	सीमा पुनिया, एथलेटिक्स	–वही–	1783666
33	हरीका द्रोणावल्ली, शतरंज	प्रशिक्षण के लिए	632930
34	कर्मज्योति, पैरा–एथलीट	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	692388
35	जोशना चिनप्पा, स्कवैश	प्रशिक्षण के लिए	267499
36	संदीप सेजवाल, तैराकी	–वही–	473830
37	शरद कुमार, पैरा–एथलीट	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	1126586
38	दीपा मलिक, पैरा–एथलीट	–वही–	616500
39	विकास कृष्ण, बॉक्सर	–वही–	620476
40	नरेन्द्र, पैरा–एथलीट	–वही–	585783
41	एच एन ग्रीषा, पैरा–एथलीट	–वही–	763146
42	एच एस प्रन्नोए, बैडमिंटन	–वही–	646177
43	पिंकी रानी जांगरा, बॉक्सर	–वही–	158330
44	सुमित सांगवान, बॉक्सर	–वही–	30585
45	शगुन चौधरी, निशानेबाज	प्रशिक्षण के लिए	562406
46	श्रीयशी सिंह, निशानेबाज	–वही–	567249
47	मैराज अहमद खान, निशानेबाज	–वही–	1369685
48	सरिता देवी, बॉक्सर	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	567887

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
49	इन्द्रजीत सिंह, एथलीट	–वही–	2385707
50	एमसी मैरी कॉम, बॉक्सर	–वही–	638670
51	योगेश्नर दत्त, कुश्ती	–वही–	680291
52	बजरंग, कुश्ती	–वही–	364731
53	राहुल अवारे, कुश्ती	–वही–	364731
54	अमित कुमार, कुश्ती	–वही–	315560
55	सुशील कुमार, कुश्ती	–वही–	1223689
56	नरसिंह यादव, कुश्ती	–वही–	1045151
57	विनेश फोगट, कुश्ती	–वही–	315559
58	बबिता कुमारी, कुश्ती	–वही–	315559
59	गीता फोगट, कुश्ती	–वही–	315559
60	प्रवीण राना, कुश्ती	–वही–	364734
61	पी. कश्यप, बैडमिंटन	–वही–	558613
62	गुरु साइदत्त, बैडमिंटन	–वही–	558613
63	के श्रीकांत, बैडमिंटन	–वही–	558613
64	साइना नेहवाल, बैडमिंटन	–वही–	1978000
65	पी एन प्रकाश, बैडमिंटन	–वही–	1100250
66	अरपिन्दर सिंह, एथलेटिक्स	–वही–	1042792
67	शिवा केशवन केपी, लुगे	प्रशिक्षण के लिए	1000000
68	विश्वास, तीरंदाजी	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	58320
69	फरमान बाशा, पैरा–एथलीट	प्रशिक्षण के लिए	915315
70	सकीना खातून, पैरा–एथलीट	–वही–	914781
71	चेन सिंह, निशानेबाज	टीओपी योजना के तहत प्रशिक्षण के लिए	841000
72	शिव थापा, बॉक्सर	–वही–	512405
73	एल देवेमद्रो, बॉक्सर	–वही–	512405
74	अमित कुमार सरोहा	–वही–	143100

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
75	मी आर मामिंट	असम कबड्डी का संचालन	100000
76	डॉ. हेगडेवार शतरंज टूर्नामेंट	डॉ. हेगडेवार शतरंज टूर्नामेंट के आयोजन के लिए	1000000
77	अश्विनी खेल संस्थान	400 एम 8 लेन सिंथेटिक ट्रैक बिछाने के लिए	33000000
78	सुब्रतो मुखर्जी कप टूर्नामेंट	सुब्रतो कप अंतः फुटबॉल टूर्नामेंट का 55वां अंक	2125000
79	हॉकी इंडिया (पुरुष और महिला)	पुरुषों के लिए एफआईएच हॉकी चैंपियनशिप और एफआईएच विश्व महिला हॉकी लीग	5000000
80	पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन संस्थान	बैडमिंटन के लिए अतिरिक्त सुविधाओं का निर्माण	15000000
81	भारतीय वॉलीबाल संस्थान	भारतीय वॉलीबाल टीम की सीचेल्स यात्रा तथा सीचेल्स राष्ट्रीय दिवस समारोह के दौरान प्रतिस्पर्धा में भ. ागीदारी	2869424
82	एथलेटिक्स ऊषा स्कूल, केरल (एसएआई माध्यम)	सहायक सुविधाओं के साथ अंतर्राष्ट्रीय मानक का 8 लेन सिंथेटिक्स ट्रैक बिछाना	12870000
83	मेरी कॉम क्षेत्रीय बॉक्सिंग संस्थान	आउटडोर बॉक्सिंग हाल और जिम्नेजियम हॉल का निर्माण; जिम उपकरण का प्रापण/इंस्टालेशन	5480000
84	राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी	नाडा को ऋण	12500000
85	भारतीय कुश्ती परिसंघ	बीजिंग ओलंपिक 2008 के लिए खिलाड़ियों की तैयारी के भाग के रूप में	291133
86	ग्रीनवुड स्कूल	उन खिलाड़ियों और कर्मचारियों को डीए का भुगतान जिन्होंने एनसीआंग, गीओनगी–डो, कोरिया में एशिया युवा फुटबाल फेस्टा तता एशिया युवा विकास सम्मेलन में भाग लिया	113238
87	याचिंग एसोसिएशन ऑफ इंडिया	सेलर और कोच हेतु बोट की खरीद	42937

क्र. स.	एनएसडीएफ से सहायित खिलाड़ियों के नाम	वह उद्देश्य जिसके लिए सहायता दी गई है	राशि (रुपए में)
88	असम खेल प्राधिकरण (दक्षिण एशिया खेल)	दक्षिण एशिया खेलों से जुड़ी खेल अवसंरचना (बाद में एनएसडीएफ में शामिल)	48750000
89	मेघालय राज्य सरकार (दक्षिण एशिया खेल)		2300000
90	एनईआईजीआरआईएचएमएस (दक्षिण एशिया खेल)		1000000
91	एलएनआईपीई (ग्वालियर) (दक्षिण एशिया खेल)		7125000 (Rs 54,33,750 Refunded)
92	भारतीय खेल प्राधिकरण (दक्षिण एशिया खेल)		250000
93	वित्तीय अधिकारी, एनईएचयू (दक्षिण एशिया खेल)		525000
94	ट्रैंड एमएमएस	पूर्वोत्तर उत्सव के भाग के रूप में फुटबाल टूर्नामेंट का संचालन	500000
95	पूर्वोत्तर फुटबाल प्रतिस्पर्धा, 2014	फुटबॉल प्रतिस्पर्धा, 2014 नॉर्थ लखीमपुर का आयोजन	500000
96	अभिरूची शारीरिक शिक्षा संस्थान	इंडोर स्टेडियम का निर्माण	4194000
कुल			**22,46,34,525**

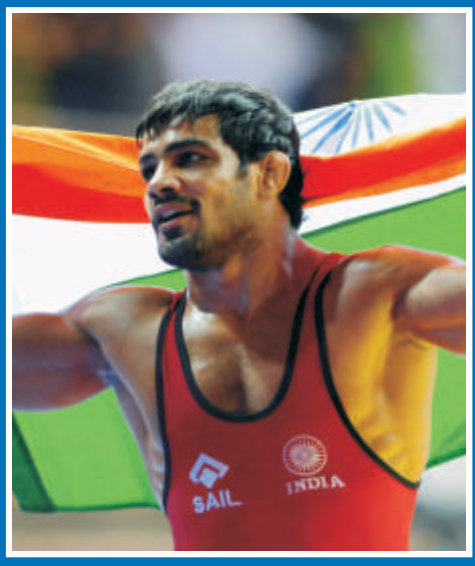

सत्यमेव जयते

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

सी-विंग, शास्त्री भवन, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली-110001

www.yas.nic.in

Printed by : Dolphin Printo-Graphics # 011-23393541/42